

"যতো শ্বাভ ভ্রমরমুখরা: শাদশা নিতাপুন্সা হংসংগ্রী সচিত্যপানা নিতাপশা নিজ্ঞ:। কেকোৎকণ্ঠা ভবনশিখিনো নিতাভাষৎক শুণা নিতাজো হয়। প্রতিহততমা রুভিরমান: প্রদোধা: ॥

— (मध्य ।

প্রথম বর্ষ ।

कासन, ३०२৮

१ भ मः था।

795ना

প্রাণাদ ভরামেজস্থার ত্রিবেদী মহাশ্র একবার মানিক করের আয়ুকাল হিদাব করিয়া ঠিক করেন যে, বাসলা নাশের দিও যেমন শতকরা ৫০টি স্থতিকাগারেই ভবলীলা সংবরণ করে, বাসলা সাহিত্যে মাসিকগত্রও শতকরা ৯৫ খানা জন্মিয়াই মরে। ''আলকা'' বাসলা সাহিত্যের মাসিকপত্র, ভবে আশা এই—ইহার জনা বাজলার বাহিরে। ভাল,— বাদশ বৰ্ষ না কাটিলে শিশুর কোষ্টানির্বয় বিভ্ৰমন মাজে:

"অলকা" নিজেব কথা ভনাইৰে।
বাঁজে কথা বা কাজের কথা বলিবে না।
"অলকা"র উদ্দেশ "কান্তাসন্দিতভয়োপদেশ্যুজে"—কান্তার ন্তান্ন রসস্পষ্ট ভারা
পাঠককে নিজ প্রতিপাত বিষয়ের প্রতি
আক্রম করিবে। এই উদ্দেশ্য যদি সিত্ত হয়,
ব্যবিষ "স্লাক্য়"র জন্ম সার্থক।

লাগ্যনী

े स्थात्म]

ওরে, মরণ এনেছে দেশে। পুন এবিত ওই চেয়ে আছে

ি কিলাকী চালগাঁর বেশে।
সন্তকে জটা হ উপটি দোলে,
কালক ১০০০ সংগ্রেম কোলে,
হতেত হয় কালত বেধান বুলিন বেধান ১১৪ চ

TEN SUMO ENTRE

ক্ষেন্ আগকরে অক্থিত বাণী ক্রেন্ড মরণ খাজি ;

निर्न्त सानिया सम्पद्धां कर (इस् निकृत गान !

िकस्ति (क.च.रक्ष बन्धी) स्रोतिकाः, अस्ति स्टान्ट्राव्यानोः रणकारम् तास्यक्षः अस्तिते स्तिन्

গুড়ীৰ ৰাগ্যস

.৫ মতে সমূধ - ডিল-ডিগ **করি** জন্দেশ্র ভ্রবিছা বা**ওয়া**ঃ

र बाक प्रज्ञ--वार्धि द्वामाध

আকুল নহনে চাওয়া। ৩ নতে হরণ –দারণ বিবহ, ্ৰ হালে ভিত্ত শেল অহরহ,

ा सह श्राह्मात्मान्द्रम्मा व्यवस्त

ख ा भारता - न त्य भारता।

কেনি, তর্গনির ছিয়ার কমলে ।

কৃতিল নিটোল নাস ;

দেব .করি বুলি ছোগেনিল কা'র

কি গোশন অন্তলা ।

কনক ন্পতল গৃহ জবি
কা'ন হালাকার উজিল ক্ষমন্তি

ক্ষেমি দ্রবন গগেল করবা, —

সংগিত করবা লাস।

সাম কে বিশ্বা, গ্রাক ন বিদ্ ভাগত কর্মা করে। প্রিয়ার গিলে জাজিকে জালে মান্তর মান্তর করে। ব্যালা লোকে ক্রিম প্রতার, মে ভারু চলা বিভিন্ন স্থানি,— স্থানিকে ক্রিকোর।

বজ্ব-মরণে প্রবণ কাবল লাভ ক্রছন্ত্র, ন্তালের কোনে, জন্দল জাবন মিলন-সামেলি ব্যক্তি। মাজা জলক। নিয়ে আছ টানি, গ্রানে ভবনে স্থাক, জ্বালিকানি, ভাটল জোনের বিজ্ঞাহ-যানী গাহ গোর্ব-লাহজ।

ইশিকা সাহিত্যের গতি

[अवानक क्षेत्ररहतानाच उड़ाहाया ध्वन्ध]

वानवाज कवि स्वीतनाथ ৰিপাৰ নিশ্ৰ" লিখিয়া ভাছা বাজ্বৰে পৰি-क कड़ियात वस "विक्लातर्जे" शासानत কেই।র প্রতী হইয়াছেন। এতদিন ছিনি সুলের চার করিয়াছেল, ফুলের ছাপে ও গুড়েই মুগ্ हित्यन, अथन (मिश्टिक छिनि क्याकाका) হর্মাছের। শরংবাবুরও বাললার কথা'র कर कृत्वत्र चाकाक्यांवे जिल-त्कनना देश হাৰ্মীতি, সমাজনীতি। "শ্ৰীকাল্ক" পুনৱাৰ দেশা বিয়াছেন। তবে তার "দেনা-পাওনা" শোৰ হইবে কৰে ? ওদিকে হরপ্রদাদ খালী স্থাপুর তক্ষীলা সপ্তপ্রাম ও বৌদ্ধপুর্যুর ক্থা ক্ষমাইৰা এখন টাকায় সংস্কৃত সাহিত্যেত্ৰ সালোচনার ব্যক্ত ইইলেন। এমন কি 'ফোয়ারা' 'পাগলা ঝোষা'র রুশস্টির পর ললিতবাবু তব क्योव मुट्यामिटवर्ग क विद्यारहम, यांव बनशास्त्रव বাদানা সাহিত্য সঞ্জীবিত, আৰু ছিনি ব্যুদ্ধিসচন্দ্রের ব্যুদ্ধান্তনায় স্পান্তী ও পভীর গাভিতা প্রকাশ করিতেহেন। কিন্তু স্থান-रना कार्या कि व्याव प्राहर ना १ क्षांक्षिकाः वयनक त्या त्यमित्र काना हात्ये। करी दिक्सामाथ भागाका ७ जाँकीर **्रिका पुरावाद. नगाइनाइनाः प्रतिकार**, न्यान्यास्त्रा १९ नामान्यान्यास्य व्याप्तान्यास्य क्रिक्सिएक अधिकार, कर क्यारी गारिcom exercise vision en la mica vica TRAINE SE BISS IN BILL CON

रोनाना मामिक त निर्क जाकारेल टार्थरमहे काइन भएक "मनुख नवा"। अ वरमह शबम कह दिन्हें जिल, कांद्रबंडे देवनाथ, टेकाई ও আবাদের পাতাভলো পীত হইল করিয়া বিষাছিল। সম্প্র বর্ণার রস সঞ্চয়ের পর खांवरण यथन मवुक्षश्व रहशा हिन, मरन रुरेण गर्म जात्र ककाइट्र কাৰ্ডিক, অগ্ৰহায়ণ ও পৌৰ শেষ হইল---व्यक्तकान ष्ट्रेयाटह । সবুক আৰাত্ৰ मानिक्योनिक राजाना माहिएछात "Nineteenth Contury"। (व भएक क्षमण क्रीयुन्नी, চক্ৰবৰ্তী ও মুটে কিন্তু অতুল ওপ্তের জ্ঞুল্নীয় প্রবন্ধ শিক্ষিত বালালীর মনের খাঁল্য যোগাইয়া আসিতেছে—অকালে ভাহার অবসাস হইলে যে সাহিজ্যের সমূহ ক্ষতি ছইবে दम, निष्द्रा, व्यक्तमाम मर्राम्य माहै।

ভার পর চোবে পড়ে "প্রবাসী"।
প্রান্ত্রের শীপুদার প্রবাসী আজ দেশে
ফিরিয়া বেশ পরিস্ট হইয়া উঠিয়াছে। "প্রবাসী"
ভরু ফুল ফুটরিয়া শস্তই নহে, কাবের কথা
বলিভেছে। গত বংশর হইতে "মহিলা
মললিগ' ও "ছেলেদের পাড়াড়ী" বোপ
করিয়া মালিকথানি সম্মান্ত্রের আক্রেয় জিলিও হইরাছে। "ভারভবর্ব" গ্রামাননশর্ম বাব্ই ইহার বিশ্বার্ক্তরি। "ভারভবর্ব"ও
আনেক ন্তন চিন্তা বহন করিভেছে। ইনিক"
প্রস্তৃতি প্রবন্ধে বাকালীর অন্ন ক্রান্ত্রের
উপার্থ বলির নিভেছে। "মান্ত্রী ভ্রম্বান্ত্রের

गांबरकार मार्गर गांनी बागांग स्वित्कार । THE TRUE THE PARTY PROPERTY. व्यक्ती प्रथा है। के बात बहाब वाविसार । वरे पविद्यार्थिताक गर्रता वुकरे, गर्गम महा करि। "डाइडी" वदान धर नख्य गाविकारक व वास्त्र अविद्याद्य । हें हाजा प्रतिक्रत गाम नगद निविद्य परिश विद्यान रदेश क्रीनाइन (रेइनेस्नइ भारत ভাবেরও বাঁধন ছিড়িলা, ভাষারও বাঁধন किषिया । नाविष्ठिएकता ' वशादा एक उक् मक । "नाबाबर्ग" चात्र 'छातिस नावे, 'कमरवर्ष श्रः श्रं नाहे, 'बारित राम' आपे बिर्फ हर ना । তবে সেই गर्क गांबी महागरक 'तोशक्षर्य' ७ विभिन्न वाद्य 'नामास्त्रिक वादक' श्वाहेशाहि। "নিৰ্বাসিফের আত্মপ্ৰা" বাৰাল্য সাহিত্যে **अस्त्री एडि.। किंद्र जान देश बाबदेनकिक-**দের হাতে। "নারারণে"র প্রাণ চিত্তরলন मास त्रमत्त्र, शेंड, श्रृष्क मालम देखात्त्रव ক্রোগার ৷ "বোদলেম ভারতে" বে কি আহা গত 'কাৰ্ডিকে'র সংখ্যামানি প্রাপ্ত निया পंडिरनरे द्वा गाय। "स्टाङाब्रङ" प्रश्न रीहिशा भाष्ट्। "मर्कना" व "रात्।" विद्वार । भार कर भक्र शिक्ता উমিছেছে ছবিছেছে তাহাছ হিন্তুর রাখা करित्र १

कृतिकात गाउन को कुन्य कर वानि-(फाइ.) कुक्नानिसाम, रकीन संबद्धी, कुर्यः स्थान, प्रायक्रमान, व्यापन संवद्धीयो, कार्य-संस्कृत स्थानिक विश्वास, क "सारमा क् सार्वास-कृतिहां सीमा करेगा सामित्रक । महास्थान (गांसीकि) क्यापन, कर्यकार कर्यकार কীপাৰ উঠিয়েছে। বিজ বিজ্ঞান চুমকিক কথার মাবে নৃভাকেশীর অনিক জান কীর্ত্তাকে কার্যাল, পাধা, ও পরিস্কোর্টী—কারিকার কাজি নামুক্ত ইর্নামের রাজ্যাল কাছে বংশ-ভূনা, কোলে নবীনাজ্য হলপাল,ও মাই-কেলের ব্যালিকান এই 'কিলাকী'র আছে মান। নকাপের এই ক্রিক্ত পাহরা নামাল কংশ করি। ''বাস বাসী ধান্তাও না প্রামাণ খোপীনের এই বেছনা আল বাসালী ভাতে। ভাতে ব্যালিকের।

व्यक्तिकात्मक महवा क्षेत्रको काकत्रमात्रा বেৰী (বেৰী! বলিছে সাহস্কানা কাঞ্জ वीत्रमकः वद्यः महानदाद हेशाकः (बातः अक्टूनिकः पाटक), क्रीस्त्री प्राटमाहिनी त्यास्त्रास्त्र विष्ठी, व्यवसारी व्यती, वीष्ठी शास्त्राची < नीसकी गत्रहारमतीत चात्र त्यान साक्षा गाउँ ना । रेन्द्रशाना प्रकृतशा ६ निजनमात्र कृतम् সবেরে চলিতেছে কিন্ত বেশ আৰু मक्ति' सं, 'हिनि'इ ताथा शाहे ना -আমাদের হুর্ভাগা। সর্যুবালা 'ৰসন্ত-প্রয়ারে। भएर्पत दरमना कालांदेश 'जिल्ली सकदार बान क्त्राहेबा त्यात्राह्य विश्वनाचा द्वशहित्वन। जांत्र मतीसात्र कि वहेशालके अस्तात ? ইবিয়ে দেৱীয় 'নামীয় উভি' কি সৰ निस्मन ह नातीत द्राह्म्य, वस्त छैशादन्त्र व्यवक द्य कामडा, माह्नक हारे। क्रीन्टक किमकी नावा दहरी १ किस्ती गीपाइनके (क्षेत्रक, वा कृत्का (क्षेत्रका) (का पर बारोज्य प्राप्त त्यास वरा शाहर को संख्या

ক্ষের নাও তবে আশা আছে একদিন জীবের—

्रेजीय भारत केटलंड माखाटेड अङ व्यमीम शांदव गीमात्र निरिष् मण।" কিন্ত নারীর খাবো নতন দাড়া পাইতেছি THE EN Bernard Shaw's manly woman (मथा भिगाह। श्रीमठी देका जिन्दी, শীমতী রমলা ও জিম্বতী সভাবালা বিদ্যোৱের **डिडाइशा**ड्स । গত আছিনের ভাৰতবৰ্ষ থানি পঢ়িলেই ব্ৰিতে পানি যে, नात्रीत मृत्य ভाষा कृषिप्रार्ट्य-माध्यामदत्त्र বন্ধার ভাষ ছুনুজ ভাসাইয়া ছুটিয়াছে পাদের জালাম্মী লেখন। হংখ, বেদনা অপ্যান নত ভীব হয়, ত'ম প্রকাশও তত জীমন, এ **स्पर्ने न्यारध्यतितित ध्य**ञ्चवन । अभिद्रात रूका ভাবিদেই ভাষা ব্যিতে পারি। দ্যাজ-শতিকার অ-বান্ধণদের আন্দোলন, বান্ধ্যায় নমঃশুডের আবেদন - নারীর অধিকারের নাবি দেখিলেই বৃঝিতে পানি demesis আনঃ। কৰির অমর বাণী কেবলই কালে 410 --

্বিশ্ব তুমি নীচে কেল স তোমাৰে কৰিবেশ্য নীচে।

> পশ্চাতে বেশেছ থারে সে তে।মারে পশ্চাতে টানিছে :

শ্বভাবের শ্বন্ধারে শাড়ালে ঢাকিছ যারে তামার মুক্ত ঢাকি গড়িছে সে থোর

ব্যবধান।
সভাই ও আৰম্ভ নিজে হাতে আমাদের
স্থাপতন আনিয়াছি। আৰু এই চারি জন শিক্ষাকারীজনীতে কুমুলাব্দিতে চাহি-

তেছেন ভার মধ্যে অনেকথানি ফাঁকি আছে, আৰু অভিহ মেৰ, ধেৰ ও বাধা কিন্তু একটা वर्ष जिनिवल आर्ष्ट त्में। हिन्म्मारेज नाजीत উপা্ক আসন পাইবার উদাম আকাকা। এই র^{চ্চ}গর বৈগের মধ্যে হয় ভ অনেক অণ্তা আছে তাহা স্বাভাবিক। আমাদের তক দিগ্পজেরা বিবদমান অবস্থায় বিকঞ হটনা যে ভাষা কাৰহার করেন, তার তুলনার নারীর এই প্রকাশ সংযত। তাঁহারা অনেক কথা বলিয়াছেন- কালে বড় কটু লালিভেড়ে কেননা কথাটা নতা। কিন্তু শিক্ষাব প্রদানের দক্তে সঙ্গে নারী যে নিজের প্রাপা অধিকার গ্নাক্ষের নিকট কাণিয়া ভাষ্ট্রেন ইহাতে एक' न जानक मार्के : "वक्रमनेटनव" (सरीशा ९ अवीश'तक भरम १८७-- स्म ग्रह छिन ভৈত্রবী, আশাবরী, কিন্তু রমলা, জ্যোত পর্য্বী ও সভাবালা যে হব তুলিয়াছেল প্ৰাহা এক-বাবে দীপক। আৰু আছে ৫২ ঋত্ত মমা**জের ভাবজ্জনা** হামি পুক্রির ত্রাদ্য महोरत्व वस्त वाक्रमात्र भगांच न्छन है। ধারণ করিবে:

শার এক দিকে হবে বাজিতেছে পাততার প্রতি ককণা - জীবে প্রেম। নবীন শেনের প্রামার জীবনে' (১ম ভাগ) এই ককণার ক্ষণাত, এবং "নারায়ণে"র বুফে প্রণিকা-তদ্বের প্রতিষ্ঠা। শরক্তক্রের 'চল্লমুথী' (দেবদাস) নারায়ণ ভটাচায়ের বিলাস' (নাজিক) নরেশ সেনের নাগ (ভঙা) আর ফীরোদ বাব্র চার্ফ (পভিডার সিদ্ধি) পভিতার প্রেডি স্মবেদনায় পূর্ব। সমাজ পভিডার প্রতি বে ঘণা দেশাইয়া বাহাহরী লয়, ভারতেই একন একদিন ছিল দখন এই
পতিতা সমাজের হাতেই রাজকভার দিকা
ও cultineএর ভার দেওয়া হইত (বাৎশামণ পরে তাহার খবঃ গাই)। ধপন্তদেনা
কথা কহেন সংগতে, কিন্তু রাজন্তিই আন্তলত ভারা বা ধ্যকিলা কথা কহিতেন প্রাক্তন্তে (রাজ্বত নাটকৈ তাহার খবেষ্ট প্রমাণ পাওয়া
বার)। সেই জন্ত চাক্রমন্তর বসন্তলেনাকে পর্য পতীর্মণে গ্রহণ করিতে সম্ভূচিত হন নাই।
Obto Minningords মৌলিক প্রেমণার কল Sex and character বইখানা পতিলে ব্রিতে পানি কোন্ প্রদে l'eticles ও Socrater বিক্রমন্তর প্রে প্রান্ধ প্রা

কিন্তু সেহ'লে একানে আনক ভয়াত। रभीवास्व अलगार कृष्ठे, खीवज्ञः छङ्जांप्राभि এত গোৰু কথা। ন্যনারী বে অবভার মধ্যেই পড়ক না কেন, এটিন মনের মনিয়ের उपवडा कारणब - अपित विश्वपत्रक हिलाप्रसिक अञ्चिम १६। किंगु विकासका ७ किंगावनि কি ভগতে তুল্ভ নং y Watson একট কবিতার দেশাইবালেন একজন প্রভাবকাত্যা পতিতা এক জন গুলম্বহীনা শতীৰ চোমে কড---ल कर्षा अजीशान कर्षा उत्का जा। विश्व পতিতা সমাপ্তক ব্রণ করাও ত চলে না। आंनि नकीश छक्ति यह हरेल करेलिका ভূমিনাৎ হয়, কিছ নদামার উপকাবিতা শীকার করিলেই ভাছাকে ভবরণ করিছে शांकि मा। পভিডা समञ्ज्ञानि वस्म कतियां नमाजरक नैविदिश त्राभितीरक - करे Safety valve না থাকিলে স্মাঞ্জের অবস্থা কি रहेठ वना पाव ना। किंड जारे विनया পত্তিতার পূজা চলিতে পারে মা। হতভারিনী

Mary Magduleness etts washing थटहेर वावहात भागात्मत सत्र शांश हत्। for of Man Magdalences of gal इइ ना, अला म्य - Madonia के जानि David is the man after God's heart, कलांक्षेत्र मात्र वक दर्श किंड छाई बेनिया L'avide sour मिट्ड शांति ना । किया নবাতরের দেশবেরা পতিতার বেশ্বনা এখন জার ভাহিতেছেন,এমনজাবে এই '- বীৰী'দেয় डिएकान भेग्ना अनि भारत अस सार गाउँ शाहेक পাৰ্নিকাণ্ডৰ নিক্ট পভিতাৱা বছট লোভনীয় स व विश्व वर्षा छेडियक छ। देश माहिएछात পক্ষে কৃতিকর, সমাজ-স্বাস্থার আরিক্সা। সাহিত্যকে এই প্ৰতিৱা-ব্ৰীডি'র হাত হইতে ৰক। কৰা এশতি আহোকনীয়। স্বার গাঁৱা মনে করেন –বে পতিতার উদ্ধান প্রযোজন, नगरम नमरम जाहारमत क्या ९ घटन क्या क्रिक् -- जटः ध्येषस्य त्यन निर्मे । भारित्री-वरीक्षनात्पद्र भाकिक्षा कविका कर्द्रकार भा Manrier Macterlinekan Mary May lalenc अवः नितिभाज्याद 'विस्मानन' का विषय व्यानने : स्वयादन प्रिवि -পর্বহণির সংস্পর্বে কাচণ্ড ছীরকে পরিণ্ড কইয়াত।

এই পতিতার প্রীতির মুগে একটা কথা আছে—দাহিত্যে বন্ধতন্ত বা Realismএর হান। এই দব লেককো Emile Zona নাম করিনা কোহাই দিবেন যে তারা বর্ক তারিক ম্যাত্তের নিশ্ব চহিব ত্লিতেরহন। করাদী কেশে এই লইলা কত লামাই হইলা গিয়াজে, বাজনা নেশেও প্রন্থ সৌধুরী ও শ্বাপক্ষ রাধাক্ষণের বন একনও ভানি

Cata provider of Mantinet of the Catalogue of the Catalog

क्षात्रकार्य-विराजनेकः नाक्षेत्र (क्षेत्र क्रिय-ক্ষালৰ ভাৰতাপিক নাওচোটনা কাহাৰ অভি क्ष्मां है अर्थाटम एका व के विशे हो का देएक ल अवन Right Resident State of a section STATE STATE WATER STREET, STATES गराध्या निक्रकेशान स्थारणन क्षेत्र रनमनाम **एक् ७ कुमानकद्वतंत्र गढीतं ए**नि । अस्तर्गतन्त क लोगारा कावह बाकालक विशन antenian Coro an fact with fact विकास कहा तीरक नी, कातन বাশালীর মনে ইহার শিক্ত নাই, আছে टक्सन दनशहकत कन्द्रम ; दसम ऋकिटकत गरु गुरक कृतिएक्टर । देवान परमोमार्ग कारम किंद्ध दत जीनको स्मारमंत्र भुकृतनत्र मछ-বিশ্বাতী যোকানে সাধা বিজ্ঞীতে ধরকার देश प्राष्ट्रका चीचन्त्र महा देशव स्थान व्यक्त माह । व्यक्तिन नाव नाव (मिन ----'क्क्ना' के श्राटकर त्रिका कामका मध्यम्।

ক্রেমিডেছি আঁদানের দেশের মন অবন এক আঁহণার আনিয়া গাঁচাইয়াছে চংগান ইইছে দেখা অনস্তব। এই Crossing এই মূনে নামা পথ; আনমা কোন্ গহন চলিব ? নাজনীতিকেনে, স্মান্ত্র-সাহিত্যে সংবর্ধ প্রথম ইইলা উটিতেতে ইকাকে গগৈত করিছে ইইলা উটিতেতে ইকাকে গগৈত করিছে ইইলা কেনেন পথ ছাজিনা প্রেমের পথ বাছিয়া কইডে কইবে। মনে নামিডে ইইছে স্কাবিধ উটাভিয় বুঁলে এই ঘাত প্রতিকাশী কর । দেখা ব্যক্তিক ইহা ছকান প্রথমিকাশী করা দেখা ব্যক্তিক ইহা ছকান প্রথমিকাশী

প্রত্যভিজ্ঞা দর্শনের ভূমিকা

া অধ্যাপক শ্রীগোপীনাথ কবিরাজ এম্-এ]

(>) 754

পাঠক ক্ষে প্রেক্তাভিত্তা দুর্গন্ন নাছ अभिन्नो गर्म ना करबन जानि क्लान जिल्लान া বর্ণন প্রণাদীর ফ্রুপান্ড করিভেছি। প্রতা-जिल्लो मर्गन मुख्न शिनिय नरह, हैश जात्रजीय - চিন্তা সাজ্যের একটি অভি প্রাচীন এবং তঃ ডি সন্দির। কার্টের বিচিত্র প্রতিতে আক ইহা অপ্রিচিত প্রাম্ভ হইলেও এক দিন ইহার প্রভাব যে ভারতীয় সাধন কেত্রের স্থাত্ত পरियाश हिल कार्य कीकार कविएक हैंगेरर । ক্ষীরা শামাদের সভাতার বিশিষ্ট ধারা ঐতিহালিকের দৃষ্টতে হল ভাবে পর্যালেচনা ক্ষিতে চেষ্টা ক্ষিমান্তেন উহোৱা প্ৰতৰ্গভক্তা-বালির মহত সৈহতেই খারণা করিতে পারি-বেন ৷ নিগম ও আগম, অববা বেৰ ও ভল্প, ইইার্টের পরস্পার সময় কি. এখানে সে বিচা-রের আছে। জন নাই। কিন্তু এ কথা এব সভা বে এই নিক্ষা ও আগমের মধ্যেই ভারতবর্ষের मन्डिन मोबनाई वीकं निहिक्तं सहिद्याटछ। প্রাথানতার্থিতকৈ "নিগম করতকার "গলিত मंत्री विविद्या रचेना कन्ना हरेशास्त्र- व्यामान बरम हम 📭 वर्गना चार्रिक ग्रहा, कान्न ভাগৰত যেমন নিগ্নেম, তেমনই আগম কঞ্চ তক্ষত পৰিত হল'। পাছরার ভারত गारा क्यांग्ल, अक्टानवरक काश है अब नक प्रमुखका क्रमबादन नी प्रमुख । ट्रम्बान CIUTUM PINTER WINERA STATISTER.

ন্যত্ত বুস বরূপ। বিশ্বভাগৰত অবলান করিয়া লোড়ীয়ু বৈশ্ববাদ 'অচিন্তা ভেদাতেদ রূপ' অপূর্ক দার্শনিক মিছান্তের অবভারণা বার্থান্ডেন। সক্ষ্য, মালিনী বিজয় প্রাকৃতি আগম এবং তৈতিরীয় সংহিতা প্রভৃতি নিশ্ন সমূল মধন পূর্কক কাশ্মীরীয় শৈবগণ দেই প্রেক্টির 'ঈশ্বরাঘ্যবাদ' রূপ প্রোজ্জল রন্তন্তির আবিদার করিয়াচেন। উভয়ই ভারতীয়া নাধনার গৌরবভাগ ।

(২) ঝামকরণ

'প্রত্যতিক্তা দর্শন্ধ' নামটি যে ধূর্ম পুরাছন ভাষা নহে। সাধ্ৰচাৰ্যা সৰ্বন্ধন সংখ্যাত **এই सामित नराश्यक अरमात्र कविकारक** এবং আমরাও তাঁহারই অনুসরণ কমিলা এই নামই গ্রহণ করিয়াছি। প্রত্যভিজ্ঞা ক্রান্ত ঈশবঞ্জাভিজাবিদ্দিনী প্রস্তি গোটীৰ গ্রামের নামকরণে প্রেক্তাভিত্তা শক্ষের ব্যক্তার चार्छ वर्छ, किंद्र जाबारमत विश्वास छेहा छात्र. বৈশেষিক প্রেকৃতির মতন দার্শনিক বিদ্ধান্ত বিলেবের কান্তক নচে। ভার ক্রামক্রক জোপান ভাঙারকার বলিয়াছেন বে শাখীরীয় লৈরা-गम हरे कारन निकक समय नाम मात्र ह বিতীয়, প্ৰত্যভিক্ষা শাৱন পান্ধ শাৱের वाराष्ट्रिक कर खा जार बार्का करा गारवार व्यक्ति क्रामानक। धरे क्लिन अधिकारिक मुक्टेट क्रिक्सल मध्य स्टेस्स विश्व वाष्ट्रियको कारण जाक ७ हो

কিনিয়াত গততেদের অভাস থাকিলেও
কিনাত গততেদের অভাস থাকিলেও
কিনাত গততেদের অভাস থাকিলেও
কিনাতে কিনুমাত পার্গণা নাই। স্বতরাং
প্রতাভিজ্ঞা দর্শন শলে শ্রন্থ ও প্রতাভিজ্ঞা
উত্তদ মতই বুঝাইখা থাকে। প্রাচীন সাহিত্যে
জিক দর্শন', গোরেখন দর্শন' প্রভৃতি নাম
বিশেষ প্রচালত ভিল, কিন্তু মাধ্যাচার্গ্যের
অনুকরণে থেখন প্রত্যভিজ্ঞা নামই অধিকাংশ
স্থলে প্রচার লাভ ক্যিগ্রেছ।

(৩) প্রত্যাভিজ্ঞাসন্মত অনৈভবাদ যদিও আগম এবং উপনিষ্টে ছৈতা. चरिन्त, रेमजारिक क्षांकृष्टि गक्त क्षांकार म्बिक्यातन्त्रं मुख्य स्तुन्त्रान পাশুয়া যায়, তথাপি অধিকারভেদ এবং কচি বৈচিতাপেতঃ কোন কোন প্রভান কোন একট বিশেষ দিলাতের প্রাধান্ত অজীকার করিয়া **প্রবর্তি**ত হুইছাছে। শহর, রাণান্তক, থাপৰ প্ৰস্কৃতি স্মাচাৰ্যামগুলীকৃত উপনিদং দ গীতার ভাষণাধি ভুলনা পূর্মক আলোচনা क्षतिल डेहा एक बुनिएड भोड़ा घाए। डेडा অবশ্র পভাবতটো হুইয়া থাকে । সকল ্রালার আলাত্মিক লাম্বের ইতিহাসেই ্ৰিছাৰ দুৱাৰ আছে। আগ্নিয়ের লাখ্যা প্রদাদ ু ৰেছি শেকার কাশীরীয় শৈবাচার্যাগণ অহৈত-बागरे टाइन कविशांद्यन, धवा এই वांत्यव মাহাত্মা প্রদর্শন করিবায় অন্ত একটি অভিনব দর্শন শাল্পের নিশাপ করিল সিহাছেন। ভারতীয় দুর্শন শান্তর ইতিহাসে এই অবৈত সিভাত কৰ্মাধ্যবাদ মামে প্ৰসিভি লাভ করিয়াছ। অভিনি ছভিনব ওপ্ত এই गिर एक गर्याटक वाष्याचा।

(৪) অহৈতবাদের প্রকারভেদ

আচার্যা গেল্ডপাছ মাপুরাকারিকার
এবং আচার্যা পর্কর পারীরক হত্তে ও উপনিবদাদির ভালো প্রসাধৈতবাদের যে বাগায়
প্রচারিত করিয়া গিলাচেন আবকাল সাধাবণতঃ তাহাই অনৈত্বাদ শন্দের একমাপ্র
অর্থ বলিয়া পরিগৃহীত হয়। বলা বাহলা, ইলা
স্মীচীন নিদ্ধান্ত নহে। অবৈত প্রথান নানা
প্রকার, গল্পবাদ তাহারিই অন্তর্গত মত বিশেষ
মান। জীকত, রামার্ল্য, বর্ল্জ প্রস্কির
সিদ্ধান্ত গাঁনি অভিত মন নহে, এ কথা নতা।
—ক্রিল নিশ্বি অকিত মন নহে। বিরল ছিল
না।

শেশ্রণ অধিক্রাদী ছি এন । বুদাদাবের 'ভাষ্করাদী' এক নামন ছিল, এ কথা অমর দিছে আপন কোষ প্রাথ উলেপ করিছাছন। তদিও কিথাবিংহু' নামধ এতে বছ প্রকার — 'ভাশ্বতঃ অসাদশ তারে বিশ্বত ভারার — 'ভাশ্বতঃ অসাদশ তারে বিশ্বত ভারার ভালাবিং কালাহের দর্শন ও ধর্ম সক্ষাম মতাবলীর ল'লা আলে, এবং এই সক্ষাম মতাবলীর ল'লা আলে, এবং এই সক্ষাম বিশ্বত ভারাই কালাহার ও মাধামিক এই ভারিই অধান লেনীকে ভারাই মইছা' বাবে ভারাই কালাহার করিয়াকেন— করিয়াকেন—

শভিমাপি দেশনাহতিরা শৃস্ততাব্যসক্ষণা।"
এই শৃত্তবাদ কঠেবে অন্যবাদ—সং, অসং
প্রভৃতি কোটি চতুলীর হইতে বিনিম্ ক্রুক্রারিয়া
ভ্রেম মৃতির স্বায়তার মাগার্জনাদি আচার্যাক্রুল- এই শৃত্ত তত্তকে বৈত্রিকর হইতে স্বতিত্রি-

ভাবে রক্ষা করিতে এ প্রায়ণ পাইয়াছেন। আনেকের বিশ্বাস বন্ধ শ্রেরাচার্য্য আপন রক্ষা-হৈতবাদের জন্ত বিকোনাহৈত অথবা শৃক্তা নৈত मिषारकृत निक्षे क्षेत्र । ेर्नुकाशस्त्रत्र 'मःवृष्ठि' ≖হরদর্শনে মায়াকুরে^ইস্থানত।ভ করিয়াছে । শকরের সাধা যে আশ্রি আব নাধা এইতে मार्गीनक एडेरड क्रिकेट निकार ए हा শীকার করিতে হ (Poussin) বেদার 🛊 🥌 ছ মতের জ্বানা-मुध्यक प्रशासकाता ध्यमत्त्व त्योक्षणावकाति गाउ रहोस छारवत ध्यानात ध्यानन कतियातहरू। যালিত প্ৰস্তু হোপাচালি ও মাধ্যানিক মাত ৰ ওল ক্ৰিনিছেন, ডলালি ডি.ন বহণ ন জ্বান্ধর डिक्के, विक्र शिक्त, क्रांच कि काल क्रिके, पहल किं शहर कुर्दिक रवं के हमार प्राप्त प् শন্ধ্য মতে থেক পথ মাতি ক্ষান্ত তবে एक अमाम करते वर्षा भाग हा स्वरं र रहेर्द्र है. ভাৰতবৰ্ষ বৌদ্ধনতও কিছু শুলন নছে। योक्षेत्रा महान करकन मुख्यान भागास्त्र लोविडिङ. भूराम धारापुत्र यस किलानाः होहाना यहा-স্থিক মুড় প উপনিবদাপি আংসাচা, কবিলে এবং আগমের প্রাণ্ডান্তা এবাদ বিচার কলিব বুঝিতে পারিবেল নাগ'ছেন কোন মৃত্ত मिक्नोटखन ब्हायुक्ता, कटलन मोक । जुलके भारत অস্প্রট এবং ভাষা লাগ ছিল ত্রান ভাষাই শাষ্ট্ৰাকৃত এবং প্ৰাণালীকৰ কবিনা সিহাতেন भारत ।

বৈয়াকরণধণ ক্ষতিভবাদী ছি শন। বাকাপনীয়কার মৃক্তক্তে প্রকাশ করিয়াছেন এয়, বীক্তবেদ দিয়াক আক্তবাদ। ব্যাকরণ মতে অক্ত চিনায় শ্রুতবৃষ্ট স্পাতের মুল করিন, হৈয়া এক এবং ক্ষতিয়া বিশ্বী

নত্মদায়ৰ বেণ্ডির অভিত্রাদী। ইহাদের
মতে স্থান্থ মহাংকজি এক এবং স্বিভীয়
এই বিক্রাস্থলালের বৈশিষ্টা এবং প্রাপ্তা
সম্পন্ন আলোলনা করিবার ইহা ছাল নছে।
তবে এই ক্ষ নিয়োও হাতি স্পাঠি ব্যাতে
পারা নান বে প্রাচীন কালে অভিত্রাদের
নানালে প্রাচীন ভিগ – লোবৈতের মধ্যে প্রাচীনত
প্রতিকা প্রতিকা প্রকারের অভিত্র নিয়াও
প্রতিকা প্রতিকা প্রকারের অভিত্র নিয়াও
প্রতিকা প্রতিকা প্রকারের অভিত্র নিয়াও

িগেন্ড সাগম - বেছ ভি ভাগ - উভাগতাই . करेहरू अने १६०० ेर इत्राक्ष महिक न्टम १ वस्ट्य दकारण काम्स्ट्रहत कांश प्रवेश देविक्स সিদ্ধা ক মুলস্থান প্রধানক উপদ্বিশ এখং ত্ৰব্যস্ত স্থাপতিক ক্ষম কাং 🛖 বি শান্তমু 🕬 एखा नामक निलाहक काकन शह खाठीन আল্ম্য নাল এব জিৰা ব, শক্তি ব, পর্যাত-का भागकार म लोक्टिक क व्याला । देवर देवपवर, मांकारि काम भारत करा काम न हिमा भाषाचात्र व राजवर पर अयावाज्य भूवकः। প্ৰান্য প্ৰায় কৰি কাৰী**ৱী**য় ত্রিক দশন, ৮)০ ¹ সেং ¹র বিছাস্থ শাস্ত্র **এক্তি**র अप बाद्याच्या देशवीत्रम घरेट**ः छन्जूङ ।** জিপবাদি সিদ্ধার শাক্ষ মে মুলক। অবঞ আ: সংখ্যাবের আগিকত ন্যা আকাৰ विष्यात्र स्वरिक्षः

ব্যাদের ভেল ব্যাদের ভেল

্ আৰু বি, গৌলোল প্ৰাৰ আচারিত ব্ৰহাইৰকাৰ এ আনগাঁৱনকভানিক ব্যাক্ষাৰ প্ৰাৰণ ব্ৰহা উপাঞ্জি প্ৰকাৰ

करें। उन्नवारम मोद्यारक मु ७ प्राप्त करें क्षेत्र रहेएछ दिलक्षण ध्वर व्यनिस्तितीय প্রতিয়া প্রদীকার করা হইয়াছে। কিন্তু हिल्यांकारा के अलग, इंशाय, देख ज्यू श्र नारे के सातक नदमार्थपृष्टिक माहा व्यन कृष्ट ত্ৰন ব্যক্তির ভূমির সতাতা অথবা বিচার पृषित् विनिर्द्रातनीयका वक्षकः .बाक्षय परिष् पद्भ लाई केएर सा। ज कथी भरा। किक ভাষা হইলেও অবৈত্তুত্বে সংখ্যাচ সালে, বৈ मरकारहत्र रहेषु चूँ किया भाषत्रा गाय ना । এই য়ে জীব জড়াতাক বিশ্ব বৈছিতা, ইহাৰ এতু कि हैं भूतन यथन अर्थ कंत्रम खानक्य छथन ध्य देशक्य दन स्त्र (दने? भात काशान কাছেই বা বয়া অজানের আতা কে, निक्ष के प्रविद्यापि यहिनेवार्ग जनामि अ भूक्षणवासिक चिन्हां अवश्वास कार्याहा । पह ত্রিদা বিষ্টাত্মক জনাগে প্রাবর্তমান ব্যবহারের व्यक्तिम का व्यक्तिका मात्रा। देशिय कार्ड्ड বা স্বাভন্ত করিত, বাল্ডৰ নহে। ক্ল ক্লনা करत्रं (क १ व्योव क्शवा जनत- अन महरूम। পরস্বদৃষ্টিভে অষ্ট্রপদি থাবতীয় ধর্মম জাহাতে भारतां १७ वी जशास १३। किह का देशेए श्रीवकाय में देनग्रकाय कि लाकारह ৰৈ ইছ জাহা বুকা যায় না। প্ৰবাহকপে **দিনাৰি : যদিয়াই চুদ ক**রিখা থাকিতে হব। শালানের প্রায়ণ্ডি শোঝা হইতে ও কেন ভাষার উত্তর নাই। সংগ্রাণ চির্ভাস আন্ত্রাদ্র কর্মার জানানকার কোলা क्टेंट क्रिया निर्मात कर्या जान सम्मरे স্বশভাবে ভাইার ভারি হয়। হার্ণাকে नवन करीवन स्था। मेक नाकि है कर भक्तारनर केल्क्सिकिंग्स कुरन नक सार मा wer where there became the release

मत्या मत्याम अविद्या स्थाविकाद कवितान

क्रेपदाववराटक काकान चाटक मारा আছে- ক্লিম আহাৰ আৰুত্বি আকস্মিক নতে! उरा जामात बाज्यस्त्व स्थाद स्थान शहिश्रीक कथा। ने समन कानिकार साना व्यक्तिक प्रक्रिक स्टब्स्टिक्ट एक समारे भारत हैक्हा मार्क्स स्वता प्रश्तिका द्वरश ক্রেন। তিনি স্বত্ত্ব জ্বাপন স্বরূপ ছাকিতে হ ममर्थ, श्रीमाइक अमर्थ, अथह मथन हारकन उथन्छ **डाक्षात्र प्रामावृद्धक्रम हाउ इब मा । प्रका**न ভাষারই সাজ্ঞাশক্তির বিজ্ঞান মাল। বেমন गरिक्टबंद व्यापान स्थे स्माप व्यापानाहरू আচ্চাদিত করেন, এ-ও শেই প্রকার। অঞ্ আক্রাদিত করিয়াও ক্যা অনাজাদিতও থাকেন, কারুল ভাষা না ইইলে দ্বেঘকে আৰ্শাৰ্শ করে কেন্দ্ৰ এই রূপ বিশ্ববৈদিত্তা विष्णम्स्य । षायम खनायाह ক্রীড়াপর, এগৈটে এডাম্বল অভিনয়ের হেছু। লাভারাংখৰ আৰাৰ পৃহা কিমের ? ইকাই अङ्क्ति । तक्काणी त्य अ श्रञाप अञ्चलकात भारतम ता जाना नरह । जानान या जाना वह শক্তি তাৰ উচ্চিক্ত থাকাৰ কৰিছে। **হয়।** करव जैवनसभी नरभग हैश जाकवामूनक, बाज्याञ्चक, कड्रव्यवन, उपक्षनी व्याप देश सब मानेक किरता अधिक्षाम है। जसमञ्जू अरे यात्नहें अधान (उप। व्यर्शन मा**क्त (बहांस** भेटक काचा बिटबाकीर्य,गक्रियांत्रस, धक, गठा, FRANK, FRANKER, CHARLE, CHARLE, MARIE, राष्ट्र कि के मुक्ता (क्या १६क) को बाका का बीकरीन, THE PROPERTY OF THE PROPERTY O

বিনাৰি আখাৰ ক্ষাৰ। জান ও ক্ষা তাহাৰ নিকট এক, সাধাৰণ উদ্ভেদ ক্ষিটি আন, তাবল ইয়াক্ষাতার বৰ্ণ, এক তিনি ক্তুলতাৰ ব্লিয়া তাহার আন্ত ক্ষো। এই আন ও ক্ষিয়ার উন্নত্তায় নাম ইছে। তাইগতিনি ইছেন্য্য, অলম্ব ইছোকি লাকিক্ষবান, অৰ্থাই বাত্যায়য়। এপৰ্যা, বিমৰ্গ, পূৰ্ণাইভা প্ৰকৃত্বি এই স্বত্যায়। ক্ষানাখ্যার।

ফ্রাগম্পত আতা সর্বাই প্রকৃত্তকের —ইহা তাঁহার অসাধারণ মভাব । স্টে: विकि, सहार्थ, नवुष्य प्रदेश विकर-पर् পাচটিকে পঞ্চকতা ধুলা হয় পাৰ্য্ধতে यक अव्यक्तांतक नरहन। सर्वे बह्न यक्त-বাদে আত্মার স্বস্থ্য তেমন নাই ব্লিয়া व्याचा मठा इर्षा क्रमत्कत । भारत्यता मन अनिवादम्न-"अव हि अदेख्ठ माळादर्गाण-পাদ্যমান মপি দৈওকক্ষানেবাধিরোহতি খদ্র मजामजा यावस्य (१८६) भारतम् कन्नमायाः क्टेननाकादतकः देवलक्षामा क्षायमादिकम्मि-वर्गिम्।" विक्रमर्गन प्रात्तिकः करेक्डबाना, শে **অবৈত্**ৰালের মিকট রহাবৈত্ব মিদ্বান্ত स्वन झान विलक्षा द्वांच हत्त, भटन इक्क द्वान শাস্থ্য মতে বৈভাভাগ বছন: ব্যক্তিভ হয় নাই। সংশিহ্নামে আছে—

'বৈতাদখনসভাক লম্প্রিলটেবতম।ব্যাহতে তদ্ বৈতে বত প্রাব্দ্যতি করেং বাহাঠ-

partiti

करण एक नगरमन्त्रमञ्जान जिल्लाम कार्नान

भारताहरू विश्व रेखें तथ क्रांटिय

स्टम रूप क्षान स्टिक्ट (तम के देशक) कीय अब बारे राया और वेदली राजान अल्टाः अल्टकाः छेर्। निर्मात देवकः কেটিভেই ' আছিল' পড়ে। স্থাগ্য মড়ে व्यक्तिक महस्रक विवर्ण हाई-धार्यः मिका मामहत्व । শছৰ বৃদ্ধান ৰূতা হ বা নায়াকৈ অনিষ্ঠানীয় ৰলিয়াচেত ধলিয়া নতঃ প্ৰদৈত ভাৱের हैदनर्ग प्रश्नीदेशक १५%। कहा बदेशांच्छ छण्डे বেন পুডিবের প্রকাশে ধারা, প্রভারের किनि गाराटक मुख्य गरिन्ह श्रीकाद श्रीकार গাবেৰ বাই ক্ল'ই তাহাও আহৈ ভাভাৰ গলছাত্ৰ-or re-modilation is elimination). प्लावृद्धि किन्ता अक्तवृत्तक (all entipera cher face i will savie, saifee. আগত ক্ষা শত্য কিছ বিচার পৃষ্টতে মানা नभरः विस्कृतः किन्त मोन्नादक कीक्रांत्र ক জিলা কাৰ্যকে প্ৰক্ৰমন্ত্ৰী, নিজা, সভাৰক্ৰমণ ুৰ্বিত নানিলে এক ও মাখার ঐক**রত হুইছ**া ত এই এক্ষরত মাত্রকে তারি কছিল স্থা ভুক্ত গোরণ নতে, ভাহাতে জানার শক্তি व्यादित क्षित्व मृक्तिक जानुक क्रेट्स कामना बीजशे श्रीक त्मांच रहीतक जास्त्रांचन कहिन मारक क्षित्र था राज निरम ३ कि एटा स्केरकरे अपूर्व मार १ तमय कि स्टिश्त महिमा महरू १ क्ष्माः एकाव मारा, त्याव काराहे, क्षम अ कार्याचे भाका अधिकार अवस्था अन स्केटको को निकृति है। की संस्केट निकास MINISTER FOR THE WAR

প্রি ক্রিবার নিজ্পতি মহিছারা লাক্ষ্য करनेम े चारात हा दिशा के विमे अवस्था র্মানী পাছনে না। কারণ তিনি জনাকুত-র্লপ। ক্রাই বলিতে হয়, এটাই তাহার আবরক, আবার তিনিই 🕏 ার উনীলক। তিনি ছাড়া আৰু কিই বা গৈছে? বুন্ধ ও मार्च अकरे वड-जर केंद्र भाषा निशा, व कथा विभागते आकाबालान देवका न আসিয়াই পড়ে: দে অবস্থ ল গায়া 'না ট का घरकांव एकड विशा-(धन ना, प्रत মিখা। অমুভব করিতে গোলে মাখার স খীকার অপরিহাগ, ক্ষাতি মাদা সীগার कतिरक्षेट्रे तम प्रभाव हा उमारवांध भाग किला वक्षा अवशा असास्त्रित छड नार्नाजात्व क्रमीकांत्र कांद्रक क्रियांट्ड कांत्र মায়াকে সভা কলিয়া থুকিলে এমও নায় : माप्तात देविकः अञ्जादते यह उक्ष बाधक विकित रहेर्ड- अंथे नकने व्याद्ध मम्बाद মৃত্য । তথ্ন জ্পটতর মাধ্তীয় প্রাংশ বাদার श्रीकिश्व ह्रेर्र्य - मक्बर , य नउ', प्रकन्हे (त विश्वय ९ काननस्था पादा छैल कि • इत्त । . 'मर्च : श्रविमः तमा' धरे । উगनियत् नाला क्या সার্থক্তা লাভ কারবে। মান ভিবা करेबार्ड कार्याक कार्य के ही नाइ, ভাহাতে দাকাৎ গুলাক ও তাহা: কিবাশ-ক্লপে অমূভৰ কারতে, আনিখন কারতে श्लीविद्यादि छा ई।यानत मार्थका मध्यपद হয়। শক্তি দ্ভা, প্ৰয়াং জীব ও স্থাংও माजा-विका आहर, छोडे मध्ये वक्षकः निवयमः। देविका करकार विमान, एउन भएकानवरे जाश्रे अकान, जी से बार प्रतिकि गांना जियतन श्रदाक कार्यानिक क्षाम् । ने वह

मार । जनवान भवनेकिटियात ''छर्र अकान वर् विमेक्टवाः" कथात्र याथार्था अन्नीकात्र कति-रापः अक्शा दुना पहित्क शादा रव जात्नाक ्हें एक्ट्रं वर्षनवगठः अक्षकाद्वतं आविजीव हरा, থাবার অন্নকারই বর্ষণহারা আলোকে পর্যা-বসর ২ছ ৷ তুইই নিতাসংগুক্ত, বরূপে সমর্স ভাবাপন্ন-ঘঘণে প্রাধান্তের বিকাশ চয়, সেই প্রাধান্ত অলুসারে ব্যাপদেশ হয়। আগম শান্তের ইহাহ সিদান্ত। পুরুষ হইতে প্রকৃতি কিংবা প্রফৃতি হইতে পুরুষ একান্ততঃ পৃথক নহেও, ছইতেও পারে না। বাঁহারা ভাহা করেন জাঁচারা ভধু logical abstraction এর হারা তহ বিশ্লেষ্য করেন মাতা। বস্ততঃ সংখ্যের প্রকৃতি পুরুষ বিবেক অর্থও পৃথক্-করণ ন্তে, ভাহার প্রমাণ সংবাকারিকা প যোগভাষো স্পষ্ট পা**ঞ্ছা** অভ্যাচনা সময়ান্তরে করিবার ইচ্ছা রহিল। স্পান শান্তকার বলিয়াছেন-

"ইতি বা হল্ত সংক্ৰিয়া জৌজাজেনাদিকং কৰং। স পঞ্চন্ গতকং ষ্ঠেতা জীবস্তো ন সংশয়: ॥"

ইং র তাৎপর্য এই বে, জীবনুক্ত সকল কাগংগেই আত্মনীতা অর্থাৎ আত্মপক্তির বিশামনাপ নিরীক্ষণ করেন, তাঁহার যোগা-গলা কথনও ভগ্নর না। ভেদ ও অভেদ, রুখান ও নিরোধ উভ্যের মধ্যে সামাদর্শন হংলে আর কোন আগলা থাকে না— কাশল গ্রুইট এক রক্ষা ইহাই শিবশক্তির সামরন্ত ও চিদান্দলাত। ইহাই শিবশক্তির বাদের বিশিষ্টতা।

(৬) প্রেডাজিনো দর্শনে জ্ঞান ও ভার্তির দামঞ্জন্ত

वह अवश्वातातम् भात अकृति विल्युव

শলা পাছলা, ইহা সাম্মন্ত্ৰণ মঞ্জান্ত্ৰক অভিন বিশ্ব আঁছত ভক্তি বাল্য পদাৰ্থ ন আন্ত ভাষা শাখ ব মধ্যন্তা । খাদ : र रुदेशक क्रांसियक श्रांबा करता है। १ व अवस्ति अस्तिकानः क्षेत्राहरू आधरा । भीक मिला बर्गमा करि । १३) वहार धार्म ै। १४ । १६ জোন দেকিটে অলেক ১৯ জন কৰা প্র यावा किक्स्यात नेशांत्वहें छिमानम खन्न नतिहरा , यह व नताल पानिहिन तम करेंगारिक । डिप्एम १४४ मेरे १४ ड क मेरे १४ छिक । अत्रम्ह ८ श्री ३ हामा अपनराने शूर ० कि --ভাই ও লাভ চংগ্ৰেছ শিন্দবিল মানুনদাট তীয়ত ক্ষাড়ে, ক এব শ্বের আভাবক্ষম में अनापर इस्कार का उपक्रिया ग्रहण ্ৰিত ও লাফি ভিতি**ল**ে উভাগে নুভাগে নাই--পালে লোকে না কৰে প্ৰায়েইটে সামিত জজা করিয়া শ্চিপ্রধান খগতা শিব্রারান বলিয়া একট পত্ৰততক নিৰ্দেশ কলা ১০ योख। विश्व भोक्ष महाम स्वरुधिय निरंग । পাকে-প্রাশমার শিক্ষারেই ও বিম্পত্তিক শক্তির বিকাদয়নপ প্রির প্রতিবিধিত চয়; আবিরে শিবপ্রধান অবস্থায়ও শক্ষিস্থার मारक विश्वीकर्गा जनन श्राकारण विजीन थात्कः। कात्र त्राते त्रिल्याः माग्रमः करहा দেখাৰে শিব ও শক্তি উভয় দামা প্ৰাপ্ত

এই Co. देश एक स्वानुमार्ग नार, ज्यानहीन चड्ड--काश्रांक व्यव धर्म यात्र मा, व्यवस् ভাজিমার্গত মহে - ইছাতে জ্ঞান ও ভাজি শভিও বলা আবার মা- অথচ উভয় দাবৰ फिल्हाबात माधलमा कारहा। भक्ता अनोव्हेंक अगल्यारिय जायारिय विकासना। १६वि सहय-অহৈত্তব্যাদ চলমাৰস্থায় ভাজিবী ভালালাই -- ক ভাব। এই নাদে প্ৰশাস টোকে ভ্ৰম প্ৰের भारत माफ एकि देवलभावक, लोहे और होक । ध्वितेशी बीनाशी वर्ष । त्यो १८४१ । । अंग्रस श्रीक, ख्रामानिकीरच देशक भक्षा श्रीतक हो। किलाने क्लाब के अन्या के कर्णक ार राष्ट्रिय गरिए निष्य है । स्वार्थ है । स्वार्थ । स्वारित्य াধ্যমনা **অব্দ**া মনে স্থিতে ব্যুৱ, পুরে তে পির ও মাতি এক ০০ সাধ্রমা केल्प्रदेश स्थार । ५ एत नामार्ट्या कुलेले निस् 和運

> ্বা । আন ১ গুলিকা ডোৰ উপ্ৰ কাৰ্যা সংগতিৰ জোভাৰাজাল ০০ - পি জেন ০০০ মাথ ভাৰৰ জ ম ्य, इक[ी]स **श्र**स्

ম্ল স্মুশ্ল ' শ্ব ল কাচৰ ১ কেং ووا ووودادو 相管 铁色 學 经经验 化二甲基甲基 ाजन किसि को एक का वार्य के भी देश दिख्य "你们不是我们,我们们**被**倒了。" त के , जब के अपनी कि नुस्ता शेष एक ी है। बोहरिक जिल्लास अपने हैं करें ारा भन कावसू ५० हिंशांसि ्डांची १ लगा भाकित में, है। बेल ने मेंने देश बीखायल क्षा रुप्तात के ते । एक लेखान्ता हो हो ह ला व बार र एसम जिस्सा एक ध्रमाराध च्या ने भग न कर खर्क अहे में क म्यूरस्य करिक । विकास । एक व्यक्तिक তে শৈ**ত বস্তুত**ে লৈ নাহ । সংহাৰ সং**বহা**ৰ ভাজিকে অকৈও াজ । আনকত নতেঃ ্ৰ নিছাভাগ

रिका सोशा तीकार और आरथ (वाद्य मनीयम ।

उन्हें किता देवलस्त्रकामीन ध्रमवम् । बीटक अभवभी - तम देव कमना मृद्यानम् । ींगिकोश दिव केंगा और कि देशका समाधारना: e"

অবৈত্তিতি বি এবং তাঁহার স্বৰূপ লাভ कि खेकी देश म विदेतन अशास विकास मीतीयंग्टीर्थ कार्यात अविकासिक। নামক শাঞ্জিলাক্তরের ভাষো 🕫 🤟 🥳 বিতারপূর্বক বাগ্যা করিয়াছেন, এবং প্রচায় वर श्रम देशीय धामक आएक । विभूता वस्त्र क्रानंबर्क बोह्ह (२० समाहः ७०-१९) প্রকীশ সার পরমত্ত্ব অপরোক রূপে অ খা-ভিন্নভাবে দাক্ষাৎকাই করিয়াও কোন এনি পর্ম ভক্ত প্রীষ্টির সহিত চালার দেবা कडिया थाटकम। दनवा कदिए७ इन्हरनहे सिरी सिवक छावे हाई अध्यापकाम ल দ্রাব কি প্রকারে সম্ভবপর ৮ জাই বস্ত্রী रहेगाँछ - एक जीव अवनवन व विद्या : शवा क्री हम, देश अवंश क श्रीराज्य, ाष्ट्रव ८७म माई-ति। नेश्वीतिकात मिक्स्न । एत में देश बाह्यन करियाद आधारत के प्र डीरबीबेंस चार्च किंद्रहें नहर, कड़िल्ला, ' डिदिन बनक'-

मार (वर्षात की आर को उठाव कर) च्च देक्सिक्सिम्डिला हैक्स्प्यूक्ताद । ७० । विकारिक बेदगटका स्वाहर शि बादग्राभवन् । विक्षिण वैमानका देने व्यक्ति विकास मार्थ

चेश बहुत्त गार्थमा तीय है, क्यानानकारे उक्ति वीस्थिए भारते। हेरी हेरा के करहीन विनिया एउँकि, अव्योनभूनक विक का नामन िकतं मंद्रमे नाथीयनकानांचकं नरह । केटेविक-ভজিৰ পৰেও একটা ভেদ আবল্লক—ইহা করিত এবং জ্ঞানপূর্বক। আর এক কথা, জানের পর বে অবৈভঙ্জি সকলেরই জাগিবে এমন কথা নতে। যাগার ক্রম বভাবতঃ ভিক্তিপ্ৰবৰ দাখাৱই শহৈতভজ্জির উদয় হয়, कानायीत हैश हय ना।

किखं डेमिज रुड़ेक जात मारे रुड़ेकं हराम ক্রান ও ভক্তি একাঞ্চার হইয়া যায়। যাহাকে ভাষা সাত্রচমংকার বলা গ্য তাহা নের বীমা ও জোমেরও চর্ম – এই জন্ত ইহা সময়ভূমি। এখান হইতেই উদ্ভাবেশত व्यवाहित हहेगाइ।

দাসাম্ম ভব্তিই বিশ্নশনে অলীকৃত চইটাছে। ভগৰান্ প্রভু, পিতা কথবা ওঞ্— ভক্ত দাস, পুত্র অথবা শিবা। ভধু ত্রিকদর্শন নাল, শৈৰাগম মাজেই এই ভাবের প্রাধান্ত एडे १४। वीतरेनवानि भाज । धर निकास খীয়াক বেবা নাম *। শাক্তাগনেও মূলতঃ পরম 🕏 । সীমাসকপ, সেবানে ভ 🌞এওঁ নিব্যে কোন প্রভেদ লাকত ১ । না। ভবে প্রভাব হানে মাতৃভাব দেখানে করিছ वयः अरे भाज निर्मिशः। किन्नं अहे जीवजर्भत गाया माजलावह म्नजूड, जार हराबह आवांक ' कीर्दिस श्हेबाट्ड। वना बार्डना, डिकिस भून তব্ই যে দাভভাৰাভিত তাহা খীকার করিতে বেইবে। শান্তভক্তি ভক্তির ক্রণ অবস্থা মার, **अक** विकास है देश के कार कि का अविद्यार ন্তন লাগিয়া যায়। অবৈত হইতে বৈতেন

क्षेत्र और छाएके क्षेत्र । विकास करे और उ बाटक व प्रक्रम जात्र क्रममं कारक मा । यहक ুগৌদ্বীয় বৈষ্ণবসম্প্ৰদায় প্ৰস্তৃতি মণ্ডলীয়ে 🕬 . बार्यना ७ माध्या ভारत समीक स्टाइ **उधा**लि এकवा मका मर्क्कारवरे मुजक्क शंक-ভাৰ অমুস্ত আছে: ভূতপ্টিডে এমন त्यमंख्याक कांकांच इंदेख नाम, बागू इंदे. उ অগ্নিইত্যাদি কেনে পুণিবীর আবিঠাব হুই-মাছে—রগবিষ্ণাশের সেইরপ শক্তি ধ্টাত भाक, मास बहेटल मश्र हेजमांब करण हैं। বোভর অগ্রাপ্তি সিদ্ধা কর । তাকালেক নিত্র क्कान अक्ष र शहा विवयन क्रिकेट सक्कार न প্রাপ্ত হতেই, কা ছারা ভার নিকও: ম্পন বিক্ষিত হয় চাইরপ ক্রমশ: এক একটি ওপাল বুদ্ধি পাইতে থাকে ও পুর্ব পুনা গুণ অনুবত্ত ইতে থাকে। তাই পৃথিবতে পঞ্চতেত অংশ আনহে, তনধো শব্দাদি চারিটি ভাতার সমাগত সামান্ত ৩% খন বিশেষ গুণ। ক্রিক্র ভাবের জমবিকাশেও ব্যিকে প্রতিব : জ্ঞ कारवन विरम्भ छन िक्षी माटश नासुर्थ न्य, অথ্য জাভোর আগন খ্রুণ সেবান জখন এটিয়া क्रिके । अ वा भाग्य छ माराज्य क्रकारत वन्त्र অভুকুত ১৫ এবং অধন্য অপ্যেশ্যান্ত বিক্লিড **इ**श्च धाने व्हकारत मानुश्चामस्था शतकीः। तामद क्ष्मेंहे कवाद निके मानम यर्डमान चारक, बावह उपविदेश তাহার, বিৰোধ খাণ আখানধৰ্ণ ক্ষান্ত

বিশ্বপূর্ণ করি মানিরা ভাতির পোজাকার তথ্
ই মানিরা লইরাছেন। আর শুরু মূলই বে মানিয়াছেন জাহা নতে, ছাতির ক্রমাক্ত বে মানুগা থেয়া ভারাও আভাবে।

. शेक्ष्क कतियारम्य श्रीतिक भरम प्रापितक इकेन अर्थे छान्छ गण्यानगुन्तक देशक्रावाराज्य ন ৯ ৷ ইহা প্রিকৃট অবৈত অবস্থা জলত ाक विमादन शिक्षि देवछ न्दि छत्। इस अल्लोकिक, "देवल", खरे बिल्यम । छाई এখনে একাধাৰে আন ও ডাল্ম, চিৎ ও আন্তলের সমাত্রেশ গৃষ্ট হয়। ইছারই নাম শিনপঞ্জির সা**য়ক্ত**। এই রসভা**রে** ঐক্য ७ टिक्टिकार अने शामकण । क**ई सम जना-**अष्ठ' का एक निकार विकास खावा विकारि-- अष्टानरम क्षापान नार, १०० नारे, व्यरकार नारे, किल्ली गाँडे, किए द्राम **मवडे फाएड. प्राथं**ट यटनीरिकः पूर्वकारयाद उमरकावहे जनहवाब --ইহা - কভেদের ব্যব্দ্র আনৌকিক ভের থাকে, শহুৰা আস্বাদন হইছে পাৰে না। जरव - इन व्योकिक खामन मजन नाह, ইহা বৈশলিক মাত্র: অভিনয় প্রপ্রাচার্য্য লাল হেঃ দীকা অভিনৰ ভারতীতে রস-২.৫০ 🛊 প্রভাছিতা দশ্রাস্থ্যায়ী স্বালোচনা ক কি জেন ভাগতে বসপরপ অনেকটা পরি-学》 小的灌子

াহ ক্ষাকে পারে - এই রস্থ কি পান্তর্ম ক্ষাক্তি কাল্ড বটে। আমারা প্রে শি প্রিয়াহি ভালাভেই এ আলের সমাধান ক্ষাক্তি পারে। ভালি পাকিলেই পৃথ্য দান্ত ভাব বালিবেই। পাকিভাবকে ভালির বীফলাব বলা বাইতে পারে বটে, ক্ষিত্র উহা পরিক্ষি ভালি নাম। বাই বোধ না কথ্যা পর্যাত, নিজেক বক্টা জনত বরর প্রে করা প্রাক্তি ভালিরা কালির। বাই করা প্রাক্তি ভালিরা কালির। শালভাব ভালারই ভালার আলের কৈ বে অনত কা ইয়া বিদেশই থাকা জিয় কান্ত বিষ্ণু নৰে। ক্লাই দে একাভাৰ ংইছে লাক্ষ্যুৰ ও তদৰক্ষ ৰাজ্যদিক আবিশ্বাৰ হইলা বাবে কাছে কিংবা; ৰাজ্যদিতে সে ক্ৰেভাৰ অক্সৰ বাবে অৰ্থ জংগ্ৰই উন্তান গ্ৰহ অ্বাক্ত সংখ্য সহয় বেলো

बारकातरें कर के निर्मा त्या के तर्क लहतरें 'उद्योग' को तम् हिराष्ट्र देवित्वारें लहतरें 'उद्योग' को तम् हिराष्ट्र देवित्वारें लीगाविद्यात्र १६ कर विक्रम्त्रार्थ कि वर्ष-मान, छोरे देवक्षम्पर्धन का प्र रेमवर्षणः निष्ठा-लीगा मानिया धौरकन। छारे दक्षम्याव निवदक 'देक्नामाविद् निष्ठाव्यवर्धमान व्यामाव निष्ठतकीकाम्यः लोहकान्त्र व्यक्तिः विकात-विद्या के विवा खबिछामगित गिकार्क वर्षना कत्रिवाहन।

किंद्र छक्ति य ब्रमयक्रम छार्थ कर कर, बिटनवंडः जीनका त्रिकशन, चीकात करतन ना । क्विक्रिकांत्र मण्डे, রদপক্ষাধরকার শক্তিয়াৰ লগমাণ প্ৰভৃতি অ সমারিকগণ ভত্তিকে ভাৰকোটিতে নিকেশ কৰিয়াছেন। किंश क्षांत्र देशानरे विद्याय । हे । मारिका-ज्ञायकरी बहुए प्रीय त्यारेबीट त्य, श्रेकाव निवासका नर्वकृष्टामार" श्रेट ाम मन्डकः न्त लिकि" निक्क नाका करेए जानी गाँक त्य राजि बीवइलिग्रे नागाउत। बीक्यूकि वि.वर्क विशासनायां नी ७ रमहे क्या है क्रियाद्वा-धोषम्कः विद्धाःका विकृत्तन अरे छा द प्रशिक्ष हैश क्षत है। भागकार व्यक्ति हरेगा शतका स्रोटनी-Trans Miles Mart 700 17 7 10

বাছার করেন না। স্বর্থ করে বিশ্বে নির্মাণ নাম নামন নামন করে তাহা শান্ত রম হইছে তির এ কবা নামনার হেতু নাই। অপর পালে, তজ্ঞান হাহা বলিয়া থাকেন জাহাও সভা। তাহারা বলেন ভল্জি হখন করৈত আত্মন্থবিবকে বৃত্তিবিশের, তখন ভাহার রস্তু অখীকার করা বার্মনা। সাহিত্যসারের উলাকার স্প্রাণ্ডবে ব্যাক্ষাভেন যে, ভল্জি মুখ্য ও গৌণ, বা পরা ও অপরাভেমে হিবিধ। অসকাপ্রাণতে মুখ্য ভল্জি শান্তরপ্রে অভর্তি ও গৌণভল্জি ভাব মাত্র। ভল্জিশারে শান্তরস নিক্ষেই ভল্জিবিশের, মুখ্য ভল্জি রসক্ষরণ।

শান্তিলা ও নারত্ব আপন ভক্তিপতে,
মধুপুদন সরস্বতী ভক্তিরদায়নে ও জীরপ
গোস্থানী ভক্তিরসামৃত্যিক্তে ভক্তির' রস্থ
উপপাদন করিয়াছেন। এ ক্ষেত্রে সে সব
আলোচনার প্রয়োজন নাই। এখানে ইহা
বলিলেই থথেই হইবে যে, প্রভাতিজ্ঞা দর্শনের
আচার্যাগণ ভক্তিকে রস বলিয়া স্বীকার
বরিয়া অধ্যাজ্বাজ্যের একটি গভীর তথ
প্রান্তি করিয়াছেন। উৎপ্রাচার্য তাঁহার
শিংভোত্রাবনীর প্রথম স্থাতে (৫) বলিযাছেন—

অধবি ছাজি বিশ্ব সনাগৰ ব্যোলা।।

অবিতীয়া অপি সহা সভিতীয়া অপি প্রতা।
পরাজতির ইতাই বৈশিষ্টা বে এ অবহার

অতীর,না থাকিলেও বিধীর থাজে। নদীরার

অগোরাল এই প্রতই অবিভাগেতের তথ্যে

প্রতার করিয়া বিষাকে।। বাহারা মনে

করের বৈ ছাই চইলেই নিবা। হাইমে ভীহারা
পূর্ব সাভার একারক।

সাভার একারক।

সাভার একারক।

Mail: Pilet come, derrier etter en, নেই এক্টোর জোলে ছই পাৰিতে পাছে স্কেন্ড ভালবৰ যদিও সে চুইও অক্টের উদ্ধান কাৰ্য- ক্রেন্ড: ক্রেডিডে পার টি যিন বিবাজীত, व्यमानन । नाथ दरमानदेश दकन में गुरमाहिना किनिये क विश्वीचिक विश्व के किन्निय नियम । **गाककः व्हिन्। (बहार्यमक मर्राक्तिकः** गामिकटेक स्पेन्नः"। अस्त्र्यास्मास्मर्कः বেছের উপ্শম হইলে এককরতে বাহার ক্রণ ্রিন ক্রান্তর বিশিষ্ট্র বি

ारे कान क किंद्र देवशास नगरम नियोक्तीक मामधीमा वाषात्महै। देशहै

মহাজা

औनत्त्रम (पर]

নেই ত মাতৃষ, পুরুষের জাত ;--পৌধ্যে যার বক্ষভরা, गोनन यात्र व्यक्त्य ८७८क नार्च करब्राट र्हा छता ! চ'লেছে জগতে গতোর পথে—নিভাঁ ি শিরে শীয় ভূলি সমের তরে অস্তের দাস হয় নি' ে গন কখন জুলি ! জন্মভূমির অনুসাশে যোগী, কঠেত গ্রাপন দেশের কালে. शितिको याद अञ्चलका, का । म 🗀 मीरनंत्र भारकः বায় শ্রমজাত শিল্পে সোহাগ, মোটা কৌশীনে যে 🐲 এতি, ক্ষতায় নয় ধর্বৰ ক্ষম,— ক্রিবে নম্ম ত্রবিনীত 🖁 करम निष्य कांच निर्वाहर प्रशास्त्र, कुछा मनिव उर्व है निर्वाह वी किंदू मकलरे निरक्त अन्तम, शतरम मंतरा मंहिं नीरका মহা মানুবের মহিমার বেবা মহিমানিত ধর্মী পরে वाधिकारत मना अधिकात थात, क्षावामी त् सूक्ष मंगन पहन ; गापुष श्रेत्री माणुरबदत केंजू करत नो ट्रा मीठू वार्च नाति। अमान नवात्र मान मेबाागा—अख्यात्र योत्र स्टाइ कानि । क्षित्रक बद्धाः कृष्यामा दय भरवद्दा स्वयं इत्यास्त्र वाजा-े शिक्ष गांवा गर्भ संस्थार क्या धना क्रांज शांक

বন্দীর গৃহ কব্দির হার, শৃথল ভার-অলভার, পীড়ন প্রহার কঠের হার, নির্মান্ডনেও নির্মিকার 1 पदा तय नाटर जाति संस्टान, सक्ष देश नकि स्वतापाटक, महा त्य नाट् निक् निल्ल, क्षेत्र त्य नटक संकाराएक : নিন্দা, কলুৰ, কলুষ, ধাৰে পাৰে না করিতে কলৰিত इंड्राबिद्रीयी मञ्जाहास, अक्षाहारत्व भरू व कीक. অহিংসা যার প্রারম এর, তক্ত্র যাহার চরম ভাগি; भक्तम-यद्धा वाटम विभिन्न शेटनव द्याना हु:अज्ञीतः জান্তার বলে জান্তজয়ী 🙉 পরনাতার চরণে লীন, बीदि (१८) १ व भीवानः वृक्त, मधीन (४ (१८) धनी ଓ १ न । দেশাপ্রবাহ-ভাগেদ চিট্রা বির্মিত ক্রোধ ক্ষমার বলে: श्रीखिरनाथ ज्लाम १९९८म मा त्य काल, तनात्य मा त्य का ह निद्वाभी **मरम**ः অস্প্রের স্পালে বাহার শুচিতার বিশ্ব হয় না হানি, काहि-एकप्रकार , belएसन वाटन काहिन कीनान त्नश मा मानि, माध्या नामा । अभिन्दा छ । यार्ग धारा गाँकिसा स कामा वक्तर क भ्रांचत किल । स्रोधको मामा स्रेत , বিশ্বাস প্ৰাৰ শিশ্ব-লিপ্ট্ৰী শিংপ লে কৰ ধৰা প্ৰাণ্ क्रक्ति वामात्र महिल्द गुरम कार कार्या (यहां सर्वे ভক্ষোঞ্চ বেশ চুলের কুলাই, শরে বলি যার লাইছুক্তে . बोर्धा क्लान क्रमीय ंत्री, एलीम के त नग्रकृता : আটুড অইল প'ৰ পাঁচল প্ৰশেজ সমনে সভূচ মকি, বজ্লসজ্জের বলি দিখেলে, ভঙ্কার 🦛 অবার গতি । निधिल सम्भी कम्या याकान, विश्व-मामव काकाद छ है, ু শুরুল উদার শেক্তর যায়, "ল নপট্টা বিন্দু নাই, আধনার দে'ব, ভূল, চুব্, জঁড়ী,—থোলসা যে নিজৈ সীকান করে, ্ আত্মপাসঙ্গে পাশ বিনালগে হণ্ড বে দেও নিজের পত্নে, ্বত্-বিরুদ্ধ কাতি-শর্মেই মিশুন বাহার প্রভাকা তলে, विद्यास खेलके म समित गर्न, भक्त-मिक-चारात बरग, 🗚 😆

শাণিত শানির ফলাকের মত বালকে শীন্তার তীক্ষ তেজ,
শ্মিত প্রশাস্থ উজ্জ্ল মুখ, শীরে শুল শান্তি কৈল'!
সিসিতে যার কোটী মৃত শ্রাণে স্পান্ধন পুন হ'থেছে হুরং,
সেই মহাল্মা অজ্ঞের আল্মা আল্লেম্বরে মর্ত্র-গুরুং।
শ্বিশের হিত্ত—কল্যাণ ব্যারে সমাহিত কার বালিকন,
বিশের হিত্ত—কল্যাণ ব্যারে সমাহিত কার বালিকন,
বুদ্ধ, নানক, কি মহল্মদ, দাশুর বন্ধণ শ্মরণে শান্ত—
মরণ-বিজ্যী শ্রাহরণ চনণে ভাহার নমস্কা

আমার সীন যাত্রা

(: 35: 1

अटकमात्रमाय थरमा विभाग ।

হংকং পরিদর্শনটা পদ্রত্যে কবিবারই
পরামর্শ দ্বির হটল পোষ্ট আফিনের পর্গ
ধরা পেল। কংকংখর রান্তাঞ্চলি তেমন
প্রশন্ত নহে, পাধাড়ের উপর সেটা সম্ভবও
নহে; তবে পরিকার, এবং বড় রাতাগুলি
ছইধারে দুলিখাথ দিয়া আটা। ঘোড়ার বা
পক্ষরাড়ির গোলমাল নাই,—রিক্সাই মান
ক্রমা করিয়া পাকে। রান্তার একদিকে
বাদে, পোষ্টাপিন, সংলাগরী আপিন, ছোটেন্
ক্রান্ত সাহেবী নোটবে শোভা পাইতেত্তে,
অপর দিকে চীনাদের লোকান। ধে-দিকটার
দেম কলিকাতার ঝাধাবাজার, চীনাবাজার,
হান্ত্রী ও মুর্গীছাটার একীকরণ ঘটিংছে,
ক্রিকাপারিপাটো ও শিরসমাবেশে তার্মনের

এটা পাহাত হইবেও সামগিরি নয়, এগান্তন মুদ্ধ থাকিলেও তাহারা পৌতা ক । এ তাৰ লোই লিংসের। ইহারের উল্লেখ্য কৰিছে পারিলেই উদারতার ব্যাধ পা ভয়া হায়। প্রথব ধারে পোঠাবিদ্ প্রেলা নিক্ষেদের প্রেটের কথা ভারারই প্রেট নিশ্চিতে সম্পূর্ণ করিয়া, ঝাড়াহাজ্যা ধ্ইয়া বাজারে প্রবেশ কর পেল।

হংকংএর বাজারতি একটি প্রকাশ্ত পাকা
ইমারৎ: দার্থে প্রায়ে প্রায় হই বিঘা জয়ী
আখনাৎ করিয়াছে। চারিনিকে ছ-উচ্চ
গেট্, মধ্যে জিলাট প্রশাল্য বিভাগ। একটিতে
কপি, আনু, বেগুন, মটরস্থাটি, লাকসব্রাঃ
একটিতে বিবিধ ফলমূল; অপর্টিত পিরাল,
রস্ত্রন্ জালা, লুড়া, হলুদ প্রেভুতি মশলা,
সেই প্রকাশ্ত বিভাগগুলি পরিপূর্ণ ক্রিয়া
রাধিরাছে। এরপ বিচিত্র কলমূলের মধ্যে
ও প্রেচিত্ত কলের মধ্যে
ও প্রিচিত্ত কলের মধ্যে

লৈশিক্ষা না। আসুর, আনেল, নামপতি, ভালিন, লিচ্ নানারদ, পদা, কলা, ভলপতি, ভরমুক্ত প্রভৃতিত লৌকনা বাদাবের রপ যেন কাটিয়া পড়িতেকে। দেখি, এই মুদ্র সমূপ বিশে কুল পাহাড়টিলে হরমুক্তপালর মধ্যে কামাদের সাধ্যে চা ব'লের ল'ল বক্তিত হইতেছে। টেবিলের উপর কাটা-ভরমুক্তভান বিক্রমার্থ লাকান রহিছাকে - কোটা-ভরমুক্তভান বিক্রমার্থ লাকান রহিছাকে - কোটা-ভরমুক্তভান বিক্রমার্থ লাকান রহিছাকে - কোটাল লাকা, কৈ নাল পীত, কোনটি। বর্গ বর্জ । হ্যক্তি প্রক্রমার্থ লাকার ইয়া ভাহানের উপর মধ্যক্ষিক র ব্লক্ষ্

ভাষরা পাচ আনায় গড় বা এক । বি, ধরিদ করিলাম। প্রাপ্ত মাজেন আহলে । বিশ্ব স্থানের প্রকাশ । বিশ্ব প্রকাশ । বিশ্ব করে । বিশ্ব প্রকাশ । বিশ্ব করে । বিশ্ব প্রকাশ । বিশ্ব করে । বিশ্ব বি

ক্ষেত্ৰ হাত মৎত মা নাল দাখনাম,
কিন্তু এত বড় বাজাবীয়া মধ্যে ন লাম নাম
লাম নাম নাজ বাজাবীয়া মধ্যে ন লাম লামন নাম নাজ বটির নিমতাল সংগ্র মাংলের
লামান নাম নাজ বটির নিমতাল সংগ্র মাংলের
লামান নাম নাজ বটির নিমতাল সংগ্র মাংলের
লামান নাম নামান ম ছের বাং বির নেকেন্
প্রক্রেম নামান ম ছের বাং বির নিমান নাজ্যি,
কার ক্রেম মান্ত্র নামানামান মান্ত্রি,
কার বির্নেত রাং প্রক্রমনাস্থা তারানের
স্ক্রেম নামান নামান মান্ত্রি,
কার বির্নেত রাং প্রক্রমনাস্থা তারানের
স্ক্রমন্ত্রিক বির্নেত বির্নিন স্কর্নির নামানামান মান্ত্রি,
কার বির্নেত রাং প্রক্রমনাস্থা তারানের উপর

টেবিলের উপরই নাঙিপালা ছাঁটো। নিচে
বড় বড় টবে এজে রহিয়াছে, কেবল গাচা
বাচা ছই চালিট ফাছ, টেবিলের উপর পাক্ষেয়া
কোতাদের মৃষ্টি আক্ষণ কবিতেছে। ছোবাল্ল
মাহাবো অভি সহত ও সহাজ আশ ছাড়ান,
মাহাবে অভি গহত ও সহাজ আশ ছাড়ান,
মাহাবে অভিলিট কোবিলা বাহিন করিয়া
ফেলিয়া নেওয়া, নেবিলে অএক হটতে হয়।
যাত ছোট কাঁটিট কেবল পাকিয়া যাওয়া
মহল। মিনুগাৰ মহিটাই মালে ও মূলো
বড় দেখিলাম, বোধ ছাইল, মে অঞ্চলে ও
মাছটাই সাহ ও প্রির।

ন্ট নিয়তালের অপবাদ্ধ নানাপ্তাকারের মাণস্থানী ও বিশেষ প্রিপুর্ব চন্দ্রপ্রকার शक्र एक्टर नराज अनुवास्य नक्षप्रान्य एक्टर विका क्यू" र्वाला, प्रानिष्ठक क्यू र्वाकास- प्रान्धारमण् नामहाति । अधिका भगति । धक व्यक्ति ্বালের পঞ্জীর মধ্যে, প্রকাভ তাপ 'ও কল' ক - । वय किया प्रकार एकि छ। जीवस ব্ৰুট, চাস, পালাণত প্ৰভৃতি প্ৰথাৰ পা राक्षिय उनाम (क्लिश (५७०) रुवा ६) ११३ মিনিট প্রের ভারাদের কুলিয়া নইখা, অভি गर्दक भू। १ भ्रास्य केन्द्रतर नानकक्षक ज्ञानगानि कुलिया रामनिया, भागी खनी एस गारतव हाउक (महमा इम्रा कर्यत--अक (के है। ब्रह्म नी दारः महे १ व - नमल्डेक् गोश्राट क्लाएगा ুল া ুশীছ'র, থার ঘালাতে সহত্তে পরিক্ষার लार भागते भागत का नावह वह का वा এই বভিৎস কাওটা সমষ্টিত হইয়া গালে। व्यक्तितीत विरयः अवः मामान कर्णा कर्मा अव नाह त्र, अयन मध्य छेशां ग्री - याहा हीनां प्रकृ मगाम जानियारक, तन्त्रवीक बरनर मगत कार्गा. দেবগুরু গৃহস্পতিরও বৃদ্ধিতে ভাগে নাই।

কভাগজনি কারণে পানের এয়োজনটা বড়ই ভীত্র হইয়া নাড়াইয়াগিল। যাহা ভাবিতেছেন ভাগা নহে, -এই কল জলমন রাজ্যে প্রাণ হাতে করিয়া, দুর্ভি কিনকিটুকু প্রান্ত কাহারও ছিল না : জাহাতে জ্বন-व्यवस्थिते यत्वा याहा केंसच करेगा अनात स्वपृत्ति ष्यानियो ताह अधि पार करा भारत अ गराई मिन खमवीन हरे। कहिन अंदर क्लार পানিতাই সেমার বজন বজন ডুলী ১ कामारभर ५८५८ छ्र जकरि भारत्य रनाक र कित्सम । यहां हांत्रक, अक्री कारण एक दर्भन र्केट्रोंगे हीमा नाम द्वांक्टरहरू। व्याप्त । मध्य १ । मध्य १ । अ. प्राटारम्य निक्छे **डे**शक्टिट पर जर भवर्षक मा करियाम जन ाम महिन्द्रा वियोज स्कूब त्या इर्ज । जार ही ष्ठदेषि कृति वास्ति कदायः शकांसस योजन्न--"पनीह है । जोन सामाय दान, उठकाओ फुलाव मारि ।" यसूभगात छोत्रा विक अन-"राजा कार्य प्रकार करा रक्षिक, पूर्वका भागारा क्षां<mark>टम ह</mark>ुन *रिक्र*क्क श्रीलय नगारा। ३, ७) - श्रीनिटिय, विकार कार्य करहारते व भ नित्रा व्याप ग्रामीशे भिष्यं सम्मुकार्वा का का भिना क विका अर्थन कांग्रज क्यान पर मंत्री आब हीन भगाव द्वीक्टिंद सा कार्य 🕴 रा किंश दकान कडेंद्रे बायुडव कतियाः नाः अक्ट त्यामाराम त्य, मरश्च निक्रे विशेषा थवडे विभी छछ। ए । यायामप्ति क विभ खनाबी कलि कैंा व नाह . - डीटन ৰটে। উভঃ ১০ৰ পান পাওয়াখা ব না, প্রতরাং উদাণ্যানর উপযোগী আলোচন লওয়া চইল: গেডৌফ পানটি এক প্রদা হিসাবেই প**ি**।

্রাক্তির শিবরাদশে উচ্চপদত্ত 🗆 🕾 न की जी, मुख्यानत थाएकि 📆 मि भारता दानार्या वाः कन्निशं धाटकन ্**সানটি স্বাস্থা**কণ, বি**রু**ণ বস্তি প্রেশং স্বাল मम पर ठाजा । नरतं दः क डाहा व्यक्ति हिन [#] म ठल **फिर्ड्**ड अब **निषं १ एफ आप** माज्ञ क डी एक, कांड बाहे छोड़। स्वत क अमे ताम नैगामान अमेरिक के ल न निक द्वीरचे (Fyak-tram) श्राप्त के ही वित्रका প্রেভি দ দিনিট অস্তর, বি ৩০ জন प्यारहार्वे. हाई । अर दहरेल कर्यानि शक्ति केंद्र हैं रहेर १० वर्ष हैंद्र में प्रकर्णीय গ্রাভি বিল্লে নামি বছে। প্রত্তের বিশ্বী িন গতা জাতা এবং শ্রেধানং ভারেক "HET (wife must mire , wheters া ও প্রধান সাভাগনত হৈছে। নলিনা বাজবিক ত্র হয়। ভাহাতে গাৰাৰ Singer inc. খথচ ছইখানি গাছিছ े भेरे मम्बद्ध हो . १ । यम भटा काहाटमत নাকাৰ হয় সেখাত একট পাশকটি।ইশা थ्**थ रा** Sidin, এत । छ प्यारिक । व्यक्तकानिएक ए।ई Sideral अ प्रकार अनुसर्वा अनुसर्वान्त्य अनु ছাজিয়া দিতে হয়।

আমার দহবালীর দ্যাবত বিনাহস্থানে
"বলে তে: বাল দিওদা" গাঁকরা প্রান্তি ব
গোরব লইয়া বাহির ক্ইয়াহিলেন, কাঁকার
অই টিয়ান-ব্যাত্তা দাল বা শিবর্মার
শেবিবার জন্ম প্রস্তুত ক্রয়া প্রিক্রার
অ মি তাহালের সালনার প্রশংসা না শ্রিক্রার
আজিতে পারিসাম না । তলাত বিনামন
অজিয়ান বাপ্রেশ টিরর চীনে বিনামন
অজিয়ান বাপ্রেশ টিরর চীনে বিনামন

विष्ण में विश्व विष्ण कि कि विश्व कि विष्ण कि व

क्षेत्रको विका प्याः - 'एक्से वामानव रेपाउव' विकास होते । क्यांकी द्याप इस निरंकत रमान, बेकेलंक विरागत केत्रिया शक्तिक करण, भारते की किए है। मारांचा कविषे भारत । में बन्धा के क्षित्रे आह्वात मान्याओं के कोत एया -रक्षेत्रके व तमा समावतम् देनम्बानाः ক্রি ক্রিটার বাঙা ও আইনের চিকি. ক্লেটিউছ নিশিশেষে বজোপৰীভধারীলেই केंड निर्में किल । मोश केंड के, डेक बहुम्हें के व्यक्ति एविधायक के बिक्र मस्टक्ड अर्थान केंक्रिल वर्षि । कवाँके किंद्र नकत क्या , যানাধ मा----41 ; 701-74 युक्त शत्म, (मण्डार, मुख्या च कुर्रालाइ. ইত্যাদি ' ভারতের ঋণার স্কল জাসিই, শিলীর ও স্থান ব্রশিষ্ট্র रण'य ताशिशा. ক্রিক বিজ খদেশ পৌষাকে পৃথিবী পরিত্রৰণ प्रतिशके नाद्यम वानवाहे करन हक । कियानी व सेन्द्राका मनग क्रिक्रिय रेक्डि रामानीका निर्माण ME STATE (& PAIN) HER CH. किर्म के देश निः नदमद्व वता

क्षिकार अधिक शाक्ष वास्त्र अधिक स्थापन

THING THE I HISTON WIND TO THE भात गावकि हुन । किंद्रा शावी जावीरनेव छ रकीय कोर्टिक का बार्वियन भारे। क्रीवावन ঘূন হিল্ল হে এই পোৰাকটা জাহাতে रो पूर्व शिम्रेटन क्छाएँदिनाञ्चन, श्रुविशाञ्चनक अ गठण स्टेटर । कासाक मध्याबीतमा मत्या क्षिकां कर्षका छवा केश्वर नारहतरमान তিয়, যুৰীয়াজ সদুৰ্শ মাজকাৰ ও যেন্তেই না थीकीय. श्रीयोक मद्दक खायोस्तर केविने व কণয় পড়ে নাই, ধৃতি ও প্রেক্টী বা বৃত্তি ও মার্টই আমাদের সাভ সঞ্জার চুডান্ত ছিল। श्रीका cain प्रदेश, कुछ मार्गालांत मन्त्रकांत्री Verile chest and made for mele লাশালী গুলুন সহু কৰিয়া, এক একার चाम्याम् व्हारकाई खेळारमञ्ज चवका स्पाठ-नीव बेरेका केंग्रेस किया। कर्म क्या, ग्रेतिकार केंद्र शांकिक ७ देशत्छ, व्यामवां ७ द्वां ३ म नित्वात्मव অভাতে, ফলোয়ার শেষীর মধ্যেই পরিধণিত ংইয়া পড়িতেছিলাম। ভাষণধ্যের কাণ্ডেন, ভিফ, ইভিনিয়ার, ও সংখ্যারী ও শিকানবিদ ৰাটি কুন"ন কঃজ্ঞান ভাষাই ঠাওয়াইয়া ेगाकिरक्स । क न्या, केश्वरिक छ तम अपि-के वि वहारक वारह, व क्या है क्यों है किंग ना ।

रिनयंगे निकाशृद्ध - निर्द्धांतर प्राचित्र गंग्य नारे, कांत्रक ट्रावादिक द्यांतादक्तांगे। वार्तींत नाराद्धांदि मनावा हरेनावित्र । किंद्ध राज्य गंद्द्ध, त्रमद्धांत्व व्यक्त कांद्रक, कि देखांत्र, कि वार्ति, कि कांनानी, कि देखां, कि कांत्रीन, कि प्राचीति, कि द्यांचांत्रका क्रिकांत्र त्रम्भारमाधिक प्रमाण जीवा निकांत्र त्रम्भारमाधिक प्रमाण जीवा নৈক্ষটা জনসমাকুল রাজনবৈত্ত মাঝখানেই উলল হইয়া দেখা দিল ৯ এই অভবাতার কলটোও করেক স্থানের আমর অভার্থনা ও কথাবার্ডায় বেল স্থাপ্তই অস্কৃত হুইক;—

ক্ষান্ত্র হার বিশুক্ত ইংরাজি বুলিতে কেন্ড ভূলিল না। আমোদও দিল না। সঙ্গান্তর আমাদের মোটাটাকা লেগনের বড়বার (বোসকা মুনাই) বেওকুল বলিয়া ফিরিলেন বিভারিক সে কার্মনের দেশে, আগ্রময়লা বৃতি পরা, সাই পায়, মাখা খোলা মান্তুদের, কোন কলরই হওরা সন্তব নর; সেটাও আর কলিকাতার কষ্ট্রম্ হাউস্ বা "ক্রেটি" নর। গতারের ও ছিলনা সর সম্মটা অভ্যন্ত হাদিম্থে হলম কবিয়া, হংকং দেখা খত্রম্ কবিতে হইল। কিন্তু আমাদের মনো বাহার সামাভ মান্ত্রও আ্যাস্থান বোধটা সচেতন ছিল, ভূাহাকেই সারা পথনা অসাচ্চলেই মবিতে হইরাছে। এই নিডেভোলার মত প্রে প্রে গুরিতে,পদে পদে ক্ষোনার ইয়াছে।

গ্রমন অবস্থার লগন বাবুদের flesk-traces
এ ঘডিয়া, হংকং পাংগাডির শিববদেশ থেপিনার
সথ চাপিল, শথন নোসংগাকে বলিলান —নেব
প্রপার প্রিট্টি বার্ণার হাজ্য বাব্যচন, - গ্রাফী
ভিন্ন জ্যাহান লগন লগনে ক্রাক্তিক হিলাক শালি ভিন্ন ক্রাফিল ক্রাফিল ক্রাফিল প্রাক্তি লাকাল শালি ক্রাফিল্ডিন ক্রাফিল প্রাক্তি লাকাল শালি ক্রাফিল্ডিন লাকাল প্রাক্তি ক্রেম প—আব ঘটে না ঘটে এচাল্ডেই ভারমণ আর ক্রাফ্রেস ভারাই চিন্দিনই
আর্থা বাৌ ক্রিমান মন্ত্র্মনার-ভারা চিন্দিনই
আর্থা বাৌ ক্রিমান মন্ত্র্মনার-ভারা চিন্দিনই
আর্থা বাৌশির মান্ত্র, ক্রেম্ব দলে ও জ্বলে পঞ্জির বার্টের বি র্লিয়াছিলের, ভারতেও পজাটা বাড়ের করে করিবভাবে করেবভাবে করিবভাবে করিবভাবে করিবভাবে করিবভাবে করিবভাবে করেবিকভাবে করেবিকভাবে করেবিকভাবে করেবিকভাব

যাগ হউক, নানা চিন্তা নাইবা कितिनाम ।" (मर्च कितिनाहिका, अभ्यानी के कामाहिक হইয়া গেল। ভাবিলাদ,—ভনিতে পাই আৰু रमञ्ज क्रमें नाकि ममूखे शास्त्र क्रमामभासाहरू কার্শান ও রেশমী বস্তু বোগাইত এবং সওদই গবেরা নাকি ভার্মা গোদরে ও গোড়াহে লইও 🕫 ाव ७ १ वड़ वड्ड अन्द्र-भागत वाजिकारिक भक्ति है ाबयां। अमन एकन १ अठी यनि व्यक्तिक करें প্রতি অনাত্রাজনিত ত্যালের নিদর্শন হয়,— কথাটা বেশ পাকা ৰক্ষম শোনায়, ক্লীতিস্থপকর ও বাট, ভাষাতে ভাৰতেই গাঁতও ৰঞ্চায় খাকে 🖂 ক ছ নিজের চৌহদিব নাছিবে সেটা খনি, শ্রীর্ভ দক্ষান ও সামপ্তক্ষ বক্ষা কবিতে সমীৰ ইটাউ ादक सुर्थत करें। वहनक् आयामिय विस् —"ध्यताम (A) है थाव मा" भारे तुर्वे क र्याप रद का नामान रुका सहिता विभिन्ना है। थाय — लानारम् नगरम्या ८क विष्ट विक् के दिन না, স্তরাং এ প্রগণ্ডটা প্রমাই ভাল 🗗 সাসল কথা যান্ত্রর দৈয়া ও শনিনভাটা তখনও পরের भारक अवर क्रांगांक महत्त्व जारंक शका निर्वे क्रिक

প্রমান বিশানি করিব_ে বণিবারি পূর্ণ क्षाना देवी सहित्का बंगर शैक्तिका बानाएके टा अंत क्या ।" िनिनि सा 😘 (मक्कारे) (गोरनंबर 🕩 ম্বিক্তিকাং ভাষাৰ ক্ষর বাজা। অধন সম্ভব বলসুৰ, এখন ভোষের কম তোরা করবি ! ব্যু ক্রম্ম শিনিয়ার ২৯ খাক দরকার কারণ উল্লেখ্য স্থাতিক সে কেইবাও থাকে নাই বা এখানকার ষ্টেটবুলে তো পাঠিরেচিল্ন, তা बाकिर क्रियाद्य मा । क्रिक टक्स्टबबरदा विका ক্ষেত্র ক্লোন কথাও বলিল্ডা- তুল হৈ সংসাহেত প্রাইমারি ক্লাসেরি ও যোগা নয়, কি করে যে মধ্যে । কি বিশিষ্ট ক্লিকি, তাহার অভ ও পার্ড মিত্ল পর্বাস্ত ঠোল উঠালা, নাষ্টারনা (व अक्की शृथक जात्माक्रात मनकात, ाठ) লাহার **কাবার হোকে নিট্ট** । উমাতে **বাবা**ি প্রনোশন নিয়ে এসেচে ভার কি ! অফিসে क्षि क्षेत्रिके में अब अब मामाद गत्म कान्त्रीहर

क्षिक्रक नाउ निर्मा समिया वर्गशत्म-क्रिका क्रम कर्ड क्रम स्व कि निक नार्क हरेश निहतनः निशासक छोटे शटट राभवानि ना स्थ, त क्रिका क्षिप्रीत्म माने क्यांत्र हैं के क्यांत्र के क्यांत्र क्यांत्र के क्यांत्र के क्यांत्र के क्यांत्र के क्यांत्र

AND PRIME MICH THEFTON

्रिक्ति । "उन्ह राज्य अपने क्रिका क्या महकात। ক্ষাৰ কৰি কৰা কৰিব পানিবা, ক'। নেতাৰী, তুঠ ও বি এড বিল বিছ

নুষ্ঠানিক ছেটি বেনি ভ্রনতিকা, "আমি মার কি বনবো ঠাকুর্বি, তত প্রাভন কি ক্ষাক্ষা ও নহাৰ ভাগাটা মনেই আমি বাচি কেবৰ হাড়

''কি জানি বাস্থু, জোদের মত্লব-টতলর खिक आरोहि कराकी कार की वार अक्सोंग वाकि दुनि सा अहा युक्ता गर्ड वा आरम् अहि

"আমাত্রে কিন্তু ছুষো না, পিসিমা।

পাৰাপিঠে কি ৰোভা করণত পারা বার প बुबारको शास्त्र मा-दौरा-दकारे शास शास একটা চাপরাশির জায়গা থালি হচেচ, চুকিমে लाबाना इड-निजन (१४) काला देकाम **क्रांग्टिक** स्मारव ।"

হারিয়া পিরিমা কছিলেন, "কিন্তু ইঞ্জি का का का कि करने का निर्मिया, अस्य एका साहित्य क्रांस्थानि बाउ विरक्

Tel will with the second

किंक पूरेश ताथू आरक अकट्टे बठ छना क्रिय् रमक्रदमस्य रन्धमात्र रहत्न, क्र. कि कि अत्र अकट्टे इक् स मा।"

"শোৰাত্ৰ আৰু কৃষ্-চৃষ্কু নেই ুঠাকুল বি, गादक अध्योग स्मात क्रांन्स्कृत छात्र' त्यार इक् किरतेत के नरेरण कि व्यवनः सानाव आभार যার !" বলিয়া তিনি একটু বেন সজল कारथरे मिथान रहेर छित्रिया वशरणन ।

> "শতি ।" "कि मा १"

''আমি বালা, ভূহ একখানা ভোর সভরকে চিটি শেখ, তিনি এলে, এখান থেকে ভোকে नित्कत काटक नित्त्र गान्।"

नाम कान्मिम थाहि, कान्मिन तिहै —তোর **হ-বর** বজার থাকা উচিত।"

"आमि याव ना।"

ৰ চহাগাটা গেন কোথায় দু দানকিয়া বন্ধি লৈখিব, পাৰে ক্ষেত্ৰ ভইয়া ও মানকিয়া !"

বিশিতে বলিং চিনি মান্তিধার ঘরের সম্মূৰে বিয়া দেখিলেন, একটা কি বিহানাৰ 👉 না বাৰ্ মান্তৰ চাৰিয়া দিয়া ৰে উঠিয়া আসিল 🛊 💢

প্ৰত্ভাগাৰ বেপু^ল বন বন্ধ

अधिकरेके अविश्व कि इक्षा करता ता करिया FAMILY FOR COLUMN 1 - IN MARK ... THE O

Charles Ballier at a mark and the

TAIR MAIN IT

े गर्माद्य ब्राह्मय शक्त्रकेण द्विता हिंदा को जा বৰী পৰে চুপিয়া বিচাৰার ভিতৰ বাহুতে টানিতে টানিতে ভাৰাকে বাছিবে আনিকেন ু গৰা र्वात्रका भागा विद्राञ् निर्देश काली भाग व्यक्ति निर्देश करिएमन, "र्वणा अक्षेत्र मार्क, नाव रामका !"

गार्नाकता का पिटक बहिना, दक्का

शास्त्र अश्वना हुन शिक्षक अधिक अस्त्र चत्रक विकाम। करिया, "पाना पानाय देशामान ৰূপধন ভাইটির ওঞ্জে কি—

क्रिक्र विवयस्थात्वरं वाश्व विश्व प्राप्त क विवा, "कि व्यक्तित शत (का का का ক্তরচি। নিকে করলে থে কেন্দ্রে গোৰ ক मा, २० लाम भरबाव। या वे के कार्या হিলেবের থাতা আর টাকাকড়ি কেনে কি ाइन, जिन बाद के सारक करावन ने कि

राजान्त्रज्ञ राहित रहेना गरिए पहिर्द कार् थमिका नाषाह्या दन कहिन, "दनन् श्रव।" 🥇

্য গভীর বাড়ে মানকিয়া **সামের স্থাহে কিনো** "তবে মর। তোর যা পুসি, তাই কর। ্রকটা ট্রকাপ কর্তর, ক্রিয়া নি क स्वीर्ष निष्मिन द्वानिया जासादुक दन मुक्त रू চাপিয়া এইশার কহিল, ক্লিক্ডা চুই আল

> गि हुके। उथन श्रामिक मगवत्रमी जी-निषित्र महा वाकि संक्रिकेट वर त्यारनेवड 544 Paris #48 828 31981CHE HAN

ি ব্ৰেষ্টেৰৰ কেনিক কৰিছি। তা সৰ লেটা চুকে বিশ্ব প্ৰকাশ কৰিছি । তা সৰ লেটা চুকে বিশ্ব শুনা

कि श्राप्त के इस रकाने के को कतिन ना।

তি কাৰ্য্য কৰিছে কৰা পাঠিছে দাও, তা-হলে কুমিৰ নিৰ্দিষ্ট কৰা, আমিও চাদন হাতপা ছড়িকে বাঁচি।

প্ৰেৰ বিৰেপ্তিনা, আমান কোন আপত্তি

्रिक्षा क्षाणां भागां भागां स्वाप्त (कन ! विक्रों अर्थां वह रही वह !

কুৰিবৰ কি ক্লি একটা প্ৰভাৱৰ দিবাল কৰু চৰক, বইয়া ভাইতেচিল কিও সাম্পাটন

े कि कार के बाद का अधारत के विकास का अधारत के किया है।

^भेटरक देखेलात बार्टन 'हैं ''गराफ राष्ट्री हैं

শৈদ্যেটা একটা বিশেষ কিছু মন্ত বড় কাজ বহু একমিনিটেই হতে পাৰে। ফাৰ্মাৰো তা ক্ষান্ত আছ, কৰাভেও পাৰি।

কিন্তাপ্ৰেলা পাৰেৰ উপৰ নুচাইয়া পভিয়া

ৰ্ণা বৰিছিন উঠিল, ''কেন বৰণৰ ক' 'কুৰিব্ৰুলনে কেন গু'

ক্ৰীৰ বৰাও কেন পু

राजीपु विक्रमान्त्रीक च्यापरीक प्रयाम 🗆

ক্ষিত্র ক্ষিত্র ক্ষেত্র ক্ষিত্র ক্ষি

্ "প্ৰিই তে আমান্ত ৰাখার ভূগেছিলে আন্তি ন কেচান্ত্ৰ, আমি ছে নিজনা, সে তে ভোমান্ত্ৰিক্ষয়ে। এখন শান্ত্ৰ পেৎপালেঞ্চনানি আন্ত্ৰিক্ষয়ে।

সে আঞ্চ পাঁচবছরের কথা। কৈতৃকে ? বাস্তবিকই ৰড় ভালবাসিত। মাকেও সে চাড়িয়া থাকিতে পারিত না। বিবাহাত্তে দূল नवान बाज नववध्य म शबह उभरान् দিয়াছল। মাথ্ৰ দেবা কি কৰিয়া কৰিতে হটাব, ক্ষতুকে তাহাব কি চকে দেখিতে হইবে – দে অনেক কথা। स्मार्के एक वर्भन वयम। अविश्व **स्वर्धि** দেওবকে দে যখন ,থলাব সাখী করিয়া বসিল, মার কাছে কাছে দিবারাতি ছারার মত কাজে অকাভে থুরিতে লাগিল, সে তখন আঁতবিক্ত আক্লব নিয়া, প্রতিষ্কার্ত অনাবপ্তক মুব্তি বদ্লা हेन्रा, श्राटाक मकन रक्षम बहेट हिन्न करिय क्यांनिका निरक्षय चक्करन मुक् कडिएक शियारक। भाम বুৰিতে পারে নাই, বাহিক একটা ভুচ্চ आगर्भ क्षापत क्षा भाषात कल्का ७५ **ब्लाबरे** भदिगड क्टेस्टिकिन।

"আৰ্শি করেছিল্ম দু বেশ, জুমি ন্য হলেই চ শারতে ।" Alleganis (an Asia) Alleganis (an Asia) Alleganis (an Asia)

"उरन वर्ध मा (कन् १"

गडीत ञार व्यक्तिशा उन्नत्र मिन, "ठाई श्रः । स्टेन् !"

সংবেশন বাহির হইছা গেল। মার ঘনে তুকিয়া ভাকিল, "ছুমি নাকি মা জাল মুখ্য দিনটা। জিলু থাওনি পু

"পোড়া পেটের অক্টেই তো দ্রব ভুলতে। ইয়—ভাৰচি না ধেরে কদিন বার দেবি।"

নার পারের কাছে, বিছানার ব্রিয়া, ছাত বুণাইতে বুণাইতে হুরেশ জিজাসা করিল, "আমার উপরু রাগ করেচ মা !"

"আমার আবাঞ্চ কে আছে বে রাগ করবো p" →

"কেন আমি কি কেউ নই 🚩

"পেটের ছেলেমেরে আবার কে করে আপনার হরেচে p"

কিসাবের থাতাটা ও টাকাওলো নার
পারের কাছে কেলিয়া দিগা স্থরেশ কহিল,
"তোরার ছটি পারে পড়ি মা, স্নার কথনো এমন
করবো, না। কেতুকে আমি কাল-ই তার্তী
করবার বন্দোবন্ত করচি। ওঠ, খাবে চল।
লতি, মাকে থাওলা তো ।"

বৌদিদির দর ইইতে বাহির হইরা আসিরা ব্যক্তিকা কৰিল, "তথন থেকে তোমাতক বলচি, বাবে না তো আমি কি কর্মবা!"

প্ৰায় এই থাতাথানা আৰু টাকা**ঞ্চী**। মূৰ **প্ৰায়** সূত্ৰ বাৰ্ ।

ৰাজ্যনী বিভাগ। বৰিবেন, "নেছু আছু र्गिको शक्ता (त्रा, (त्रा ्रे गान-राम स्वक्ता श्राहक है

"(put ava /"

ক্ষেত্ৰক আনাইয়া যা থাজাইছে বনি-বেন। নে তাড়াজাজি থাওয়া কো ছবিয়া মানকিয়ার কাছে কুইড়ে ঘাইয়ার জন্ম কিছু বাড় ছিল। কাছে কেয়াকৈ কালীতে কল নাই দেখিয়া কভায়নী চীৰকায়, কৰিয়া উঠি লেন, "ঠাই কবে রে এক গেলাল জল বিভে কয় ভাও কি কাকর পোড়া চোবে ঠেকেছি। একটা লোক না খেনে মন্ত্ৰচ, লান সকলো খেনে-দেনে নিশ্চিম্ব হার বুবুলেই হোলো।"

ক্ষেত্র কহিল, "আমার খেতে বলে তেই।" পার না।"

"তা পাৰে কেন ? ইডজানা হলে লাকেই বে ট্ৰে

গোণেৰ্ব্যকে ছাড়াইরা আসিরাং বিশ্বিকা কবিনেন, "কি হারচে কেজনী দুল "কি হয়েচে ইয়ার বৈতে বনির এক কোঁটা কল কোনাও পান্তি না শি

"**আমি দিকি** !"

সদকারে হাত্ডাইয়া এক সাম কৰা আহিছা ক্ষেত্র পাতের সাম্নে পিনিমা বার্ত্তী কিছেন। ক্ষেত্র জল লইয়া এক চুম্ক ধালিবামান্ত্রই তাহার মুখে কি একটা গড়ের মতার ভিক্তার মেকিল। মালিল, "একবার আমেটি মরোনা মা, জলে কি মানেটে।"

আলোর কাছে গাত্রটা উপ্ত করি এই সে দেখিল একটা কি মন্ত্র গোক্ত কিনা ভট ভট করিডেটে। কন্ত্রটা ভবক গ্রেম স্থানে

n ngara tika tao staya

ক্ষিত্র ক্ষণাখার ব্যখানার আতি চাহিরাট ক্ষিত্রত ক্ষেত্র কিছুই বেন ইন নাই দেখাইন শেষ প্রজ্ঞ নার্মের খার্ম্বর গেল। কিলি "আমি তো জল একটুও খালান মা।" রাজগন্মীর দিলে কলায়চাকে একবার চাহিরা ক্ষতায়নী কাহালেন, "এ কবার দেখেও দিতে নেই জলটার কি মরণবাচন আছে,

त्राज्य स्थात्रं का जीवगीरक ८०३ शास्त्राहर : गांत्रक मा १

্ "বাবুরা চল্—তোতে কামাতে কোথাও চলে ঘট। সেখানে মা-বাালার - ণাকবো, আমি ভিক্ষে করে এনে তেকে পড়াবো।"

"ना, मानकिया।"

"তবে শীগ্ৰির শীগ্ৰির মাধুৰ হয়ে নে না মাধুরা বি

"তाই হবো।"

"टाब नंत्राहत काक हा नंत्र नात, व्यक्ति मारेटनक होका खरक नव खरना कुरे १७

(∫ ₹

ক্রনারে ভলনেকের ধাবে চনাক্ষেত্র ভার শুক্তরার ক্ষেত্র যুবিয়া বেড়াই থেছিল, ১৮৪২ কর্মণ কাজার হাত পড়িত ১৮৭ চমকিয়া চাহিরা দেশির। শীক্ষাতাপকলেকের প্রক্ষেদার মন্তার বিশ্ব ক্রিকা গাহিত্ব। কেতৃ বুক্তিত পারিল না, এইই মেংশার্শ তাহার প্রাপ্য কিনা।

াৰিটাৰাব করিবন, "তোমার নাম ক্ষেত্র নৈত্র, গাংল ক্ষেত্র ভাগার ক্ষেত্রাকে ক্ষুত্র গাংল ক্ষি হলকাব্য হাই। আই কে কেচো- হোনাৰ ভাইও হৈ হোনাৰ সৰে পড়ে হ তেনাৰ পড়া তেনাৰ হয় না-সাকা ছাপো, ও যে বাংলা দেখাতে পাচচ, ন। না প্ৰসো, আনার সঙ্গে এগো। বলিয়াই তিনি কেন্ত্ৰ হাত্ৰানা দ্বিয়া কেলিলেনা

ক্ষেত্ৰ মন্ত্ৰের মা তাহার সংক্ষা সংক্ষা কৰিছা। বাড়া পৌছিলা কাশানী ব্রাহ্মণ নাজ কোলকে বৈচকথানা খালহা দিছে নাজান। কিছুর দিকে ফিরিলা কহিলেন, "বোনে।। শাল, দো পেলালা চা— বালর কুছ বিসক্ত এটা কল্পি কার গোন খালো, এবালে বহন মালাতে কাউতে বলবার দ্যুক্ষার কেই, পুনি বা হাবিধে বোল কর্মে, বুকেচ দু তেনাই না কিছু হড়া ক্রেজ্য কর্মে, বুকেচ দু তেনাই না কিছু হড়া ক্রেজ্য কর্মার জানি বলে নামা। জান্যে আনে হোলার বুড়, ব্যুক্ত দু অমুক্ষা একবার এলেক ক্রান্ত হা মালি

নশ্বংখ্যান এবটি নাজা বছরের মেয়ে
সালিয়া তিক ভার ভারত হ ভারত ক্রিয়া চকু
লোহয়া উলেও চেহারের হাতাটার উলর হাত
লাখ্য গ্রেচিত বেলীর লাভ্টীবার লাল। প্রত্তী
লাখ্য গ্রেচিত বেলীর লাভ্টীবার লাল। প্রতি
লাখ্য গ্রেচিত বেলীর লাভ্টান কেছে। গেল আদি
লাগার ক্রি লোলা ক্রম্ব লাভ্টান লাগার ক্রিল ক্রমান ক্

पारा, एप विशक्त तकन नामात्र काम h

আনালেক ওপরে বা নিজের হাতে শীর-থোহন, আর্থনন্দেশ, থাজা উতরী কোরেচেন, আহি আনচি। সাকেও জেক জানি।"

বিশে নাবাও তেটিনৰ কোঁ এখন কণ্ডাৰ দিন না! আমি তো একটি নিগগা বাডা, গুপু বিশি-সিট কৱানট জানি গ

ক্ষেত্র কাতের কাছে গাবাবপ্রকি হান পরিষ্ঠা দিশে সে একটি ইত্তরেং কবি • লাগিল: মা বলিবা উঠিগেলন, শ্লাপ বালং ভারব ভোবে তুমি, লক্ষা করাণে ভাগিছ দ্

বড কাষ্ট্ৰেক চাখিবাদে কহিল নামা জকলাতে কবিনি দ

কোন্তারৰ আন্প্রতে, কাঁচের জামনা দিয়া দেখিক পাইগা ভূটিয়া নাসিয়া অমত ভাষার চাত ধাৰত।

শিলাল, বাবা খাল খালেনাত ত্রন্ত এক বা বত মজার জিনিস কোনে বেংগ্রেম দেশারত কাজন ।

নাধ নৃতিখা কেন্দ্ৰ ৪ খিল ব এক বিলাই নাপের ৷ একটি পবিদাৰ সাক্ষাক আক নারীকে ক একজি টুল টুলে কং কোটি এক-খুনি টেকিল, ছাই নিন্দ্ৰণ কাৰ্ট্য কোনা এক পালে একটি কিন্দ্ৰণাশ্য অস্থানক ককটি শ্লোক, বাকেন্ট্ৰ কানকথাক গুলুল্যাপি, কলম্বান, কীন্টের দোখান, কল্যাপ্রিক্ষণ !

"এ সর কোন 🕬

"আসনার। ফুল প্রেট্ড আবার সোজা বই-টই ব্যায় আন্তঃ বড় তথ্ হয়, তাই বাল "শ এনে রোগছেন—আশনি বিকোশ সেড়াতে বেড়াতে আলৈ শুভে বাবেল। প্রাক্তন আকুল।" আবার সে তারীর স্বাভ্যানিক।

मा भागिया कहिरमम् "बाक बागरम,

েট খনা, **গাড়র্ম খুখ, হা মার্টেন্ডেন** ট্রাম নিবে বেবাটেন !

ंताः, बाबाइ वत्र महारक स्पर्धारक वृति १°

তা দেখাদ্বে পাগনী, দেখাদ্ এইনজি এলো একট জিকগ্ ।

"না, দাদা বাড়ী থেকে তো আস্ট্র, দেখাদ বই হাতে নেই, খনেক জিরিয়েডে—না দান ডুমি জিরোও নি প

শদৃশ বোকা ছোৱে। না বাবা, ছুর্ বেংসো—বা, একখানী পাথা নিম্ব আর ।

কেন্ত্ৰ হাতথাকা গীতে গাব **ছাডিৱা দিয়া** ভানলা গেক হৈ আছু চিবিজ লা।

মা কহিংখন, "কিংর পাথা আনতে কি বুড়ো হয়ে গোলি দু"

পৰ্যার আতাল হাইত আৰম্ভান আসিক, পদতে আমি ভানব না, যাও !

্নাও বাব্য, গাগল ক্ষেপ্তে —কি দেখ্যতে, কুলগো বি হু যাব্যর আগো গ্রুষ্ মধে চলে গোও না গোন, গবণ বৈন গোঠ!

হতল লগে গুকিলে প্ৰিমাত না কৰিয়া কৈন হচে ্ধবিল। কহিল চি ন দাদা, মা বভ চ্পু দাদা ২৬ ভালো।"

হাসিলা শা কচিকেন, "বিৰে বে কেইছি কৰে এব, ভেনে পাৰ্যনে (*

একথানা পাৰা কিয়া অসম ক্রিক্তির বালান করিতেছে দেখিয়া মা কমিকে, "কিছে, আজ যে বড় বছ হচে ৪"

ময় গোল উত্তৰ কৰিব। ৰা । ৰাজ ৰীছু কৰিয়া দে বাতাৰ কৰিবে ৰাণিল। "কাজা তো বাচা, এ ৰোময় কি বাবৰ কাষ্ট্ৰিতই বাস, এক টুতেই শতিবাৰ বিদ্যুত্ব মুখ ফুৰিয়া

रिनेंद्र, "ब्रुविक याता, जाति अकडू ब्रुविकार, ज बाद्य जानि अहे ब्रुट्टा जिस कहून।"

क्षिक्री स्त्रीर्व नियाने, रम्बिश अक्रु विनिक्षे कविष्यम, "याष्टा, अ स्माजक कि कार नामादिको १ व्यास सात राग यथन खु च ७४ धर क्षर हरत, खबन ८ शक है गक्ता रुना ना १ ेबाहिकीयानु चानिन्ना करिएतन, "कि स्त्रा,

मसुमात्र कि राजा ?"

ন্ত্ৰ পাৰে হ্লা কৰে বলে একখানা गर्केट है देशर गरहने, जामान

ৰাজাকে একটু জালা চনটা কয

क्षित्रम् । यात्रा 'त्यात्वन । स्वतिका ।

हिंग

ी प्राप्ति गारवना शास्त्र अवन तरक अम्बाद में बारिया वर्षिका निर्मात करिया करिय

. " Mestalico Missa una africa cefrati होंने अपनावि नाम की जा जीत के आपने की हैं। विकास अपना अधिकास, अभिन्न, अपनाव कि ,

> "बार्सामा मा, एकेड माना विक ठवूड, वादब 🏲

"(करत्र १"

"এ দাখা, সাবার কে ?"

যরে প্রবেশ করিয়া দেখিলেন, ক্ষেতৃ তথনঙ शमिरिक्ट । व्यवना करिन, "बरनाना मा बाकेटङ---धवात त्कंत्रन १ मात्र केबा ८७। अनाक कार्य !³³

"ठा मा, कि करत विंग, वाहारक (टा ক্ষাবার এই পথ এইটে সন্ধোর আগে বাড়া শৌচুতে হৰে ।"

জুতোলোড়াটা ধীরে ধীরে ক্লেডুর পায়ের কাতে বাথিয়া দিয়া জনলা চলিয়া গেল। কেতৃ একটা নিখাস কেনিয়া হাসিরা কহিল, "অসি **উ**'ব মা "

"生不满有。"

े बाद्धिकार **विद्वारा एंगि**ए **कृति » इस्थार** ग कृ शिक्षान, "ट्राम्क द्रवर्ग ट्राम् !"

्रेडेंग्डेलक् निमानाकान्यान् शक्ति । स्रोत्रहे and offer anishing

ेवा स्ताइक किया है जो देश किएकी जिल्हानकार कीवननावृहें देश की बाह

শুকা বঁট কি !" "ভর এক মেজ-ভাই আছে না ?" "হা, আছে ভো।

* "সে কি করৈ ?''
"সেও গড়ে।"
কিছুকাণ নীরবে কাটিক

"বাছার পড়ায় খুব মন।" 'জ, মাথাও বেশ।"

"আহ। আশিকাদ কবি বেন ভাল হয়।" "খুব ভাল কংবহ পাশ হবে।" "বাড়ীতে কি কেউ ওকে দেখে না দ" "বোধ হয়।"

"কেন এত লোক আছে তাব৷ বি ক্ৰে?"

' চা তে।জানিনা।'
আবার কিছু সময় কাটিল।
"ওরা মৈত্র না ?"
"ছাঁ।'
"এবে তোৰেশ হয়।"

্ব লাহিড়ী বাবু চাহিয়া দেখিলেন। , "কি বন্ধচো ?"

"্ৰবাৰ প্ৰতিষ্ঠান তলেচনা কহিলেন, ''না, বসচি-শ্ৰাম্ব সঙ্গে বিয়ে দিলে হয় না ?"

বিভারিজনেয়ে তিড়ীবাব্ করিলেন,

"कांत्र नामः कि स्थ ना वन्छ कु⁴⁴

্তেৰ, কেন্দুৰ দাস অনুধ বিজ্ঞ।" কেইবাৰা টেকিলেন উপৰ বাশিল দিবা কিটানাৰ ক্ষমিলেন, "কি কৰে বাৰু স্মীন

শ্বাচনা কৰিলেন, 'তত্ব আৰু কিন্তু প্ৰক্ৰে অমন ভাবে মিশতে লাও কেম কিন্তু ''বোধ হয়, মাছে টোগ্ৰ গিলত্ব আৰু

"বাগের কথা এ ত কিছু নেই কিছু এই ভাল নয়।"

বইখানা আবার টেবিলের উপর বার্কির।
কিয়া লাহিড়ীবার কহিলেন, "আখোঁ এত নীর্চি মন বেখোনা। কেন, ভাতে কি হরেচে দুঁ

'এতে নীচ মন কিলেই দেখনে ? ভূমি প্রকাম নামুষ, মেরেমান্বের কি বুবাবে ? মেরের এক একটা দিন কাউচে, আব হাজুগোড় দব বুকের মধ্যে সেঁধিয়ে বাচেচ, সে থবর রাখে। কি ? বড় হচেচ তা জানো ?"

"জানি হৈব 🌬 । বিয়ে দিলে তিন ছেলে। দাও বোজো!"

"বাৰু, নাৰ কিছু বলবে। না, নক্ষাৰি হয়েছে। তোৰাৰ ছাগল, তুমি লেকেৰ দিকেই কেটো।" বলিয়াই তিনি রারাগরে চলিয়া গেলেন।

্ৰত যে, এলো বোলো। নিং, ৰস্থানীয় কালো তো হে।"

নাথ একথানি রেকারিছে । কছু জি ও কুলু আনিয়া কেত্র সন্মুখে বারীয়া দিল। ক্ষান্ত আসিল না

লাহিতীবার কমিনা, "ভোলাই প্রোথেকী

এবনি করে বেঞ্চলালি । বের ভিতিসনে পাল তো করবেই, তুকাই করেছ পাঁকো। ব্যক্তি, ব্যক্তার হলে, ই ব্যক্তবেশন ক্রিট্টনন, গ্রামানে ক্রেড্ডে, কর সেনেই হলো, তারপথ অভ্য বর্ষ

্প্রাকৃষ্টির । পর্ক রাজ হিন্দ্র ক্রান্সটা টেনেছিলে ?" ুবা কেটাছ এনেটি।"

্ ^{প্}ৰেপ, ৰেশু, ৰেশ। সে অন্ধটা কদতে প্ৰেক্তিলাঃ^{ক্ষ}্

ক্ষেত্ৰলৈ কৰা! আদি তো বনাবৰ তোৰাকৈ বলে আদি কোনে-ন্তালা সক্ত: আ হাতেও টাইম্স পড়াব। হতকণ না ভার প্রত্যেক শাক্ষর মানে ডেফিনিটলি ব্ৰত্তে পালো, প্রোসিড, কবাব না। অনালস এও অন্টিল ছাট্স্ ডন, ভূমি কোনো বিহারই শিক্তর হতে পালো না। আর হিছিব কচে মাণি কিবিট আনন মনে রাখবার মান আর কিছু নেই, ইট্ টুইল নেভার ফেল ইউ আছা, শিবাকীর কীব্নটা মাাণের সলে বোরাও ডো ছে

মানচিত্রের দালানো চরন্ত গাবনপা চলি কছে,
ক্রের স্থান ক্রিয়াই স্লোচনা সাসিয়া
ক্রেরা প্রায়াইত ক্রেবর উঠিয়া গিরা
ক্রেরা ক্রেরা ক্রিয়া ক্রিয়া
ক্রেরা ক্রেরা আমি

urg unfacera, "Mi, uptic mi inche cuttie i

এখন অনুষ্ঠ কেওঁ আছিতে হাছ, কিছ আলা কান কানে, না। গাড়িকীবার্থ পথানো ভাষা ক্ষান্ত কোন কথাই বজন না, অনুষ্ঠানার

ক্রিয়া বাইড়েছিল। কে বৈধানে, সেই খানেই কি অমসব ৮ ক তক্তিলা বট লইয়া সে মানকিবলৈ ভাষা পাড়িল বসিয়া সোল। সেদিন স্থানিক ছবি

নির্বাস ফেলির। মানকিয়া বলিল, "আমি পদি লেখা পড়া ভানতম বাবয়া।"

" भ राम कि राम १"

''আনি সমস্থ পড়াই নোব বাল দিতে পাৰ্ত্য **

স্তদ্ব অত্যা ব একটা কথা খবল করিতে কবিতে স অক্সমন কহিল, 'হাঁ লালকথা মনে পভোচ বাব্রা' ভাড়াভাডি তাহাব জীর্ণ টাকটা থুলিয়া অনেক হাতভাইয়া একটা মোড়ক বাহির কবিয়া আনিল।

"আমাব ব্লেটনাব। এক সন্নাসী আমার এইটে দিয়ে বলেছিল, ভোর ভাকে পরাস, তাব সব আছু সফল হবে। এটা সিদ্ধি কবচ— বাবুরা পর ।

বলেটনা তাব ছেলে ৷ বাজীৰ ছেলের নতন চাহাকে কেবাৰানৰ পিতা নাকৰ করিছেছিলেন এক্টেন পাল করিবা লৈ বখন করিছ কলেনার মারা মার, কাত্যাবনী ও তাহার মারী কেবাৰ কইয়া জিলা শোকসক্টো নেই বিশ্বানী আক্ষাীর কোলে তাহাকে কেবাৰা নেব। নে তথ্য তিন বছরের বিশ্ব। নে ক্ষাই করি ভালিয়াহিক, মানীবালির মুখনাকে ক্ষাইকা কেবাৰ ক্ষাইক

The stage of the s

বাব্য বাব্য বাহিন্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত

মান ইজ্ঞাত কিসের (এখানে কোনি বেঁদে বিসে থাকলে ১০) পড়া আদ নি আদ নি ববেন। —বা শীগ্লিব, বা বৰ্ণচ, প্ৰতেতি কাছে পড়া

প্রিমা কহিলেন, ''অংগ ও প্রনাডকাই ক্রিড হারো, তথন তুই-ই ক্লেন ক্রেডে নে মা গ্রগ্

किएकन करत निरंग का

্শন্ত ভাকাভা ক কর্মে সংগ্রামান নেই—গোপীর মত চিনে জ্বাজ্ঞান করেও তো বেতে পারে। আলা ভাইটে নাড।"

পিনিমা হাহার : পাছাপিটে ইন্স্টি, হাত বুলাইতে বুলাইতে ক হলেন ক্লী ক্লিআমান বা েনি তো ডাকচে :

হঠাৎ কা গায়না একার ক্রিপান। প্রিয়া হিড়হিড় করিয়া টা ১৬ টানিও ভ্রেথবের হরের মধ্যে প্রিয়া না কলিন্সন, 'মন ভাল কথার কেউন্মন, ঠানুম্বিক্তিক কেলে কিনা হয়ে।''

্ৰত্ৰৰ আগ বুলিই না বিজ ৰেডু কোন উভ লৈত না তিওত্ৰৰ আগাত জনানা কেব উনি গ'' কেবু তথ্য নিক্ত THE METERS PORCE.

প্রত্যার হাহাকে কার্ব করা টানিক্ট আনিক্টাড় করাইল গাবিস

एक्ट कि गड़ा साह, ब्रिक्न कर्जी।

ক্ষেত্ৰ প্ৰকৃত্ত ক্ষিণানা ৰাজে ক্ষেত্ৰ ক্ষ

এক চড় মারিয়া আক্রাক বিরুচ **প্রিক্তা**দিলা প্রবেশ্ব কছিল, "আমি কি তোমার ভক্মের চাকর ?"
দৈনিক আহার বাশোরটা কোন প্রক্রের

সারিয়া লইয়া নিশীৎ বাতে বৈউক্পানা ঘরে উপুর হইয়া-পড়িয়া ক্ষেত্র ভর্মল শিশুটির মন্ত্র ক্রাপায়া ক্রাপায়া ক্রীদিভেছিল, মানবিয়া ভালার ক্রান্ত ধরিয়া তুলিতে গোল। বে উঠিল না। ননদভাজে তথন পান সাজ। ও আলাশ চালতেছিল। হারেখা পুরুক পাঠে নিমার্থ অথবা প্রতীক্ষায় উৎক্ষ

ंत्रीं हा . त्योंनि, विश्वां याई - नीनी स स्वाद ।

"হাঁ লো হাঁ, সোহাগ তো কত ? আর একটু গল্প হোক্

'না, আৰু গছ নক—ভোমার কি, ক্রীয় তো শুক্ত চল্লে।"

"আৰুন শোয়ার োড়। কপাৰা।" "নাও লো বাও, তুমি বড় শিবাৰ ।" "মিছে কথা কইচি কি সতি বৈলিচ, এক বার চকুকাৰে বিনাদ ভঞ্জন করে আয় না

প্রশাসন জেলে আছেন। আছিল, বারি বাবেশ

"May 914-914" ATE ;"
"May 200 75 1"

নালে বিজ্ঞান লোকন একট বাৰ্কি কৰ্মচানিক ব নাজেটি বালায় পাৰেৰ মেটোৰ ক্ষকনিকি তিতাৰ চোৱে একবাকি তেল নাইবা কলা কৰিব লিতেছিলেন।

ক্ষিত্র হাসি হড়াইরা স্বেশর আসির।
ক্ষিত্র, শিলিষা, আনাকেই গুরু হবো না লার।
তোমার কণ্ডর ভাইলোটাকে যে আমিট কেবল
লোকনলার দেখি — তা নয় — কলেভেব
কিলিপানা মিটার মূর কি নিখেচেন, এই ভাগো
ক্ষিত্র চিইখানা সে ভাইরে পারের কাছে
কেলিয়া কিল। চিটিখানা খানিকটা ভলেব উপর
পজিয়া সিয়াইল, শিলিষা খানিকটা ভলেব উপর
পজিয়া সিয়াইল, শিলিষা খানিকটা ভলেব উপর
পজিয়া সিয়াইল, শিলিষা খানিকটা ভলেব ইতের
কিলিয়া বিহলেন, "তা আমি আব এর কি ব্যাব

"হবে আবাব কি জন্ম বেতে হবে, তাই
হঠাৎ আফিলে মনে পড়াতে মিন্তাব মুরকে চিঠি
লিনে জানতে ক্রেডিল্ন— ওদেব পার্দেণ্টেড
ঠিক আছে কি না ! এখান থেকে নিয়ে গেলে
জন্ম কলে ভাউ করবে কিনা, আব এক জানিন
লিভে পারবে কিনা। পারেব জবাবে লিখেচেন,
আগনার কেল্ডাইনে আনি কোনো মতে
ভাতবান, লৈ নাই হবার মত ছেলে। তাকে
নাই নিয়ে মানু, রেজিট্রার আমার
কিনা বিলেক, তাঁকে লিখে জন্ম তেই তার
ভাই কাথেকে পরীকা দেবার বন্দোবত
করি দিয়ে পারি। তবে ছোটভাইটি, অর্থাৎ
করে দেবার কনে বিলেক
করে করে আপুনি জনারানে নিয়ে বেঙে
পারেন করে বিলেক।

ক্ষম কাৰে কা বেলি চৰ নাও আছিল ব নাওৱা কাৰেক ক্ষ্য প্ৰাথতো কাজ ক্ষমেৰ । এখন কোনেক কোনাকু (* তা কো কানিনা)

ৰ দানকিবাৰ খনে আছিল বোৰ হয় ।—"

একখনা গাঁজৰ বই হাতে লইবা লভিকা "
বৌদিনিৰ খনে আঁচলটা নাখাৰ টানিতে টানিতে
চ্বিতেহিল। হনেল কহিল, "লভি জেডুকে ভেকে আনতো ।"

"নে কোৰাৰ জানি না।"
"ঐ ৰজে—"
"আমি দেখলুন নেই।"
"তুই বানা একবার।"
"নেই বলচি, তবুও—"

লতিকা কেতৃকে ডাকিরা মানিক। হাতে বাহার ইতিহাস আর একথানা ভারতকর্বের কাণ্ড মানচিত্র।

"কি হচেচ আপনার ৷ নিন্থিকিপাল মশায় কি লিখেচেন, দেখুন ?"

ক্ষেত্ মাণিখানা মৃঙ্গিয়া পত্তটি আছোপান্ত পড়িল, ব্যাপার কি ঠিক যেন তার বোধগমা হইল না।

"দেশচো কি ? বাও, বছর তিনেক যথন বোল-ই থেতে হবে, সাটিদিকেট নিয়ে এনে বাড়ী এনে জাবর কাটো, পোকো তো হতে হবে! বছর-বছর -বিক্লা হাদে অতকভালা টাকা মাইনে ভালত তো পারবো না— ভোষারত তাতে ভাল। অনেক খেটেচো, কিছু জিরেন্ তো চাই

পিসিমা ভাষার সারে বাশার হাত ব্লাইতে বুলাইতে বলিলেন "আহা, ভাতে আর হরেচে কি ক্সরো ় ফেল্ হওয়ার চেয়ে পাকা হরে একেবারে ও কাই হরে শাস করবে। সকলেই

"দে কাৰ এ জন্মে নয়। প্রেক্তির ক্রিয়া কর জন্ম একটা মতুন ইউনিক্রিটিটি ব

"মা, তুমি খেয়ে-দেরে বে নামীন ব^{ি শ} দিয়ে এনে গুয়েচ •ৃ"

''বাকুনে খিলে পেলো, ' ক্ছ' 🕍 ''ক্ষেকু যে এখনো খার'ন '

"मांड, ज्ञांन मांड।"

''আাম জানিনা কোথা~ 🖓

"ভূমি জাননা গোকে ।" » ,"

"আমি ফেল ব ^{ল ই},ল ংই কবিসনে!"

"তবে কি ক্ষেতৃ ক' দে স্[†] এং [†] ইন ক্রে থাকচে ব'লা ?"

"আমি মলবো বে দ কৰা ক্ষিত্ৰ দিন পাৰে বেখান থোক ভিলা কৰে প্ৰেক্তিন। প্ৰায়েশ্ব ভাৰে সেখান প্ৰায়েশ্ব ভাৰে। প্ৰায়েশ্ব কৰুক।"

"কি বাজে বকচে। ৮। দাকী সাহেত্য চিঠি দিয়েত তো কি হয়ে ৮ ' , ু । প্রি

"হৰে আবার কি 116 ক্ষাৰিক হৈ হোটেনা?"

"আনি বেশী বকং পাৰি নাজী আৰু আৰে নাজেৰি লাও টি শিনিষ্কা আসিয়া কৰিবেন "কিংকেনান্ত্ৰী কৰতা সেক্ষৰী, চাৰি লাও মুক্ত জ

চাবির গোছটা ছু জিরা বাজুপারীর পাছের উপবেত কেলিয়া দিয়া কাতায়নী বাইবের এই নাও, গ্রুমন মত সব গোলাওগে

"वांकाङ वाहे।"

ক্ষেত্র থাইতে বসিলে তাহার সন্ধ্ ইইটে টিব গোছা সামত «প্রকাশু থানাটা ভিটার্টে ১ ডাইবা দিয়া কহিলেন। "কাল্যানা ঐ ধনানব ছাইগুলি কি কবে উলচে।"

"বাবুয়া, খা।"

"TH 139

"এই আনার রয়েছে ভাগ ।"

"না।"

"তুহ না খেলে, আমাৰ মুখে কচৰে 🙌

''किएन ८ स्ट्रें ।''

"কিনে **কি থাকে ? [†] থা রাত-উপোসি** শক্তে নেহ।"

"না।"

"লক্ষীবাব্য়া থা।"

"ना।"

কাছে বনিদ্ধা পালে হাত বুণাইয়া মানবিদ্ধা ভিজ্ঞাসা ক্লিল, "সে সন্দানী (পাল কোষার বাবুয়া ?"

" "MIEE !"

"करे, त्मथटं शांकि ना 🕍 🙀 👊 (व

- बाध्हा, बाविना वाद्वा 🕈

"না।"

"ভবে আমিও ক্ষমিটা শানিক।" হঠাৎ নেয়াটা কামে ক্ষমিটা শানিক।

में एंगे कार्य सम्बद्ध भावित्न "

"পর বলচি।"

ुम्बर्धिना ना ।"

শ্ৰীৰ, ভাগ হতে না, মানকিয়া।" 'কেন,' আনাকেট পেডাও না, क्रिके जान जात कि श्रव ?"

केरिकालाम्दन, ट्लाफ टम नीर्श्वात्व ।"

"ক্ষেম, দল্পে মরার চেন্রে একেবাবে নিকেশ क्यामर्थ (भ्रास्य।"

"ছাজে।"

- "ना क्रोफ़र्रवा मा, कि कराव, कारा।" জলক কাটিওলো গাঁহার কেলিয়া দিয়া का आह्नी (कड़्व हा उथान) धातरा के हा है। निश् শইয়া মের্নেন্। খুর্মানরে ভ্রক্র। করিবেন, **'উপোৰ,'করে ৬ভে** গেছ এ বড় গু कामामृत्य उन्ति होहे कि इ कार्क।"

"तोंन मा कारना किनिय এक्ताउर भूव ক্ষরটেন 📆 জুমি বিধে একবাব বলোনা ?"

প্রাহিত্যাদার ব্যাপারি, আহাজের গববের मतकात कि लाई ?"

প্রতি বার বৌদ। একধাব গিয়ে रंग्रह है दुर्शमात कि अस्तर रू"

ু "ক্লাৰি প্ৰবাক মান্যের মেয়ে তিনকলে কেউ क्षेत्र निकर्ग, ल्लाहुदाङ निकरम, क्षा ना क्षेत्र क्षात्र शास्त्र कार्या एक नामगाद्य १"

वर बिमान मागि कि इसारगरे द्यागीत क्ष नामादीकार्थ मिन क्रमान संक्रिक कानत करान ন্দানিকিয়া উন্ধান পড়িয়া বই জনাক উপর প্রামার ক্রমতাব চাক্ষণি, রাগিলৈ প্রকাশ হয়ে প্ৰিক্তি পাড়ক। বলিক, "তা কেওবোৰ উপর ৷ পড়চে অউতে বৰকাৰ কি বাৰা! চুপচাপ ৰাজ্যেশ কেন ? আমাকেট দাৰ্ভিন।। "বাট নই, একপাশে গড়ে বাছি। টি তার চেলে মাতে কল্লা বা, তিনি ও স্থাৰির কাব্যিকানন ছেতে বেখানে সোয়ান্তি পাবেন যান।"

🖣 "ভোমাকে পারা দায় বৌদি !"

"वर्तीं ला अग्रा माम्रा"

ুল্টাং মুখ্থান। গম্ভীব ক্রিয়া **লঙি** বলিল, **"ভূমি মাগেনা বাবা!** বাই, আমিই দেখিলে।"

'वाल कतिम्राम चार्च, खाम या ।'

मिकिका पाड़ाई : ना। मात्क व्यक्तियां क इंग, ''आव्हा, भारत मा मा ?''

" 41 1"

্"কেন, কি হয়েচে 🍑 💖

্রার চেরেও হবে নাবার কি। যুগল গে॰, কাটা ছাণালের মত দিবাবান্তির কাৎরাচিচ, কাণ্ডাল্ড মত ধৰ নিয়ে পেটে **পোরবা**ৰ জান্ত বাদে আছিল-এর চেয়ে করে স্থাকি আছে ।

"ওঠো, চলো।"

''আনি যাব না কেন নিছিনিছি সময় বছ করচিস গু

''ভাষ্ট্রে মানিও মাজ পোল থাওয়া বন্ধ इक्ष्यवागः।"

''(,বৰ, কলবে। তা' । আৰু আনার কি পুট ়ী লাভ ৰ পাবকট কুদকরে অহুরূপ। কহিল, "আখা, লোল বাজ বাজীন কো ম**লুক্ষণ ভাল**ু সালে না– য া দুক্তে ভবেনা; যাও, জালে গিয়ে মাধ্যে পাইয়ে এলে।".

'কেন, হঠাৎ পরোপকার 🕍 .

তিকালীকার তোমার মাথ। বিশ্বতি না এ শেকে সভ্য আছেন, আর তোমার কার্য্য করে না ঘরিওথার নাক সর্গের তেল দ্বিষে ওয়ত ৮°

ত্ৰুৰ, **জুৰিও** তেওু বিছানা দোবত কুরছিল। দেশলম ।

"ক্রেক্সি, আমান খুলি আমি ক্রমভিল্

ভিল্

ভ

ু "কেন. প্ডন ও মৃজ্জী হবে না কি 🏰

্''টোট্টা ক্ষরতে লক্ষা করে নাঞ্ছ কিন্দা তাহৰে কেন, ভোনাবই উপস্থক তাঃ

''বাঃ বেড়ে ! শান্ত কাছে নিরে কুএবক্ষ এক্টিনি একবাব দেশিয়ে এলে না কেন ও তি হলে ভালভোলটিব মন্ত্যস্থি ১৩নি পেতে কম্ব্যে ।''

'' ৫১. এব চেরেও দে মানার বিপর।—'' .

কিন্তু স্থাৰ বলা ১৯৮৭ না। এক্তফীন বীভংশমূৰে টেবিলের কোনটা ধরিম। বাসয়া পড়িসা সে ২৩ চুব পালিল হাংকাৰ কবিয়া কচিল, ''মাণে, আমাৰ সমত গেকে যাও!'

"মা আছি দেশে কৰেচি, ধাও।" "ধ্যন্তা।"

"আর কথনো কবকে, না, সা।"

ুভূমি করে। বানা করেণ, ভাতে কালবৈ কি যায় আনে পূৰ্ণ

কারস্থান বড় কাজে বাস্ত।

ক্রিক্টিল, "আছে। বৌদি, ক্রেন্সার আজেন কি বলো তো কু এই ভালভাল মসলা- ্মা কাই, কোনসভাস্থকে কি ৰা ছা

्रितिकार, जिल्लाकुन्दक कि है। प्रक्रिय किन्सिन्दि बाह्य १º

"डो देशेनीं कुत्रवान कि प्रवर्कात है। "किंडा महिंद्य **उखरो**ना करते मिर हो।"

্ৰান্ত ক্ষিত্ৰ প্ৰতিখনত নাকেছৰে **গুক্তে** বেচানী একটু ঘুমতে গোচে, **আমি তে**। ব**লেই** স বিচিন্ন লোকে নাৱকিষ্ট বে**গুৱা কেন**্তু

"লাভ, আমি কারে শিক্তি।" 🖰

শিন ভাই, এ তে। হ**রেই গেছে ই বা** কাপড়গুলা বোধ হয় **গুকি**ছে **গেছে,** কে**ল্**গে যা।"

" বৈকাল কিন্তা বাজিতে না বাজিতেই উনানে জাগুন পড়িব গেল। গেয়া দিলিয়াই লিড ছুটিয়া আদিনা ভিজাসা ক্ষিল, "একি নোদি, এবি মধ্যে তোনান বে বড় ছুলুপড় কাচা তবে গেল, উনান আগুন দিলে দে ১,

"তিনটে হয়েচে এগুনি ব্রে ঠাকুরপেনা আসবে, দ্বেডগুন বেচাবীরা জিল্পুর ছটকট ববে বাড়ী ঢোকে—ভাগচি তথানা বিরম প্রন্ন ক্রিক ব রাখি। তুই ওই আলুগুলো ছোট করে কুচিকে রাখ ছো ছাই, চেট্টাকুরপো কুরিভাজার মত মচমটে আলুভাজা লেভে বর্ক ভালবাদে। আছে, মামিই নিচি, মরলচ্মামি হয়ে গেভে—তুই ভত্তক্র বিভার বার ক্রিক।"

সক্ষাব কিছু পূর্বেই নাকে হীয়া অক্রণ।
জিজ্ঞাসা করিল, আজ কি হারা চাইব না
আমানের তো সকালের আই রারেচে, ভাইবে
সরম মিশিয়ে নিলেই চবে—আপুষ্কার এই
ডাল্না করি, ছুবাটি চাল আর বিভাইটিই
অুকবাটি ভাল নিলেই ডো হবে

बारके नक्षारक को उना देश बार्न कराने आहे

ক্ষাৰ সহৰপ কৰে ইয়ানে মান্তিৰ ক্ষাৰ পাৰ্ক শ্ৰেম কৰি কৰে এগ্ৰাক ই ক্ষাৰ প্ৰান্ত কৰি পোত বিশ্ব-শ্ৰেমিক কৰি পোৰা বেছিছে— মাজ্ঞা আৰি প্ৰাৰ্থিক

তেষিক কৰা আনিয়া ভাল ক বিরা বিছান নাভিয়ানে কহিল, "এক্সিরপো, নে লো। আছে।, এই করা পিলুপিন করছে, কার্মডে ছিঁতে থেরে কেলুবে কে। দশারি বাটাস্মি কেন ? এই বে কছি ব্যাহতে, আমি নাটিরে দি।"

ক্টো পান নানিয়া মানকিয়াৰ হাতে দিয়া কৰিল, শুনান পাদনি বুঝি মানকিয়া ? কে আর দেবে বল্ এক্নি ভুলে গেছি ! পোড়া শেটে ভো কেতেই ডাছু শিখেচি এই নে —থা দিনি ৷ হয়ত খেলে অব্ধি কত গা ঘুলোড়েচ, আমানু তো বাপু থেলে উঠে লটো পান না স্থে দিলে ঘুম-ই আলে না, সব ফাঁকা ফাঁকা বৈধি হয়।"

একবাটি তেল লাইনা আবি কনের নাথান তাড়াতাভি চড়াইনা দিনা আহরণা কহিল, "না, আপনার আছট বেন জানি হরেচে দেখলুন---একবার লা-টা এমিনে দিননা, এইটে নালিদ করেছি । নাজটা বাজ পাকলে বুমের নাগাত করেছি । নাজটা বাজ পাকলে বুমের নাগাত

পিলিমার করের জেবটা টবং ঐলিয়া তল্পী কা ভাজিত, পিলিয়া, জোরটা একবার খুল্ন

क्षेत्रक त्येत्रान

ক্ষানার মরণ আরু জি ! ঠাকুর ভাষা জানি কর জন্মল দেশ-

त्री जो नरावरक्ष्य । इसके कि वाज नोहरत कि

লতিকা এটেজন হণ্ডাপতি পুৰিছ পোটে। ছাৰান মত নীয়ান খুলিয়া গৈটোইটেজিল। হাদিয়া কৰিল শীকাৰা ক'বাও নাবেন কথন ?

শৈ হার প্রাধন পো, এখন থা আর হাইছি।
পান মুখে দে একটা কোনার কবি। ওই, জারী
কথা মনে পড়েছে ভাট — প্রাধনটা একে
বাবে তবা হয়নি নাজিতে জানান দরকার হয়,
আমি আদি। ভাট তত্তল প্রাধন বৈটি। গুলাভাড়া, ফেলিদান কিছে — প্রাধি সালে বেটি। না
প্রাভাষ্য পুন কর না

. "तमात युग्य भूत्य आख्यां

"লোব মুখে ৮০, জন্মন পত্ত টি

কূলশ্যার বাস্থ্য খুল্ডি খানীর চিঠিওলা বাজিব কবিয়া লীক্টা আড়ি চ বসিয়াছিল। যগন সে প্রস্থানি গাঁড়, তথ্য ভাগার মধ্যে বে এতটা অর্থ নিহিত ছিলু, যে ব্যাক্তি পারে নাই।

অন্তর্নপা ঘরে ৃকিনী ভিন্তা । করিল, "কি লো গ্রাকুরঝি, আছ দে ভৌর বড় পান্তাটি পর্বান্ত পাওরা বাচে না । বলি এই নিরিবিলিতে কবচিদ্ কি ?"

গাড়াতাড়ি চি বিজ্ঞা বাজের মধ্যে পুরিষা আঁচলে বাদা চাবিট্টা লাগাইতে সে কহিল, বড় হঙুক্তমান্ত্র হয়ে রয়েচে, ভাই গুচোডিচ।" *

্ৰাটিয়া বন্ধ কেন্দ্ৰী (বা ভাচে) না । বে আমি শুচিয়ে দি।

"না থাক্—" বলিয়া লে চাবি **ৰালাই**র। আঁচৰটা পিঠের উপ**্ন কেলিয়া দিল**।

্বোধ হয় করেছেও। ব্যাপ্তা কিছু ব্যক্তি গাৰিয়াছিল। একটি ব্যক্তিকার কেলিয়া ক্র

अध्यात छारेत्व दिवा । जीव । कारक विस्ति अञ्चाम कविष्य संस्कृत १९ মাতা বিশিবাছেন । তিকা সমানা করি "कि शरिव माकि ?"

"Al |"

न्ना (कन 🔫

ँ ভাগ বাসে না।"

. जातात विता, जाग गामि न सहसे १"

"नव दर्दाठ-वंबर्ड स्ट्रांच चलांच भाक, ज रत्नर हिंदारना—"वनित्रा रहाए गण्डे बाहन **गोनित्रा गांगिक थर मित्रा आवान** स्थाबिक, "ठाईक বৈন ভিনি রাখেন !"

मूच मिनिता केयर हानिता निका चिनिता, विनि बाककान निमनिन कि शह शक ला र्शिक्षण ? जा, जराव कि एमर्ट ?"

"नी उ পড়ে जामटा, नीग्तीत रेट के भूध करे मात्र गार्व - अ नमात्र कि करत गाँहे "

"তা ভালো, স্থবিধেই হয়ে গেড়া প্রার coca मिंडा कथाउँहे निर्ध मों ना ?"

"To 9"

नामास्क एक्टफ् थाकां जास

स्थार कार्यक वन वानिए वान ৰশিয় উঠিব, সৰংবৰ ভাগো তা ৰেন্

रामा क्या राजन न रहिल

भारत भारतकार्यात्वाची कि भारत एक किटन कार केरन । अधिक विकार देश एका एका स्वाप्त कार्य जिल्ला न्दर्भर हो, वार्चा बर्ल्ड्स्न स्वरून कहन THE WEST WASTA, CHES TO भाग भाग कर र स्वास्थित एउ मिश्रीत स्थ 500000

क्षेत्र करि अवता अविशेष जान इतिन ACTUAL TO SHE SHEET | CHEET चरका वित्नव हामाना बान एका त्राम स्वति— "ALFAICA MENTE PREMA I"

के के किए हैं। अस्ति कार्य किए सामग्रीलंड करना ा (अ) (१९७७) है । हाना, कमनूर बाखित नहें। তবাদ্ধি শাক্ষা কৰাৰ অক্তৰাৰ বনি করতে जारभेषे भा है खें हुन्। माप कामान प्रव छेंग्रामा । थारि वान, श्रीके कहा मन, हरना । अह

"र विद्यासीत की जान शराहिन हैला । नव भवना अलगार के अन्य के विताल हिम प्राची रचलना । वन भक्त का कार्ड क्षेत्र महत्वाक करा ना क्ष्र है ক্রিক্টিটো লোক লোকে টালিকে मिर्वाह सामग्री करणान वाच रेकान क्ला

शांत का के विश्व कांच करिय गाँकीया शांव ? त्रे गांक कि व्यक्त के कि करत वरण नाज,

विकास करके प्रति कार्य करके प्रति कार्य विकास करके प्रति कार्य विकास करके प्रति कार्य विकास करके प्रति कार्य विकास करके प्रति कार्य कार्य

ক্ষাৰ কৰা ক্ষাৰেল গোল, ক্ষাৰ প্ৰায় আক্ষেত্ৰ বৈষ হতে চৰাৰো—আৰু বনে থাকা কেল গালু গ বৈ আৰো আহাৰ জাক্ধ

্ শ্ৰামিডীৰাছু মাতির হুইচ্ছাছন, এমন প্ৰয় ইকৈতু আনিয়া উপত্তিত।

শ্ৰেই কে কেছু । বেশ আক্লই কোনো। বে ৯ কম কলেরা আক্লিক্ত করেচে, আনরা তৈ। বিকেলে গেলে অমুন কে এক আনবছিলুক কোমাকে কি কবে -ববর নিই জানু ক্রিটেই ছোলো অমি এলে পড়লৈ খবক কুলা ক্রিটিক পোলে
প্রাক্তির বিবেচনা

ক্ষুৰ কে ্ তোমার বেজনাটন এনাউস ক্ষুৰ কে ্ তোমার বেজনাদার জো ওধ , জিষ্কুতেই একটু না গুৱাপ হয়েচে, না !"

না, বাৰাণ হৈমন কৰনি। আৰাৰ তে।

মনে কা, পাল মাৰ্ক বেল এনে বাগে। — একট্
আমিয়া আৰাক্ত আৰু "মাণনাৰা এত
কঠাৰ বাজেন হৈছে।

प्रात्नाकाः व्यक्तिकः, कि वहिं, होत्रा, हेन कार्यक् कार्यकः स्थापनः वहे देश कार्यकः विकासकः अनुने वहने वहने वहने वहने

পাছিলে কাছে হৈছা আ কাছা বিশ্ব কাছা হৈছিল কাছে হৈছিল আৰু কাছা হৈছিল কাছা কাছা হৈছিল কাছা হৈছিল কাছা হৈছিল কাছা হৈছিল কাছা হৈছে কাছা হৈছিল হৈছিল কাছা হৈছিল হৈছি

"তা, এখনিই তে আর আই না গো।"
" চালককে গাড়ী দাড় করাইতে বলিছে।
লাহিড়ীবাবু কহিলেন, "কেবু, আর নিয়ে কাফ
কি চোলার । এইখান খেকেই দিরে বাও।"
"হা বাহা, করেক দুর এনেচ, আরার এ চটা

छल हेन हेन बाद्या अदिन !

পৰ কেতে কৰে, কৰাৰ পিৰে কাজ কি ?"

বাইনেকাটা পুৰের মাঝধানে ট্টাতে পাড়
কৰাইনা কেতু জাহানের প্রধাম করিতে গেলু
লাহিটীবাব্ সাঞ্জনমনে শুরু কহিলেন, "এন

"এ ক্লেম হরেচে বাবা! আত্মির্বাদ করি, বেল জোমার চিরকাল ভালই হয়—" তাড়া-ভাতি লাঁচনে চোব মুছিল। কহিলেন, বাত: লেকে নিরে দাদার পারের কুল্য

AT THE PARTY OF TH

নাজ্যৰ ক্ষুত্ৰৰ ক্তানেকেৰ নাজে পৃতিতে শক্তিক শে কৰিবা গিৰাছে— এত মন্ত্ৰ লোকভাৰ জী আৰু প্ৰেৰী শক্তিক হয়, সে একেবানেই কাৰিবেশা

বিচিত্র

সমান করিব বিষয় বার্থী চুকিল ত্রন সদর

দরজার একথানা গাড়ী ও বৈঠকথানার কত্রকশুলা বালা, ব্যাগ। পানের ধর হইতে দোরটা

ক্রমং মুক্ত করিবা উলিতে ডাকিলেন,

মুমুর্গা!

"कि द्वीमि १"

"ঠাকুরপো, তোর ছটি পারে পড়ি, আমার একটা উপকার কর্।"

"কি **দু**"

"এই নোটখানা নে, যেখানে পাস্ কিছু আপিং এনে দে।"

"क्न १"

^{*}কি জানি, যদি দরকার পড়ে।*

হঠাও লাভিকা। নাজের মান জার মানি

হঠাৎ লতিকা ঝড়ের মত বারে চুকিয়া কি বলাৰে?
ক্ষেত্র হাত হইতে কাগজখানা ছিনাইরা লইয়া
কিবল, "বৌদি তুমি কি পাগল হলে ৷ পুরার কালি আল শিসিমা, গোপী, মানকিয়া, স্ব রয়েছে— বিদি আত তামার ভার কিবং মা কি রক্ম শুম হয়েবলে ৷ বাক আবে কালিক বিশ্ব নাই তামার কি আলারে ভারতা জাকম কয়া উচিত হ"

"all's crise sirili sis—"
"all's crise sirili sis—"
"all's crise sirili sisonato silinato"
"all's crise sirili sir

ष्टिं । १८ वर्षा क्षेत्र का जाता है। व

WELL BUT WHE

कार्या क्षेत्रक हैं। श्राना के उन्ने देश कार्या के उन्ने देश कार्या के उन्ने देश कार्या के उन्ने देश कार्या कार्या के उन्ने देश कार्या कार्या

তিব্যাদি জাতার কি ক্রেপ্ শক্তি আনায় করে, ক্রমণ্ড কেরেই আসবে — কুমি অক্ট্র লোও দিকি কে

कार से पुत्र प्रसिद्धित और **बार्य दर्ग** भारताह भी तो स

িএটে কৰি থাকা গাকি ৮ সে**ৰে আসৰে—ভূম** কি ৮°

्रिट्र जामा दलाना कन्। देन, जासाद कि दमान १ (लोका के कार्य है

শ্বিটে হান্ট তো সৰ্প্রেক্ষণার সেরে গেল গোলি আভগা প্রেক্ষণার ভটী পারে ধরি, বেলি আত হাইকট কোনোনা, প্রকল্পন ভগ-

भारतात कर यह करा करा किया करा समस्य

The off or the construction of the constructio

क्षीवर अक्षांत्र अल्यू के कार्क में हैं हो है। अक्षा अक्षांतर टिकिस्कान करवित, अक्षा मिरंव कि रावर्षा १६ जो करने, अने अन्तर्क द्वाराम राज । जानिक बाकि, जूके जारक उनारक

ater albita i'

अव देश काकि उस दिन हैं

THE OF CH.

Ade to deser the MA MINTER ... **्योति, मिश्रेक्ष इ महाश्रम कार्य । व**े भारता भारता अरमा का प्रभावित उस क

क्राक्ट, प्रमान्दिक दैन्द्रव निका विक्री

विकारकरणम रहे। ई क्वीकृत्य केंद्र सम्मान विक वन्द्र वाद्यांक दलहोक्तानीता केउन

Berl !"

ं नाटक हो**ं एक** जिले हैं "बारबा दोमि, अङ हे एमका जा! रेड़

अंड अबीद राक्त 🐕 "छाडे यमि देशम देशम तेमा थेग, जीबोदन

कि विषय गरियों े अंदर कियामा भीभा कर्यामा,

वामि जगि वेग मिरे र रास्क्र का कि प्र

"मा रागावार व्यक्ताक रत्।"

THE PARTY PRINTERS OF PROPERTY OF STREET

क्षेत्र वाचि विकास देश के बाता के विकास क्षित्रकातमा कविया किन् विकासक विकास

क्रिक्ट विकास काली मीव भागा करिया

क्षेत्र छाडेत शोकान त्वरक जिल्ला भूक 100 A 100 A

बाक जिल्हा मिन्-"कार्यात विशास्त्रत मण्डर

CHI STORY CHIP !

ি শ্ৰার মিত্র আসিয়া জিজ্ঞাসা করিল, "কি **** 1 5 9"

শ্বানিনা তো—আপনি আস্কন, মেজন। বর্গ ভানতে গেছেন।"

উণারে গিয়া সে আর ঘরে চুকিতে পারিল না 🖖 ' নাকারবাবু অস্তান্ত ডাকারদের জিজাসা হার্মিন, "এ অবস্থাটা কতক্ষণ লক্ষা করচেন ?

শ 🖰 निष्ठे शरनाद्रा ।"

শা ভীটা প"

्राः निष्ठे मन्त्रः।" ্ৰাথের **এই লালভাৰটা ?"**

" ' ଓ खाइ शकी शास्त्रक रूटर ।"

ा (डार्ड डिंड) वर्ष्ट्र (बंडेलाम् तम्पिर्ड, গুৱির পাপড়ও রাখতে চান না। খামও তো

भार- मानन कि **समारक शक १**° ত্য এতকণ তো লেন্ট্ বিছানায় ও লব के सह करवादा दानि व्यक्ति किन्द अपन दान

u इहिन्दन्माम् **कार**्

WHEN CON WIND PROP THE

বর্ষটো ভিত্তর গে আর, ভাই 🗗

क्रिया प्राप्ता चारणास विकारतव वांच प्रिये মিয়া **প্ৰয়োগিক কে**খিলেন, সংবেশৰ কাৰুব ছোট- কাৰণটাৰ নে বেৰীৰ ছু ছিবা কেলিয়া নিৰ্বু, ইঞ্ আই সেয়েশ্র অর্শয়ান অবস্থায় রকটার भक्ति बाटक ।

"रानु अवादन मागिन ?"

ক্ষেত্ৰ জাহার ব্ৰক্তক্ চুইটা একবার তুৰিয়া जोशन मिटक हाश्निमाज, किছू र्यान ना ।

"আমার ছেলে- ফাইডিভিশনে পাশ হমেচে,

क्षेत्रा व्यक्ति क्षेत्रका चुनिका वास्तिक वन কারার রোগ উঠিতে নে চনকিয়া কিক করিল, "ও কে **গ**"

ं जामारम्ब भाजायः **जायरकान** রাখুনিবৃত্তি করে বুড়ো নাকে বার্ত্তাটো, नश्नीरक यात्र 🖰 ६५थमान 刊 相

विन गामात कार्य किटन मिटन गरंत खर्ड विका पूर्वतात পান্ধণের ভার। এ कैंका रह रह जामि भएथ भए**व दक्रिल दक्र**ण मात्रा मिना यामि । कितिएक भावि मा जान क्षमादन क्षमादन नाम - मानारत्र।

-

वास आहे के तिकांचे छता छ महान

নিস্প্রাণবান

अन्त्यम अञ्चल किता छैलान

করুণার প্রশান্ত বিকাশ।

मिथा मार्ड क्ष्य क्रुब क्रुब्छ (वर्मनी

श्रामाति की यन

दिसा देश बदल बदल याय

পাৰী গোয়ে যায় গান

श्रम्हा दशान

ক্ষেত্র ক্রিয়া ভঠে, আনন্দ দোলায় ব্যাতাদ নাচিয়া যায় অবাধ থেলায়।

এ মোর জীবন

কেবল বহিয়া হার অনুষ্ঠাত্তন ল মোর সুংখাদাগ বিখে কোথা নাহি পড়ে

অনীস্তেবে তিরে' েকেবল ভাগিয়া আছে অক্লাস্ত চরম

अक्षानि कुल्माश भी उन शतन।

প্রাণে মনে লয়ে তাই অনুষ্ঠ বেদন্ নির্বাণ আকাশে পাতি বাণিত নয়ন্।

Ble the the with the court of the

the artists are party with

RIVERTE STEEL STOOL

Thence comes the realism of much good poerry now being written triume, as all gending realism must be since it proceeds out of a spiritual conviction, a mental process and actual crafts manship—Miss Sturgeon.

Quoted in New Wags in English Literature."

আমানের দেশুৰ নাগংলগতঃ সমান্ত গালাগাল আমানাগালি, লাক সিটকান অথবা বিজেনের নালা বিচিত্র জাতাতা বান্ত নিজুই সন্ত । রবীজ নাথের ফালাইর বালোকা করিছে গেলেই একলপ প্রক্র ক্রিণ বিম্পোই হটরা মাপা নাড়িছে গালেল প্রক্রিক স্থান আলো চলা ভাড়িরা দিনে জালাদের মাপানের টেকাই বার ইচ্ছাই বানল প্রেরা উন্ত । প্রদান পাতে প্রশংসার সাধ্যমান ক্রিক ক্রিছে পাতের প্রক্রিক প্রদান ও মহতঃ শক্ষে দিশ্বিক প্রিপ্রা ক্রিক পালে। এই গেল এক দিক্।

আর এক দিত ও খাঁছে। নাই ভারা না। ই হারা প্রথমেই লাগত গুলের সাহিত। শর্মানকে প্রচার কারতে ভালের দেন । গ ই হারা কোম কালেই ইরিয়ানুর জ্ঞানন । ভেবে রবিশাব্র প্রতি জীলানের প্রহান স্থাতে, ভালে, বলি প্রইয়ানের সাহিত্য কালেও ভালার আলোক হর নাই জ্ঞানি ভালার প্রায়ের বিশ্বার বেলা গোলার ভালার প্রথমের বিবাৰ না ক'হাদের পরিকার মাধার না কি
তিটিছে' ভাব স্থান পাছ না। ভাই
হা নাকি সতা লে পোকে বছাই ব্যক্ত
বিবাৰর অধিকাংশ কবিতাই অথহার শব্দের
নকণ মাত্র। কথনও কথনও হ করা দৃদ্ধ অগ্রসর
হাইবার পূর্বেই humbug, nonserved বিন্ধা
সেই প্রকাদ্ধে নিকেপ করিয়া আক্রাচনা
সংগাদ্ধ স্থার করিয়া ভোলেন।

বাঁইকে আমরা বত্ট প্রতি ছার বাতই বলিয়া বেড়াই বে রাপালী ভাষা বিখ্নাতিতা রবীজ নাথের অত্ল কাল্যমন্ত্রণ লান করিয়াছে অভ্যান অভ্যান করিয়াছে অভ্যান অভ্যান করিয়াছ চাণা বেং স্লাম্মকা লাইনা তৃতীয় লাভীয় স্বামি স্থালে। চনা বে না করি হারা বলা অসভব করিছালে মাবে সমালোচনার এই যে অবহেলা ও ক্রিছা স্থালার হ'ব ভি প্রচন্ন নিহেছে বিভাক মন্যাদার বৈ ভি প্রচন্ন নিহেছে বিভাক মন্যাদার বৈ ভি প্রচন্ন নিহেছে বিভাক মন্যাদার বৈ ভি প্রচন্ন নিহেছে বিভাক বিশ্বান বেশার ক্ষম্ম কি আলহে ক্ষ্মি

ente pies des grant des des entes en

লোকে বখন, বাহ। পাৰ ভাহাই বিনা
কিচাৰে থাওয়া বাৰ ভবন প্ৰাহাৰ স্বাহ্য সম্বন্ধ
কল এনটু আৰুৱা হয়। সমালোচনার
কলাওও সেই প্রাতীয় আৰুৱারই উত্তেক
করে। বহিন্দ্রংগ সমালোচনার আবির্ভাব
কর্মানিল, দেমন স্কুল্ম বিচারপূর্ণ স্থার
কলাভিনীন আলোচনা জার হয় ন।
স্কুল্ম বাকু—সর্কা বভন স্ক্রালীন আলোচনার জভাবের ক্ষ্মা এখন বলিতে বলি নাই;
ক্রিক্রেক্রিয়াম বে, বর্ত্তবান সাহিত্যরাজ্যে বিন
ক্রাট—সেই রবীন লাথ সহকেও খানরা
জ্যান্ধ পর্যান্ধ ধীর ভাবে ভাবিতে বলিগ্রান্ধ
ক্রিয়া মনে হয় না।

THE DISTRICT STREET THE THE WATER THE THE THE THE THE WEST WAY SEN CHA CHI WHITE THE THE CHEST . THE THE APP THE S RIVER WITH I WELL मृद्धि । जाक जानारमञ्जू कारक अस्ति भीक भून जायना ७ क्रम जहेवा क्रीकृष्टिमाटक হয়ত বলিবেন গে আৰি কি মহিয়া ভুড इंदेशकि मा कि । धेकथात नवका खेखत मध्या अवादन मक्षव महा। कमाकारक अविष्कृष्ट वना রবীজ্ঞ নাথের যাগা সান ভাষা সম্পূর্ণ হইয়া গিরাছে একথা সতা, কবি সে দিনও কবি-ভাষ নুডন ছদ্দ ও গল কবিভার নুভন দীতি (मधारेया नेदीन कॅन्टिमंत्र सकन नेदीनीत अक्रो सरवान निवाहित, किन्ह कविछाव वन्ह যাহা, রুগ যাহা, ভাহা আর আমাদের রুসনার ন্তন বলিয়া মান চয় না—তাঁহার আজিকার স্ষ্টি পরিচিতের মন্ত আনন্দ দের, কিন্ত অসীমভার কোন নুডন আভাদে পুলকিত ও 'नेन्द्रिक करत मा ।'

হা কোক ববীন্দ্ৰ নাথের ক্ষিত্র সম্পূর্ণতা লইয় ও বিচারের এখানে প্রেরেছন নাই। জাহার সমগ্র কাবোর একবিকে আল দৃষ্টি নিবছ করিব। লামার বজুবা যে লমুত্র প্রেছত, তাহা ক জ্থানি নাক্জনীন হছবে তাহা জান না ইবার মধ্যে কোন নিশ্চিত লাছে কি না ভাষা পাইকের বিচার

कोबार सहय क्षेत्र क्षेत्रको स्थापनी नोकार्कान पेरेडको जिल्हे कार क्षेत्रको हिल्ल किरक वृद्धि नक्ष्मिक स्थापन के दिल्ली

Restant and the

CONTRACTOR OF CO

त्रीक्षांक क्षेत्रक क्ष

কৰিব কৰিব কৰিব কৰ্মণানিত মহো কৰিব কৰিব গুলিকাত আন্ধান্ত আন্দান্ত বাদ ভাৰাগুলিকাত সাভ

সক্ষেত্ৰ প্ৰকৃত্ৰি ইনটালা দাব পাসিয়া পঞ্জিবহৈ ভাইর কলে উলোর কবিতার চইটি বেশী বাইনে ইইনা উঠিলাকে। শীভাক্তি

কটাতে আৰম্ভ কৰিবাৰ খনে কৰা থান প্ৰজ্ঞা কৰিটেৰ সাক্ষক প্ৰবীক্ষক কৰা কৰা কৰা আন্তাৰ একটা কাডাডাডিৰ স্বাস্থানি শজ্জি বিষয়তে জন্ধ কৰি বেল যাবে গীৰে

বিলাক শইবার কিংবা গান্ধানিখ্যে প্রতিবার সাধ্যকাই সর্বসর স্থারের সাক্ষ্যত সাক্ষ্য গাইবার টেকা করিতে ভাল । বিশের শান্ত বিভিন্ন স্থারে ও ছব্দে আরি, বেল বীবা বাজিকে চার লা,

সে থাকা শিক্ষাক্ষার স্পালিন্ডের ব্যাকুল ছার সকল কালকার ভাতিত চলিংক্ত চাহিত্ততে,

বিশ্বনৌক্ষেত্র বিভিন্ন গদ সৈম ক্ষম সিটিল লা ভাই ক্ষেত্র অন্ত সিকে উপুল ইচ্ছা

The state of the s

ক্ষাৰ কৰে ক্ষিত্ৰ চতুৰট কৰিছে চৰাইছ এপটু ও শানক ক্ষেত্ৰা একটু চৰেই কোৱা বাংলাইয়া কানত একটি দাৰ্শনিক কংক প্ৰতি অকৃষি নিৰ্দেশ করে মান্ত।

আমি আপনার মনে গল্প করিবাছি বে এরীক সংক্রিক বিশিষ্ট করিবাছি বে একট শ্রেপীর করিবাছি রনেন দিক হউতে কেব তিনটা। র্থান্ডঃ ছইটি) শ্রেপীতে ডির করিব পড়ে ব। তদ্র দ্বিরাছি মনে হর, গী গঞ্জনি ১ইতে আরম্ভ করিবা গীতালি প্রান্ত শেষ

ন্তুই জাতীর কবিভার সংখাই বাজিন। টিটিরাতে গান পাধম শ্রেণীর কবিভা গীরে ধীরে হুল ভ চংগা উঠিরাছে। তিনটি শ্রেণী বলিলাম কিন্তু এই ভিন্নতা কোখার মা বাজিক

ভক্তি নথা যথেষ্ট অস্পট্ডা বাজিব জান এখন দেখা যাক গ্ৰসগত পাৰ্থকা কোৰাৰ? প্ৰথম ফুইটি কবিভায় মধ্যে এই ক্যাট্ট মন্ত্ৰণ কৰি যেন কৰাঞ্জনি একটি কোন্ত

কীবক উমান অন্তরের গোরণার রাভির কটভেচে, উহারা অন্তরের স্বভিন্তিনিক, ইতিহাস নহ, বিশ্লেষণ নয়, কার্ম্ব, নির্বত নয়, উমারা অন্তরের শারীর প্রকাশ, সম্ভাবের

কে বাংগ, কৰু প্ৰভাৱ। মাজৰ বেমন কেব বেৰিকে কি না দেখিগ াছাৰ ক্ৰিকে গকা বা নাৰিবা, কি কৰিকেকে ভাৱা পৰ্যাক্ত না

কৰিন কৰিন কৰাৰ কৰিব কৰে। স্ব কেন্দ্ৰ আৰু বৈৰু কৰে বাই পৰি কালগোৱেন প্ৰাকু ভোষা লাগিক টুম প্ৰাৰ্থী কাৰীকাৰ বেন্দ্ৰাৰ কালিয় কৰু বলিয়া উঠিকেছে— কি 'বিকাৰে বিবা বাবে

विश्वास्त अनिया बाटा विश्वाही समय शास

ভোষারি করুলা মারে। । এয়ানে কবি ও কবিজার মারখানে, অন্ত তিও ভারার কিমানের মারখানে, অন্ত কোনও অধ্যান আবিজ্ঞা লাসিয়া উৎপাত কৃতিরা কুমার। আবার বহন ভান

গাঁচৰ আমাৰ পুলক লাতে।
চোধে থনাৰ কোৰ।
কল্যে মোৰ কে বে থেছে
বাহ্যমানীৰ ডোৱ।

ৰ্ভাগ কোনে কৰিব। বৰ্তমান অকৰ্ডিয়া জানাং পাৰ্শ কুমুক্ত কি কুছিল কোং নিৰ্বাচন Total Table Sink Frei Lag Wife

ব্যান আয়ার চল ছিল কোন গরের বাবর আধার কোনে উঠেছিল কি

বৈজে নিটেছিল বোন আনার বীলা বৈজে নিটেছিল বোন আনাতত আঘাতে। শব্দ চন্ত্রণে ও বাজনাগ এই বছটি ছাত্র সম্পূর্ণ, গণীন্দ্রীয় এশং অত্যানীয় হইলেও ফাল ইহার শক্রা, বিগস্ত এ নটি মৃত্র গুঙ হলে মাত্র। আন বা সম্প্রান অন্তর্ভাত এই সার শুব সহিত ভাটিত, নাহা গানিক নৈক্ষে এককু স্ক্রিণ ভূলিয়াই নিস ইয়া গতিতেতে.

্দ্রাত্রি আর হল ল ভেলার লাবে 🦿 স্থাৰ ট্ৰ ম এগেছিলে আৰু প্ৰাতে। ংবশু এই গ্ৰুতিঃ মধ্যে একটু বিশেষত আছে न्न:कार कृतिहरू इन्हेरव । মহুড় তা স্বৃতিও চুট প্রকাব হুইডে পাংল, **ত**ুধু **ভারতার** সভাবেই এই শ্বনি তুই প্রকানের ব্যাস্থা প্রতী : হয় কি না ভাহান বিচার না করিছেও এইটুকু বলা নাম যে এক প্রকাণের জুদ্ধি कडको निल्मिष्ठं स्वथाव मछ, छशत्रं मन्त्रा वादिशंह (कान स्रोनम्(तपनाव व प्रथ्यारथव इन्हां नाएं में , वन्हीन क्रमाञ्चनाट्य मरु এ খা,তি প্রানাই ভাষার সম্থ দিয়া বহিষা বাষ गांब ; कि इ विकेष व्यवार किया बु बादका में माब बाइएव बाटका बरे नव क्रिका समयक वित्रमा भेतिका विश्वास मार्चा एक क्यांत्रक मार्च । अहर बर्कान अक्रुक्टवर प्राचन र अक्रिक THE I'S DIE MONTH WESTERN THE THE WILE OF

প্রাওদ্ধার্থ এই মুক্তা লাগ্র কৰিছে।
প্রাওদ্ধার্থ এই মুক্তা প্র গীতার বি
ইইনে আরম্ভ করিয়া এই ক্রাক্ত স্থ কলিভাই কেন্দ্রী
বিধিয়াছেন। ভার্কার ক্রাক্ত কলিভাই কেন্দ্রী
সভীর চিন্তা গাঁকা ক্রাক্ত কলিভাই কেন্দ্রী
ক্রিন্তা নির্দ্ধার ক্রাক্ত করি করিছা
ইনিহান ও বালা নির্দ্ধার ক্রাক্ত করি করিছা
করি ইন্তান পূল্য ক্রাক্ত করিছা
কানন্দ্র ত বালা নির্দ্ধার ক্রাক্ত করিছা
কানন্দ্র করি বালা করিছা
সামান্দ্র করিছা
সামান্দ্র

নেষ কৰি টি কিছ পৰি বিশ্বিক বিশ্বিক কৰিছিল।

আয়োগা বলি ভ জাআৰ মতে হয় দি কাৰে।

ইলাৰ মন্যে ভাষ্ট্ৰের স্পান্ত কৰি চাৰ্টি

আৰেল পূৰ্ব আতি ও নাই, কাছে কৰা তাইটি

আৰু যাক। কৰিছি ভাষিক আনি আটি

আৰু যাকাও, এই কিনাহ কৰা কি আনিকাৰী

ভানি নাই বিশ্বিক নিষ্টি কৰা কৰিছিল

ভানি নাই বিশ্বিক নিষ্টি কৰা কৰিছিল

णानवात्रं जीशन्त्र हें जिसा, श्रीनेष्ठः ची बरमेंब ७ प्रकृष्ट अहात "करूतन ওাছা অনুভাবকভার প্রথম শ্রেণীর কবিচা বাদ দিনে ক্রিটা ব अपूर्व व्यव छाशात मुक्कि महीति मुमा-नाहक भगवुञार्गतस्त्र कमा कथा भरत भारा , जिल निवादका "We have poems which seem to exist menely for the sake of p ducing single lines and passage; net for the sake of pr ducing any total im og sjonal bursts pre-sion . of fine writing and the shower of isolated thought images" वर्षाद उटे का है। व करिक पूर्णिक नमज्ञा साडे, का क असरगाङनान कुलकां प्रामिना बारक गांक डिकाननीत - प कथा। তাহাতে ক ব বিতা স্বার্থক হয়; ইয়া সভা যে বে জনাথের তৃতীয় শ্রেণীর কবি । ই মধ্যে स्थात भोन्या-इन गार्था जेशत उराइक রবীশ্রনাথের আশ্চরা ন্রাক্তিছের কুত্তা স্থান পাইয় ছে কিন্তু তথাপি বলিব অস্তুত্ৰ মুলকতা থা কলেও উগাদৰ অমুভাৰকতা নাই—কোন না কোন দতা অন্তভূতির কথা ছটলেও_্ৰট কথাগুলি স**মূত্**তি গাগাতবাৰ ্ৰ টুকু প্ৰতি ব থে তাহা ছক্তি কীণ।

क्षेत्रकारवतः अथन ७ मधा कोन्ट्रक कविको महत्त्व अवादम निकृष्टे व न शक्ति सा

্ৰীৱৰ্মৰ পবিভাগ পুৰ ामार लाउ की कागमा लिक मरमा रेनम माठी । कविठाइ ৰবিৰা ভাগ হয়, সভঃ জালে कारण । य (ध्यमप्रि दक्स हरेश) ভাষাণ অবভাৰে চা नत्त मञ्जूष्ट नान गड़िन रेष्ट्रामं, जीरवंग ह व्यक्तिक प्रशासका एक मिश्राटक । व वी बार्थ সে কেলা ভাৰ নাই। একদিন এই কবি-» সদস্য শনংখাতার বীণার মধ কত না মৰ নকাৰে 🐝 ত হইয়া উঠিয়াওল ; 🖫 ন प्रदेशको आरम् वार्मारकन উৎসবের কলকেন ান কবির হালয়াকাল ভাশাইল বাহঃ নিমাছিল- মে রপভঃক, त्म **सर्व सक**ाउ धर्वहाँ आनास किसाइया दशका है। निवेद्याद में अधिक कर ते व्यक्ति (ब्राह्मि मिक के रेकेड के बिंद के 10 के 10 के 12 कि वर्ष Ton San ক্ষাম 15 ভলন বিশিক্ত न्नदक सन्दर्भ मि क जिल्हे विलया छिति। १००१ म क्सलंड एमचि न हें त्वीस्मनाव (मन्त्र विक्रांनीटकं क्रक नारम जगर (तथार्व) सन, ষ্ঠাকাশ নুতন , বারাস নুজন, বার সদ্যালায় (म जिल श्राक्ष मुख्य क्रिंग, गरील मीखि. किश्विके पुरुष नवीन हाथ।— स्नाद (अ दिन वीजाजीत निकड़ क्रशास्त्रत र स्टेश (प्रज- - प्र मिन्नविद्यास गाहिका साधा छ धक्छ। vision ब्रेक्टे revelation, उक्तृतिक ४ का भद ७ क अनुसं अ। न करा ह इहेशा हिना।

কিছে ক'ৰে জনৱ অক্সাৎ কাদিয়া উদ্ভিদ্ধ যে প্ৰশাকা দিয়া কৰি জনস্ক বিভিন্ন বাংশ অনুস্থাত কুইইয়া ভূতি চ ক্ষিণ্ডেৰ দেৱি ক্ষিনিয়া টিব নালিয়া উঠিলেন

> তে মাণ কাছে সাজে না মোর কবির গরব করা মুহুরুবি, তোমার পাঞ্জে দিতে চাই যে হয়া

তার্থ প্রবেশ নাধক আমিটি কনিকে পশ্চাতে কেলিনা নিম্ন বৈচিত্রের বাহিরে ছুটিন। আপন অন্তরের বাহিল একভানটি মাত্র লইয় রংশীক্ষনাথ যাত্রা করিলেন। ত্রাহার কবিভার ভলা পরিবর্জনের অন্তরালে ভাগাং জীবনের এই হাতহাস্ট্রাই কি পাওয়া যায়

करे शास्त्र विनर्खन (कर्म इसे समार्थक বৈ হইগাছে লাগ লগ আরও বড় বড় কবি শিল্পাদেব 'मरमा जह भारतका (माम.क भाषता कियारक। এक शर् वर्कस्म। मनखायन भित्र जाकारेग्र अकछ कथा धर भरन इस (स-नाधक व कांत्र मार्टा जावन गर जमन बक्छ। देवनमा बह्दिश्री ह याशहरू व १८४व मिनमं विक इंतरक भारत मा . সাধক ও বাবি উভারেই ভাষন কিন্তু মানুভূতি শহর। ৮৬বেই "সত্যং শিবং স্থন্ধরং" এর জন্য পাণা**ল। সাধকে**ও **অন্ন**ভৃতি কবিরও শাছে। সাবকের মধ্যে অমুভাবকত। नाः, किन्त्र मध्या अञ्चलित निष्मयण नाह। मा क नविंग महिमा आमा कति सप्ता छेठि व ম। সাধক বলিতে আমি ভাগকেই বলি ঘিনি ভাবনের স্বার্থফ চার তীত্র সন্ধান করেন[া] এবং পথিক বলিয়াই প্রতি পাচে তিনি সতর্ক इहेर इरम्म। धुर सम्बर्ध **当**(の)対 সংব্যাত চাও িচার্মর। পাত্রস্থীকা হাহার मध - । हान बर्ड क्या वाक न लाहर बर्ड

উপর বৃদ্ধির আনিশৃষ্ট্র আসিরা করিছ office with Distant অসমতির লগতে প্রাক্ত করিলা হাতা ভারতের मसूर्य इतिशः विद्यासम् त्रेमासूक्त विकेश সংক্রিচমনি রদের মৃতি:ক দেশাই নাম শক্তিও ই **করি করায়ত। সাধারে**ত . কিন্তু ভাহা নয-- উৎহার দিকট রূপ প্রভাক करेंद्र ७, कांका कान्नीक **मिशा छ।शहरिका भा**ना করিয় কুলিতে লাড়ে **লা, সাম্বরিস ছে তইয়া** किन शार शहिश है किन ना, शहीब निक्र . अ. जुकुर 💸 लादश- कार्यमञ्जू **किछ। छ। हात मण्य** শারাজনির পশ্চাতের প্রাক্তার অঞ্চ প্রের্থিক হয় সা कारत प्रति । वाल कार्य । होतन है श्री वाल है है है। कर्म- वाह्यका क्रियान क्यार्य भारतिक প্ৰত্যাচাৰে কৰিল খা নিজেৰ মাতনা কাঠৱ एकि लोकांग का कांद्रेश, खनरवत व्यवाश्वक भाकता ना कानाहरी, विति यनिका क्रिकेन

তা জ লাম বাটের মাজে

নালক লাম বাটের মাজে

নালক পানের কড়ি

চাল জোনার কাজের ভাবে

নাল করে যে গনে প্রাবে

সালা জাজ আছে মানার

· 131,

ইচা বৰ্ণাক্ত নাংগৰ পাৰিকা না কৰি ব্যৱহাৰ কৰিবলৈ কৰি আৰু ।
কৰিবল সমৰ এই কাৰ্ডাই চিন্তাই নাৰে নতু ।
বিক্তায় কৰিবলৈ কৰিবল

बार्क कर्मा होते क्रिकेट के जोल के किएन प्रेम होते क्रिकेट क्रिकेट क्रिकेट क्रिकेट नामीक्ष्म क्रिकेट स्टब्सेट क्रिकेट क्रिकेट क्रिकेट के हैं। क्रिकिंग केम्पिन क्रिकेट स्टब्सेट इस्टिकेट क्रिकेट क्रिकेट क्रिकेट क्रिकेट क्रिकेट इस्टिकेट क्रिकेट क्रिकेट क्रिकेट क्रिकेट क्रिकेट नुवाहेन्द्रा निया काम हैनाव साई क्रिकेट क्रिकेट

িন্ত এর সমুভাবকণা, 'ভঙাবভাবিত করার শক্তি ছাংস কোণ। ছইটেন অর্ কৰিয়া লিখিয়াভি শ্ৰীয়াই একা অন্তৰ্ভাৰ্কতা প্রাপ্ত হয় না; ধনি ভাষা হটত তবে এই উদ্ধ श्निरक्छ कविछ। विनद्ध शाहिशाम । सामार বছই চুঃম হততেছে গলিলে, ভাহার মূলপঞ্চ হুয়বের গত্তুতিটিকে কেন ভব্রগোকই অধী-कात है। अविश्वाम कतिर्वन संगितः स्वास क्ये नहीं किन्ह उदम पुर त्ये जाहात आमार प्रश्योगितक অমুভব করিবেন তাহাও রে:ধ হয় না-ইছা তাহাদেং হৃদয়ধীনতা নয়; ভুলতার খাঞিরে চাক মুৰ টানিয়া তাঁ । মুৰা যথাস। মু খ জানাইতে চেষ্টা করিবেন কিন্তু াহা করিবেও इ: ब कारातित वर्देश मा ! क्रवृष्टि यज्ञान जार्स्सम्ब अंश्रेष मा क्ट्रेंटि क उन्नेन की होता परच कति दन कि दम्बिका ने আর কেবল হংশ লাইতেছি বলিলের ইয়পের क्रेन दास्यान यात्र ना । 5:व जानिश यथा कामात वाकिकार मुख कतिए।, वामात कार्य মুৰে, ভাবে ভগতে কৃটিয়া উট্টিবে, খৰ্ম व्याभारक भागांद्र का मान विका क्षेत्रिक छ्रथम अहि छ। बङ्गाल स्मित्र कार्य बान मुख्यात्मक किए करें। इन मुहिन উঠিবে বাহার নাম করুবা। প্রত্যেক আই क्रिक्ट अट्कप अ**पन** मार्ग कार्

The service of the se

কলিকাতা

তাএ বাধাপ্রসাদ লেন, **মদিকা** প্রেসে জ্রীহরিচরণ দে বারা মুদ্রান্ত 🖟 ়

কাশীধাম

অলকা" কার্যালয় হইতে জীলকশী বলোপাধায়

कईक श्रकातिहा

are and

E ming be ma

Property and

,-34-AB

The state of

10

Contra di Angle Vig. 2002 Penna del 1- unione, Considerate Part del

्रवाका क्षेत्रकार । विक्रियेक नाम-प्रकृष्ट । वद्यानस्थानमान-मागानम्य अन्तरम् । वक्षाणान् क्षाणात्र सम्बद्धः होत्रकः एवं रम्पः निवसः समादः तम्पन्तः श्रीतस्य गीतः जना-प्रश्नास्त्रकारः क्षाणात्रकः क्षेत्रकं कृषात्र शाहः स्वयत्रम् क्षाण्यकः विवसः विकारः व्यापः (जनात्रकारः विकारकार्यकः विकारकार्यः विकारकार्यकार्यः

্ৰাছত প্ৰাটিকাৰ কেনাৰ য**ুক্ত উৎ**নাহ কেন্ত্ৰণ হয়। বিজ্ঞাননেই হায় প্ৰতি বাৰ্ণায় বহু ভবি পাৰে।

> ्रायः अक द्वार क्रांस्ताः २६२२ (लाजनाः) कलक क्षेत्रे मार्कः क्रीटकाणः

প্রকাশিক হইতেছে

প্ৰকাশিত ইইতেছে

স্কান্ত প্ৰদানত প্ৰতিষ্ঠা চল্ক বাব মহাশ্যেৰ কন্তিত এই ও শিক্ষ প্ৰাণিক জন্মত উন্নতি উপান্ধিল বাব সহাশ্যেত

সঙ্গী ততন্ত্ৰ

কাৰ বিশ্বিক প্ৰাচন চইয়া আধিকে ভাক বাংলে নানিবে ন। বিশিক্ষ স্থান। ১৯৯ আধিকান-বিদাপানি কবিলেছাত কাৰীধান

MANIFE SECTION

THE PARTY DISERVED

শিলা **নাইনের সো**ল ভাবসাদ্ধীকর এত দিয়ে সম্প্রাক্তর। ভাতিবস্কৃতির সংক্রাসাধান প্রশাস্ত

্বাব্য ভিত্তা ইজিন

কাৰ্যন ওও স্থান ১৮ জন্তা ১৮ নামান্তি । আন্তাহের কান্তাহ প্রকাশিত প্রকের জালকার কর আপানি আনহ কর ছিকু এই আনাদের আই মানা নংকাগের প্রাহত জোলী ভুকু হউন। আনাদেন মারতীর বাহ্যালা পৃষ্ঠিত সাভিয়া মুয়ে হৈ

সমানুক উন, পুত্ৰক প্ৰকাশক ও বিক্ৰেডা, ২২০ কৰ্ণভাগানিষ প্ৰচ কলিকাডা।

স্মাদী **জ**রান্তক সুধা গ্রান্থ

ইয়া প্রের স্থান দেবন করিতে কোন প্রকার ভারের কারণ বাই। ইয়া কেন্দ্র ন ইংল ও ইয়ামন পর নীয়া বহুত ও ভয়াতুসকাক করা মধ্যমানির কালার কালার প্রায়োগার ইয়ামানের লাটকান করা সিভাগ্রেখারি ও আলারের কালারের এই বিশ্বসায়ের বহু আলোমা হইবে।

্ত প্ৰাৰ্থ সামানিক্ষকে হাজনের সহিত্ত জানাইছেছি গে, যদি এই ওক্ষ প্ৰেরণে জ্বোল প্ৰায়েক্ষ্যাক্ষ্য কর্ম ক্ষয় ক্ষমত দিবন

Trii--> PANS -

क्षीतिकार (—कानोवास नागांकार) है। कन नाम प्रधान वाशका १८०० वालाई कर इसके महिले बाद्य बाँक्नायुक्त । २०० वाली नामांकार क्षण रूपी राजनु का का

The house merical way a side of the last

চরণ নিম্নে বিকশে কমল, স্থর-স্থরধুনী বছিয়া ধারী বিশের যত লক্ষ্মীছাড়া মা নিঃস্ক ক্রির বন্দনায়। ক্লিফ কতে বেদনানন্দ বাজিছে আকাশ বাভাসমন · कर कर एक मञ्जूल-पर्ण-वाजिनी अननी अस मा क **छत्र मा भावता ज्याकाल ने शराहत अवहाद उठ ज** আন্তনের রাগে রাভিন কাতন আরী দেয়েল বিছ্যা-কণ্ঠে বেহাগে লুঠে তব আগমনী अय वीपाभावि मताल-वाहिनी अग्र मा अननी ছতালে না আজ হতাল বাতাস পুরবীর বায়ে ঞরেনা লোক. উধীর সিক্ত দখিনা সমীর চলায় চামর মাতা শে গুটার। নিবিড নীলে মা সাজায়ে পণটি গাহিছে প্রণত দিছলয়— জ্য বীণাপাণি মরাল-বাহিনী জরু মা জননী জরু হা জর। স্তুদ্ধ আকাশ অচপল-আঁখি-আনত তোমার চাঞ্জি পথ --উদয় না সে মা, অস্ত-তোরণে উদিবে তোমার প্রজারা বন-বালাদল কচি কিশলয়ে সাজিয়া ছলিয়া ছলিয়া কয়-कर तीपाशापि महाल वाहिनी करा-मा जननी जम भा अह লক্ষ্মী মায়ের লক্ষ্মী ছেলেরা নয় গে যা তোর প্রঞ্জারী আঞ ভাপস ছেলে মা আমরা এসেছি গৈরিক-রাভা পরিষ্ট শংহ্র বাথা-পাওর শীর্ণ গণ্ড বাহিয়া স্ত্রাগের অঞা বয় क्रय तीवाशावि महाल-वाहिनी क्रय मा क्रमनी क्रय है क अक्षति-छत्रा स्थारमञ्जनतीन अक्षती प्रित्य छर्जाङ लोग् मकल-चाउ इथ-दलांत धाता, पीर्ण विगात हिन्न छाल (तामरन यमिक ताधन मा (ठात. मा'त कारक नाई समझा छक्ष-जय वीगाशांगि वांगी-विश्वतिनी जाशम-जनमी रूप मा जय !

প্রত্যভিজ্ঞাদর্শনের, ভূমিকা

অ্থাপক শ্রীগোপীনাগ কবিবাজ ব্রুম্তা]

(ন) শঙ্কর ও আগমদক্রাদায়

व्यागदा भद्दाशनितिः तक्षनासन मुख्य क्रेयताष्ट्रवाटमत्र ८ अम् एमधाहेलामः। किन हकः कड़ें ८७ ८क इ. स्थल माल में। स्टीर्स्स १४ अस्ति। हारी। क्रेश्चनात्रस्थान भागितानम ना। १४७३ শঙ্কর প্রত্যানিকাদিদ ঋ মানিতেন এবং নিজেও ভাষা বহুস্থানে শ্লেপ্লাফারে প্রচারিত কবিয়াছেন। ত কথা মামরা ট্র আলোচনা কবিব। মাধাশণ্ডঃ সন্ন্যাসীসন্ধানায়ে যে মত পচলিত আছে এবং ষাল ম্বল্যন কবিয়া 'অধৈত-' **প্রস্থানের** গুড়াদি রচি\ হর, আহে কাল নাহাই, শক্ষরের এক মাত্র মাত্র ব্লিয়া গুঠীত হয়। किंद कैंदिन मध्य रही। अन् लडाद्वर प्र স্থন্ধ ছিল তাহা এবেবলে, অস্বীকার করা यात्रे मा . ज्यानाय महम ३ । आश्रम ७ निगम উভয় মার্গেট িনি সম্প্রানার প্রবর্ত্তক হইয়া ক্সদৃগুকুণদের সার্থকত। সংগদিন করিয়। ছিলেন। জ্ঞান এবং উপাসনঃ, —সন্ন্যাস এবং দিকেই উদেশে প্রচারশক্তি भाईहा, ५.प महाभूक्य बान्त डिशामन 501 मना न भग्छ।

ন্যুনাধিক পরিমাণে এই প্রতির্ট অকুসর্গ কবিয়া পিরাছেন।

ক্ষণন শ্রুরাচার্যার বিষয় উপশভাষান প্রথমাণা ইউতে জানিতে পারা যায় সে আলো-চনা এখানে অপ্রাথসিক। তথ্রপাত্তেও একাদিক শ্রুবাচার্যোর পরিচ্ছ পার্থা যাছ কি না, গালা স্বত্রগ কথা। তবে নানা দিক্-ইউতে প্রিভিন্নসিক আলোচনার ফলো ইকাই অনুষান প্রয়াল বিনি এক্ষলানী শ্রুব তিনি আলম্বন শাস্ত্রবিত ছিলেন। কর্মু তাহাই নকে। তিনি বছ আপ্রভাষ্টের বন্ধা ও ব্যাথ্যা করিয়া ছিলেন। বিস্তুব্রুবিত প্রইক্ষা।

েই বাং, অখ্বীকার করা পতাতিখন মতের সাহত জিপুরানিকাত্তের

নে বাং মাগম ও নিগম গ্রথনা শিবিস্তার আহ বনিষ্ঠ সম্বন্ধ। শক্ষর এই

সম্প্রদান প্রতিক হট্যা শ্রীবিস্তার একজন একনিষ্ঠ সাধক ছিলেন।

কুছা দম্মাদন করিয়া পুলেনী মঠে এখনও ভাহার শ্রীচন্ত জাশিত
উপাসনা, —সন্নাদ এবং বাইয়াছে, এখনও সেখানে ভাহার উপাসনা
কুই তাংলা প্রচারশন্তি হট্টা পাকে। শক্ষরাচার্যার প্রকৃত্তবি

মহাপুক্ষনাগর উপদেশ গ্রেড্গাল্ডা শ্রীবিদ্যা প্রতিপাদন করিবার

নন প্রচার ক্ষরণ দকলেই কুরা উপর শক্ষরের টিকা আহে *, এবাং

ক প্রভাগে প্রত্ন লগের মাধবাচাযোরত ব্যাথা আছে। আন ছিবা ছইপানাই পাত্রন যায়। লক্ষীপর বান্ধণ্যক্রীর বান্ধানাতে প্রত্ন প্রেণীটাকার কবাই ইয়েপ্ করিয়াছেল। সভবতঃ কিনীয় টাকা ভাষার মধ্যাক হয় শহিছি

সম্ভাৰতঃ ইচাৰ্ড অনুকরণে তাঁচার অতি গভীর রুক্তপূর্ণ প্রান্ধর্যালহরী নামক স্তোক্র রচিত ছইমাভিল »। এই গ্রন্থের উপর স্বরেশরাচার্যা রচিত টীকা মাছে—শঙ্গেরী মঠে এই টীকার একথানা মতি প্রাচীন ইপ্রদিখিত প্রক বর্ত্তমান আছে 🛨 । প্রপঞ্চসার শ্বরুক্তর বলিয়া প্রসিদ্ধ —ইহার উপর পদ্মপাদাচার্যের টাকা আছে: উত্তরও দক্ষিণ ভারতে বিভিন্ন সময়ে লিখি • এই টীকার এইখানা হল্পলিখিত প্রত্ব আমার দ্বিগোচৰ হইয়াছে। স্তুসংহিতা ৬ প্ৰাশ্ব সংহিত্যর তীকাতে মাধবাচার্যা প্রপঞ্চারকে ভগ্ৰং (াদ **শত্তক ১ বলিমা** উলেও কবিয়াছেন। शादशादिकारकत निकास नायव परेश করিয়াছেন। সম্মোচনভয়ে শঙ্কর ও তাঁহার শিশ্বচত্ত্রের উল্লেখ আছে। এই সব দেখিয়া শম্বকে শাক্তাগমের, বিশেষতঃ ত্রিপ্রাগমের, একজন অভি প্রধান আচার্যা বলিয়া পাকার कविर्ध ३४।

ভাঁগর দাক্ষণান্ধি স্থোত্ত ও সংক্রেরাচাগা ক্লত ভাষার বার্থিক পাঠ করিলে এ কথা আরও শ্রেষ্ট্রেসে ব্রিতে পারা বার। আমরা সংক্ষেপে

মাধ্যসার্থার পরবর্মী বলিয়ার আবলে মনে ১৪ :

তাতা দেখালী এছি ৷ ক্রিকানানী বিশ্বা मक केंग्रे किया विश्व किया ! 'मकिनामि उलानक्' देवले हे जिस मन्यनारवत ম প্রতিগালক প্রামিষ্ট গ্রন্থ । সূত্র অফতত কিংবা আধানৰ ভাষ্ট দৰিশাস্থিত আকারে বর্ণনা কর্মাত শর্কারের অধ্যাপ্রাণ প্রমাণিত त्र केल्याकर एक व लगा क হটয়াছে ৫১ জানীৰ দক্ষণে গৈণ স্বাত্তগত. at मनाव क्षेत्रिक स्मादकः । अशिष अञ्चल: ७१ किय व्यागमान भारतेन. किस mare ofer a un princip. মাহা বালিক প্রান্ত প্রান্ত ইত। আপন অন্তর্ভারত দিশ্র সংক্রমণ করণ এথানে रितंत्र स्त्रीक २ १८११ - ११ ११४१ कि. ज्यापन স্থান্ত্রের বিজ্ঞান কর ১ লাভ্য ভিত্তরপে अक्रीकृत, कर्ता का का स्थार आदक बना হুইয়াছে যে কিন্তু কৰিছে লোক প্ৰতিক্লক व्यवस्था व विकेश प्रतिक स्थाप स्थापित्वम क्वनाविशीन भाष अति । क्षेत्र समन উদ্পদ্ধের পুরুষ বাজক্রণ আন্তর্ভ দ ও ঠিক PLE WIST WITCH CON I TOTAL (महें कथ । পঞ্জিত মহাপের শাস্ত্রী লগ্ধীধরের সম্য চত্ত্রণ পতাব্দীর প্রথমণে বলিয়া বিক্তি ক্ষারিংকিটি নিৰ্বেশ্য নছে ৷ তবে অণ্টাধৰ যে ভাষাবলাথের বঙ্গালন ও ছিলেন ভাষাতে কেন্দ্র প্রাণন ল'ই

नक्रवाकारवावह मारान वहना। राख्यिक भवारमा नाष्ट्री ह अधाक मारा हाँगक्रारहण छ।हाँ हाँना नाप्राण - "The fact that Sri Sankaracharya was a reforme, in his days of the Sakta out an of sarious others, the very important part still played by Sakti worship a stillie Advast a feeting the identity of the soil and the Goldess spoken of in verse 22 kg., eference to all atdanta in werse 84, the position style of the ayana and an importantly freezes to said all attempt to unify the peerher doctrines of the man, ily opposed seets of flammys marge Alexanda manga, and hastly, the manimous textratony of such writers as Lamber and Bhaskararaja - all these meline me to believe that the byon he a good of Sri Sank radiova. Preface to Saundary Lunary (Myso e Frank Myso e

'+ -कामीदामी पाछित शिव्छ **मीछादाम महिं**गिरियकाल म दश्यी मरत १५% महिन्सिक्रांचे हैं विभि वेशसेन व्यवशासकारम स्टतबटवड जैका किङ्क्षीन वारमाठेनी कांग्रश किला 🔻 केश्युत ग्राम असे मिल्पुर असे विशिक्षिति । 🧎

কৃষ্ণিক ক্ষাণ উহা নানা বা বৈচিত্র আকারে প্রায়েণীর ভাষ, তথু স্বেচ্ছাতে এই বৈচিত্র। অম বিবেধ বিজ্ঞান করেন, তিনিই আম্বাদে!—

ক্ষেপের। এখানে এই বে মান্নাবী ও যোগীর দৃষ্টান্ত দেওলা কইল প্রভাতিক্রা ও ত্রিপ্রাদ্ধনে তিক এই হুইটি দৃষ্টান্তই আছে এন: ক্ষপতের স্বৃষ্টি দে ইচ্ছাশক্তিম্লক—উপাদান নিরপেল ভাষার বিভাব স্বাচেক: প্রভাতিকাতে উপাদান নিরপেল কারিকাতে উপাদান বিভাব কারিকাতে উপাদানৰ বিভাব

চিদাকৈ এ দেবোহস্তঃ হি ত্রমিচ্ছাবশাদ বৃহিঃ। যোগীত নিজ্পাদানমৰ্থজাতং প্ৰকাশতেং ॥ অর্থাৎ কৃষ্টি বলিতে অন্তঃতিত পদার্থের বহি:-প্রকাশকে বুঝায়। দকল পদার্থই চিলান্মার শ্বস্থঃস্থিত, ভগু ইচ্ছাব্^মা কথন কথন বিগু কিছু বহিঃপ্রকাশিত হর মাত। এই : ভি প্রকাশনই বস্তুতঃ সৃষ্টি শব্দের অর্থ ৷ সুত্রঃ भगा टाइटा अञामुन शृष्टिए उंशामात्म्ह कारशका मार। इक्कामिक व्यवस्थान वर्धा বস্তু নিশাণ হয় তথন পুরুষ্সিদ্ধ পুরুষাণু প্রয়েজন হয় না। বাহারা বোগার স্থাইবাা ।।। প্রতাক্ষ করিয়াছেন তাঁহারা এই দুর্থান্তো मार्थके जा महरकडे जिल्लीक क्रांत्रिक शांतिर्वन কেই কেই বলিতে পারেন যে যোগীর সৃষ্টিও পরমাণুসাপেক — যোগা ষ্থন ইচ্ছাশজ্যির প্রয়োগ ক্ষরেন তথন উহার প্রেরণায় প্রমাণু-সকল আপনা আপনি আহিয়া একত হয়।

किन अस्मित्कश स्क कार्रिक्ति गांधा-প্রসঙ্গে বলিয়াছেন বে এ প্রকাব কর্মার কো-मृत नाहे : "न हि ध्वर वक समाम्-প্রমাণবো যোগীছয়া ঝটিভি সংখট গঃ কার্বা-बादकारक हेिं , (क्षेत्र शहा कारियनिनी, পুর ১৮০)। ইহার ক্রিণ এই তে বাহার। भवमाव्यक्ति डांश्वा माकार अस्ति भवमात् व्हेटड সুধ্বস্থার উংপত্তি স্বীক্ষার করেন ন।। অবাস্তর অন্যবের বাবনান আছে বিশিগ मात्नम । ८ नन घट निश्चाम कत्रिक इंडेरन শুধু পরমাণ সমূহকে বিশিষ্টসংস্থানে অগাৎ शोतकात मिंगविन ड ৰ বা **ाक्रमान् १३**८७ वापुरः, मध्याभव नार् ছাণুকের সন্মিননে অসরেণু, এইরূপ ক্রমশঃ স্থাতর কার্যোর উৎপত্তি হইতে থাকে। কপাল নিষ্কিত হলে গৃইটি কপালের পরস্পার সংযোগে ঘটের সৃষ্টি হয়। 😎ধু নতে। লৌকিক দ্টিতে কিংবা উপাদান-সাপেক স্টিতে নির্দিষ্ট সহকারীর আশ্রয় চাই. শিক্ষাও অভ্যাসের প্রাক্ষ চাই। নৃত্বা বস্তু নিম্মাণ সম্ভবপর নছে ৷ কিন্তু যোগীর স্থাইতে ज भर किड्डे अल्भिक्कि स्थ ना। (याती अ श्रमंत्रिक अध्यानुष्क अवनयन कृष्टिया . এরপ করনা निदुर्शक !। হয়াগিজানের এখনি মহিমা যে আভাসবৈচিত্তানয় পদার্থসমূহ ইচ্ছামা এই প্রেকাশিত হয়। আসগ ্কথা এই বে সংবিৎ স্বাভন্তাময়ী (free), যথন

^{*} অত্যক্তিকা দশনের সিদ্ধান্ত আলোচনা কালে এই সম বিবয়ের বিস্তারিত বিবরণ থাকিবে।

[া] মাববাচাৰ্য সৰ্ব দৰ্শনুসংগ্ৰহে, প্ৰত্যতিজ্ঞাদৰ্শন শীয়ক প্ৰস্তাবে (স্কানলাজন সংখ্যণ, পৃথ ৪৮৫), "যে তৃ প্ৰতিষ্ঠি মোপাদানং বিনা" ইজাদি বাজ্যভাৱা এই মতের উল্লেখ্যক গঙ্ক ক্ষায়য়তেন, অৰ্থাৎ বীহান্ত্ৰ বৰ্তমা বে যোগীয় ইচ্ছান্ত প্ৰমাণ আৰুত্ব হইয়া পুলৰজ নিৰ্মিত হুণ জাহাদের বিভাগত অসকত বলিয়া ক্লাণ্ডাদন

ভাইতে ক্রিকার উদর হয় তথান সেই অপ্রতীযাতরূপ ক্রির বলে অস্তঃত্বিত অর্থাং জ্ঞানরূপে
কিংবা আত্মার সঙ্গে অভিনরূপে স্থিত পদার্থ
সমূহ জ্ঞেয়রূপে অবভাসিত হয়। যাহা 'অহং'
রূপে স্প্রতার স্থিত এবাকার ছিল তাহা 'ইদং'
রূপে পুণপ্তাবে ফুটিগা উঠে। ক্রিত প্র্যাতঃ
অর্থাং দেশা'দতে তাদাত্মাবোধন্ত দ্রন্তার
কাছে,—পরিক্রের সংহি এর ভাত্ত—এই
পদার্থ বাহা ব্রিকার প্রত্থিত হয়

অভএৰ এই বিশ্বস আভান্ত্রাব मण क्रियात सः शानिक जरत्यताताया উক্ত খিতীয় লোভের বারিকেও এই রূপেই हैकां चिक्कव डेला मार्मा निदासक স্ষ্টিসামগা বৰ্ণনা ক্লিখাছেন: তিনি ছেখাইবাছেন যে পরিণকসমাধি ঋষিগণ বিশাৰিত প্ৰভাৱ উপাদান, উপকরণ ও প্রয়েজন বাতিরেকেও কেবল মাত স্বেচনায় সকল প্রকার ভোগ সামগ্রীতে পবিপূর্ণ স্থালোক সৃষ্টি করিয়া ছিলেন। ইহাই যোগিস্টির দৃষ্টান্ত। ঈথর-স্ষ্টিও এইরূপ, কাবণ জিনি স্বতন্ত্র ও সর্জাশক্তি (বার্রিক ৪৮) + ৷ ডিনি আগ্রেও বলিয়াডেন म क्रेश्व कीव्रकत्माशात विना कही, खतः श्रमानवाषात्र विना मुक्छ, कात्रव विजि শপ্রকাশ। তাঁহার জ্ঞাভূত, কণ্ট্রর প্রাচ্চ · তাঁৰার স্বাতন্ত্রাশক্তিরই संभाग्रह । है।कार रेक्षा शक्ति शक्तिमकाति जासक्र १ — हेटा নিয়াশক এবং অপ্রতিহত। धंहे हेस्हावाल ক্ষিম "কর্ত্ত, "ন কর্ত্ত ও "অন্তপা কর্ত্ত শর্মাণ প্রবর্তন, নিবর্তন ও পরিবর্তন করি। ড मबर्ब-रेश च्छन्न । (प्राप्तिनन वहे रेप्सानक्रिक

কুরণকেই সামাজ্য অক্লান্দ্রশাম জৌকে ২৯ কার্যকা ডেইবা। সাজাজ্য সকলে আকিউবের বিকাশ, থাহাদের সমাদি প্রতিপক হইরাছে গোহাদেরই ইহা লাভ ১৪। ইয়াই পার্থনৈশর্ব্য — কপ্রাত্ত অগুবিভূতি উপ্লয় ক্রিনার ক্রিছেন্ট্রকে (১৯৮৬) স্থরেশ্বর বলিয়াহেন—

ं वनोटेबचर्याविशृष्ट् ि " कर्निका ने नामग्रः।

ঐখ্যাবস্থা ভাসতে স্থাৰাত্ম স্নাশিব: ॥ পরবর্ত্তী কারিকায় আচে যে পুর্ণাক্তপা লাভ ইটাৰে এই ঐথবা আপ্ৰিট দিক্ষিত হয়, সে হল বতন্ত্র চেষ্টা করিছে কা না স্মাধানাত হিইলে তাপলাভের জন্ত শগণ্ডাবে যদ্ধ করিতে বর না। স্তোত্তের দশাং শোকে শবর নিজেও এই সক্ষাত্মতা আ পুলাংখালে মহাবিভৃতি র্যাব্যা বর্ণনা করিয়াট্র । 👫 ই অব্যাহত वैश्वर्याः, अनिमानि क्ष्यंत्रिक्ति गटाव পतिनाम থার। এই ^শন্তহ^{াত} নিকি কর, স্বতরাং Aপরিচ্ছির ও পূর্ণ—देश अहस महस् महस् मिलन्छ তেহ (৪।৩১)। নবম ও দশম উদ্বেশের বার্ত্তিকে সাহ,মা৪,১০1১০) প্রথেপ্রের মূর্বিকে ৩৬০ হত্ত্যাত্মক অৰ্থাৎ বিশ্ব হাল বৰ্ণনা কৰা হইয়াছে। বলা ব্লেখ ঃ ৩৬ কছে প্রচাভিক্স ও ত্রিপুরা কান্য স্থপরিচিত সিহাস। এই সব কালেল। করিলে স্পট্ট প্রতীতি হয় বে শক্ষর ও প্রাণখন এই প্রন্তে দাকাদভাবে আগমেরই গানুসর্গ **डिनइटिडन् 🚉 । अहे 🖓 🖟 शुर्स्स** উপাদাননিরশেক চার अश्वक्ष रेका रहेल भावत বেলা হও ইছা অভিয়ানমিক্তাপাধানবাদ ৰালীয়া

্র শয়ং প্রকাশ, রাস্ক্রীয় পাস্ক্রি চীকাকার্ন্ত্রীগণ

अविकित बारह । अवन श्रेकान क्रांन मानिरनरे निमिष्ठ ७ जेनामात्मद त्रु । शक्ति कविद्वार्थः क्हेर्द् । किन्तु कथा और भानितक जारवा अस्ति म्थाकर्ण /शिनीक व क्योतिय नारे। भक्क म्लाहोक्टर विद्यादहर ः क्षेत्रकः महत्त्वप उं नर्व विश्व नरह, उर बरिक्षा कर है विश्व পরিছেদনিবন্ধন, স্কুতরাং জভিত-বিস্তাত্মকোপাধিপরিচেদ্দাণে কমেবেল চনব্যক্ত मर्कक्रकः मर्कमक्रिकः । स स्थानंभी और विश्वा-भावम्द्रवाभाविषक्रभ या धने कंद्रीकि उरापर्य-জ্বাদিব্যবহার উপপ্রত্তে ব্রু প্র ১৯১৪, खारा)। এই डासारन इंडर के लो क्रांसटड পারা হার বে চিদাআর ইংলে আবিভাক, শ্বতঃসিদ্ধ নকে —স্কুতরাং সুক্রার্থ বিদ্যালোঁকে অবিস্থান্ধক ক্ষিণ্টেইড **ब**ह्या यात्र ज्ञथन जिन्दत्व थाए म । म भिष्पां भवि স্তোত্তের ১০ম লোবে শক্ষর স্পর্নাধ ব বলিয়াছেন যে ঈশ্বহ গাবে, নকাণ্ডা কাণ্ডাক मशाविज्ञि शास्क, পूर्वीक्या शास्त्र -- १ १ हा আঅক্সপ হইতে বিল্ফণ ন্তেং, ইং নাজ-**দেবের স্বভাবভূত,** কবিছানিমিঙক নহে। স্বরেশবাচার্য্য ঠিক এই কথাই ক্রিয়ারেন --

প্রথগনীপরজং হি করা নাজি গুলক বিভি:।
পূরুৰে ধাবমানেংপি ছায়া তমন্ধাবক্তি॥
উপরভাব ও শুক্ট গুলকু নহে,
স্থাতরাই আত্মজান হইকে ইপ্রথগোড আপনিই
পাত হয়।

(৮) ত্রিপুরা ও প্রক্রাভিজামতের প্রস্পর সমস্ক

আমরা প্রদঙ্গতঃ প্রভাভিজাশাল্তের শহিত जिल्हा ७ ल्लानगाउत धनिष्टे मल्ला केंगा বলিয়াছি। যে আগম একের আহ অপরেরও ভাগ্রা। উপাসনার পার্থকা বক্ষ। कतिवांत अन्त्र भुशक श्राम वांत्र श्रेमारह বটে, কিন্তু তাহাও একই মূলের উপর প্রতিষ্ঠিত দলে উভয়ে পদ্ধতিব লেন ভিন্ন তায়িকদষ্টিতে বিশেষ কোন ভেদ লক্ষিত হয় না। এই জন্তুই আমরা প্রাচীন আচার্রে-গণকে ত্রিপুরানিদ্ধান্ত সম্বন্ধে লিখিতে স্ব্যাইয়া শিবসূত্র ও প্রত্যভিজ্ঞাহনয়, স্বীরপ্রতাভিজ্ঞা-বিমশিনী, ভক্ষালোক প্রভৃতি প্রপ্রসিদ্ধ শৈব-গ্ৰন্থ হইতে প্ৰমাণ সংগ্ৰহ কবিতে দেখি। পক্ষাস্থরে উৎপ্রদেব, ক্ষমরাজ, অভিনবগুপ্ত, মতেশ্বরানন্দ প্রভৃতি শৈবাচার্যাগণ ব্যাপ্রয়ো-জন বোগিনীহৃণয়, কামকণাবিদাদ, ত্রিপুর-মুন্রীমন্দির প্রভৃতি গ্রন্থের প্রামাণ্য স্বীকার করেন। সাংখ্য ও যোগে যেমন নিকট সম্বন্ধ ত্রিকমত ও ত্রিপুরা মতেও সেইরপে 🕟 পর্শ্ব-রামকরস্ত্র, বিন্দুস্ত্র, তম্ববাজ, জিপুরারহঞ্চ, বামকেশারতথ, প্রমানশ্রেছ নিত্যাহদর, <u>দৌভাণ্যবদ্ধাকর প্রস্তৃতি ত্রিপুরামতের শ্রেষ্ঠ</u> গ্রন্থ—ভাত্তর রায়, রুবি রামেশ্বর, লক্ষীধর, क्रिमानन्ताश, अमृडानम् এ मटडः डे० 🛊 है ব্যাখ্যাতা। এই সব পর্যালোচনা করিলে বেশ বুনিতে পারা যায়—প্র গ্রভিক্তাদশনেব স্হিত তিপ্রাসিদাভের দার্শনিক ক্ষর্থাৎ জ্ঞানকাত্তের তেমন কোন नार ।

[্]প্রভাতিকা ও ক্রিক্তির সিনার ক্রিকেন্দ্রী ক্রিয়। অনেক ছলেই ভোজ ও বাভিকের ব্যাপার ক্রম করিয়াছেন।
বিভাতির প্রতিশাসক প্রকারে জিকাতে ভাছার আভাসভ নাই।

তবে একটা কথা অবশ্ৰ বাণিতে रहेरत। **উ**ङ्ग माउँहे ७५ **उद अमी**क्र হইরাছে খাহার পরে যাহা তাহা তত্তাতীত। বিশ্ব এই তিও তারের সমষ্টি। তথাতীত চইতেই তারের উদ্ভব, তাই উভয়ই মূলে এক ৷ সেই জন্তুই সেই পরম বস্থ যুগপং তকাঠাত অর্থাং বিশোদ্ভীণও বটেন, আবার ন্ত্রাং বিশ্বাস্থকও नर्व उत्पन्न, এই যে বিশ্বের কথা বলা হইল ইহার মাধ্যে ৩৫৭ ও ৩৬ল সংখ্যক তত্ত্ব, যাহার পারিভাষিক নাম শিব ও শক্তি, তাহা নিতা--্ৰাহার আবিভাব ভিরোভাবও নাই, তাহা সংশাদিত। তাই প্রকৃত প্রস্তাবে ৩৪টি ভত্ত অৰ্থাৎ পৃথিবী ভইতে সদাশিব তত্ব প্রধান্তই বিশ্বনামে অভিহিত হইবার যোগ্যা স্থভরাং স্থষ্টি বলিলেই সদাশিব প্রভৃতি ভত্তমালার ক্রমশ: আবিভাব ব্ৰিতে হুইবে। এই আবির্ভাবের বীজ, যাচার ক্রম-বিকাশ্র বিশ্ব, তাহাই শক্তি। এই শক্তির দ্যাল শিব চির্মিলিক। শক্তি অন্তমুপ গুলেই শিব, শিবু বহিষুথ হইলেই শক্তি। মস্তমু থভাব ও বহিমু থভাব উভন্নই সদা कानीन-(कम मा পর্মেশ্বর নিতার পঞ ক্ল গ্ৰামী।' শিব তত্ত্ব শক্তিভাব গৌণ, শিব-ভাব প্রধান, শক্তি তথে শিবভাগ গোণ, শক্তিবে প্রধান। কিন্তু নেগানে শিব ও मक्ति छेडबरे धकत्रम, अभाग्ने निव्दत्र ९ আধায় নাই শক্তিরও প্রালম্ভ নাই--সেটা मांबावद्या। देश किला करता। देशहे. ভজাতীত। কেত কেত্ ইচাকে ৩৭শ চত্ত প্ৰিতগণ নমে করেন নবগাঁটনীয় (Neog বলেন। কেং বলেন ইয়ার সহজে কিছু (Riatonic) মডের সহিত প্রীমতের সাদৃত্ত

अध्यालक हुन गका। देनराइ हेनि नहनिष, নগ্ৰেক্ত ইনি ক্লাশক্তি, বৈক্তবের ইনি ∰ভগবান্ খ কিভুটশনে রাথিতে হইবে এ मान नामक अपू नाममात्र— वावशावत्नोक (बाब me agas Materi

🄝 নাগন ৪ সূফীনত

াত্রপুরা মতের স্কৃতি প্রতাভিজ্ঞানতের अर्गिकिक करेगा धरे हेको लक परिनम গীত মাণে সঙ্গে গোড়ীয় বৈঞ্বস**্ত** দারে । সিদ্ধানের ক্রিণ্ডাসিক সমন্ধ আছে वीका मान हर। हेक्स जाएक जीफीय ফিল্লাড্রের বিক্সারিভ বেবরণ করিবার সময় वानाप्टर ् विसद्ध व्यालाहना कतित। 📦 শুলু ভাগইে নতে; আমাব বিশাস পৃষ্ঠী মাণের স্বিভিত্ত বিশ্ববাদিসিদ্ধান্তের সমিষ্ট সমুদ্ধ আছে। এ প্রয়ন্ত এ বিশংহ কাল । পরি আকর হয় নাই। সেই লক্স শে প্ৰাৰ গুৰু **একটি কঁথা** বলিয়া আপাততঃ আম্ব্র এই চুমিকার উপদংহার করিব।

্ৰেমাৰ (Von Krenier), ডোজ (Doay), Affo 'Sylvestro de Sacy) প্রভৃতি আঁচার্যাগণ মনে করেন স্থকীগণ আপন সিকান্তের 🐲 বেদান্তদর্শনের নিকট ঋণী। ন্ধান ৰেশের সংপ্রাসক কবি গেটেও ভাষ্ট বিশাস করিতেন। ভাষাৰ West *Oethoher Divan নামক গ্রন্থে ভাষার श्रीमान भावमा यात्र। शक्तावरत निक्तमन (Nicholson), গিব (Gibbe) প্রভৃতি दका यात्र मा, कि क्रू कांचा नान हिन्दि क्रिका । अविक्रकांगकारस्य सम्बद्ध स्टेटक পার কি না, অর্থন ইন্ট্রের বা ক্রিক্টিল সম্প্রিক সম্প্রিক ক্রিক্টিল ক্রেক্টিল ক্রিক্টিল ক্রিক্টিল ক্রিক্টিল ক্রিক্টিল ক্রিক্টিল ক্রিক্ট

ক্লম্প্রাধ্যে পশ্চন্তার স্থান্তর বিশ্বনিদ্ধ ক্লিড্রাক্তর প্রতিক প্রাধার করে। ১ । প্রথমটি এল

তিরস্থান্তর প্রতি বি নাট নাটা স্কর্ম ।

চিরস্থান্তর স্থান বি নাল বাল্য ভিলাগাল আপুনীর

মূল তা হস্তর নাল্য স্থানাল লাভ্য বিশ্বাস্থান

ভাগে প্রতিষ্কারে স্থানাল লাভ্য বিশ্বাস্থান

হাথে প্রকাশ ভাগে কান্তন প্রকাশ ক্রিয়াছেন ।

বৈশ্বাস্থান ক্রিয়াল ক্রিয়াছেন ।

বৈশ্বাস্থান ক্রিয়াছেন ।

क्रकी कविमिश्निक सर्वा अहे मार्च अकिं शिमन প্রচলিদ ক্রিটি। ক্রিডিড আছে য বপন ৮ 🛪 🚧 নকৈ জীবস্টির উদ্দেশ্য সথকে প্রা কার্মছিলেন তথন ভগবান তাছাকে সিয়া-ছিলেন, "I was a Hidden Treasure, therefore was I fain to be known, and so 1 created creation in order that I should be known." অৰ্থাৎ ভগবান বেন গোপনে একাকী থাকিতে না পারিয়া আত্মপ্রকাশ করিবার জন্ম স্থ্রী করিলেন। কিন্তু বিরোধ ভিন্ন আত্মপ্রকাশ সম্ভবপর নহে। তগবান অথও সতা, সৌল্গা ও মজল স্বুরূপ, তিনি ভাবময়—তিনি আগণন স্বাত্যাবলে একটি বিবাট অভাব, একটি মহা-শুন্তের (Nor-Being) আবিভীব করিংলন। এই অভাবৰূপদৰ্পণে ভাব্যয়ের প্রাথিক পতিত হলল। এই মভাব**প্রতিবিদ্**র ভাবহ বিশ্ব বিশ্বই জালু উভয়াত্মক, পৰিবৰ্তনশীল --- গ্ৰাম ভাৰ তা অভাৰ উভান^{নই} **স্ব**ভাৰ প্রি-ক্ষিত্ত হয়। মত্যা এই বিশ্বাঞ্জ প্রতি-বিষেব চক্ষাস্থৰ । প্ৰতিবিশ্বর তথ্য প্রাতে r বেখন দ্রষ্টার (বিশ্বের) পুর্ণ প্রতিক্ষরি কেন্দিতে পা ৭য়া যায়, সেইরাপ এই অমস্ত বিশ্ব মাণে এক-श्री । मनुष्याहे 'स्थावास्मत श्रम श्रीकार्यन व**र्ख्या**न ্মাত । মন্তব্য বিবেরট কংশ, তাই মন্তব্য ও ্রাং ও অভাব উভয়ের যুগপত সমাবেশ আছে। এই অভাবাংশ দূরীভূত করিও পর্ণ ভারস্বরূপে

ন মহন্দ্ৰদে একাশিশ দেব শ্ৰীকে ১০ পানীয় থকা গছে হাদিন বলে। এই বাণীর বজা সাক্ষাৎ জগৰান হইতে পালে শংকাল জ্বু আলোগ লাভ ন আৰু এ গছৰান কৰিছে। কৰ্তিক ভাৰতভূন কৰিছা, আৰি কৰিছা, ভগৰান ক্ষাই এই শাবাণীয় নতা ১৯০০ পাৰিকা। ইয় ছালে গ্ৰাকে ছাদিন হ চলা বলা হয়। আৰু বদি এই সাণীয় আৰু কছা ও গছাই হ এই গালে ছালি ক্ষাই হালি ছালি ছালি ক্ষাই হালি সাক্ষাই আৰু ক্ষাই হ এই শাবাণীয় আৰু কছা ও গছাই হালি ছালি ছালি ছালি ছালি ছালি ছালি ক্ষাই হালি সাক্ষাই আৰু ক্ষাই হালি ছালি ছালি ছালি ছালি ছালি ছালি ছালি কলে :

অগৰংখনপে প্ৰতিষ্ঠিত চওয়া—ইক্লাই মধ্যা জীবনের উদ্দেশ্য। 'শত এর অভাবাংশকে जिस्साविक कतिएक १४१व शामारमधी 'कहरा खावरक मम्म कश्चिर १ कः व । এड अ छ। वह यान टीय अनाध्येत मून । स्वकीशन वादान छगवान्हे ষ্থন একমাত সংগ্ৰস্থ, আলু স্বল্ভ স্থন মিথা, তথন আমাদের আভ্নান করিবাব বান্তবিক কোন হেতু নাই। এই অভিনান নিবৃত্তির একমাত্র উংবে প্রেম। ভগবৎ প্রেম একবাৰ জন্মে উদিত হুইলে অভিযান বিগাণত হয়, সকল অভাব কাটিয়া নত, মায়া লাভা নিমেধের নথো কোথার মিলাহয়া সার, চিত্ত करिष्ठ । अभिन्यकान, शुन (मोन्सरी) भाषा, विक -बाइ करता के देशांक्या ७ ८ वन वन ६ ० মুক্ত, গার আদিও নাই, মহও নাহ, ইংলে উচ্চ- 5 দক্ষিণ্য ম ভেদ নাই। এখানে এক **७** भरियान अस्ति (नत्तिकर फर ल আক্ষা' ইবা ।। নানী বলেন মুম্ব প্ৰ প্রবেষত অন্য ক্ষিত প্রবশতঃ আপনার সৈওক সভা কলনা করিছ, কর পায়। অবিষয়। মে হ প্র কেবলের বহিরাকে এবন এব विशास्त्र हिन्तांच म का उसे गाउँ। विशास ्रिक्षा के **अञ्चामकता, वक्का** दिल एक अप अप अ < --- বাস্থ[্] ২ 'নহে।

<u>্রেমর রেধ্রা, ইবন টেডমিয়া এবং পরাচন</u> मामून ध्वर व्यक्ति श्लारम्य विकास माध्य त्र ... इट्याहित्यम् । अपूपः क्रकि मञ्जूषारका १११५० करतन-प्रशिध कवि शा.निष् অন্তর্ভ ছিলে। ইহারা বিশ্বকে সংক্রম व्यनुप्रमहिन्दा भागित का कि है कि का भार এই আৰু (আঞ্ৰাদ) ভড় ন.৬, টেচত্তান্ত,— ব্ৰে ু শান্তে বিস্তাধিতভাৱে ক্ষিত্ত ক্ৰিন্ত কৈত তেওঁ বিকাশের আর এন্য আছে।

ा जिल्ला के स्टेंग्स

भनमार्थत के विश्वास का दबाई क्षेत्र है । म ध्य विकास का देश के प्रतिक के प्रतिक प्रमाण के ाम अधिनिधि खेलात "एका श्रीक्रंडू होना ह **এই স্বর**ল জ্যোতির নেতা স্ব**র্থান**ি ছিল । নর गर्भ कि इ आरष्ट, सबहे देशक' देशकिंग, अने व —देशतरे भक्ति बातम, श्राबातमत प्रतिम प्रश्ना नहिं। क्लिडि: क्लिंग क्या बराहा १०% স্বীকার ফ্রিক্ট কেন্ত্রটি বিশ্বস্থিত কর চ अर्थाए पहें हा बिद्धिष्ठ अर्थक रजगरिन অভাব থা সম্ভক্ষাদ -- ইয়াকে প্রকর্মন চ করাই रङ्गान्त सम्भव। एक्स्पिक्ष मक विद्यान विश्वत স্থান প্ৰিচাতি প্ৰণ জিলা। এক কিনা व्यतिका वर्षा अभवतिका सम्बन्धाना द्यां के के हैं है विकार करेंग प्रतिक्रिक में तिकता প্রে। কৃত্রি হত্তে প্রকার কৃত্রি উল্লেখ্ন হয়। किन्द्र क्रमणः विभागः । ५८% खार्यसः । दश्म অন্তৰ্ণৰ গ্ৰাৰ সংগ্ৰহ ক কাণ্ডিক কাল कहेंद्र के खल्ला हन । अही मा प्रीचाह (明本 生) 海色 200 日野生 美財 田子 北村 कार भून (१ । १ ११ ११ ११ ११ ११ १ । ५०३० (loa निका अपन का अपन की पार अ व्यक्तकाराता कथा. कार्य । १११ कथा. ५ ए ००व etal প্রকাশেরই পার এক her i পার্থ এবং এরিপ্রতিল ১৯৯৮ রহার পাঠিছা ভারনা কার্ছাছেন ইথারা সেইকর ক্রির সালে।

যাহা হ'ডক, এ বিষয় আগিক নিয়াবার STATE A ALS I MENTINE MEDITARION EX इट्ट के कामात्मव वक्का **ली हर्**व । दहरी नहीं সিদ্ধান্ত উল্লিখি চ হইগ এইবাইৰ স্কেপ জাগ্ৰ मार्गह किरिय जेनाव जनग े किन

1.97 1,5 59 1 70 47/3 May 1941 4

काला छे । काला छेन्द्र स्टाई ए । उ छे । लाह नारिया क्षिति करन क्षेत्र अस्ता -- छ। हाई क्षेत्रकाल कुछानी नयामत्र विशेष मिक्क के कार्य के किस के किस किस किस किस किस किस किस कि दान म । अर्थ के प्रधानिक देश के कि कि कि मार्थ के विकास अर्थ की जीव চি হেল। স্বাহ্মপ্রাক্ত তার ক্লিছের বিশ্ব । এবাইনং দর্শন করেন—এং প্রান্তিহর বিশ্ব । গালরা সর্ব প্রশালার স্ক্রাক্তিনেজন নির্মিত ক্রাক্তিনালনার চিক্তরী বা কালাশ পর চীকাতে सिरवरमण्या के कामम क्षेत्रिक केल्प र एका वकुकी एम-- तमून व्याद्ध स्टब्स अस्ता उरासन छ । ९ श्रमत क्षामी क्षेत्रका । त्या क्षितात १ तक चारम्य १९४० त रे व्याहर १ १ १ १ १ मुझान मिल्ली ७ धर्म सार्थ "अंध्या निका अस्त करत अञ्चलकाडा एकत्र ক। কেত্ৰ এই মুখ্য কিন্ধু। ক্ৰিন্ধৰ আপ্তৰ্মান আমুৰ্জ্জিক দৰ্শন কিন্তিয়া াগ চাৰ কা এটি গুলী এই ভাৰ আত্মসকলে অবগ্ৰ কলা। के किंदि । इहाई मनाइस्रा बहेक्ट्स भनग्रमात्र अभ ্লাৰতঃ গ্ৰান্তিৰ শ্বাস্থ্য প্ৰস্ক ্ৰেন্ত হট্যা -थाएक । देश ते कीश विश्व । प्रदार्ध • श्वास আশ্রাণ রূপ কোনল আপান বিভাগ-্টেন্সিটা । স্বচারত গ্রাম 🌉 ১ ৩১,৭ চারতে का क- का दान प्राप्तात का कर जारत ्रपः कृष्णः, ंत्र सोर्गार्गर राष्ट्राव राष्ट्रायाः । अहे া বি বি জন্মীবিং পুশ্ৰিষ্ঠ চন-কুবিন প্ৰবিধ্ প্ৰেম া । সংবিলাকি । ইঞাকি হোকাশা। ইংলাই শ্ৰেষ্ণানি স্থিসিংনার ाण प्रेर्ण केंद्र अर्थ अन्यक्ति व किस्तु प्राप्त असि.स का া । তে। স্পাইন্ত । কেয়ে গ্ৰস্ক বিশ্বস্থিত মুক্তার প্রস্তা সমূত ক ांभी के कार्या अधिक क्षेत्रका अन्ति कार्यान सार्थ া সাংশিষ্ক কলো (৬০ ছ সলা এইব লা। ৩ শ জি. দিগুৱা ्राम भिन्नवा के कि एक भाग नात्रकार है। कारतमंत्री ्रा हिक्कि इस्ति है कि दिन है कि दिन है कि ामधी 🚧 हिंदी शार्ष । क्षिके मीच्छा । या मन्द्र कारमधारी, जसकर छ। -্প্ৰিক বিশ্ব কৰিছে । বিশ্ব সংগদিদ্ধ । ২ বাও

<u> এर कथांके विषया थारकमा अरे क्रिय छत्ने</u> वर्ख जिल्लामा इकार 'श्रमती" वाही किल्ला अन्तरी"- नकती हारगत (मोन्तर्गामकती ू वेंगात है चक्रशवर्गमा। मोन्सर्गामहतीत ५२ मा है। और ह कार्य कुनना नाहे, कवित हारा वर्धनीय मान **ष्यणाताम अमीत** रहोन्दर्ग राहात ेत तमार्क कुमा महन्त्राधान मर्गामोद्वसाला ধ 🕬 **শলনা কেন সমুগ্র জগৎ আক্রণ** । " · स्त्रीन्मर्याद्वे कर्गामाळ ुशाहेद। तिक् ८४० । মূর্ত্তিতে সাক্ষাৰ শঙ্কবকেও মেণ্ড আলা **डि**ग्लन, हेडावडे क्रवाय भनन मृनिद्यास कर (माठन कतिया शातकन—(मोननगावाक) শ্লোক ও বামকেশ্বন মহাণ্ডাল চ্লাক^ট -্একণা ৰবিত আছে।

এই প্রন্দবীর উপাসকগণ ইহাক 🖫 कर्प डेपामना कतिया शाकाना हरून যোড়ৰ কলা সমস্ত কলাত নিলে, সন্মিলি ভভাবে ইহাদিগকে দ্বিভাগ্যাড়াশক। विनिया वर्गमा कर्ना इस् । उत्त 🕍 थेम 🦠 🕏 কলার উদযাস্ত আছে, সামর্গ্ম ্ফাছে, বোড়শীর হাঞা নাই। ভাষার শিক্ষ্য নার্য্য এপানে সংগতা প্রকারক্ত ভঞ্জান প্রকটিন। **ठलका। रेन्सक्त्र**गण विवास के किस किस के कि वाक विनेत्रा भारकन, मर्मनमारक हेवात १९३६ । १ श्री ६ १ ५६ शास अपायमार्क व्याप १ १ १ १ १ १ ভাষিক নাম আত্মা, মন্ত্রশান্তে ইংগাঞ্জেই নাই ক্রিকাপ্তিপ্তাদের এক ব্যাক্তর প্রবা প্রকাল কর বা দেবতার স্বরূপ**শ্রি। হয়।** অভিজ বাহালে পুৰ্বচন্দ বলি ভাষা , বস্তুতঃ পূৰ্ব ৮ ১, ৰাজা 🗎 ব্ৰুম হ প্ৰমান্তৰ প্ৰিক্তাৰ সংগ্ৰহণ বিভাগত ভাষার ক্ষােদর ইকাছে। বাই। শক্তবিদ াক্ষ্য ক্লাছন প্ৰকাশ্বনে জিলাল্য বন্ধী পূর্ণ তাহাতে নানাধিকাভাব খা ওপাবে ্ব্রান্ত্র্বাল্প সোহিনী নাইছে অগ্রেঞ্চকান্ত मा। बाडाम् पूर्वा त्युक्त ाह्य के क्रिक्री আছে—তাল নিত্যোদিত, অমৃতশ্বাসপ, ১ জাও। हैनिहें मधाविश्वश्चनती जनिका-क्ष्मानका के प्रकृति स्वितिहार्व गार्क्क क्षित्रहरू

STATE OF THE STATE **ठिकार महिल (मेश्स, निर्म के के उ**न र वर्गान 8 कथिक इडेब्राइक एए अर्च अभिनार्यहें "सम्बंध , हैं हैं में मिर्च महिलाक देशक्रिया , जिस्सा स्वार्य स्थापित feet or who we want a st STATES THE WAS TRAINED TO BOOK STORY OF STANKING Mill - District To the Control of th Service of the servic 相子 " 域 स्भाव विकार किंगाना । किंगान क्यारा क 福爾 明 医生命 衛門 上海八分 十二十年本本 निशासी विश्वीत विश्वीकाला । ·如正明清 | 三公 八 一八 一 山水鄉 () 一 明 () 門中國 11分かすのか あたし 野野神神 かかる र मिल्ला 🕒 🗥 👉 👉 😅 विनुतारकः 🕞 THE TO JULY COLLEGE IT IS I'M WHITH र्च पश्चि / कश्चाह १,००, अवस्थि कार्या, क्षेत्रप्रदेशाच्ये व्यक्ति । ११५० १ । अस्ति १८५० । भीमामकावाद्वामुकरानकः वर्वन्यः ५००० Alexandra mathew source harder son े किया निर्माण कर १ किया है। १ किया वर्ष

ভাবেট भाग कविता शास्त्रकः

মতও আগে প্রভয় ব্যাস্থা বং ন্ত रक्षान्डिः जिलामाः इसस्मि (भा मानामानः, दिविषय सर्वेत्रमा । (अल. मका में राज्य र्ताचा डेझील्य सम्बद्धा वर्ग वर्ग १ छ। প্রভাত নামেশ্রনিক্ত করা এর এন কম माना वार्षा , विकास २, १० इक्स १६८ ६ । বছিবিকাশাং এই গ্রেগ্রেম্ট্রেট প্রাঞ্চ

काम्यानिक १ ८ - १६ म् ४ देव तथा छ । तम ७ (श्रमाहः भक्षः भाग मार्ग कर्णः (Ottoman power vol 1., p. 84)25% मर्च्य ঐতিহাল । राज्यं आविकाक के बिर् नवक्षाहिनीय गास्य कार्य अञ्चल कार्यक्षाहिन ।

দেশান ৰাইটের প্রেক্তানিভানভানত জিল্প ভারতবর্ষের আগমসূলক নিয়াভ ও কাশ্মীরীর শৈক্ষাবাদ্ধ প্রধানিকে চ তালারের গবেষণা করিলে মুরে হর ফানী-া বলাৰেন মতামতের সাঁইত ভারতবর্ষের ভারণর স্তরীয় নিক্ষা বা ক্রান্ত্রী টা সমন্ত্র আলেকজাণ্ডিরার ভতটা নতে।

(১০) উপসংহার

আম্রা অভান্ত সংক্ষেপে প্রাভিক্তামতের ার্ডিয় দিলাম। প্রত্যভিজ্ঞাশারের গ্রন্থাবলী াকে কাশ্যান ও দক্ষিণাপাথে ইহার প্রচাবের ন্তিভাগ সক্ষাভের অত্তে পরিশিক্ষা ও বােজনা করিব শক্তা বহিল। এপন আমরা অবাধ্য ার 💌 🗝 করেয়া মূখা প্রতিপান্ত বিষয়ের অংশচন্ট প্রবৃত হইলাম। আশা করি গ্যাসকক ভারতীয় ্বাশনের এই বিশ্বত क्षणाबृद्धित श्रमक्रकावम्बरम आहीन शोद्रविद श्री १८१ व्या मना करिएतम।

ि १ १ (अक्टून नाहा द्वारा । ব গুলেই স্বাস লেগেলে গ্রুম বানের

অন্ধন (র

8 CH রক্ষেত্র গুলন **ভরেছে।** शकारन भाग क्र**कड़कं**ग्र अ**व सिरग्र**ह

ও ভাগ **পানে গানে গান ছাতে যে।**

্শেকের ঐ ক্রাপর ধারায়, া ছা 🥠 ফা**প্রেল শিখা বেড়িয়ে** বেডায়, निविक्त माडीक है के नियम शिक्षाय ।

গশভারে।

्रमील प्रिट्ड बाबानहारक

ethe elemen.

८कं **८मध-मंदिर** हे एउड़े खड़ता है

द्याप्रदि मात्राद्यः इ

तमस्य अस्य भट्टन स्ट्रें मिटिक १८। का. १ का. १

কোন মাতালে মাড় দ্বলাভ ফানস

- শীৰ্ণান্য স্বৰ্ধান্য ডি

नोरः व निष्ण छो

[बीखा: इ. इ. इ. इ. इ. इ.

তারদিক্ ফ্রার্মেলা বংগচে। পুরুদের "ছাত্ত, কোনাও কোনাও বার ছাব ৮ড়ে **भाकान—থাবাবের দোকালে না**হতার কর্মে কের ওপর ভরে গেছে। ছোট, বড়, ছোঞ, নেয়ে—বেট বাবার হাত পরে, কেট দাদান েইবল চড়ে আর কেউ বা বি চাকরাদ্ধ কাচ্ছে। ছ'লছে দৰে নিত্ৰ চ্বাইন সাক্ষে মেলা দেখতে এসেতে। চালিনফেল চে কিন্সেছে। খোনদানাম ক'ে খান कामन कन् कम् भरम झूठे हरमारः। 🍇 निर्देश मिर्देश और असि असीराहर । ११, ं (सनार्त्ती जात्म नाथ जून भाग भिर्देश একটা হান্ত ফটক ভৈন্নী কয় হওছোঁ খাত কি: শোভনার মা নেই-পিছিবেশন । धर क्रीक अरबरे नकरन साम्कू-बागरह । यामावर क्ष्म बर्च थारक ले । धार ्यारकेष अवद मना उथन भूत कर्म डिरंग्रह, महलेश्वर यात्र व महलाग्व विक्रिक्त स्थान কোনাৰ নাগৰ দোলার বুলতে বুলাত ছেটে

চড়কের মেলা। রামধননাব্দার মাঠলার প্রের্থ হবেপ্ত যঞ্জনি প্রাণ জীক প্রিব और वि दिशासिका दश्ये अस्ति एक जान 1.00

> (क्षेत्रिको **क्षांक रायात्र** शक्तः । १९८७ ্বক্টা নক এই ধামটা এবং ট্রেইন্ডারের aria lata cata cat

কাৰ্ট **"এইব্ৰ**খ নাৰ লাখ লা

1 ... · শেতিনাও 🔻 এ লি গ 👯 , শিক্ষি চল বাব।, সংস্কা া প্রতীয় প্রতিষ্ঠ জন্মের এনের কি । कि हिंग विदेश । হতে তথনও এনত বিল্লেখ্য বিস্ত ं भक्ते चित्र हुन बि**क्र 8** इस वर्ग स्थान জ্ঞানু বেশসন। পুরুত এক বা কিনেছে, তাত মেনেত মুখ্য কি পান্ধ্যে। সংক্র বাড়ীর সকলে এ ক্লা সাম কর্মান্ত্র, স্থান জনাত্র লা ব্যক্ত সাত্র প্রায়ে ভাৰ কটি আনি শ্ৰীং নিপা পেকে কেন करते हैंबर्ट के उन्हें हैं किंबर ७३ वर्र , Mr. Sym

সাজান ফ 🖰 🗸 🖟 পেলে ১০৮ 📦 ভিথাবিশী ছো · "你你不是一个人 ফটকের দামা 💎 🚉 ৮৫ 🕬 🤭 কেন कांक्रे दशरक भौति भारतः १०० स्थ लात मिटक हिंदू । १९६० हेल हैं । नहीं इस भार केठ ए 📉 💢 🔊 🕳 साम स्थाप থেলন ভাৰ, ১৮% বংগী লগালৈ লাগালে কেট থাবাব ক্ষেত্ৰ জিল আৰ্শাহণ ! ভিষাবিশীর १ (गा.वीपेक्ष रस इस २०५ (मर्थाष्ट्रम, जार १ - ११ स्के क एवलका के स्व ছোট ছোট হ' গেখা 🖓 াল গলাটি বিগতে काकांत हास है। जा में में मेर क्या र जा है व्यक्त द्वजन क्ष्मिक र े क्षा ५१८८ लेखे क्रक्रक्छिन्द्र ५५ से १८८० १९८५ दुरकद भाषा १३० १ मध्य अधिव १५७०--গণীবের মেন্তে 🔻 🤊 🗥 🗥 🕬 🗚 🖔 इंचन्डी इत्त्व है 2 शिक्षा के प्रभाव राजा । खिलाक दम मा अवस्था की / भी विक्रिया एक बाब त्कड हा अक्षा है . ना। दन कहा **्कानमञ्जर** १११ <u>व</u>ास अस्मूल स

यांचा विभारम्, भारमादन अर कर्ष वस्त्र करार अहर - राष्ट्र ग्रंड हील ६ लेखर हारीय करा * रहिला अन्द्र भा तस किंद्र 💖 🐧 - おからの よれち 何変わ 「徳知」の ひて御を断ー。 + for the contract of the editor Chit, a sin confictions of faces \$1.70 none not than the 野村村山 द्वारत्त १००७ के किंग १८ १०. नम्पुन अपने १९५१ दर्भात्र । महस्त्रीम दश्चितालया प्रकार के प्रकार के प्रविद्यास के का किएक के C 《相知 化水类 你什么 当 C.考虑, 人 T.发金线 लकार किया हिना नामा है

্ স্ট্রেপ্ট কার্নদ্র্যেন, লোভনাস ব্যাস Some some and a mile, but a - older १६८२- ५०.१८म् क्यासीव **क**्षित्रं च त लेकन, कार्य कर राष्ट्रीत सेवी स्टब्ह **वार्ट** । धाना शक्काकु धानात कि पार्वशिव उनक्कि लोकि ঃ প্ৰান্ধ কৰু দিকে কী আগ্ৰন্থে কৰ CUIS MITCH TO THE STEE STEEN S भाग वार्च लाइन्स् १५ सम्बन्

一种电流信仰 "一一一一一一一个一个一个一个 া 😅 কোডর পানে লাভ লছটুকু প্রশানে "哪么""倒"意见。

ের প্রার্থ করে। বার্থ **লোভন। বা**র্থক ्राक्षतः 🐩 🤼 राज्ञ, स्मायवेशतः चौत् त्रहो 🕊 🖟 । . नश-च्ला 🖰 सामाउ 🗁 📲 करवाद क्रिया । करवा । यंत्रा सर्वा क्रिया

সংক্ষের বাবৃত ভাবছিলেন নেটেনী
কভাবনি আবদার নিয়ে একটা বানী ভারী
কাছে চাইছিল। তিনি পেছন কিবে থাকিছে
কোনে ভিথারিনী থ্যন্ত এখনি করে
কাতর হরে, কত লোকে কাছে ভিজার
ভাত বাড়াছেন কিছ সেই প্রার্থনা
একটাও সফলকার রূপ ধরে তার মনোর্থ
পূর্ব করতে, পর্ছে না। শোভনার হাত
ধরে আবার ছিনি বাড়ী মুশো হলেন।

খানিকটা পথ মতিক্রম করবার প্র সার্কেশ্বর বার্র দৃষ্টি পড়ল, যে তারই অনুত্র মেরের ভাত ধরে ভিথারিশী আসচে! তার প্রথ গতির প্রভাকে ইন্সিতে একটা নিজ্ঞা তার ক্ষোত ফুটে ফুট উঠছিল। সংক্ষেব বাবু ধীরে চলতে লাক্ষ্যলন।

রাস্তাব একপাশে গাঁজভরা প্রথবে সাধা দাড়ী বৃক ুপ্র্যান্ত ঝুলিয়ে এক বড়ো একটা পেলনার ঝুড়িতে রক্ষু বক্ষ থেলনা সাজিয়ে কাগাজের তৈরী একটা ঝুম্ঝুমি বাজিয়ে ক্রেভার দৃষ্টি আকর্ষণ করতে চেন্তা পাচ্ছে।

ভিথাবিদী মেটের ছাই বাবে পথ চলেছে।
চলতে ছার পাছে না—পে চিব করাত
পাছিল না, হার পা টলাড—না, পুণবী।
বাড়ার হাতে কুম্বুদি বেড়ে উস্তেই
কেকহাতে নার কোনবঁটা ভড়িটের
মুখের নিকে চেয়ে, মন্ত হাতথানি বুড়োর
বেশলার কুছির নিকে ছেলার বললে 'চল মা—কেক্টা কৈ বেশলার কালা দে।" সে
নিকর ছার কিছতে মাকৈ কেক্টেলাগল।
বিভার ছার কিছতে মাকে কেক্টেলাগল।
বিভার ছার কিছতে মাকে কেক্টেলাগল।

क्रमानि (करम मिरम स्थापक स्यापक स्थापक स्यापक स्थापक स्थापक स्थापक स्थापक स्थापक स्थापक स्थापक स्थापक स्था

সংক্রমণ বাবুর ত্রেভের সামধ্য কে লাভার

একপাশে অন্টে লাভিডে পড়লেন। তিনি নাভার

একপাশে অন্টে লাভিডে পড়লেন। তিনি

রিণী তার পান নিত্র একটা নাড় লিছি

মন্ত রাস্তার চলে পেলন তিনি তার আন্দ্রনার

সর্বা করে ছেল পেলন চল্লালেন। গানিকটা প্র

চলেই ভিথারিণী সর্বা ক্রমনার একটা লাভার

মধ্যে চুকলেণা গানির শংসা লেখেই সংক্রমা

বার্ বুরে নিলেন-ত্রান লেশির লাক

এগানে থাক্তে পারে। গনি র হিশাশে

ছোট জোট পোলান ঘর-ভারা অক্সানা

বরের দরজা পুলে ভিথারিণী মেরের হাঁত

ধরে তার মধ্যে প্রবেশ কর লা। সক্রেশর

বাবুও বাড়ীখানা লোখ নিত্রে অন্ত বারে।

ধরলেন।

ভাট পোলার গরপানার এক পালে, চার
পাচটা কেবোসিন কাঠের বান্ধ এক করে—
তার প্রপর কোঁল কাকের বান্ধ এক করে—
তার প্রপর কোঁল কাকের একটি কিছানা
পাতানা পারে পারের এক পাঁলে একগানি গড়
কোনো আর কর্মটা শ্বাার ভিথাতিনী
নিজেকে এলিয়ে দিদেন করের এক কোলে
মুজালা একটা ক্রেন ক্রেন এক কোলে
মুজালা একটা ক্রেন ক্রেন ভারই পারে
তা একটা মাটার
করা গেলাল ও এ
বার্টার কেপ্রামিন

দিছে খোঁলা দিছে ভার অদেক বেৰী ৷ একটু-পরেই ভিথারিশী প্রাক্ত শরীর শন্যা থেকে জ্যোর करत जुल अयान बेटल धरत स्मायत्र विद्यानात्र भारण **ब**ान के इंग्लिं ; रमभरम रम चूमिरव পড়েছে কিং ভর্জ তার কীণ শক্তি দিয়ে मुक्तीत मध्या १५६०% द्वारथटक कागरकद सूम-ঝুমিটা। ভিশ্বজিলী মেয়েব মুখের দিকে চেঙে দেখতে লাগ্ৰা—কটি রাম্বা ঠোট হটীর ফাঁক नित्र कि में क्षे अभित्र छोटि ना कृत्वे कृत्वे त्वकृष्ट ! . ११ स्वरहरू वृद्ध हार्थ हुन् খাওয়ার জান ামন তার বাগ্র বাছ চটী বাভিয়েছে অংশি নিজেবট মনে পড়ে গেল "বৃমিয়েন্তে 🚉 লোচ 📋 পেতে চাইবে ।" কোন খানের জ্বেম মান বর আবভিত্র সভীত্র শক वाजीन करण गांक रणकी निस्त्र काल । आज घटने ভিগবানেরই 🌬 না থেয়ে মরবে –পর্ম পাণ ভীবা কেন্দ্র করে তা স্টবে। মনিরে গোলে নিশ্চরতি দে কিছু ভিক্ষা পারেই ! ভিথা-विभी बाएड ५५ माहि शूल दिख्य १५० । আশার উদ্ধিদ্ধান এক ব্রক্ম ছুটেই সে খানিকটা গুল্ল জন্মত হ'ল কিন্তু পর মৃভর্কেই তাকে প্রভাঞ বাড়ীর দেওরাল करन हरा ५ ४० । अनिराद्यंत को छ। अस्म (भ माडिखा थेविकारण हालाट नागन।

মন্দির থেকে ব্রুক্তেনীর অম্বর পরা, গ্রাম্ব সোনার ক্ষানালে মানা জড়ানো, হাতে সোনার তাবিজ ক্ষীটা প্রক্রম ধাসিককে বেরুতে দেখেই ভিথারিলী তাল প্রমা পথ রোধ করে—হাত খানা প্রেট্ড ভিলা চাইলে—তিনি সে দিকে ক্রুক্তেশ না করে ক্ষান্তনির থানিকটা জল—তার গারে হিটিয়ে, প্রশক্ষেত সবে পড়লেন। তব্ও সে ইন্দ্রাল্ভিক না। এক যুবতী জলভারে **रमभ्यामि भूएक रमयखा**द मर्नेटन व्यामिक्टियान---ভিখাৰিশী ভার কাছে চাঁটু গেড়ে কাতক कुरुत्त छिका क्यां कि है निक्न नगरे নিষ্য। পেছন থেছে কে একজন তাকে थाका मिरव क्रीकांब रकर- निरम ! जर लाका मित्रामा दुरमध मरधा समार्ग न्तर्य कात अविश्वेष्ट কীণ শক্তি কু ঘূচিমে দিন্দ হাত গুখানা **ब्लाफ कर्द्र, मन्मिरद्रत्र** मिर्द्र १,७८५ व**ल्र**ल (ब কোন ধর্ম দেবতা, যাতে আর্তের প্রতি দল্লা নেই, ৰাণ্যতের প্রতি সমন্বেদন নেই ' ভিখা-বিশীব চোণে অগভটা দেন গৃহত কৰে মনে হ'ল—আজ তার নিজেব দৈন্তের মানে ও শংকার महाज्ञान तम धरा भएड एएटड गाउँ सा दाई, লোকের বাং লোকে ব্রাভে চায় না । মন্দিরে প্রের তল আফে--ভাত ভাল । হাত্র---कशनजी निम्मत कम तन्तर । जा निस्तर नियंता (गर र ।

ভিষারণী মষ্টিবদ কাত গ'বানা তুপরে ভূলে কি এক ভীগণ চিন্তা করতে গুড়ান। দেখতে দেখতে ভিগাবিদীর করত। কাতে মূল কঠোর হার উঠনো। রাজাব গোলে ভাকে পাগল সভিবে ভাব সংস্পান পোক নিজেনের সরিষে চলা,ত লাগল

মান্দরের আশে গণেশ থাবারের স্বোকান গুলোর হরেক রক্ষর গাবার স্থার সাজান রয়েছে। আলোর হরা হার জপত ভাড় সেগুলি দশককে পুন কারে ভুলছে। ডিখা-রিণী কঠোর দৃষ্টিতে দ নিজে চোছে রইলো। সে ঠিক জানে, চারাশ গর পক জ্ড কমান্ত কেউ দিবে না। ছেখানা অ্যান্ডবিক ভাবে বিজ্ঞাকরে ভাবতে তিক মুলে থাবার ভুলে হুট দি।" বিভ গাবতে বিষে ভার চোণের ভারা তথনি নত্র সিঞ্চ পৃষ্টতে ভরে পেল।
মুখে স্বাভাবিক মমতার ছার্ল সূত্র উঠ্কলা!
ভিথারিণী টলনে টলতে মাকানগুলো ছাড়িয়ে
চলে গেল।

মন্ত একথানা বাজী—তার का अन्त वारामांव (बाधारक अकड़े। लाक अक्वांति ভাত निष्म २ ०क ७: त[्] क्कुतरक (थरक निष्म्क ! किशातिनी कुछ (मा) एव मग्रावान श्रवस्य द সামান্ত জীব হুল্ব ওপন এত দরদ্—জ্ঞাবানের ্ৰেষ্ঠ কীৰ মাছৰ যে, নিশ্চয় তিনি তাঁৱ ক্ষতণাৱ দৃষ্টিতে ভার সকল দৈক্ত ঘৃচিয়ে দেবেন। ' ছুটে এ**দে কু** ফুরের মত সেই ভাতের সংশ্ব নিতে একগানিক্ষাত প্রান্তরে দিলে—কিও দেই यक छह शार थाना मांत्रस निष्ठ २५ १९७० ना । মে (লেকটা ভাজ বিশুফিল, সে "জা,ছর" করে তাকে তেড়ে গ্ৰা সে কত বাকুলি, কচ নিনাত এই কেকটাকে করতে লাগল কিন্তু লোকটার দ্যার এক চিল্প সে অধিকার , করতে গার্থে না।

ভিথাবিদী ভিব করনে সে মরবে—বে লগতে বীল গেদনা বুঝতে লোকে গাবে লা,— চাল কা বেগনেন ভগবানের নাম— একটা ভেকা! দে গ্রেলা ভারই গোছাই দিয়ে কত লোক প্রথা করছে— অবে সে— হয়ত তাংমত আরও কত বতভাগা এমনি কেই পাচ্ছে। কি হবে সে জগতে থেকে। বিশ্বাহের একটা আন্তর্ন প্রেবল বেগে তার সদক্ষে ধ ধু করে জলে উত্তরে। সে উভেজিত হয়ে হাত কামজাতে লগেল—চুলের গুটী ধরে টানতি লাগক।

মরবার কথা। তাবতেই মনের আরশিতে একখানি মুখ ভেনে উঠকে। তার কাছে দে মুখখান কত শাৰিক, কত সাজীয় তিথা-বিণী তেমনি করে দেৱাল ধরে সাক্ষিক দিকে চললো।

ভিষারিণীর মেয়েটী করে পুরুষ্টিত তার করে মুঠোর মধ্যে কাগ্যে কুর্মিটা তথনও সে চেপে ধরে কাগ্যে ক্রেমিটা ব্যারি মুমিরে মুগ্র রেখতে কাগ্যার থেকা একটা পুতৃপুত্র বুংগা—একদার ভালা থেকে বঙ্গ ক্রেমিটা বিশি, বাজনা তুলে নিলে। সে ক্রেম্ব ক্রেমিটা ক্রেমিটা ক্রেমিটা করে একটা আছাড় থেগে ক্রেমিটা ক্রেমিটা ক্রমাস করে একটা আছাড় থেগে ক্রমান সে প্রকা সেলা।

চীংকার করে কেঁদে ্দ কেশে উঠলো!

শিশুর মধুর অগ ছিল্ল গুলু গেশু ইছিনার দ জেগে চোখ রগড়ে বগড়ে সৈ চার্ডিকে চাইতে লাগলো। কিন্তু না দেশতে লেগে ঝেলা ওয়ালা বুড়োকে, না দেশতে লেগে কার্ডে। বলিকা গ্রাণের আবেগে মা, মা, বালী টেচিরে উঠলো।

ততক্ষণে লিখানিটি টেগতে ট্রীতে ঘরের দ দরজা অবধি পৌচেটে ক্রার চীৎকার হনেই সে দুমকা হাজ্যা দিক্ত শ্বাহর চুকে-মেয়েকে বৃকে চেপে "দি হয়েকে ক্রা আমার" ধলে তার মাথায় ক্রাপ্টেশ হাত বুলোতে লাগল। মেয়ে কেন্দিটে স্টেশ্যাতে মাকে তার স্বাপ্ন ক্রানলতে শ্রেপা

এদিকে সর্কোশব খান নেয়েকে সঙ্গে নিয়ে ভিথারিশীর ঘরের রাঞ্জার ওঞ্চিকানার একটা দোকানে চুকলেন। শেশান থেকে কিছু কাপড় চোপড় কিনে অন্ত একটা খাবারের দোকানে গিয়ে বিশ্বাহার কনালন । নেহের হার ধরে আবাং তিনি ছিলালীর নাজীর নিহের চলেন। তথন মাজক বিছু করেছে। সভাতুর সাত বছালে নেহে নেতেনাও বাবার সংক্রিমার করে তথা চিছে। সংক্রেমার বিভাগির বিভাগির

चिशाविनी द्याराक दर्भान द्वार बाह्य विष्ठानाव विभाग अक्षा पूर्ण बान्ध्यां हार সবেশ্বর ধানুর দিকে ভাকিয়ে জান 💢 গৎস मर्स्तपन वात् घरत हरक कान कार व्यवसानी কাপড় ্ময়েৰ শ্বন্ধ একটা ভাষা, ক্লেচ এক सूकि त्रवाद काद अकता क्रिका मिर्च नवातमा, "নাও গড়া— এ প্রশো কুলে বাখ:" ভিথারিনা বিশ্বরের অন্তীত এমন বেটা कांत्रशांत्र एटीएइएड एट कहत बद्धा, क्राक्क वृत्ये एवं स्मात्रके मण त्रश्च स्थादका कियोहिनी हाउ शानीय अध्य भाग द्वारण (मध्यादम (द) व রকমে নিজ্ঞাক এতাদৰ খাড়া কারে ব্রেখেছিল পাছটোৰ আৰু শক্তি হা না ক্লেকের লোৱ माथात्र करत वर अध्य शाकटर — जिमादिके राम बाक्न प्रित्व और अक्योना क्रीया भड़। मूथ भित्र डोड कथा त्यक्तिल ना-किंड किंग मिता भूटी दवक्षिक किन्द्री। विश्वतिक स्थान। ·जार राजशान करी र का कि करत शक्य शर्फ

পারে। অথচ কেমন করেই বা প্রতাক দতাকে ধনি প্রবিধাদ,করে। তিথারিলী কাভর চোপের স্বাটুকু চাইনি থারচ করে—অন্তরের সব কভজ্ঞতাটুকু উজার করে চেলে দিলে "ওই মহাব্যার পারা।" নিংশদেই দে দান শেষ হয়ে গেল।

শোভনা দেখলে ভিথারিণীর মেরেটী ভাগর
চোথ মেলে তার থেলনা গুলোব দিকে কেমন
চেয়ে আছে। সে ভাবলে "তার ত কত ।
শোলনা আছে কিল থেলবার জন্তে ও মেয়েটার
একটাও থেলনা নেই। আব ওকে কিনে
দেবার ও কেট নেই। এগুলে দিয়ে দি ওকে।
সে বাবাকে বলে আবার নয় থেলনা কিনে
নেবে।" শোভনা হাতের বাঁশী, খেলনা
সবকলো তার দিকে এগিয়ে দিয়ে বল্লে
"এই মান্ড!"

ভিথারিপার মেরেটী ছুটে সেগুলৈ কোকে চেপ্টেবলো!

রকমে নিজেকে এতাদণ খাড়া করে প্রেথিছিল তিথারিণী সর্বেশ্বর বাবুর দিকে চেয়ে পাছটোর সাম শাস হল না জানের বাবা স্থাতে দেবতার সম্ভব্য-সর্বেশ্বর বাব্ কন্তার মাধায় করে কাড়েছ থাকড়ে ভিনারিন দিকে চেয়ে সাছেন আনলেন, মেনে গলে আর অবসন্ধ ভাষে গেলেই ওপরীবনে পড়ল লে কি দিক হটী চেয়ে আছে জাওর দিকে। সর্বেশ্বর বদে থাক্ল চিত্রে আঁকা জকখানা ছবিশ্ব মত। বাবু শোভনাকে বৃক্তে চেপে আনলেন চুমু মুখ দিয়ে তার কথা বেক্ছিল না কিছে চোপ গোলন। ভিথারিণী মেনের মাধায় হাত দিয়ে দিয়ে গুটে বেকছিল না কিছে ছাভা। কিবহাও দেবাশন্তর আনল খোলা দেখতে তার বার্থার অনিক করে ক্ষেত্র হুটে ব্যাগন।

পাশ্চাত্য দর্শনে চিন্তার ধার

ি অধ্যাপক এঅসুকূল চন্দ্ৰ মুখোপাৰ্যায়

যে আলোকের ধর্ম বস্তকে প্রকাশ করা, সেই আলোক ৰথন সহসা ভীবভাবে নয়নগথে আদিয়া পড়ে, তথন সে বস্তব গোপন কবে। ঁ ঐ আলোকেব তীব্ৰতা ইক্সিয়েৰ স্বভাবনিক্ষ বশিয়া এ ক্ষেত্রে উহার বস্তু শুর ধর্মটীর অভি-'ব্যক্তি 🍑 🗸 পারে না। যদি কোর কবিয়া ইক্সিকে ঐ.ভীত্র জালোক দৰণ করিতে বাধ্য করা হয়, তাহা হইলে দর্শনেন্দ্রিয়ের যে স্বাভা-বিক ধর্ম তাহারও লোপ শ্য। তেমনি হিন্দু সমাজের আদর্শ হানীর ভোগস্পার বিরত কোনও সদ্রাক্ষণকে যদি গাল্চালা স্মাজের রীতি অহুসারে কোটপ্যাণ্ট ও বৃট পরিয়া উপা-সনা, কাঁটাচামতে লইয়া টেবিলের উপর ক্রিজন ও নেকটাই গ্ৰায় কাল্যইয়া চেয়ারে উপবেশন করিতে বাধ্য পরা হয়, কিংবা একজন পাশ্চাদ্য সভাতার অভাস্ত ইংরাজকে ললাটে ত্রিপুঞ্ গারে নামাবলি, অভিনামনে উপবেশন, হবি-খ্যান্ন ভোজন প্রভৃতি হিন্দুধর্মের কঠোর 🖛ন मानियां क्रिटिक वांधा कता रुग, जाश स्टेटन উভয় পুর্কেই মঙ্গণের ওয়ে অমঙ্গণের আশস্বাই অবিক। মাতুষকে যদি হস্ত ছারা ভ্রমণ ও পদ খারা প্রহণ করিতে বাধ্য কমা হয়, ভাহা ইইলে 🗻 এই হস্তপদের নিজ নিজ ধর্ম পরিবর্জনের জন্ত সামুদের বে অমঙ্গল হয়, একটা সমাজের

धर्म मगाजा श्राप्त अर्थ शता विका सहरत, विश्व মানবেরও াবই প্রফার আন্সামা হইবাবই म्यावना । सर्गांच त्याम द्वारकाक किनियन ্একটা স্বভন্ন সাম আছে, ভেন্নার প্রভ্যেক সমাজ ও প্রক্রোক সভাতারও একটা বিশিষ্টভা এট স্বাভৱা ও বিভিন্নতা আছে বলিয়াই জং ং ক গালের ছাক্ত , ভাই সাধা-রণতঃ সেলা ক্যা যে, খাছারা চি জ ধর্মা প্রি-তাগ করিয়া,ধর্মান্তর এছণ করেম, ভাছাদের মধ্যে এই ধর্মধ্যের একটাও সংখ্যাতা লাভ কবিতে পাবে না। অভিযান সংবাদন বাজীত शार्यतः कृतन् इश्वामाः । । विकेश य मध्यमाक ভিত্তি কৰিলা প্ৰাম্মীনৰ প্ৰতিষ্ঠ ৯1, ন্তৰ ধর্মের ম্পূর্নে জীতঃ বিষয়ে ৫৮ গ্রেমা উছাকে প্রবিষ্ঠার কর্মাই লোওস্থা। 'लाता हम' ता**ण---अ**शामः जिल्लार (अक्षः शतकामा) ভগ্রহ: এই ধর্মাণীব্রের আন্দর্শ ব্যতীত ভারতের আন্তও একটা আপুৰ্ন আছে সেটা মুলদ্ভিতে দেশিয়ে মনে মুক্তা আন্ত ভাবের ; এটা জানের আংশ্র এই রুবন রাজ্যে ভাব-তের বাণী—আগ্রাণ্ড স্কার্টের বং পশ্রতি সঃ শভিতঃ। ধর্মনীবনে চাই ব্যক্তিবের সংরক্ষণ, किन्छ अशास्त हाई शाकिएक विभक्त । क्लास्त्र ब्रांका न्यानत नार्श सुवायन क्लूबिल मा एटेश

বরং প্রশাভ করে তাই বিনারী মনে

চর যে, এই

বিরোধ আছে বিনারী বিরুদ্ধ বিরুদ্ধ
ভাষাপদ্ধ নদ্ধ,
বিশেষত বলিয়া বেশু স্মৃত্যা এলানে ধর্মাও
ভাল পরকার এব স্ট্রুল গ্রামান ধর্মাও
ভালের পরিপত্তি ইউ কল্মের ন্যানিধা, আন
বিস্ভালের পূর্যে আনশ্রমানিধন লাস্ট্রেড জালতের সংক্ষাতে আনশ্রমানিধন লাল, তলাপি
ভালের উপাসনিকে বর্মাপ্রপা প্রতিভাল কলিলে
চলে না। এই কলাটীই বেদ্যাপেশ সাহাব্যেন
বক্ষাত্রা।

ख्वारमञ्ज्या नाहका नाम्याचित्रमञ्ज्यान खार्याचन কেন হয় ভাইবি এককটা আছবি সাধাৰণ জ্ঞানের লক্ষণ কটাতেও পাওয়া মান , সান-বাজ্যের নিয়ম্ট এই কা সেগ্যান গাদিনত ভাবে एकांग जिलिएक यांग नाहे, नाहर (मशाहन নত্ন ও প্রাক্ষরে মধ্যে বিলেধ ন্তি। আগে জ্ঞানের এপা যে সালা আছি কাহালত ব্যক্তিপত সীদাৰ মধ্যে হন্দ্ৰ প্ৰতিতে ভাষা না শে জিনিধ সভা শন্তাই শাদ ভাহতকৈ আনি আমাৰ রোণগ্রন্থ নুর্য়ণের উপল বিচেল কলিরা যদি হলদে বলি, তাই। ইইংশ এট কলিড গভীয় মধ্যে সভাকে প্রাংগ্র নাম না। সেই জন্ম যিনি জানের উপ্তের তাঁহাকে আপনার কুত্ৰ গঙী জাৰিয়া বিধেন গ'ে মতিবি হইতে হয়। তেমনই আবাদ আমি মদি প্রতিদিন ব্ৰাশামূহতে শটা ত্যাল কৰিখ, গলামান সন্ধাবৰান দি করাৰ পর গণ্ডাকে একবার মাত্র नित्राभिष अधिलाध ८० का कति, ध्वर ইছাতে যদি কোন ডাই ব আনাৰ বভাব-ভবিকে কুসংখ্যান্তির ও খা স্টানিকার ভাবিয়া

প্রতে 🌞ড খটিকার সময় শ্রন্টাত্যাগ াক রিয়াই বিস্টুটসহ চা, সধাকে আমিষাদি গৃষ্টিকৰ ক্ৰব্য ভোগন প্ৰভৃতি সভাজগতেও রীতি অনুযায়া পথ্যাপথোর হানপা করেন, ডাহা হটলে ভাঁহার উদ্দেশ্য यज्जे माधू 🕫 छेक इंडेक ना त्कन, আমার তাঁহার দারা উপকারের অপেকা অপ-কার ভইবার বেশী সম্ভাবনা। এ সকল বিষয়ে আমার ব জিগ ও অভ্যাস বভ পুরাতন ভাষাকে নৰ্ম ৮ তে কলিতে হইলে ভাষাতে ডেঙ বেশী বিগ্ৰা বিশ্ব ধলি কোন শিশু ড ভার পুরাত্ত অভ্যাসেন উপর নির্ভর কবিয়া ্রভবর্তক মিইস্বানের হল্ল কিন্দাক ব্রিয়া চিস্তা করে, ৬কে হটলে একেতে ভালর পুর্ব্ব অভিক্রান্ত: প পুরাতন অভ্যান ছংখ্যেই কাবেণ হত্যা াত্র। কারণ জানবাজ্যের বিশেষর এই বে, নেখানে খাঞ্চ পুরাতর্নী, खाशास्त्र थीकाष्ट्रा धतिश थापितन beन ना : নুতন অনিথিব জন্ম অন্তবের দাব সর্বাদটে জিল্-घाछिक मा दाशिया काहनत छेलामनात मकन ना লাভ করা যায় না। সভদিন সেই ৭ক ছণ্য-তীত। সভোৱ স্বরূপ আমার নিকট প্রক-টিভ না হয়, তভদিন আমি যদি আমার পূর্বা সঞ্চিত রত্বরাজি প্রয়োজন হটলে নবাগত অভি থির চরণে উপঢ়ৌকন দিতে পা পারি, গ্রান কেবল পূর্ব পরিচিত হবস্তব আকর্মণে অভ্য গতের অর্চনা না কাব্যান পারি, ভাগ কান্য আমার জ্ঞানের উপাধনা নিড়শনা মাত্র; কারণ আমার মায়ার পাল এখনও কার্টে নাই, আদ-র্শের জন্ত যে একনির্চান্ত পাকুলতা প্রয়ো-জনীয়, আমায় মাদে তাহা এখনও দেখা দেয় নাই। সভাজানের যিনি প্রকৃত সাধক তিনি যেখানে বছত দেখিতে পান ভাষাকেই মানা বা

মূল শবিষা পাইত্যাগ করেন, তালা প্রাথা মূলই প্রাতন ত্তুক না কেন বে জিনিব সভ্য সভাই আট হাত, তাহা যদি কাহারত হাতের অনুপতিত সাত হাত, কাহারও নিকট সাড়ে সতে হাত, আবার কাহারও নিকট সাড়ে আট হাত কথা বলিল বোধ হয়, তাহা হইলো এই বহু হাতের বহু ভাষার মধ্যে সভ্যের স্বরূপ ধরিতে পারা যায় না। সেই জন্ম জ্ঞানেক সাধক আমিছ ও বহুছকে ফ্রিডেন্স করিয়া ঐ বিশ্ব মূর্ত্তিকে ধরিবার জন্ম ডেন্স মানাকে জানিতে পারিলে বহুকে মান্তামাক বলিয়া মনে হয়।

সভার এই বিশাপ্রমিকতা ব্যক্ত আগবা ভূলিয়া হাট, ভগন জানেব খাজে । তন **পুরার্ভনের মধ্যে বিবা**দ काविश्वा नाय । , १% अक्षेष्ठे गथम भूकांश्रश्राहरू व्यारमाक व्याराय , **পান্চাতা পঞ্জিতগণের** উণাব পড়িকে সামস্থ ক্রিল, ভখন হোঁহার৷ ইহাকে অপরিচিত দেৰিয়া অবজ্ঞা করিতে লাগিলেন। ভাবত বৰৈ জ্ঞানের রাজ্যে কোন একটা আগন গ্রহণ করিতে পাবে, ভাহা তাঁহারা স্বীকার कतिर भड़े शांत्रित्व मां। किन्न ध्रथम दी। अपन শে ভূল ভাজিয়াছে; তাঁহারা বুঝিয়াছেন যে, ্থ[®]জনতে চিনি লবণ ও কুইনাইন সকলেই শাদা, সেখানে কেবল মাত্র বর্ণকে মূলমন্ত্র क्तिक-अर्कीत्वत अहकात प्तक्त्र वाग ना। **८करणमा**ज नाइटलरणत द्वाराष्ट्र भिन्न गैमि পাশ্চাভ্যজগৎ কোপাৰ্বিকন, নিউটন প্ৰভৃতি পণ্ডিভগ্ণের মূর্ডন চিক্তানীর মুখ বন্ধ করিয়া দিতে পারিতেন, ভাহা হটলে আদ ষে বহুমূল্য-রত্রময়, মহাসাগর অপতকে ছাভিড ं कतिमारक काहा ककारमहे **छक्टिना** याहेल। *

Gran attal and appear and ball -BH Bern Miner Tade wat bie नीत की कार्या देशका अंका देशिया मानिकार्यक त्रांत्रता लाक जाताचा क्रांत्रानात्त्व, व्यक्ति व्यक्ति क्रिक्ट मेरी ए परक Water Books IN That Alfors with स्थाः **व्याप्त्रः छात्रकति तरी**सनाष्टरः, तर्यक्षत्र**ागः** बहेरक पूर्वक व्यवसार सा, अक्षक हमयनाम সঞ্জ প্রভৃতি ভানভীয় **ভলস্থীর প্রেষণা** ক্রেন্থ, বাদার**বেশার্ড প্রায়ুল পাশ্চান্ডাপ্রতিভ**লন সংগ্রে আহণ ক্লেরিভেছেন। শ্রি কানের লক্ষ্য হয় বাজিকের ক্ষুদ্রগভীকে ভাগিল ফেলা ্ব্র বিষের ছাতে জাতিপা স্থীকার করা, कार्थ महेरल कारनव मन्ति विनि छेपामना ক্ষরেন, তিনি মাপনাক্ষে বিষ ২ইটে পূথক क्षिया क्षिक भारतन गा आहे मन्न হর আজ্বাবেন পাশ্চাত্য জগত সাসতের আদশকে ইনিকৈ পারিয়াই ৷ সাক মানবা নগন - এইনৰ পশ্চিমের জ্ঞান প্রবাহনে অবজ্ঞা করি, প্রধানকার ভগজাকে শুদ্রের ওপভা कृषित्रा अस्थामन। कृतिः जन्नम तन्न नामता बार्यास्त्रः मुनाकन कामिकितक कृतिहरू श्रीकृतिक क्षित्र महाम क्षत्र कारतरकात्र कारनत आमर्ग के अध्यापम १३८७ पहरक शृथक कतिएउ वर्षा मार्ग अभिन वानशाहिक कीवान वाकि-্ৰেছ পুঞা কৰিছে পাৰি, আননা আহারে ও ক্লোকুৰাতত বৌজ্ঞানি কেনাইতে প্ৰান্ত, আমরা কামারিক **নাম্নর কাম্**তনের" জগাসক। ৰিছ কিনাৰে কৰিছে গাৰ্গৰ, বে মুলোকে ভাষ্টেক কাৰ গনিকেং অফুলি হয

भारतके अक्टा बादक, क्षांबर टाके जाटनन रमाहिनी अविकास क्षिति क्षिति व बारगान इसमात व्यवसाय का मिना व्यवसाय द्यक्तमात एमिटक शास्त्र साम-नर्समनी उ উপাদীক ভৰু তম্ তৰ্ তম্ব আমরা যেম এই আনৰ্শ কুমিতে স্বসিয়াছি। স্বাভীয় উন্নতিব ट्यात्। व्यापादम् व्यस्तत्त्त्त मारकं अमनह अक्टी त्माइकान किन्दात कतिहास विकासन রাজ্যেও আসরা প্রাচীর তৃশিতে আরম্ভ করিয়াছি। দেশ কাল, সমাক্স জাতি, বর্ণ পোতা এসকলের শৃতালে জ্ঞানের আলোক বন্ধ থাকিতে পারে না আমরা এই সহজ সভাটী ভলিয়া ঘাইতেছি বলিয়াই যেন আজ পাশ্চাতাছগত আমাদের কানের কাছে সেই স্নাত্ন অশ্বিষ্ঠ লাগিশার স্কর্টী বারংবার খাজাইয়া মনে করাইরা দিতেছে বে ভোসরা এট ক্ষাতীয় উদ্বোধনের দিনে তোমানের জাতীয় হারটী ভূলিও না; ভোমাদের বে স্থানী আন্ধ সমস্ত জগতের চিত্তকে আকর্ষণ করিয়াছে, জাহার অমৃত নিঝার হইডে নিজেদের বঞ্চিত করিও না।—তাই আমার এই বিদেশীবর্জনের দিনে स इस (य টাত্যচিন্তার আবোচনা তপস্তাকে সন্মান প্রদর্শন করা ভারতসম্ভানের भटक बदर्शातत्वत क्या नव ।

পাশ্চাতা চিন্তার ঝারা সহকে আলোচন।
করিতে হুইলে দেখানুকার পাওতমণের বিসরে
ধর্শন কি, আর দার্শনিকের শক্ষণ কি,
থ্রিবরে কিছু বলা দরকার। গুড়ানে প্রথমেই
একটা কথা নিবেদন করিবা রানি। সামরা
সকলেই জানি কে,এফই সুর্যার্থি কাচ,
স্থানিক, মৃতিকা প্রভৃতি বিভিন্ন ব্যাহ্ত প্রভিন্ন

বিভিন্ন আকাৰ খান্তব কৰে; শটিকের निकंड करकात रह केले बड़ा भएए, मुख्या নিকট ভালা আশা করিছে পারা বার কা त्मेर शकात, भा**काक वर्गर**मत त्रभ त्मवरकः त्तारकारकारव मन क्यांटक, काशहे अवादन तिकृष्ट एटेरब, अद्ध व्याप्ट्रित लाट्य पनि কর্ণনের অন্তপ বিক্লা হইলা থাকে ভাহার क्का टाथक कमात शाव।—जामात्रा वर्गन विर्मेष्ठ केन्न मन्द्रक आह्ना केन्द्रिक बादक করি, তথন দেখিতে পার্কিন পূর্ব হটতেই কতকতাল বিখাদ আ্মানের মনে বছম্প আছে 🕍 এই বিশাসগুলির আবার কতকঙলি এমনই প্রকৃতিগভ হটরা গিয়াছে, ভাষাদের শিক্ত অন্তকরণের পরতে পরতে এমনইভাবে জড়াইয়া আছে বে, উলাকে উপড়াইভে গেলে যেন বোধ হয় যে মর্মের গ্রন্থিতিন ও ক সঙ্গে শিথিল হইয়া পড়িল; মনে ২য় যেন আগছা-ভূলিতে গিয়া কোন এক অন্তর্তম প্রদেশের বছদিনের সঞ্চিত রত্ব-खनित्व । जूनिया त्क्नियां निट्डिह । त्यस्य আমাদের বাহু , জগতের অন্তিত্ত সহক্ষে বিখাশ। ট্র যে গাছওলি ট্রয়তশির হইরা কত যুগ-মুগান্তরের ঘটনার সাক্ষী স্বরূপ ঐ স্থানেই ক্ষাড়াইরা রহিয়াছে, এই বে সুবৃহৎ স্ট্রালিক। দিনের পর দিন, মাসের, পর মাস, বংসরের शत त्रभाव अमरे छाटा अर्थाटनरे करण छ व्यक्तित्र। गाष्ट्रस्त स्थन्। त्यत्र व्यनिक्-ভাকে কুটাইরা তুলিভেছে,ঐ রে পশ্চিম গগনের ्मरचंद्र क्रेशन नानावर्षत विक्रिक स्थता व्यामारपद শাস্ত্রচিত্তে কি এক অনন্ত অনিকটাৰ স্ববিদার তবল ভুলিলা দিভেছে-এই সকল প্রাকৃতিক ব্যাসমহ কটিয়া এই যে ব্যক্তমান জগত আমারেক

ভাহাকে যে শিক্ষা দেও পরমূল'ই ভাহাকে ক্ষানিয়া কেলো। যত।দন শিশু ক্ষান্ত রহস্ত ্তদ না ক্রিডে গাবে, ভঙ্গিন ভাপনার স্থণ-ছঃধের নিমিত্ত ভাহার মাতা-পিতার উপর निष्यत ना अतिहन ठटल ना। "किन्छ, अमन शत-मुश्रात्भकी रहेशा दानी धन शाका कानका। কলের জনীভনকের ফল **ট**িয়া নিলেই সে ि भारे छ। रव कि इक्ष । छित्रा थारक, कि इ मन ভূব ই**লেই, ভোজাবার অন্তে**র **উপর** নিধর মার্থনে কিন্তু আথুনিউরতা না থাকিলে চল্ডেনা! সেই জন্ত কিবং পরিমাণে ৰাধ্য হইয়া, এত বাধা বিশ্ব হুত্ৰেও শিশুকে জগতের কুচক ভাঙ্গিতে হয়। প্র ভাহার উন্নাত্ত ও ধনা ভাহার অধ্যবসায়কে। ভাহাব व्यमग्रा (कोकुक्ताय करन अमुकाशित्कत यावचन জ্মশংই খুলিতে থাকে। তথন, স জানিতে পারে যে অধির রূপ নম্বন মুক্কর চইলেও তাহার আপ্লৈক্ষান স্তথ পাওৱা নায় না, খেতনৰ্থ কথন क्यन स्वीमेश कारमत व्यवसर्वत कीरवा ७.इ.स. - इ. ए. न मधार्षे असमत् करिता था औ-বি ৩ হটতে হয়, জগতের যে সকল বস্থা পিডা-মাতাৰ বাজিক আবরণ প্রিয়া থাকে ভাতাব স্বৰ্গত কেচভাল্ৰামার আগার হইতে পারে ना। ५३७ व्हेटबु काम ावनी वस्रक জানিতে চইলে যে আর একটামাত্র ইক্রিরের তোগামোদ প্রভারিত হইতে চার না ; এক-कानत काहिमी अध्यव बाह्रा अरमाविक केतिया লয়, ুক্টী **সংশন্ত অভিন্যভাকে অন্ত সং**শেব থাছত দিয়া পৃষ্ট ক্ৰিডে চেষ্টা করে, এবং আপনার অভিজ্ঞতা অপরের কটি পাগনে ক্ষিয়া ৰেখিতে চাষ্ট্ৰ এইশ্বপে ভাষা গড়ার च्या **पित्रा** त्यं निरकत कानगणिवरी अमनह

कारव अन्यक्त कतिका यह ए कार व टेम्सन्सिन জীবনের কাজকর্ম উহার হারা হুসম্পন্ন হইতে পারে। এই দৈনন্দিন জীবনের কাজ চালান कानक आमना नाशांत्रण कान ना वावशांत्रिक জ্ঞান বলি। এই সাধারণ জ্ঞান ক্ষুত্র নিত্তর জ্ঞানের श्रीत कन्छत्रुत नव, हेरा अक महर्स्ट छन्-দির বুকে উঠিয়া পরমূহতে জলমির বচক भिनारेश योह ना। लाहे मामावन छान्दक আমরা সভা বলি ভাষার কাবণ ইহাব এই क्यविन्धत्वाः । वद्यस्टर्स्त मासा । भेडात मूर्वि অক্ষর খাবে, আরু বছবাদ্ধি। বছহকে অভিক্রেয় কান্য ইহা নিজের একত্ব নজন্ম রাখিতে পারে। জিন ও পাঁচে গুণ কবিলে পনের হয়, ইহাকে আমরা স্ক; বলি শহাব বারণ, এই বড় রাশির ও বলক্ষণের বঞ্জান অভিনেম করিয়া ভাছাদের প্রস্পর স্থরটী এক ও অবিনম্পর থাকিয়া সাম। এই এক ও निकामक्यके विक्रमां प्रतिस्त आताता तन्त्रः জানেৰ ৰক্ষা যদি হয় সভা, এবং সভোন লক্ষণ যদি ৬৯ একতা ও নিতাতা, হইলে স্পষ্টই বৃঝিতে পারা যায় যে প্রকৃতজান ব্যবহাবিক জ্ঞানের অনেক উপরে অবস্থিত সাধারণ জীবনে ষেটুকু আলোক না হ भटभेत जनकात एत इस मा, (महोते कारण) পাইশেই আমরা চরিতার্থ বোধ করি। कामता कानि त्य कश्चित क्लाटमं यज्ञना इय, ভাহার শক্তিতে গাছদ্রক্ত প্রকৃত হয়, এবং ভাহার উত্তাপে শীভেব কঠ দ্রীভূত হয়। অগ্নিসক্ষে এই ভথাত্লি সংগ্রহ করিতে পারিকেই আমরা সাধারণভঃ আর কিছুই कानियात बका याता हहें मां। गासरवत का ना ने नाता वापशतिक

व्यातश्चर्यक्रिक्टिक व्या इत्क्रमः क्रिक्स फेट्रेट रागन সে কেবলমাত্র শ্রাণ ভোজন করিয়া তৃপ্ত থাকিতে **পারে** না, তখন যে ম**লি**রটী কত দিনের কত স্থানার ফলে খাড়া ইইয়া উঠিয়াছে ভাষাকে দে পুনবার পর্যাবেক্ষণ করিতে তারেম্ব করে। ্য বিশাসগুলি ব হকটা জীবনের শাসনে, আন কতকটা निमियान धर अध्याद्यात भन्नात्मत कर्छना লুগে ১৯.৬ ক্রিয়া সদা পাউ্তা উমিধাছে. নিজের অন্তরান্ত্রির সকলের সম্ভিত দেওলির কোন সম্ভ আছে কি ন. ভাঙা ক্ষিণার নিচিত্র প্রকটা আগত কবিলে উঠে। সে मग्रद्ध भोग्रद्भन राष्ट्रकेन्त्रर १० निस्पन्न छ। जन শিপান্য উংক্ষা ভাষা উঠে, দ্রগন ২টাছে ভাষাৰ নাৰ্নিক তীবন জাব্য হয় - এখন ওলাত নে ভালাক কেবল **জ**ালেণ জন্ত ন্ত্ৰিলামনা কৰে , আৰু মভাবে কেবল সভোৱ क्रांगी भाषाताहरू ।

্ট ্র'ল্ডেপ্ প্রতি বিশ্বর মন্তর্গ ইরাধ अधिराक्तित क्या अर्गक्षित देशामासात দ্বকারে, যে উপাদান স্মূত্রে অভাবে আমান্দ্র आत्माकव मोर्किंट हैशान क तन इहेनान स्नामान इस्र मा। निष्ठ यनि धकतान धः भकास्त्रतातान পাজ বোলিও হয়, সে জ্বাহ্য জেমে নিখিল-প্রাণের উপন এমনত গ্রুটা আদিপতা-বিস্তান करत 👙 १९२ हुईएड महन इस त्यन कीवन-मार्डिंग्कर ६ म्हें। गडम ऋषात श्राप्तक ठहेल। এখন সার জনেগে জীবনের দেনা পাওনার হিসাবের সহিত প্তাইয়া দেভিবার দ্রুকার হয় না। ভগবান স্থকে আমার বিশাস কেয়ন इहेरल मकालटे यामाव शकुल हिन्सू ७ दामानकुराधुतसते यनिद्वन विश्व रहि मन्नाफ

কোন সভটা কোন কাৰ্ডটে পাছিলে আনায় ८मिन्द्रा ८क्ट केट हिंद के बनिया। नी निक। कुकि ड कतिद्वन मा, बाहात के बाहात वियद ক্ষামার বিশাস কিপ্রকার স্থালৈ আমার পুরে কন্সার বিবাহোৎসংখর কে - বাাগাভ হইবে मा- वहे क्षकान कार्तित निक्क राषातम वावशातिक कीवरन्त मधक, देशवामाख मिटेड्कू জানিয়াই আর নিশ্চিত্ত পাঞ্চিতে পারা যায় अशन हहेट आमीरण मुका इस কেনলমাত্র একমেব অদিতীয়ম। তান একলার ঐ পুরু নচিত ভাননাল্যবটার শিক চাহিমা দেশিলেই বৃথিতে পারা সাম য়ে ভারাত গনের চনের ছাতি দশকে, গুরীবা ঝলা-বাড়েৰ পেশুমালেই উঠ ভাঙ্গি প্ৰিক্ত शास्त्र काम स्कारिक का मात्र राज्य आमार्किक "ভ্রেলিডিটির কলি নগ্নাও শেষ ভ্রালায়ে । ्य गटला वागता अध्यास वाश्यक (भौधियाक) ভাষা কভকটা সময় ও সংখ্যার অত্যান হুন্যাও ভারাতে ১রসমস্যের গলগগুলির অভার আছে সভোৰ যে অবিনহৰতা , ও পাৰ্ক ভৌষিকজা ভাষা আমানের ব্যবহারিক बीयरनन खारन भ्रांख्या भाग मा तनिवाहे, तानंतिक देशत ने भारक काल्याम कशिक विषा इत। समान्य मासूय ए सामाना न मरमा अस्मि लाई (य माल त्वाकः वाकः रेपनम्पन कीवरनेगः क्रीडमाम। एह कश व्यामीतन्त्र विकाम हित्य । वानशासन मार्मा প্রমিল বা অসামঞ্জ থাকিলেও ভাত্র নিরবেরশের জড় দার্শরা বার্ক ইইয়া ভারে करनटक एँढ हो। होता हो अप व मर्कछला ध्यान कविक विथम शृंदक का आव कर 'अनेन 'कार्नात /cr'या नृष्टित ।

मग्रदेश जामभासा हो। हराएड, हेरा १ बहेजार किन .aই चार्टिक ने के नि शास्ति स्थाति देशारक टा छाक बंदि क' ब ले किति। व्यामना यनि व्यास এল্ডীকৃত হৰ্ম ভাহাদের সম্বন্ধে কোন চিত্তি না করিভাম তথানি এই বস্তুজনিত বাস্তবভার কোনই পরিবর্জন হৈছত না ; ইছারা আমাদের বিরহে একটা ক্সম নিখোসও ভ্যাগ করিবারও প্রয়োজন বোধ করিত না। এটা ধেন আসা-দের প্রকৃতিলক বিশাস। একটা অর্চরতের মধ্যে ত্রিভুজ 🕏 🍽 লে, ভাহা যে সমকোণ হয়, हैका निका किल्लार अना आयारमन करन गारे-ৰার শ্বকার ৯০তে পারে, কিছু এট প্রকান বিশাস বা জ্ঞানেন সম্ভা শিক্ষক মহাপরের ব্যক্ত-চক্ত দেখিবার কিবো বেত্রাঘাত দহ্য করিবার শরকার মোটেই হয় না। শিক্ষিত অশিক্ষিত, किन मुनवभाग, अत्रखनामी-इंद्राक्ष्यामी-मक ब्लिइट मर्सा अहे नहक म हा अलि खन महलू-হইয়া পণ্ডিয়াছে। যদি কেচ বলেন, এই দুগুমান জগত মিপাা, কিংবা এ বিশাল বিশ্ব ভোমারই দর্শন বাপক, ভোমার মন ব্যতীত উহার আর দাড়াইবার স্থান নাই, ভাহা হঠলে नागता गनिंड अकाश्रकारत किन्हें मा र्यान, তথাপি সম্ভরাত্মা যেন এই অন্তত ভংগার 94C6 কিলোচ খোষণা করিতে থাকে। मामधी मदन मदन हिन्छ। कृति इति इत भागन. হয় দার্শনিক। আধার অঞ্চ কডকগুলি বিখাদ আছে যাস্থা মান্তানর ধ্যানীর রক্তে নজে अवसम्बद्धि विवादिया युविका को दशमन व्यामहा সকলেই বিখাস করি বে ক্ষয়িতে মাহিকা শক্তি আছে, এবং বৃক্তবভার আয়ুত্র ছি নাই। कांगातम् । हे वास्तिक विवासनक विकरक बीक एकके परमान ता क्षेत्रकाशिक विकास

প্রভাবে আগুনের শক্তি নষ্ট হইছে পালে, किश्वा श्वि टकान देवकानिक चटका ता वृक्त-नित्र कीन्म 9 शामन कीन्द्रमत मजनह रूप छःण, ও ছাৰি-কালায় পূৰ্ব, ভাষা হইলে সামাদের মন প্ৰেক্তি ভাৰ বিদোহ ভাব ধাৰণ কলে না। **्डममरे आवात गमि दकान** देनमाखिक द्यायना করেন যে, জীবাত্মাও পরসাত্মা এক, বিশ্বেব স্বরূপ এক নিরাকার স্বাভ্যুর্নুলাগোচর অধৈত চিনার আত্মাকে চিন্তা করিছে তুমি আকাৰ विभिन्ने कतियाः (कन : किन्दों यीम दर्कान माधा-त्रश मोर्गिनिक वटगर (य. ज्ञीय त्य मर्गटनिस्सातः প্রমাণ শক্তিতে বিধাস করিয়া ঐ সম্মধন্ত পদার্থটীকে টেবিল বলিয়া জানিতেছ, একং ঐ বস্তুটীকে আমুফল বলিয়া প্রান্তাক্ষ করিতেছ. ভোমার দেই ইন্দ্রির বিশ্বাসঘাতক। ভোমার নম্বন ভইটা রূপের স্বাক্ষীমাত্র, সেই জ্ঞাঞ টেবিলের চিন্টালে নাম্ভব টেবিল বলিয়া ভ্রম জন্মাইডেছে, এবা ঐ আমুফলের রূপ ও অংকার বিশিষ্ট নংপিগুটাকে সভা সভাই সাম-ফল বলিয়া প্রভারণা করিভেছে! উদ্ভিদ্য জন্ম এবার আমরা মার পূর্বের স্থায় পাগলের পার্শ্ববর্তী স্থানটা দার্শনিকের জন্ত নির্মাচিত না করিতেও পারি। এই সকল দৃষ্টাস্ত হইতে স্পষ্টই প্রভীয়মান হয় যে, আমরা বে স্কল বিখাস ও জ্ঞান লইয়া মাধারণত: জীবনের পথে চলা-ফেরা করি, তাহাদের সকলগুলিই যে ক্ষিন্ত চাচের মধ্যে পড়িয়া জমাট বাধির গিয়াছে ভাষা নয়। কভকওলি वाखविकरे ध्वानरे मंख स्रेमा श्रीमात्स तं, ভাষাদের আকার পরিবর্তন করিতে গৈলে काराता अक्तारबंद पूर्व-विपूर्व दहेंबा श्राम । এখন: দেখা মাকু যে এই বিখানতলির ভুটিই

রা হয় কেন, আৰু ভাছারাখন এক্টার একটা भूकि नहेब अवधिक व्य-प्राश्त नह के व्यक्त जिक जाकारतत अतिवर्तन कवितान व्यटमानन इक् दक्त । এই कृष्टि ও পরিবর্তনের আর্মি কাছन मुख्या ताम दिन्दगयाम भीवतनत মধ্যে আম্মা যে জগতে বাদ কবি ভাহাকে একেবারেই অপরিচিত বা অক্তাত রাখিলে त्म सारम महर्द्धत क्छा वाहिबा शाकिएक পারিভাম না। পাওবের। এক বৎসরের ক্র অঞ্চাতবাস করিতে পারিয়াছিলেন ভাহার কারণ এই যে বিরাট রাজার রাজ্যে তাঁহারা অভাত ও অপরিচিত ক্টলেও সে রাগ্টী 'डाहारमंद्र निक्छ मन्त्रुर्गत्ररण अभविष्ठिक हिन ना। यनि वाखियकरे विश्रोपे आध्यात मकन বন্ধই রহন্ত কুহেলিকার আক্ষর পাকিত, ধনি मिथानकात चळ्नीत भंदीरवत क्रांखि एत ना করিয়া অন্যাদ বৃদ্ধি করিত, যদি আহারের গুরুত্বের অনুপাতে বুডুকিতের ফঠোরায়ি ভ্র कतियां खिलायं छित्रिक श्ववः अल्लास्तव मर्द्र मर्फ निशासन ७५७० मीत्रम्बन इक्षेत्रा शहेख , আধা বাদ ভাষের গ্রাং সে রাজ্যে প্রবেশ ভরিয়াই নিজ প্রকৃতি প্রিবঙ্ক করিয়া শোলা প্রকৃতি অনলখন ব বিত, ভাষা চকলে কীচক বধ ভ দ্যোর কথা, পাওবগণ এই অন্তত রাজ্যের মধ্যে কণক ক্ষেত্র ক্ষম্মও বিপ্রাম করিতে পারি-জীবনের শাসন এমনই চর্লকা, এমনই কঠিন। যে দক্ত বন্ধ সমূহ আমা-দিগকে চড়দিকে বেষ্টন করিয়া স্থিয়াছে, ভাছাদিলের সহিত যদি আমরা স্থপরিভিত क्ट्रेंटल मा शातिलाम, यनि के छेशरनंत क्षक्रिक नष्टक कागता त्यान श्रेकात छविश्रम वान कतिएक मा भाविकाम, जारा स्ट्रेश विकारमञ

W MINES OF WATER COTT BIRDITE A WIND WIN . T TITE नार्यक वास्त्रकांत्र मुक्त इस जाता है। हमी मारान्य BICHE WHILE AS WILE AFFORD VIT बाह्य क्षेत्र असे ह्य माहला नीवर प्रा शार्थक देशक धारा योग व्यक्तता अकट विका कतिया (मिंब, काका कट्टा) (मधा मात्र 🐫 🖘 পরিচয় একদিনে হয় মান্ত প্রশিষ্টিদীনের लमीटभन निक्षे मुद्दा करें। विभाग करी-লিকা প্রস্তুত সম্ভবপর কইছে পারে, কিন্দু বাস্তুর লগভের জানমন্দির এভাবে রচিত হইতে পারে मा। कारमत्र विकास इस क्रांस क्राट्स क्राट्स अवर ইয়ার সফলতা আসে গছ নিক্লতার নথ্য निशा कम निश् गथन काश्त कोशिकांकी व রচনা করে, ভগন ভাগ্যকে কভবারই গড়ান জিনিৰ ভাজিৱা কেলিতে হৰ, কতই আশা-নিরাশার ঘাতপ্রতিঘাত ভাহালে মঞ্চ করিতে জগভটা যেন ভাহার নিকট একটা শ্ৰহাও হোঁলি, এটা যেন কোন এক বাছ-করের চার্ডেম্ন সম্মোহন মলের ছারা প্রস্তুত ঘাত-ঘর ৷ ভাহার দর্ল বিশ্বাস এথানকার কৃছক ्छम क्षिएं धरकवारत्**रे अ**क्षमे । अक्षी वर्ष তথনই ভাহার সমূথে আসিয়া উপস্থিত হয়, আবার পরকণেই কোথায় অন্তহিত হইমা বায়। शंख भाश्री द्यन निरसत भागरनत वाहिटर. ভাহারা: মড়িখা চড়িয়া কথনও ভালার ১থি नाधन करत, जोतात कथनण अमृद्ध रहनात रही करत । दल्लाम ग्रह क्यांत्र प्रश्निक कडिएक না করিজে ভাগার পরিভৃত্তি, আবার কণ্ডন शतिके कार्कात्वर कडे ना क्वारे कि जन सन बाहान के अपन जीवरसंत्र क्षरात्राक वर्ष के এক অভাবনীয় ভটিলভার পূর্ণ। এক মুহত্ত

१७क क्याइता न्य ग्रहाच **यह**्छ। श्रीक नाविद्यासारम् । एक कवि । विश्वास Miles o Alects file spiles we माविष, १५३ व्हेजित सामा देवान जनामक ভাৰে কিলা, স্বার বৃদ্ধি স্বাহে ভাষা হ**ই**লে এই বিরোধের কোনপ্রকার প্রতিকার কটডে शास्त्र कि ना. हेड़ा छिक्का कतिया ना एमेंबिटमंड লীবৰ নিৰ্বাহেৰ কেটি বিশ্ব হয় নাৰ ভাগ্ৰতা-প্রবেশর ক্ষা, ভাষা ইইলে এট ডট রাজ্যের মণো যে সকল ভাছার স্বরূপ নির্বিয় না अतिरम् वाष्ट्रवकीवरम किंकू शक्ष आरम मा ककि त्याक वाकिए पर तन्यात्र वा बददर বিশারে যে সকর লিনিস স্পাষ্ট দেখিতে পার जोक्का माधानगढः स्थल (माहन হয় ন। ৰশিষ্কাই একটাকে শ্ৰেক্যজ্ঞান ও অপরটাকে क्रम वला इस एकमा धरिवरण भाववन। मा कंपिरलंख आभारतत व्याञ्ज निकासित (क. नेट अन्ति इत्र ना ! (REAM মাবার সরকার বাছতিরের সঙ্গে সহগোণিতা বর্জন স্থায়সকত ক্ষিন, এবিধনে আমানের মন্তন্তে থাকিতে পাবে: সে বন্ধটী স্থানার নিকট সৌন্দর্যোর আক্র, নজের নয়নে ভাগে ক্রমিৎ ভইতে পাপ ব্যাস क्ष्यम ग्राहारक প্রিক্তার করেন, জন্ম একজন ভাগতেক অবল্প-কৰ্মা বুলিয়া ধৰণ করিভেও শানেন। এই मकन मुक्क केर्ड विश्व भारत यात्र (य शामात अस्त विश्वान क्षात्र अवजीत महत्र niniano: nint belles via. क्रिके दिएश कामान महस्त अस्ति करिनका किए किए की वित्तान के मिट्राका चाका रेकानियम को: नेव दकांत्र का सह मा।

TO SHEW HE CAR WHILE CHARLE WHITE CAN WHILE THE THE THE MICH ALL THE MARK MINE CHAT MEET STE COS NO MITAN BOILE केटबर्ग छोटो हरेला चार्यात्रत्र मध्या (व नावका (निर्म क्षिम क्षेत्र करें के किए कि कारण क মধ্যে এতথানি অসম্পূর্ণতা, ভাহাতে গইয়া আর ভীবনের **কাল চলিতে পারে ন**া সেই **প্রকা**র গতকণ একটা অসামতে বা একটা সমভার সমাধান না করিলেও সাধারণ জীবলের কোন ভানি হয় না, উভক্প আমন্ত্র আর মিথ্য माथा यामाहेवात हैक्श कति ना । किस विनि मार्निक टाइाइ निक्छ এह बन्द छ विस्तार বছট অপ্রীতিকর। शंबादनंतः वाबारम्य বহিৰ্লগতের ৰুদ্ধ বেমন অশান্তিকয়, ভাঁছার পক্ষে অন্তর্জ্গাতের বিরোধও তেমনই অসহনীয়। স্লিল যদি প্ৰতি ধৃছাৰ্কেই মিজের প্ৰকৃতি পৰি-ভাগি করিয়া কথনও বা অনিলের এবং কথনও বা অনলেল ধর্মকে গ্রহণ করে, ভাষা হুইলে বেমন আমাদের জীবন ত্রিবদ্ধ হয়, ভেসনি জ্ঞান ও বিগ্রাসরাজ্যে গভক্ষণ বিদ্রোভের লক্ষণ ্রিতে, ভতকণ দার্শনিকের জীবনও কেবল अभाक्तिकत ७ यवनाभावकते थाटक। विदर्शय ७ वक्टरबंत कतालमृष्टि देखांत धार्म मर्काषे তীতির সঞ্চার করিতে থাকে, ডাই ডিনি বছ हेक्दिशत वह छाबा ६ नानालादकत नानाक्षेत्र গভাকে অভিক্রম করিয়া সেই এক সনান্তন সভ্যের ছারে পৌছিবার জন্ম ব্যস্ত হন বৈশালন विद्वार्थत देवांगांकन, 'न वस्टरमा बीका गुर्क भिहिट्ड अन्नम्, रायादन दमकारे सरित्याक भावित बाजी धाराविक बहेबा की बाव कि अक भूमानाज्य अभीत स्था निकल स्था के हैं।

নাৰ্থনিকের এই কালেন্টাই প্রক্রমান কলি।

এবং ইহার ব্যেক্সমূলী নিকানে কালিক কালিনা

কালাক কালার করনে কালিকে কাহিনাই

কালাক বালালানি। সেইজের বভক্র অবরের

করের কাল কালাক মিলিত ইইরা একটা কলিত
করার না ভোগে, ভক্রণ ভিনি কেলবই ভানপুরার কাল টিপিভেই থাকেন, এবং অনেকের
প্রেক্ট সেটা আলো আনক্রমানক হর না।, ঐ
আন্তর্গ বার ভানিকে নিরা কতকগুলি ভারী

ছিঁ ভিরা যার ভানিক নিরা কতকগুলি সাধারণ কানে
বেহুরে। ব'জে, ভাই তাহার সাধারণ বস্ত্ত
পার্গের অসম্ভব্ধ প্রসাপ বলিরা প্রভীর্মান
হর।

এইবার স্নামনা দর্শন ও দার্শনিকের লক্ষণা এক কথার এই বলিতে পারি যে, দার্শনিক চিন্তা এবং অভিতীয় দেশ, কাল ও সংখ্যার দ্বারা অপরিচ্ছিত্র ক্রুলার্কন সভ্যের উপাসনা, আর বিনি এ আদর্শের সার্থকতার সভ জীবনের স্থলাচ্ছন্দে সমস্তই পরিত্যাগাঁ করিতে কৃষ্টিট হন না, তিনিই দার্শনিক।

এই আদর্শকে লক্ষ্য করিয়া পশ্চিমের চিন্তা লোভ কোন পথ দিয়া প্রাবাহিত হইয়াছে, ভাহার বধন আমনা নির্ণয় করিতে চেটা করি, ভগন মাল হন বেন বাত্মবিকই একটা কুল লোভজ্বতী পাশ্চান্ত্য দেশের একটা প্রান্ত হলভে আত্মপ্রকাশ করিয়া এই প্রায় আন্তাই হালার বংগর বানং প্রিয়া প্রিয়া সমন্ত নিবের মাল্য প্রনাই কালে বিজ্ঞ কইয়া পড়িতেছে কে, প্রান্ত আ্লার লে কোন বা কালেকের ক্ষ্যি শ্রীয় স্থো সীয়াবন্ধ থাকিতে ক্ষ্যুন্ত । ক্ষ্যুন্তি

. त. देशक अर्थ कि विश्वविक क्षांक स्थान क्षांक्षांक स्थितिया क्षांत्रान स्थ CT, MINTE HAT THE CENTER MENTER ATT A PARTY OF THE PER WITH THE WITH STREET THE WINI-CIPINICE THE THE VALUE OF क्रबरका निविध द्वाराहिक व्यक्तिकारिकार, श्वर अस्ति हिस समस् शैकारक समुद्रिक स्विन ক্রেছে বলিয়াত মাজুবের উপর ভাষার এড আধিপতা। এই ক্ষান্তম্থী প্ৰবাহ কোন এক অপূৰ্ব বন্ত্ৰীৰ স্তায় ভাৰার অনন্ত অসুণি বান্ধী ৰেন বিশ্ববীণার সমস্ত ভারগুলিকে স্পর্শ করিয়া-ফেলিয়াছে · এবং অনত্তের। অন্য ভাইতে ক্ষান্ত ভবিয়া দিয়া মানুষকে একটামান রাগি-ৰীর আলাপ করিতে আহ্বাদ করিতেছে। এই কর্জবোর \$ঃদাধান্তা বৃদ্ধিতে পারিয়া অনে-**्वहे** ज्यामत्मातय हरेश शिक्षत्कतः। किन বাঁচার অন্তর্কে ইচা নিজের সানন্দে নাচাইরা ছুলিয়াছে, তাঁহার পকে নিশ্চিত থাকা অস-**ह्य : जिनिहे श्राक्**ण मार्गनिक।

পূর্ব করের থাক ছব শত বংশর পূর্বে বথন
কর্মাতি খেলিল () বাবহারিশ
কীবনের দানত শৃন্ধা হইতে জানকে ক্র
করিতে গুরাল করিয়াছিলেন, তথন উল্লাহ
চিন্তালোভ একটা নাত্র বারালক্র্যা প্রবাহিত
হইতেছিল। জগতের পরিবর্তনশীলভা দেশিরা
ভাষার মনে থটকা বার্মিল, তিনি নিজেকে
করে করেনে, এই নিজত পরিবর্তনশীল লগকরেন কেনে এই প্রথম বছর মুল্লা একের
করেনে এই প্রথম বছর মুল্লা একের
করেনা একং নকরের মুল্লা করিন্যুরকে
ভাষার বার্মিক প্রান ক্রান্তার করেন। ব্

मिले के क्या निर्मिन, ध्वश्राम क्रम ग्रहेक ति, का की ओरनेत मधा निया कान अक्डी आव उद्भेष्ठ वर्गेट्ड गानिन देवर के नाज मानवसः-্করণের কুভ অপরিচিত প্রদেশ আবিষ্কৃত হইতে ্ৰাগিল। পৰিবৰ্তনৈৰ নাৰে বেটা নিভা থালক, ভাছার শক্ষপ কি ? এই নিতা বস্ত ङहेर अनिका व**ड**त रही ३३ ्कमन कवित्र। १ এ মিভা ব্যর মধ্যে প্রায়র স্থান স্মান্তে কি না ৮ কেনে পণ দিয়া এই বস্তুর দর্যীদে উপস্থিত হটতে পাৰা হায় ৷ এই প্ৰকাৰে उक्की क्षांत्रिक भाकामा जनात्र अधिया कार्तन अवस्ति कि सक्षानी क कार्तान कविटल वालिन , जांब । अहे व विद्यवश्य मधा स्ति। - अडिस्(क्ला **३**१०७ यास्ट्रावत याच्याकात्मत লালিল। এইনিই দর্শনশাজের সমস্রা ও ग्राम्होष्ट्रास्य विभिष्ठेका। यथम अक्रिजिसका চ্টাতে অন্ত একটীৰ সৃষ্টি হয়, এবং ভাষাদের সমাধান করিতে গিয়া দার্শনিক মত বিভক্ত ভটমা পড়ে, ভগন এই বিভাগের প্রকৃত कावन-प्राप्त त्वत भागात्मशानिः किश्वा निका-विकित्तक मत्ना भाउमा यात्र मा। अशास्म প্রশ্নের মধ্য দিয়া মাধ্র নিক্তের চিনিতে त्नार्थ, अवर जनम अक्षानां गृष्टि ख्यानंड इस বখন ভাষার অন্তবে বিভিন্ত দিক বিভিন্ত व्यकारतं मानी आनितः छेलप्टिक करन्। अध्यन কতকটা অভেগাদিক বুদের মত। V:3 বৃদ্ধি যে আছুপ্রে উপাসনা করে, তার ছবয় নে আমূৰ্ণকৈ অৰ্থা দিকে চাম না. ভাষ अस्याका ए शादक अने बीनेशी चर्तन कटबना। कान अरकः मत्वा मिरवाते गापक्षा प्रका ्षात, किंद्र उक्ति हरें ने क्वेटन प्रतिकार रहेट्ड लाहि का । वृद्धि त्यापक्षा करव त्य.

वह एखनहें कुछार्थ क्षेट्रेरफ भारत यथन तम "আপদার বিলয়া কিচুট বাথে লা। সে মথন ভার মারাধাদেতের মধ্যে নিকেকে সম্পৃতিট্রে रिमीन कतिसा जिएक शास्त्र, यथंग छोटमन মধ্যে কেনিই গ্রেধান আগ গাকে না---তথ্যত সাধ্যকর চন্ম উংক্রা কিন্তু ভঞ্জি बर्ग म अरकत ममस मन्द्रांत कारण उत्रात मर्द्रमान क्रियान **१** अधिनिद्दम्दन्त সানস্টুকুও অঞ্ভব করিবার জন্ম ভুই-এব মলো অন্ত डः একটি মধ্বপছের বালগান কা বাণিলে চলে নাঃ এট ভাবে অন্তবেৰ বিভিন্ন লিকেব বিভিন্ন প্রায়োচনার গখন অশ্বংকরণ ছিলা চট্টয়া পড়ে তথনট্ দর্শনশাস্থ ও বিভক্ত কৃষ্টা (বে। তথন এটন ও রোম-দেশের চিক্তা কেবল জ্ঞানের আদর্শকে সম্মুর্থে বাখিয়া সমস্ত ইউবোপে ছড়াইয়া পড়িকে লাখিল, তথন ভার শ্রেভেধ্বনিভে অভ্যার আস একটা প্রদেশ সুথবির্ভ ইক্টা উমিল। এই ন্তন প্রদেশের নৃতন কাহিণীর অভিব্যক্তি **इंडेन, ब्रीहोन धर्मात गांसकरान्त गरधाः** এইবার অন্তরেষ সঙ্গে অস্থানের ভুমুল যুক্ত . नामिता अन्। ८०३ विद्यान ८४ ८कवन জান ও চিকাশক্তির ঘারা সভাবে ধরা অসম্ভন, কারণ ৴য মন্তব্য নিজ হঙ্গতির ফলে অসীম ভট্ডে নিজেকে বিজ্ঞিন কবিছে বাধা হইয়াছে, ভাহার বৃদ্ধি ও চিম্বা সদীমেন স্পর্শে বিকারপ্রস্থ, স্থভরাং সভ্যের বাজ্যে পৌছিতে হটলে ভার পকে চাই বিশাস, **छाडे अका। अवात त्कर विवास व क्लांटनत** व्यारमा ना गाकिरण अक्षतिबारमंत्र अवैगा पूर्व २७८७ भारत ना, 'श्रुकता' कान 'क **विवा**रक यान निरंत गंडादन बिह्निक नीना (बर्द्धनाटाई

व्यम्बर । रागम अस्मिम असम धारे युक्तधास्त्र ह ধুলিকথায় ডাইয়া আদিতে ছিল, মুগুল এল অন্তলের বিজ্ঞানের ফলে বাছলগতে সংলক ক্লানে অন্তপাত হইতে লাগিল, তথ্য কতক-গুলি ধর্মায়াক্তক আমান করিয়া দেখাইতে নাগিলেন বে এই আন্তর্ভাতিক সংক্ষা নে ভিন্তি ভাষা আমাদের কপোলকলিত মানা। শুক্ত যে কন্তুকে বিশ্বাস ও नका विक পাইতে (5%) করেন, জানী নেই বসকেই 6%। ও ভক্ষবিভক্ষবো দরিবার তেই। করেন। প্রভর্গে যে সভা প্লেটে।, জ্যারিষ্ট্রন প্রভঙ্জি চিন্তালারগণে চিন্তাদপথে প্রতিবাধিক ২০মা-ভিল গ্রীষ্টান্দার্শন ক্রিক সেই ভিত্তির উপরেই ইড়েটের। সাচে । इ.डि.स.११भन्न अवासाधाः मानाशिकान वास्त्रात्त वर दिरहान विकेट करे নাস্ত থাকিল : তমুনই আবার ইন্দ্রিয় ও অন্তর্থার বিক্ সমস্তাপ্রাল প্রটিলভর ইট্যা পাছে। যে ভিলিন আমর, লাধনতে ইত্তিয় স্মত দ্বাবং জানিতে াবি, সাহাকে আনৰা হস্তহারা স্পাশ কবি, নম্ম দিয়া দশন করি ভাহাকেই সাধারণ হ সভা বস্ত বলিয়া থাকি ৷ উল্পেখণ জ্ঞান বাতীত সার যে কোনপ্রকার নিশ্বিয়াত্মক আন'চটতে পারে, এবং ঐলিকরালা বাতীত অন্ত কোপাও যে সংশয়নাশ হহতে পারে, ভাষা আমরা বিশ্বাস করিতেই পারি না। (महे अग्र हेसिय (धारणा करत "वामान मीमानः অভিক্রম ক্রিলেই মাছবের চিপ্তা বে-বল व्यक्तिकृत्रम् ९ क्वितः क्षत्रा मानः। 'स्डात्रत এই इक्तित्रम्थी मातीत श्राकिनिधिटक **भाग्नाका** कार्टक देवस्थानिय त्रांथा। तम् । देवस्थानिय गर्माम तम कियारक जा अहें का का नार्मा

কোরারা হইতে মুক্ত ক্ষরিতে পারে, প্রক্রমাত ইন্দ্ৰিয়াৰ বৃদ্ধি। উল্লেখ নিকট ইন্দ্ৰিবাতীত বন্ধ ভাছাই যাহ: ইন্তিয়া এখনত আকাৰ, করিতে পারে নাই, কিছু ভাই প্রশিক্ষা এমন কোন লগত তিনি স্বীকান্ত করিতে পারেক मा-गारु। इतिहास्य निक्षे धन्ना भएक सी। সেইজন্ম বধন গৈজানিক যান্তের ংশতিকতে কত মতে অজ্ঞ বস্তু ইন্দ্রিয়ের কাছে প্রকাশ **১ট্যা** প্রিন্ন ত্রণন বৈজ্ঞানক এই নজন आजिशास्त्र डिगामसार शेशकांत कवित्र दिनश উঠিলেন-আমি সমস্ত অংকাশ ছববীকল দিয়া তর ভয় করিয়া ংলিয়া দেখিলাম, কিন্তু কোথাও ঈশ্বর নামে কোন বস্তুকে 🖓 বঙ্গে প্রিশাস না : শ্রেছেএব জীপন মান্তবের ক্সন্তব্ রাজা ব্যত্তীত অন্ত কোন গাহিং গাংখন किए यान्ति हा प्रत्यानत तथानमा इ अमरावत आम्मीरक डिल्प्सित छे॰ त छ।न रहरा ইাছার। এই প্রাক্তিকি জাত ভাড়া লান একটা ইন্দিয়া তীত বাতেৰ গ্ৰহ নানিতে চলা इस । लिश्जा राज्य (य, इंस्पिप (क' स ना का-আচরণ মাত্র শৃত্রী থাকে, ইন্তিরেব বছভাষাকে অভিক্রেম করিয়া সনাতন সত্যকে ধরিতে হুইলে. চাই আর একটা শক্তি। কুপ, রুস, গ্র श्रक्षकि डेलियशक कानश्रक्षण वस्त्र कान हम तम् কারণ এঞ্চল বহু কিছ বস এক। তেমান আবার ইন্দ্রির আমানের যে ক্যান দেয়, ভাগতে विरायात्मात दिभाग कर हो, तमक करा धाक वर्ष-15 উद्धार्थक नामा व्यादक मामा कारण करू ভব করে ৮ ভ্রবং বছর প্রস্তু সমূপের স্থিত পাৰ্টির কেবলমান ইঞ্জিছ ছারা হইতে : भारत सा । ८८५ भक्क दश्चरक कामता काथातः ७: हेक्कियाक प्रत्म कृति, क्राहाविद्यान क्षात् । लेति-

HEIR STATE OF THE STATE OF স্বীৰামিক ইয় : আৰু এ ই প্ৰিয়াতীত ৰণত al Milaca, Complete of mireles of war dien a agail and affer alle मा । ज्यामार भाई हेजिन ध्रायां करा उ गाउँ साम थाएकी बाला साहर, राशान करेएक सहित्य बार्बाद द्यावणा, नीर्चित काठीव जामन, ७ कर्छ-বৈষ আহ্বান সামূৰের যে অমৃত শিপাসা, आंगरेनेत हत्तर आश्रवनित्रोस, निर्वालांत भारक

শান্তিমুবার আযাদ, এ প্রদি ক ইলিয়াতীত

अवतरुम पर्गार्जिक (क्षत्रनाई क्या । व्यव पत्र

পাশ্চাতা চিকাৰ বিজ্ঞানেক সৰে পাৰ বিজ্ঞানেক

AND FRANCIS ACTIVE CHAPTER of rest waters from contributed व नमांशास्त्र रेनिका करने अवह नामिन গেল যে, একজন মান্তব্য গলে নিখিল সমস্তার जिपन कारमब बालाह्या व्यवस्य रहे बाद्धा এकठी ध्यम विज्ञान विविदात धराइन हरेगा अवित विकारनेत तावा चात अवित मर्गटनत श्रामा । काह जनम मात्र बार्डाक हिलात अवोक्टक मानीनक हिला बना क्षेत्र की रेतकानिकार विचारक वह करेंद्र विकक्त विश्व काशास्त्र वहनिक मित्रा जामिए एको करतेन अर्थ अर्थी विकृत्य नविश्वावलाक वानित्ल अनकी विकास विकास करेंचे किएक अनेकी मोख Detailed where out and out aller of the second of the family

BOOK BUT THERE BUT THE STREET कार बारक करहात मेर ताथाका तका। ANTON COMP COMPANIES NO SHIPS NA OF REAL PROPERTY AND PER PERSONS feelt bie uie, goalt aufe femien 1014 NO 148 ROLLING MON 200 CAIA MAINE A TECHNA MITOCAT TOWN श्रृष्ठि किन्द्ररक्ते साना नार्टस्य जा। सामान दिखानिक (व नंदन मंत्र) बादिकांत करतन, ভাহারা কড়কণ্ডলি স্বীকৃত।সংভাহ উপর মিজা कतिया बाटकः कर श्रीकाटकः करहोत् इतम मन्त्र विनिशं मानिन वहेटक साम् इन । अस्वताः क्षेत्रानिटकत्र विद्यारण किया वर्षन मुक्का एकर ৰভো আসিৰা উপস্থিত হয়, তথাৰীয় টাইটা विक्रमने कवियात मनकार विक्रमनी कदनन मा उथम देखामित्वत विक्री वरेट नार्गमिक जे क्रिकेट विकास (हरे महास्त्रीहरू गुरुक्त करान । श्रुवार विकाटन क्यारवर्गात त्नर हत्र, बन्दिन्त कांच द्यताद्य बीगड इत्र । द्यापी हरें एक जक्ति कम बीतिश अस्ति, जायनरे मरी-मिक निकटन निकाम विकास करिएनन, गुक क्टरक करमत वृष्ट्राड स्टेश गामिएक गाँक्सन the for description of the second अधिक धर एए गुचनीय क्या करेंग विना AND MINE AND MILE GOIN CONTROL निम्न अके अक्टी विकारमं पृष्टि वस । एउतार अक्रमवर्षि मन्बर के निर्माद र वस्ता पाक पूर्व क्रेरिया चाया। ज्योगकांत्र वेन ज्याना att view, officer is their stories. NEWSTRANS PROPERTY NO. HON CHI DESI THE of the state of

क्यों काकरणे श्रीक बारह, वह नकित करन कप्रभावका नेवनामक नर्मगरे वीकर् PER THE ME HE TON THE O HIS बोरतक कामरामा क्यानाटा कम (वनी व्या विनदा नकार के ज्यानकार वाकाम नी मी। बहे स्वक्रमानी विचनिवामत बाहा निউটन अह উপৰ্যাহে জাকালে পৰিৱস্প,তাহাদের নিজ নিজ ক্ষে ক্ষাবিচলিত ভাবে পরিস্তমণ প্রভৃতি অনেক कदित मनकात छेर्छत मिर्यम । ক্রেমে আমরা **अरें देवलानिक विद्यापन जिल्लाणित्र** এনোযোগ করিয়া দেখিলৈ বুঝিতে পারি যে बिक्रिक क उक्छणि मञ्जास्क मानिया गरेएड এবং তাঁহার বস্তবিলেশ ्रवाधा केवेब्राटकन । ক্ষানে আসিয়া সংসা থানিয়া গিয়াছে। ্রিভিনি মানিয়া লইয়াছেন যে জগতের প্রত্যেক 🕆 ঘটনারই একটা কারণ আছে, ভড়জগতের সমস্ত ঘটনা কভকগুলি মত্যের ঘারা নির্মন্তিত এবং সেই সভাগ্রিল আবহুদান কাল ইইভে নিক্টোনে ভাষা অপেকা আনক বেশী প্রকাশ একই ভাবে জগতের কার্যা করিয়া আনিভৈছে 🦠 मार्गमित्कतं , ठिख किस कशर 371W 1 मस्यक्त आहे मुक् कानिबारे मुख्ये रहा मा। डिनि প্রস্কারন—কারণ বৃশ্বটি কি 🕈 এই কারণ কাৰ্য্যের অবিচ্ছিন্ন সম্বন আসে কোণা হইছে ? কড়ের প্রকৃত স্বরূপ কি ? ভাহার देह डाइम्ड कि मक्क 🕛 है डोनि । **। इस अर्ट्याक विकास विकास** विश्व के देश कि कि का frames well been met engine eine, St. auf gier reitet au

ALTERNATIVE STATES WHEN म ठाटक मामिना शहेता स्थापन क्यांनि करिकेड अधिप्रोहित्यतं सामि स्रोती चारम्बारेन सामक अक्चम रेडिक्सिक हरक नजरक न्याद नक विदेश DIA मा देशव करण नेपंद शामिकिनांड मन्भावार शतिवादिक वर्षेट्ड हिम्बारक অভোবের তিনকোন ১৮৬ ডিগ্রী বনিলে আন हिनार ना इहेंदी नभावतान नजनाद्वशा क्यनिक মিলিতে পারে না বলিলে এখন ভুল বলী श्रुदि ।

দাৰ্শনিক এই সকল বৈজ্ঞানিক সভাঞ্জি ्कर्य माळ मानिया महेत्रा मखें बाक्टिंट भारकी क्नि कोश व्यामना देगांगेम्<mark>डि शृदर्सरे स्</mark>वि-ब्राह्मिकिन नर्वाबरे अकरी आम्माक मुक्तिमा त्वस्ति। अरे जामनीते जामात्मन्न कीवरम नाशाः त्रन कारम, त्र हेकू कालियाक हत्त, त्रका-পাৰা কিছ বিজ্ঞান ও ভাহাকে সম্পূৰ্ণ ভাবে চিত্রে প্রতিক্ষিত ক্রিতে পারেনা। এই আদশ্রী। किकार्य अञ्चलकत्त्व हत्रमणविज्यि । आत्र धरे পরিভৃত্তি আসিতে পারে তথনই, যথন সেই সভাকে জানিতে পারা যায়, कान या উপामकरङ्ग विश्वित्र रह ना, याश সুক্র পরিবর্তনের মাথে অবিনশ্ব ও ভাষার[্]ন্ধা এক থাকে। नावहान करत, बाहात जिलाद विकारनत नकन जिल्लीवरन वर्गन कान अविति वजरक गुक्ताक निर्देश करत, रहाईश्वानाई प्रणामक बोनिएड बाल इट, रेवलानिक वथन टाई कारमाठा विरम । अपने के किन्तु विभ तृत ना रम , वजरक बादक विभिन्ने छानिए के ही करवन विकास निक स्थन के बिहार है प्रकृति स्पाद्य निक्रम स्टेश बार । प्रदे मृत्याक श्रित प्रदेश महिला

আশি প্রায়, কেবল উত্তার পতিবাজির করিতে করিতে বৈজ্ঞানিক এই সত্যেষ্ট্র নীত ক্ল श्रीकाल अक्सादक माधादशकाल, देवळालिक क गार्वनिक स्थापन प्रतापन इंडेएक पृथ क क्षेत्र अरम शायक ममा स्मान नहमा একটা সন্দেশ আওয়ত ওনিয়া আমারা वत १६८७ बाहिब १६मा मिथि ६६ अमहाराज-मीडि मनम कतिबाद अस धकमन श्रीड़ा সৈত্ত আমাদের ঠিক নীচে একদল স্বেড্ছা-रम्यास्त्र डेश्व छिन लामाहेवात छेरछात्र कविश्वास, छोहा इहेल आमत्रा खानातह আতানং সভাং রকেৎ এই শাস্তার্শাসনকে अकाष्ट्रिक अधिका अधान क्रेटिंड मृद्र লাইবার জন্ম বাজা হইয়া পড়ি। ইহার কারণ এই যে বন্তের গুলি ও আমানের ্রাণ এই ছুইটার মধ্যে কি সম্বন্ধ প্রাণী আৰুৱা জান। এ স্থানে বনুক হইতে জাল बिकानस्य आश्वाक छ विशंग दाणिशिव শ্বরের মধ্যে কি পার্থকা, তাতা জীবন রশার क्छ क्रांना महुकात । देवध्वानिक किंव अपन नवरक अटेडेक कानिया कुछ स्न ना। जिनि ্লেশ্বেল যে, বে বন্দুকের শক্ত এখন শেকা গুল দেই বন্দুক সাবার বে মর ইইটে বাহু নিষ্কাশিত করা ১ই হাছে ১৭ খনের ভিতর মাওয়াক কবিলে তাতা বাহিব চটতে শোনা নায় না। এই প্রকার শব্দ বিশ্বিক গড়--बिल वा विक्रफ क्रांनरक अधनाविक क्रिड ্ পিয়া তিনি ৰুলিছে বাধা ধন যে শব্দ বলিয়া कान यह बार्किक्ष नाहे। । संदे अक-बान पान मार्गा। अधिकार करेट कार करेंद्र करेंद्र के बार्च वक्कविद्यास्य बारकरणत नाम्न महि, कार्यान नामिक

त्य गमन्त्र अपूर्णार त्यन्त्र कत्रकश्चनि असाहि অবিনার, কড়শরমায় ও তারাদের ভারত मुठा किंद्र बाद विक्रहे सह। स्टेश्ट Car युनिएक भाग चाद है कि अविकास टेननियन कीवरमद माधादन कारमक देन मक्स গড়মিল ও বিরোধ থাকে দেই ভলিকে নাই করিয়া জানের রাজ্যে একতা স্থাপন করিতে গিয়া বিজ্ঞানের উৎপত্তি क्ता चार्खर সাধারণ জ্ঞান ও বৈজ্ঞানিক জ্ঞানে পার্থক্য এই যে জ্ঞানের যেটুকু একতা ও সামাতা वावदादिक सीवानक स्रश आधार्मन, विस्तान দেইট্রকুতে সম্ভন্ত হয় না। সে জন্ত বৈজ্ঞানিক-জ্ঞানে ঐ আদর্শটী আরও পরিকারভাবে ফুটরা উঠে। দার্শনিক কিছ এখানেও कानमंद्रास्यत मन्त्र्व कविनासि प्रिथिट পান না। ভিনি চান অস্তবের নিথিল বিবো-ধের আতাত্তিক বিনাশ, ও ফিল্লাস্থ অন্তঃ-কর্মের পূর্ণ পরিতৃপ্তি। তাই পাশ্চাতোর लोनीसिक हिंसात डेंटिशाम तिथा यात्र त्य. देवळानिक यथनहे मोस्ट्यत অন্তঃকর্তার একটা প্রদেশে শান্তি স্থাপুন করিতে গিয়া অন্ত একটা প্রদেশে অশান্তির স্চনা করি-য়াছেন, দার্শনিক তথনই সকল বিজোধের চর্ম শাস্তি কেমন করিয়া হইতে পাট্টি তাহা ্নিশ্ব করিতে বাস্ত চইয়া পড়িয়াছেন। কিন্তু মাপুষের অন্তরের দাবী অনত, ক্লীম, স্কুতরাং তাহার আনঃকরণের পূর্ণ শরিকৃত্তির একটা चामर्न माळ । अर्थाः दमोन्द्रकान महानित्र विक्रवास्त्र कर्न श्रवीक कार्याङ कार्याः कश्रता,- धश्रम वागन एक की जामगढिक वागिक कार्याः ट्रेंड क्रांबाट्य करण मिल्टिक रुपोडिश नक त्रवटः धनिएट ना पानि, जब्द ता क्रांबर

ি চিন্তার মহস্ক ঐ আদংশর দহস্ক ও গৌরবের স্বস্তু, এবং ঐ আদংশির দারা অন্ধ্রাণিত চইতে শাস্ত্রিকেই দার্শনিক জীবনেধ চরম গার্থকতা চইক। তীহারা এখন ভাষতের

সাধিকের ভাষার বলেন —
আমি মুক্তি চাই মা হরি,
কেবল আদিন শাইৰ চরণ দেবিব এই
ভিকা করি।

আমার চান যাত্রা

(পূৰ্বাহ্ৰতি)

[शिक्तातमाथ बल्लाभाषाय]

मनीएरब 'इजा' दिनांब निया, उन है। ইতস্ততঃ এমন করিতে করেতে সমুদ্র ীয়ে **উপश्चित श्रेवाय श्वका** कर १४ । अवस्ति। का भूत साझ, भूतम, मुक्तद्र भाकारी । सर প্রোরী সেখিলান : .क्षरकाक : 55 समिति । इ.स.च्या मिट्युवार शांभा का उट्ट ! अ का का का मार्च कथा कश्या खानियान, नाराहा राज्य कास कारबंद भएक मार्क धावारन व्यक्तियारक, दवर क्रमक्री भूज अ क्रांत्रहाइ। विशेषर वि. भव শ্বানের স্তিত ইংরাজ বাধ্যন্তর ২৫।৩০ টাকা হ**ইতে আরম্ভ ক**রিয়া, পদোশ্ধতির সঙ্গে সংস্ '২৫০।৩০০, এনন কি ভাষা অপেকা আধক বেতন দিয়াও ভাষাদের রাখিয়াছেন। হংকংএর **मिथ रेम्ब्य.** इरबाम मनकारवन अकृषि म्यार्कार्य মামগ্রী। এরপ স্থানিকাচিত স্থনীর্য স্থলবনার। **७ विकि शुक्रमर**मंत्र मभारवरम मन्धूर्म (अक्तिरमन्देः) 😮 श्रीणम गठेन कता महरू माना नाह । हेहाइनड পরিজ্ঞাদিও স্থান ও স্থানসূচক। রাজ---প্রথেষ স্থানে স্থানে, ইহাবা বেল এক একটি

সভীৰ স্বদ্ধ ওডাৰ্মন পোচা গাইতেছে 📂 জটনজা শিখ ট্রনিকের মাইভ **আলা**প इंदल : देशिनकि दिलल—"वाशासित @डायर যা একট কলব ও স্থান ছিল, - চীন অভিযান কাল স্বরূপ ইইয়া আদিয়া, তাহাকে আঘাত নিল। ইতি গ্ৰাম্ম ও সঞ্চলে কোন ভারত-দৈল কালে নাই,- আল্লেট স্বারো আসি-शक्ति, धवर धरे तापर १४, १८ नतकांत्र वाश-ছালের তৃত্ব পালন বা ব্যাহি, নাম জন্ত সম্মান ও আদর পাহয়াছ। এখন দেখিতেছি ছিল-স্থান নিরম চইথাছে; আজ ফি না সহস্র সহস্র ভারত দৈয়া, হংকাকে অর্ধপথে মেলিয়া, প্রদুর डेखर्र हीत्न २०१२२ हें।का विख्य शान विक চ**লি**শ্বাছে। আর কি সভকার বাহাছর **আম भित्र अहे** छेक्ठ दिस्म, आंड किम क्रम्ह्य তাও শত প্রদ্রো ইনান, এবং দেশে সাইবার জঞ্ তিৰ মাৰ্ক্তিক্সিন্তি ও প্ৰেয় বিশ্ব প্ৰেয়ৰ की ग्रांब के १ शपर सामारमा, देखा के जिलेंद्र দ্ভিত প্রায় এবই পর্যাবে ও ক্রেডারী রাখা

করিতে পাৰি চুট ই নালি গ্লোকটির প্রতাহক করিতে পাৰি চুট ই নালি গ্লোকটির প্রতাহক করিবার ও আভ্যান প্রকালপাইতে ছিল। কথা নিংকেপ করিবার জন্ত বাললান "অনুযানের উপ্ত ৪০টা ভর পাহতেত কেন গ্লাপর করিয়া প্রকাশন সম্বর্গ শেষ করিয়া বিশ্বিষ্ঠ কলিয়া।

দেশিকাম, হংকাগের ওহরে বিশ্বর নোবাহ কলাগের লোক, সিদ্ধানশবাসী, ও পাঞ্চারী, ব্যাইশা বাণিজা করিয়া থাকেন। কলিকা গ্রাও বোধাইনগরীর বিভার বিভারণী বেন, সভাথে সমুন ও পশ্চাতে পর্বতের চাপে স্কড্যর হইর। এক ক্র এইগালর নথো আশেয় স্বায়াছে। প্রাপ্তানী মুনিধানার সোকান্ত পুলিরগাছ; ক্রি, বেসন, প্রাপ্তর, শ্রেকাড়, শ্রেগান্ত চানাকচুর নবই হর্মান।

মানার উপর নের শাসাইটেছে, বিক পোলবা ও ছার অবসদ নাই কিন্তু চাকটি পোলবারে উলেকা করিব কোনা কান্তর এক পালবারে উলিক পানি বার না প্রির বার বার কালার বার্ডার কোনারে প্রার্থ প্রির ব্রুট লাগি বোর ইন্তার্ভিক, এক আন্তর্জ রাজ্য উরিহাভিলাম। এই পান্তির কনপুর কার্ডার কালার বার কালে পর্বর গালার বার কার্ডানার। বিবিধ কালা ও বারা বার কার্ডানার। বার্ডানার বারা বার কার্ডানার বার্ডানার বার্ডানার বার্ডানার বার্ডানার করেব বার্ডানার বার্ডানার বার্ডানার বার্ডানার করেব বার্ডানার বার্ডানার বার্ডানার

गर् रानव जानमामोद कवित्र स्पृत कार्यन আনিয়া গতিতক করিতেছে। ব্রতই - পথটি ्यम वमस्यासम्ब जानावया जूनिकारक। किन्द मावस्थातः सम्ब श्रीक । अवडि विमान (मोलगाउंग्रक मान कतिया विश्रोटः। विद्याला-গুলি ক্ষম-পৌরিত মন্তক পাজামা পরা পুরুষ भारत । जाशांसद ब्रुग कर्कम झाछ तह प्रकृत মার সৌন্দর্যোর ভার পড়িয়া, কমনীয় পর ्रम निर्देश सावाङ कवा व्वेदारिक । বন্ধানে • এরপ বেস্থারে ব্যবস্থা নাই; গ্ৰন্থ কি ভবে চীনাদেৰ "ব্যাসকাশী।" জামি ্কাম শিমই ফাচিগ্ৰন্ত নাত, ওলাপি এই, নৃত্যে কামার প্রাণ্ড বিজ্ঞোহ করিছে ইঠিল। কাৰণ বাধাকাৰ ছহতে যে ধৰ গল পোনা তি,ভালে তাখাতে প্রায় সকল সাক্ষপুত্রহ লালনীর মালকে পিয়া তেকিটেন, এথানে मामाभाद आहे श्रीतंत श्रीतः। र्गातकास्कातम् होता भागिनी ना धाकिरण त्रोर खनाकरहात 'द्रा है' उक्तिता काम फिल्डम र "বফারী" জন্ম হিলা, কর্মানার **সাভে**শ কুল धनुकूत्रक्र साधारमाहिल । कवा दशा, होजा মাণ্ড, মুক্তা, স্বপকে আশ্রয় কহিয়াক লেভেন

ভাগেৎ পাছা চৃটিব শীশ দেশে চাহিয়া পেৰি
স্বভাগ গাল কুয়াশাজ্জ । গেলানে বড় বড়
দৌৰ্থীন সাহোৰেল শন্যাংলো শিক্ষাইয়া বাস
কালে, ও শীতল বাস দেশন কলেন।
কালাৰ অপ্ৰচুৰ পোষাক-প্ৰা সন্ধানে লগ ভাবন চইল, সংগাটা প্ৰই ভোগ কালিতে হঠাৰ। বাংগানের উচ্চজানে অধিকাল, ভাগেৰা চিবাৰিন্দ উত্তে গ্ৰহ্মা, আমি নীচু গাওলার গেলাক স্টিয়া অধ্যান্ত কলিতে কলিতে বাবে সমুদ্র হাঁটো ইন্সিন হইলাফ। তথন প্রতি ক্রি পিছে হাইল ক্রি ক্রি প্রতিষ্ঠ হাইলাফ। ক্রিলেন ক্রিলেন ক্রিলেন ক্রিলেন হাইলেন ক্রিলেন ক

যাহা হউক,—ভৌকার প্রত্যাশার নড়েহয়া আছি, হতি মধ্যে ও'একটি, আনাদের দুহ্যাত্রী মাজাজীনজী আনিয়ী কৃটিকেন। তাহারা হৎপর হইয়া, এফখানি নৌকান মালিকের সহিত দর 🗫সাক্ষি আরত করিয়া দিলেন। भाषि ७ अवम ८ (मोरा इाडिएडर मादाङ,-পরে চতৃত্ত লাভা চাকেল। তাহাদের ভাষ্ট-গতিক লক্ষ্য কবিয়া এবং ঝড় আসম ত্রিয়া मानि माबिल कथा। ३९कवा: मण्ड इहेश. নৌকায় টিউঠিয়া প্রভিন্ম, কারণ আন **হতপ্ততঃ ক**রিলে ভাষাজে পৌছ**র্বার** উপায় शक्ति मा ,- श्रीमाक (मभ्य अवमान) ব্ৰিলান নাক্রলিস্কানা আমার এই ওরা (मिश्रिया विदयम विदयम अकेटनमः) ভ্যামি कांशामः जिल्ला गरेगामः ;- स्रोका शुक्तिकः, এক অভিকাই হবুল ও ভুফান অভিক্রম করিয়া व्यानासम्ब काशास्त्र कृतिया निष् । কাহাতেৰ মাৰাৱা বৰিৰ, 'ক্লিৰ থাকিছে'

जागह जागह बारिया देशी हिमादहर, राष्ट्र लान क्षेत्रस्थः । काञ्चामस्य द्वंन छोस्यः स्मः Tw phone white man decess t विष्ट्रे श्रीमण्य मा अनामि "प्रोहेर्स स्थाप्रीत त्मक्त भीच 9 इ कार्या केका अ कार्क ट्रिकेश বা বিধিল, ভাষাতেই মুখ চুন হইকা গৈল। महिरमान, वित्रामर्था आकृति आव े हिन, কিন্তু টাইফুন শক্টা বেন তাহাদের অংশকা ভলনে নের ভাবি ও ভীতিপ্রাদ বালয়া বেম १४४: शर्द, यनात नीधा कोशक : 📲 প্রিলেই হয়: ১বে আমানের সাহস্থাসীম 💆 ্রভাগতে টাইক্স কেশিবার সাগ্রাণ স্বয়ুর্য আদিল। কিন্তু নিজে জলে আকলেও আঞ डाञ्चाव अञ्चारमव अञ्च ६४४४ इस्का डिजिनार्थ. এবং উপরেব ভোকে গিয়া তাকাদের প্রাথাবর্জন প্রতীক্ষা কাবতে লাগিলাম। ১৮৮ উল্লোখন বৃষ্টি, বায়ু, বিশ্বাহ, তরঙ্গ, একরে মিশিয়া প্রকল হইতে লাগিল, ভত্ত আমাল এম তর্ম শামের श्रामनी मर्जारमत कुल हिन्द्राक छ। वासिएक गांशिंग। अग्रेम शक, विभारवार्त, निवाशम স্থানে আন্তর জালা। বড় বড় জালাভ ও শিমান ু পাল প্রটাউয়া, माज्य नामाद्रेश. एशद्रित (Danvas) के श्रीमसा देशनिन, চারিনিকে নম্মর পড়িল। রাজ নমটা ব্যক্তিয়া াল 🙀 ই য়ার্ড্ ('Stuward') আদিয়া ধৰিলেন "আপনাবা ত্ৰতে যামনি কেন थारतम मा 🐶 🏻 **भा**सि ७थम छो। अ १ कर्न কথা পুলিয়া বলিলায়। পুনিশ ভিনি ভীড इकेटनन, **अंभीनात्म**न ".a.० ८३ छटनाम जास নুতন পোৰে, অপরিভিত হাব। বিশ্ববীন এ বিষয় চিৰ্ভ দাভেবকে বিশেষ্ট করা উচিত, किनि विकास कार कार नार्वाट नार्दन

क्ष वाह इन्द्रिक के अवेगाव ज्यापि Tere Blackbeit, Car Aleb ein कार्यन ता कि नारक्यक किराई कवारे क्षित अविशास ।। क्षित् कर नवत त्या वार वारिय बह्या शाह बद्धकार एक कतिहा धक्छ न्वाद्रमान नागास्त्र पविद्वार मधानत स्ट्रिट व्यक्ति। क्षेत्रार्थः बनिरम्म-"बक्ते कि मार्टा तियो मान्।" तिथिए अधिए अभान ক্ষু সক্ষ আনাজৰ আহাতের পার্থে আসিয়া मानिक समार उन्नया वहरू मामान वह ক্রিকিক সমীয়া ভিজে বিভাগগলির মত **জ্ঞতি কটে নি'ড়ি ও দড়ি**র সাহাব্যে জাহাজের আমি বেন বাঁচিগাম, व्यापक स्टेकिन। ইয়ার্ড বলিয়া উঠিলেন Thank God

(क्षेत्रदक वक्तवाम)। বোসজা বলিলেন--"কিছু আর ব'লবেন ना, बांगनात्र कवा ना छत-भेगव भवकाव হাই সংক্ৰমে ! আড়া ৩০৪ বন্টা এই বড় বৃষ্টিতে ্রামানা ভিজেছি ; সকল রক্ম চেটা শেরেও **এক্ট্রা লোকো** যোগাড় হ'ল না; শেষে अवकान गारक्तरक वैदेव किटमन अरेकी ধাইরে তারির স্থান্তির একথানা লক-(इंफिन काल देखाँक)--नीक्स टान, ভারণর বাক্ষকে হটি গিলি তাই রকা। करीं कन्तरन जितिनी जिता, जाटक लगामी मिटा,—धरे राजिन शंक देरव्यनीहरू भाव बात जागहित मत्न सीर्यायन-११४ প্রচের আর বিক্তি প্রসাটিও গ্রেকটে নেই ! वसन गर्कात दहरें जातर शहर धार कांग करका कि जान रीकि ।" हे बार्ड कारकर he along timbers, inch

্ত্ৰ ক্ষরতার এক কাণ্ড ক'বে ব্যাস্থা ক'বা ; আমি নব সাল নার্কার কান্ ক'বারি হ'কেট নি চা পার্কিনে নিজি, বার নতটা লরকার চেলে কেবেন। বলেন ও এ সত্তে ভিনারও পাঠিরে দি।" "সেই ভাল" বনিয়া ভাষাকে বিবার দিলাম, কারণ তথন ১২টা ব্যাস্থান নিয়াকে।

্সলীদের অবহা দেখিয়া বাওবিকট কট **इहेटडिल, (यन फूटवा-कांगानी**! कार्यक हाक्किन, नारम नारम हा व मानिया ्नीहिन ; करम डिमान, - भार क्वारक जानक ষষ্ঠা ৷ কথন বিষ্ট, কখন চপের দলে চা চলিতে লাগিল; পাচুর উৎপাতে খাড়ুয়ো ছ'ভারধানা চপ্ পকেটে ফেলিল। আমি বলিলাম "বোদছা মশার্ট এত কট্ট আর ভর পাবার কারণ কি हिन ? ध नव उ' ह्याउँन खरान रान्। वकता सारहेरन बाउने कानामहे हैं है।" विश्वन- "त्न-त्भावादक ভাগ পালাড়েও স্থান পেতাৰী না 💝 বুৰিবাৰ— শোষাকটার জন্ত পশ্চান্তাগ ও বাক্তা সকলেরি বোসজা नियाद । ठिक राउँ किंद अञ्चासरे बाराव "দেটাও ডে' ভূলিনি; ছেড়ে বাবে हिंक,—क्षे --চাকরী বড পাওনানার, "भागमानामान-- भिष्ठ वान श्रावहे जात वहन करत ! साब अगत-वहे बीशास्त्र द्वार दगरमा कि शास्त्र रागरे र'डू।" जामि र्यामाम-"राजग्र तक न'न, श्रहासनित ग्रक्त बकार्यन, सात्र क्यान दक्तान जीराक काइमान बाँदर बीगावत स्त्र क्रिके स्वकृत कांग्रिका-"व क्या नगरन के किए द की का का क्रिके स्थाद भारत मी ; वह परम . गृहरीरक छात्र सहस्र यह क्रमेशाहर एका हा नि " बक्नाइ-"कर शहन कुर्गा करते कर levelus कर हैकि क्यात महिला कामारन स्य मि।"-इंडानि शंड दर्गाक्त स्थानिन क्षत्रिका छिन । मकुननात छात्रा क्यन-कामात একাকী প্রত্যাবর্জনের প্রাটা ক্লনিতে চারি-र्शन ;-- म क्लरही, -- वाशाद भारता किंकूकन मकत्म हेर-वह स्थानम मजनिम्हा हरन। সাহের স্টিত অনুমোদন করায় ক্রিগত্য আমি সম্মত হইয়া স্থক করিলান। ক্রনে পুলা বিপনীর বৰ্ণনা শেষ করিয়া, বখন ভাষার বিসর্গ কচ वर्शाः विक्रिकारमञ्ज नवस्तं. काः व मदस्य আমার অভিনত ব্যক্ত করিলাম, এক মন্তুনলার ভাষা ভিন্ন ভাষাতে আর কাগারো সহায়ভৃতি পাইলাম মা। সকলেই এক বাক্যে বলিলেন ---"ভাতে, দোষ কি. এ আপনার অস্তায় কথা, -এ সম্বন্ধে আবার মেয়ে পুরুষ কি ?--कुल निर्दार कथा। सक्ता-- वक्षा स्मार्थ,--তা দে টা প্রালোকের হাত থেকেই পান, আর পুक्रसंद शांठ इरटर शीन,--भूमा धक-रे। বাছারে ভার উতর বিশেষ আছে কি ?" বলিলাম--"তাই ত',--তোমরাও যে সে এক ইউনিভার্সিটার এম.এ, তা জানতুম না! কিছু সর্ভাজেও বে ভোমাদের এই প্রতাক শতাটা বুঝতে পারে না এই আশত্যা। শুনিয়া সকলে সাগ্ৰহে—"লে আবার কি !" কথাটা শুনিবার জন্ম স্থীরা क्रियाः विग्रितन । -श्रीयः

Pica wifen feince -un can efficiel त्रवीद्वात व्यक्तिका वार्गावाची करे - त्याम श्रक श्रक्तिक भविष्ठ भवक वार्त कर वर्णा वंत्राम लंबीविरंबात्र इते। तमहे निम ह'तक जिलि যহির্মাটীতেই ভরম্বর করে**ন** তিনি সে কালের শিক্ষিত ও দৌশিল লোক ছিলেন। পি চার কই मा हम वा दमवान दक्तिनक्षण अजाव ना स्थ-উপযুক্ত পুত্ৰেৱা দাধামত তা ব্যৱস্থায় মন পিলে चांत्र वारशत चन्नदम वन्नदमंत्र शत्रामन निरम् िनकान काकत ७ अक्षे बाधुनी धानन नियुक्त ক'রে নিশ্চিত্র হ'ল। কারণ — উপশুক্ত ছেলোরা থাকতে বাপের যে বিবাহের আর কাবকক হ'তে পারে না, অয়ান্তিই হ'বেছ সকলেই ইসারা-উলিতে সবজন বাবুকে এই সহজ ক্লাট্টা জানির দিবে। তিনিও সকলের সকল কথার ছেন্টি একটি ভি" ভিন্ন অভা বিক্লফি" করনেন **21**

দানত নিম পরে, কেই বিশেষ পরিচিত্ত ভাচির বাটুনি থেটে, সাবজ্ঞজনার বাধন কেবাল গাড়ী ক'বে বাড়ীর ফটকে চুক্তজন, ভার নহরে প'ড়ল—তিনটি আগবিচিত অভাগোজের খোটা মূর্বি! সেথেই ভার মুখে বিরক্তি আন অহাতি ফুটে উঠ্ব। তিনি নাটকে শা নিতেই, সেই ভিন মূর্বি—পিঠের শিক্ষাল গেখিরে নেলাম করলো। তিনি নেকিকে

ক "আমাৰ চীন বাত্ৰা"—অমণ কাহিনী পৰ্যাত্ৰ পঢ়িবেও, জ্বাংক বৈঠকী ব্ৰণ' কৰাই সকলে। কৰা প্ৰশাসনক নিজেন গতিপত্তি ব্ৰচ সকলৈ কাহায়েকৰ motion কৈ জ্বাং কৰাং কৰিছে কৈ কেইছে স প্ৰায়েশ্যৰ বীৰ আহাতী বিলঞ্জন। কাহিনাকেইছে কেইছে সেই কথাৰত আধিকা কেই স্বাহাই কৰা কৰান

শ্বিক্ত ক্ষা গিরে বৈট্রীখানার চুরাংলন প্রথমি প্রেটি থানার ছার ব'নাক বিবে বেশিনা ডিন প্রথমি প্রথমি বিবে বেশিনা ডিন প্রতির পরের দ্বানা হাজিব। কিছু বল্পার ক্ষানার ক্ষা

্শ্রমা এই ডিন স্থিত আক্রমণে, তিনি কেন নিকের বাড়ীতেই অসহায় অবস্থায় প'ড়ে গেলেন: আনে সর্বানহীর জনে উঠ্ব। জিল্লাসা করনেক—"তেম্বরা কেক্"

বাহান কর্মিল সে প্রায় প্রকিট করা,
বাহার চুল, পালপাটা লাভি ইরা বোচ, কর্প ধুলর
হাতের, প্রনের উপর রূপার করজ, কোমরে
গোট, আকুরে আব্যানি পাথর বসান রূপোর
আটি; পলায় একছড়া প্রারানের মালা।
বা রাজ্যাই আন্তর্মানে বলনে "ভল বাহাতর
বার্মানান্তি আহে "মৃচ্ কুলা" হাম সব কাম
ক্রিরেছে পাও লাবানা, ভেল লাগানা,
কাল্যা কুচানাও স্বক্ষল বাব্ আন্তা, বাস।
(ভানাকুর্বের প্রতি) তাহার কিছু শুনি।

সে বাজি-- বেঁটে ভোরান, থাটো খোঁচা বেঁটো চুল, চাঁটা গোঁদ, গোল চকু, কিট্-কিটে কালো, এক ,কানে মাকড়ি, পদাসুঠে আমাৰ আৰু কড়াই , ঘুন্দ হুডাত ইকি ভিনেক আ অকটা জোঁধ কলক পলাৰ কুনচে। সে কিটাল কথাৰি চলাচৰণ ডাঁকদারকে বিশ্ব শিক্ষাক ক্ষিত্ৰিক, ক্ষিয়েহে, শান্

त्र ने**र्वे अन्तर्भावकः । अन्यस्य सम्बद्धाः ।**

[®]সক্ষর (ভঙীয়ের প্রতি ∫ স্থানিত বিশ্ব শোলাক

কটা ছু চোলো ছাঁচের গড়ন, কমা রং কটা চছ, দাছি গোফ বৰ্জিং, মুখে ক্সন্তের দাল, প্রিদানে হলুদে হোবান কাগড়, প্রক্তাতে কাপোর বালা, অ্থর হাতে লার গালা কাপান শাহলী।

ইনি হেসে বল্লেন—'হামার। নামটি চনোকীলার ক্লেছ। লামি পারিরা নাকেনের সৌনীক

সৰজক ৰাবু সম্বর বল্লেন আক্ষা বাস্; তেইকের কে এখানে কাম্করতে বলেছে ?"

সকলেই বল্লে—"বড় বাবৃ বাহাল করিয়েছে; হস্তুর কাম দেখ্কে খুলী হবেন,— কুছভা কোটো থাকৰে না !"

সমজ্জ বাব প্রথমে ভাল কথার, পরে সরোবে তাদের বিদের হতে বল্লেন; কিন্তু তার। বাড়ী ছাড়লে না; বলে—"খুসী না কর্কে যাবে না।"

কিছুক্ষণ পরে এক উড়ে বামন জণধাবার নিরে উপস্থিত হ'ল। সংক্রম বাবু এজলাসের দড়া চূড়া বাধা intact ক্ষর্ভাতেই সেহ আরাম চৌকিতে অসাড় হয়ে পড়েছিলেন। বরে লোক চুকতেই, তার হুঁস্ হ'ল, বরেম- "কে" ?

বামণ ক্রাকুর - "প্রাক্ত ব্রিক্তার পাউচি, - আছিল পাক্ষাইছে ।"

শৰ্মৰ বাবু তোৰাৰ নাম কি গ বামৰ বাহুৰ উভান্তৰ;

THE TIGHT ATTIONS THE PITE

নৃতনের দাবী

"(अपि।मा ७ "अजा"

ি অধ্যাপক শ্রীস্থরেন্দ্রনাথ ভট্টাচার্যা—এম্ এ]

গত পৌৰ মানের ''অর্চনা"র প্রছের অণ্যা-পক শীয়ুক হবিহর শাদ্ধী মশুশ্র 'কিথাসাহিত্যে নব্দুগ্" শাধক একটি মতি উপাদের প্রবন্ধ লিগিয়াছেন ' বলিমচন্দ্ৰ, ববীন্দ্ৰনাথ ও মাজ खाप्रम (श्रुप्त (ज्ञुषा इनेएन डिन्न) व तिया । एमशाहे-भाष्ट्रम द्व बढ्मान भारित न 'मारूब' वा एसमाहि जोका। अडे भव निखर निमानीय कार्य अखिल সের উপদ্রুব বড় 🕬 । 💆 উপকাম যে সাহিতো লে এজনায় এ কথা তিনি স্বীকাৰ কৰেন তবে कौर प्रभादी का ब्राप्त सहस्र क्रमींड (कर् भाषा विद्यालया है ज्याली के लीकान কার্যাত বেশী, ধার্যে সাধারণ পাঠক ভগভাগ ''पृष्ठांश फालक भाक, कविहासा एउड़ क निश्नं किक्किर्म व्यक्ति भारताला । (मर कन ना हो में भक्ताना अवस्था ५ । र नादा कि भनाव इसम , अभाव धारा । नाम किंदिक इन्देव। 解實的と記す者もしてのの 金婆 紹介 とくれの 本 वनन कोतान हेम्शीन बाहर 🛒 📆 गर সাচিত্রতার সৃষ্টি করিয়া গায়ুলের মন্ত্রক নিবেত্র कब्रिट इंटेरन, 'छन (१) ठिखा बांबा कांबनरक ें छेन्नच क्रि.च हरी, बाह्य । अपनि से एक्सी मार्टा উপজ্ঞাসকের গ্রেম জন দায়িত এই কথাটি िक्ष द्वल प्रान्त अस्थल । अध्यक्ति हे अस्थिति । 🧸 े होत्र अवस्पत मस्या भराक छलि माहे कथा ৰ্শিষ্ট্ৰেন। তিনি একটা বড় কথাই ৰশিয়া-

ट्टन, ''এই সকল লেগক দিগের ম**ে अस्मिक स्ट्रे** শক্তি আছে সাকার করি। কিন্তু সেই শক্তিই कांन इट्राटक ।" 'अंडला'-'सूर्यन' कित्रवस्त्री' ও পঞ্চা চলকের 'আলা'র চিত্র দেখিয়া ছংখ হয় যে হল প্রতিভাষান সাহিত্যিকের হাতে রমণীয়। মান্তুযের মনকে যে চিত্র পালে। াপে টানিয়া লয়, পাপকে পুনাৰূপে দেখাইয়া দেয়' সে চিন প্রের হইলেও জেফঃ নহে।

ভাছ বলিয়া উপ্তাস নে নাতি**পাতে**র नियन मानिया हिलाल धनः शक्ताके भागीत ভূপতি একং সাধুর উন্নাচ দেখাটারে ইছা সম্ভন নতে এট ভেল, জুন, লক্ট্ৰাৰ লগতে भ्यति व भएकत क्षत्र २६ मा ध्व क्षा मुक्टबाई জানেন তবে কথাটা মানতে বড় প্রাণে জাগে। ্ণণ জন্মই আমিরা "বলে **ধন্মস্ততে**) জন্ধ" ই শ্রাদি प्रधानस काला मण्डनात जाक वृत्ति । १८५ स्थन 💉 कोल किस रिश हरेना यात्र उथन दक्षिणात कात्र क्षात है तमि तामात्रहें मन्दें बाजन अपने हैं। " भूगि नीर का अभाविष्ठात (त. म १

Maxwell Gray 9 : 1 Emile Zolas 300 St. For with र्वतिश्रो देखे । १८० १०१० ७ किन्य किन्य जाकि बाहेशीर्म जनर जनमा Purific 10-4 ৯৫ (ভচিনাইএড) খণ স্থাহার নামে নালিকা কৃতিত

করেন। তাঁহাকের বিশ্বাস Zola কেবল

Eulter কার্যাই কার্যার করেন। কিউ

Eulter কার্যাই কার্যার করেন। কিউ

ইনিল তাঁহার করা পভিন্নছেন তিনি কথনই

বীকার করিকেনা না ব Zola হুনীতির প্রচারক। তার চিত্রে কবল দেখিতে পাই ইউ

রোপীয় সমাত কি তীয়াল আছেন সিরির মুখের

রোপীয় সমাত কি তীয়াল আছেন সিরির মুখের

কীনের হুংশে ব্যথিত চইয়া পাারী নগরীর পৃতি
গন্ধন নরকে নামিরা জনসাধারণের চিত্র ফুটালিয়া ভুলিয়াছেন। তিনি কতোর বস্তুতারিক
(Realist) হিউপোর ভার ভাবতান্তিক (Idealist) নহেন। সেইকল Jean Valjean

আমিরা এই প্রসংশ স্থাসিদ ইটালিয়ন সমালোচক Signor Edmonds de Amicis এর কথা উদ্ধৃত করিব।

Zloa is one of the most moral nevelists of France, and it is really astonishing how any one can coubt it. He makes us note the stench, not the perfume of Vice; his rude figures are those of the anatomical table, which inspire no immoral thought whatever; there is not one of his books, not even the crudest in the langange that does not rouse in the Soul-pure, firm and immutable cities repugnance or scorn for the basis which he treats. He never bys to hideous women Inferious creatures and Dear one. Brutally, pitilessly, and without hypocrisy he exposes.

vice and holds it up to ridicule. standing so far away from it himself that he does not grze a Forced by with his garments itself that his hand it is vice shoute the injunction "Detest me and pass by." Zola कश्नड भाभरक attractive (वंद्रवीय) कदिया (नथान नाई। কাজেই শিক্ষিত, মাৰ্জিতকটি পাঠক পাঠিকাও তাঁগাকে আদর করেন। কিন্তু Reyfiolds কখনও আদৰ পাইতে পারেন না কাবণ তিনি ক্ষেবল মানবের কামনায় ইন্ধনই ব্যোগ্রিগাছেন এবং মানৰ সমাজের যে কিছুই ভাল নয়, কেবল কালো ইফার্ট প্রস্তিপন্ন করিছে চাহাল নিজেব উপরই কালি ঢালিয়াছেন। আশা করি চিন দিনই ভার পুস্তকবাদি একটা Standing nuis ance of जारकामा विकास श्रीवर्शाल ह अक्टेर्ब। यभि ९ टिनि aristocrat हा उक् দলের লীলাই চিত্রিত করিয়াছেন কিন্ধ ভাষা महा मगों कि दान भाहे (व ना ।

Zola ও Reynold-এর প্রসন্ধ নালাম এই জন্ম যে ফুলীতি কগাটা প্রয়ো করিবাব সময় বেন মনে রাখি কথাটার মর্থ কি. পুন্ধানী বিবেকানন বলিয়াছিলেন 'পাপকে মুণা কর, কিন্তু পাণী করুণাব পাতা।" কিন্তু পাণীকে (concrete) পাপ (abstract) হততে আলাদা করিয়া দেশা বড় কঠিন। সেইছিল আমরা জনেক সময় ভূল করি।

শালী মহাপর উদাহরণ অরপ 'দোটানা' ও 'ওভাকে' উল্লেখ করিয়া লিখিয়াছেল, "একজন সামান্ত পটুরার সংজ বিধবা রাজ্ঞণীর প্রেম বা, প্রকাশ বংশরের বৃদ্ধের প্রতি ক্রমণী প্রক্রীয়ার আস্ক্রি, রণের ক্রম্ভি লা করিয়া রসাভাবেরই প্রিকৃতি করে।" া আমার নদেও ইয় শালী মহালর বিদ্ধী তংগা থানা সাবিধানে ও প্রাণ দিয়া পড়েন নাই। এই থানে হারশান্তে ও কাবালান্ত্র হল বাধিহাতে, এবং লারী মহালয় ভারে ও শ্বতির নার্গানি একা করিতে গিরা রগতে বাধান করিতে গিরা বিদ্ধানি বিদ্ধানি বাধান করিতে গিরা বাধান প্রাণ বাধান করিতে গিরা বাধান প্রাণ বাধান বাধান বাধান প্রাণ বাধান বাধান প্রাণ বাধান প্রাণ বাধান বাধান

আনুষ্য অধ্যান কৰিতে পাঁরি শ্রের পান্ধী
নহাশ্য লিতী চাকে বছ আনর করেন — ন্থনকে ভা না কবান, একটু সান্ধাহের চক্ষে
কেথেন। এবং সে'। ও সভাগ ন্য। সাব্
ধানে ন্থনাত ববা করাই ভাল। কিছ
ন্তানবন্ধ চ একটা দানী আছে বায়ারতে
সীতা চারির এক, নহাভাব, গ্রুননাথ হিছ সাবে
দানি মধ্যে বাগ্র চারির পান্ধ সাবিতা সাবে।
তা পাই না। সীতাও আদশ, সাবিতা প্রস্কান ক্র ভালা। বিহা প্রাতন, সাবিতা শৃতন—কি ভূ

সেইক লাগ্য স্থাম্বী আছা প্রতিন্থিত্যা ও পিছারা নুকন। সেই হিসাবে জিলা ও বিন্যুকী নুকন। জগতে কুলা গ্রেছারার দাবে ছিলা। জলাও বৈন্যুকীকে বন্দ্রাক্রন, তবে নাগ্র হিসাবে এই ত্তালা আপ্নাদের নিকট নিবেশন কারতে চাই।

আর বে সমাজেব বোক 'শ্বংল্যা, ত্রাপাদী, কুখা, ভারা, মলোদরা ওথা, প্রক্ষকতা খবে প্রতাং মহাপা তক নাশনং, বিশিল্প প্রোতে গাডোপান কুরেন, দেখানে ''হৈমবন্তী' ''গুলা' অমুন কি বিশ্ব ক্রিয়াছে বে তাহাদের নামে জ্বানিবাইগ্রন্ত ক্রিয়াছ নাসিকা কৃষ্ণন ক্রিয়েন্ত্র মান্তবাৰ নাহিতী কাৰে অপ্রিচিত প্র মান্তবাৰ চিনাহৰ বাহ বিনি ভাৰত কৰিও শিল্পী। বিষয় হালি কাৰ্তবাৰ তালকেও বালালা দাহিতো পিউ-কৰি বা Prose-poet, এৰ আদান মানায়। তালাই হৈছি আৰু নেওয়া, বাৰ আদান, বাৰ বুহুত প্রবাহ্মা প্রস্তৃতি বিক্রান্তবাৰ বিষয় বুহুত প্রবাহ্মা প্রস্তৃতি দিক্রান্তবাৰ হিল্পান কলিও চাহার বিশ্বান ভালক তালার কাম কল্পান কাল তালাকল্পা, হের্নেকর বি তাল বার কাম সম্প্রান্তবাৰ বালালা সাহিত্য প্রম্বান্তবাৰ কাছে বিস্থার বোলা। এথক বেখা বাইকে বুহুলানের ভাতে।

লারাপুর আনের পুর্ভারির জীনদার ন শংলাচন মুগুষোর স্কল্বী যুবতা নেয়ে দৈনব না বালদেহতর প্রতিবেশী সুবদ তরলকে ভাল-বানে। ভবে শ্বতিশাসে এ ভালবাসা নিবিদ্ধ कारण देव्यवंदी दिश्वा | Law of Divinity শেষ এক Liw of Nature প্রেক্তির निअब) ६ वर्गन विर्वाध इश्र कथन Law of Nuture (প্রকৃতির নিয়ন)ই প্রায়া জয়ী হয়, দদিও Law of Divinity, বা শ্ভিশাস্ক उग्री : राल धापदा **श्रवी ३ठे, मृक्ति। लाहे,** নায় নজায় থাকে এবং সমাজ রক্ষা ইয়। এখানে দেই Law of Nature বা প্রায়ত্তির ক্র হতল, দলে প্রেম জন্জার আদিয়া দেটিছল। खन्न देश्यवहीत्क विवाश क्रांत्रीय अञ्चार ক্ৰিয়, কিন্ত বংশালাচন বিশ্বাবিবাহে মত দিত্তে भावित्मन ना । देनव प्रपद्धिनात्र छत्रम अवस्थिन दहन्। टेहमत्की जन्मत्के शहा নিৰাক্লণৰ একনাৰা উপায় সামাইটাৰে কত

কার্মাংস "নিয়ম্বিত মহাফলাঃ" ाड अप्नातन करत नारे, हिन् नगान **छा**शास्त्र শৰা করিতে পারে না। ভারে ছই পথ— ক্রাকৃতির চরন মার্গ বা নিবৃত্তির লেব। বেচারী मिनु। र बता कविन । असन समग्र ठाशास्त বাড়ীর প্রতিযা গড়িবার পটুরা রাস্নের ছেলে ाविकेन लाभाक वाहाहेल। (म हिन्सू वर्षे. কিন্তু ৰোধ হয় স্বৃতি পড়ে নাই। ভাবিল, "বিধবার এই লক্ষা ঢাকিবার একমাত্র আবরণ कि कार्णा अक्रकात मुठ्ठात ववनिका १ इ इ'ठा व्यानी এकमाक शृषितीय लां हा मान আনন্দে ব্যক্তিত চইয়া মৃত্যুর পথে চলিয়া যাইৰে ۴ গোৰ্জন হৈমৰ নীকে লজ্জা হইতে बैंहिं है वाय अन তাহাকে বিবাহ কবিল। এখানে শিক্ষিত হিন্দু বলিবেন 'ছি, ছি, কাজটা ভাল হয় নাই, কোন Woman's Refuge Home এ পাঠাইয়া দিলেই হইত। গোৰ্জন (बांच रह के मरवाम भाव माहे। এवर मान्ती महानद र्सांध इस बीकात कतिरदम मा रम छेश-क्यान के ग्रंड करमावरी हरू। এ क बाद होय-नारगंद्र मत्त्रन नव। । । विराय जाहर औश्रमध टोर्स्ट्री विश्विष 'कत्रमात्रमी ग्रह्म' পড़ित्म 'काना-ধন শলাকরা' আমাদের চকু উদ্মীলিত হইতে भारतः । देशव शिकः महेशा तम मःमात भारतम। थ बुद्ध भेकाव मःमातः। देश्यवटी उत्रमाक পূর্বা করে, তাহার তৈল্ডির সান্ত্রে রাখিয়া शान करेंबे उद्धानक निर्क जात्र दूरकत धन। **भागकन बाग्रास्त्र निकास्तर, भागक माज, रेहम-**र होते पानी नाक क्षण के बांव । विकास समया मात्र (काम देनकाम दानि मारे जार जमन हा ज्यानास्थ प्राप्त कार्ड । वस वस वान-ৰে সৰভা ইতাৰ কাছে ই

াগেবর্তনের অন্তরে বীরে বীরে প্রান্ত ক্ষৰণা প্রেমে পরিগত চইল। বিশ্ব এই ৰাতে Platonic Love চন ছ বৰ । মানীয় माक्रम शंख्या हरेला जात्र माक्रम बारक मा. ৰোগ হয় ভত হয়। গোৰদ্ধন 'দোটানায়' পড়িল—দেবীয় সামনে প্রতিজ্ঞা করিয়াছে বে হৈমবতীকে বিবাহ করিলেও ভাহার সঙ্গে कान रेमिरिक मक्क दाशिय ना। তা'র ক্তবিক্ত, প্রবৃদ্ধি প্রবলা। কেবল সংযম তাহাকে প্রবৃত্তি আর্গ হইতে রক্ষা করিতে লাগিল। হঠাৎ তরলের আবিভাব। এবাব ত্রক প্রক ১ তর্গরাপেই দেখা দিশ। হৈম-বতীর একমণী প্রেমে আবাত লাগিল, কন্ধ-লোকের দেৱতা আছু পশুকাপ দেখা দিল-এত बरङ्गत तथाम धनिमार इहेन। देशमव श्री विभिन তরলেদ সহিত তুলনার গোবর্জন দেবতা। এই খানে হৈমবতী দোটানার পড়িল —এ যে সতাই 'দোগাচণ চিত্তবৃত্তি.' হৈমবতী আত্মরকার এক মাত্র উপার আত্মহত্যার দারা এ দমস্থার সমা-धीन कविन।

চারবাব Robert Browning এর একটা
লাইন উদ্ধৃত করিবাছেন, "How mad, how
sad, how bad it was"—গোবর্জন mad
কৈন্দ্রতী sad আর তরল bad; সমাজের চোথে
গোবর্জন বে পাগল ভাষাতে আর সন্দেহ আছে
গ্রাধীচিও এমনি পাগল ছিলেন, নজিলে পরোপকারে জীবন দেন, Christ ও পাগল, নইলে
ক্রান্দ্রতীর অপ্রভাগ ঘটিত না

বংশলোচন তাত্তিক, তবে প্রথমকার ব্যক্তিত। মা আহক পর ছঃগঠ বিবাহেন, কিন্তু মান্তের বেজারা ছঃলকে জিনি বরা বিদ্যাই প্রথম ক্রিয়ার্কে । ১৪ একবারে

संस्थाती करा चुक्क अर्थ क्रिया करा देश बढ़ीर लोडेंड स्वाह क्यांव करिक, जिन जारात्व शांकि क्रिया छोड़ाहेश मितन, कातन जिमि मार्ड किस कीद, मरश्रात्वर माम । किस कन्ना रथन त्यांक्रानंत माल श्रहणांश कतिन, नमान छोड़ाएक द्यमना मिल, छिनि निष्परक নিজের মধ্যে সংহত করিলেন, তাঁর সব গ্রংখ रकना घाएक निरम्भ क जिल्ला । দিন ভনিলেন হৈমৰতীকে গোৰ্হ্মন বিৰাহ • করিভেছে - - - তিনি বিবাহের ও জগদন্তার অংশকাদী পাঠাইয়া দিলেন। ইহা দারা "যিনি সৰ পাপ সহেন ও অপরাধ কমা করেন সেই দেবতার নামে এই বিবাহে সম্মতি জানাইলেন।" এখানেও সেই Law of Nature শস্তান বাংস্পা Law of Divinity বা সমাজ শাসনকে পরাভত করিল। কিন্তু শান্ত্রী মহাশর বংশ-লোচনকে এই জন্ম পাগল বলিয়াছেন। ভবে क्षांग ठिक-'वामात्क्ष्मा' ७ भागन, ताम-প্রসাদ ও পাগল। তংখের বিষয় এমন পাগল বড় বেশী দেখিতে পাই না।

সমাজবিদেরা যথন শাস্ত্র আলোচনার ব্যাপ্ত—"শ্বতকুস্ত সমা নারী, তপ্তাঙ্গারো সমঃ পুমান্"—প্রভৃতি শাস্ত্র বচন উদ্ধৃত করিতেচেন তথন বংশগোচন তাঁর সর্ক্রনানী মাকে গব নিবেদন করিয়া দিয়া ডাকিডেচেন—

"ন তাতো, ন মাতা, ন বন্ধুর্ন দাক, ন পুজো, ন পুজী, ন জ্তো ন ভর্তা, ন জায়া, ন বিভা, ন বৃত্তিম নৈন, গতিস্থঃ, গতিস্থঃ, জমেকা ভবানী!" বংশালাচনের ভাষ স্বদ্যবান্ ভক্ক বিনি ক্ষিত্তি

গুৱাবৰ্ডৰ অভিক্ৰিক শাইল, বিশাসীক जन्मनीरे डाराम अन्यांक मक्ता। व्यक्तिशिष्ट्र वर्गस्त्रात्मक वर्षे वर्षे হৈ প্রারী করিছে। ইংমক্তীকে সেই ও একা Colore समित्र, धरा भागत भतिहा ति বিশ্বর ভাকিত। গোবর্জনকে রাখিনা হৈমবতী ও তর্গের প্রেন কজায় পৌছিল। বেচারী তরশের থেজুর বদ পাওমান অর্থ ব্রিতে পারে নাই। এক ওরাচভূদীন ब्राख रेटमवटी यथम करन प्रविश शायक्त ভাহার প্রাণরক্ষা করিল। হৈমবতীব লজার কাহিনী শুনিয়া শিহরিয়া উঠিল এবং হৈমবতীকে সমাজে বাচাইতে গিয়া সমাজের থড়েগ আৰু-विभाग मिल। "देशविधक नाम भाव ही বলিয়া স্থীকার করিয়া, সম্ভানকে পিতৃনাে অধিকারী করিবার জন্ম অস্থীকার করাতে" देश्यव है। এই मीन अद्वेशांक विवाह करिएड শ্বীকার করিল। সে তথন বুঝিল না এই শ্বীন পুট্যা কডটা ত্যাগ স্বীকার করিয়া ভাষাকে রক্ষা করিল। হৈমবতী 'বিধবা বৌ' বলিগ্ৰা প্রিচিত হটল। গোবর্দ্ধন প্রেল প্রেল নিজের জীবনকে বঞ্চিত করিয়া হৈমবতীর সমস্ত, শুজা, বেদনা ও মানি বহন করিতে লাগিল। ভালার মান্তব বাচে কিন্তু পোৰ্ড্ডনের আশা পর্যান্ত किन मा।

বেদিন হৈমবতী তরণকে পাইন গোবর্জন বৃষ্ণিল তাহার আর কোন প্রয়েজন নাই, কি ত তরল যে তাহাকে ব্যবধানে রাখিলা ভাহাল ধর্মপত্তীর সহিত অ্বাধে মিশিবে হয়। গাহার পক্ষে করা অসম্ভব হইল। বৃষ্ণি ভাষার আত্তবালার সালাত লাগিল। বি ক্ষেত্র प्राच्या गांवरक स्थाप । त्यन मा रंग **पा**रिया श्रीकाण रक्ताकी करी रहाक श्रामित ना अक्रीरेन ८७ टिल्मिकाटक जीवन जानि क्रेक (वर मध्य ट्यामानव मासवात्व जारम गार हिलाम, आसार जानामा जानाम महत्र त्यर नाइ । देशकरी बारकुण क्रहेश ट्यायक्रिकर क्षेत्र मिटक मेच जूनिका विनिन 'आर्थि (र হোমার ভাল বাসি', গোইছন পরম স্তব্ধ হৈন-बढ़ीन नगाँठ पूर्वन कतिया विनन 'ा आमि কাৰি। আৰু তোমাৰ মুখ থেকে এই কথা क्रमणाम- केर आमात कीवरमत প्रतम भूतकात, চর্ম লাভ। আয়ার জীবুন ত দার্থক হরে (अन्। जुनि जामाद्र यथन डानवाट्या, उथन आमोरक मिथाविनी करत बिस्कत क्षेत्र स्वारत बाबटक बाब ठाइटन ना।" এইकाल देश्यव टी গোৰ্জনের মূরণ সকল নিবারণ করিতে গিয়া প্ৰায় কৰিছ আদিব। গোৰ্ডন প্ৰেম নদীতে निनान क्षिन, किंद्र नीत हूँ हैन ना। छाई रनि, स्थानक अनुका स्था । इंगात गर्सा এक छ। ক্ষ্মী বলিয়া রাখি। চাক্বাব গোবর্জনে বে সমস্ত অশ আবোপ করিয়াছেন তাভা একজন অশিকিত পটুয়ার পাওয়া বার না। किस true to life के करने इस नाहे। आह विमाद अशास व्यवश्रीम श्रेशांक । महन केविहरूक पामनव। त्यावदानक back ground अकडू मानानगर श्रेटल अह लागकूर 中間 報表の

Bender mit will unbeit fofeinichen क्षिणकार तमा नक्ष प्रकार दावी Company and one fabring THE WITHOUT PROJECT AND W THE PROPERTY OF THE CHAPTER

क्रिवर्शिक श्रीकार्धक

CHANGE STATE STORY IN MICH. WHEN THE PER CONTROL OF अटिका। किंद्र गाइएवड ट्याएड खंड आहरू. (कर बरान ट्या, टकर सोगी ट्या, टकर विन প্রেমে বিভার অবং কেহ বা ভগবৎ প্রেমে পালন। প্রেম মহন্তামের উল্লেখন করে। जूननीक्षाम बनिवादक्त विसा दश्य में ना मितन नम्लाना'। Hugo विनिद्याहन "Love is the salutation of the angles to the stare." এই প্রেম বস্তুভেদে রূপান্তরিত হয়। আমরা আশা করিতে পাঁরি না পৃথিবীর সকলেই छग्रें द्रारम भूगात्र गंफांगिफ मिरव ; कांत्रन. ভাগ হইলে এ বিশ্বটা হয় ত একটা Lunatic asylum এ (পাগলা গারদে) পরিণত হইবে । প্রতিনার আর্তির সময় তৈনবতী প্রতিনার তন্মন্ন হইতে পারে নাই। কারণ তা'র প্রাণের দেবতা ছিল সামনে। 🕮 রাধিকাও খ্রামাপ্ডার ষন বসাইতে পারেন নাই—(যদিও আন্তর্নি ঘোষ ও জটিলা কুটিশা ভাহাতে অধী হইত) তিনি স্তামের প্রেমে ভগায় ছিলেন। তিনিও একদিন कांनिब्राहित्सम-- 'गांथ श्राम क्राम मकलहे शिल স্তামাপুলা মোর হোল না। অভএব হৈম-व ीरक त्रांव रह अर्थ हरने मा । छात्र इ त्थारमेत क्ष्महे इहा उद्द - कि खंद मध्य वृत्ति ए अक-पूरी कंदा। अरे त्थारमद्र श्लाट्टे विवर्गमहोनेत मार्ग तब्कू सम स्व, नकुलनात वात वहेरठ আতলি কিরিয়া যায়।

क्रमबद्धीतक गृहजात क्रिक हरेन निवन नका मिनवात स्थाः किय कार्याः निर्धारक त्यन्त्रा भगारेट क्षेत्रवर्ध कि मनक त्यनगर भारेशा विवादक मध्य विकास

ক্সাৰ্বায় ক্ৰিনিটি ক্ৰিক্ষায় কেন্ট্ৰীতে পিতাৰ ক্ৰাৰ্থী ক্ৰিক্ৰিটে ইক্ৰিটীৰ সকল ক্ষাৰ্থ মাৰি ক্ৰেচন ক্ৰিয়া দিশ—সেইদিন সে শাসনা পাইৰ ১১

্র হৈমনতী জোক্জনকে বিবাহ করিতে ব্যক্তা পাইরাছিল কিন্ত গোবর্জন বধন প্রতিমার সামনে শপথ করিল বে বিবাহের পর তাহাদের মধ্যে কোন গৈছিক সম্বন্ধ থাকিবে না তথন হৈমবতী বিবাহে সম্মত হইল।

হৈমবতী সভাই তরলকে ভালবাসিশ্বছিল। সে প্রেম শুধু চোধের নহে, দেহজ হইতে পারে কিন্তু তরলের অন্তর্জানের পর আহা দেহাগীত। নজুবা হৈমবতী তরলের খ্যান মাত্র অবলম্বন করিয়া ব্রহ্মচারিধী হইত না।

কিন্তু রক্ত মাংদের তর্ল ধ্বন Gay Lotharia करण रमश्र मिन, देश्यवंडी निश्वित्रा উঠিল। জগতে (Ideal) আদর্শে (Real) বান্তবে এতই ভকাৎ ৷ তরুল বলিল "ঐ চাষা পোটো ছোট ইলাকটা সমস্তক্ষণ বাড়ী আগ্লে বসে থাকবে, এতে আৰীর লাভ ৷— ষেন কথামালার গল্পের গোড়ার দানার বান্ধের কুকুর (dog in the Manger)—নিজেও ভোগ কোরৰে না, পরকেও ভোগ কোতে रमर्द ना। यरक्षत्र धन वांश्राल वरम धांकृरत ! এঞ্চন চোরের উপব বাট পাড়ী করা ছাড়া আর কি ?" হৈমবতী বলিখ আমাদের উপায় "তুমি চলে যাও, ভূমি 🐃 वामात्र काष्ट्र प्रात्मा ना।'

হৈমবতী ব্যক্ত দেবিক গোবৰ্জন আছ-বলিদানে ঠ চসংস্কৃত, পিছুতেই ভারাকে মৃত্যুগর ক্যেক হইতে কেরান যায় মুনা, তথন সৈ নিজে মহিলা গোবৰ্জনকে বাচাইতে ছিয় ক্ষাঞ্চন বারে থাত বুলাইকে বুলাইকে উদ্ধানত কালা
কঠে চালিলা বলিল তৈলালাল নাহে হুবে
বলাই, আনি তোনার বীত নুবালা কলছিত
করিন, তোনার নহবের কললান আনি হ'তে
বিহনি।" গোবর্জন সাহানা দিবার হুরে বঙ্গিল
ভাবার ও কথা কেন ? আনিত কালি ভূমি
আমার ভালবাস।"

শরণকে শিররে করিয়া মানুষ এমন হাসিত্তে পারে ও সহক ব্যবহার করিতে পারে ইবা ভাবিয়া হৈমবতী বত আক্র্যা হইতেছিল, তালবাসাও আবেগমর হইনা গোবর্জনের নিচক ক্রিক্রিল।

হৈমবতী মোৰৰ্জনের পান্নে হাত বুলাইতে লাগিল। গোৰ্ক সুমাইয়াছে দেখিয়া হৈমৰতী উঠিয়া শাড়াইয়া গোৰ্জনের পারে মাখা ঠেকাইরা প্রথাম করিল। তারণর তরলের ছ লামনে হাঁটু গাডিয়া ভূমিষ্ট হইয়া প্রণাম করিবলী वक्षिमसम् (इर्गाक हुमूत থাইরা আলো নিবাইয়। দিল। তথন প্লাবণ বজনী। বাদল বাগিনীর দলে বৃটিধারা তাল দিতেছিল---'अभ् अभ् अभ् । তারপর সব শেষ। देशवरी श्राप मित्रा शृथिबीत निकरे विशेष कहेते। कवि बिलाटरहन "लागिनाव বেগ মধ্যপথে চলাই প্রাকৃতির নির্মা। গোৰ্ম্বন ও উরপের ভালবাসার মেটানায় গড়িয়া मानायांन रहेरक मंत्रिन (रमवटी"। मान्या नान, क नक्ष मार्थकं। भाकी मराशा मार्थि रथम (३.४, १३० जालेज त्वर्षे a Cortain वर्षे नाहे जुनी में इस ध्यक है स्मानारक्ष्य कविता निष्ठों सम्बद्धि स्विति

Cardelias কোন-কাতি হাত না। তার Bibg Lear নাটক পানার বোধ হয় অপমৃত্যু কোন, এই যা কাতি।

ূ এইবার আন্তন একবার "ভড়ী"র খবর कहे। दाशका नाम बात्मकर जातन-छोड Dacca Law College A Pipcipal এবং বাসুলা দেশের একস্থন बाइनामा यहाना मनीति। তিনি যে প্ৰয় ভাইনজ ভাষা সভ্যেনের দাতবার বিচারেই এবং ভিন্ন আইনের' ব্যাখ্যায় অনুমান করা যায়। क्रांत राम '(उँकि यार्ग शाम अस्म अस्म।' একশ মনীয়ি বধন সাহিত্যের সাসরে নামেন र्थन विगार क्ट्रेस भ कि नुबन् क्रास्वित ে:মন্ত্রানী क्ट्रेंटब. সাহিত্যে নুত্ৰ আৰাং তাঁছার 'অগ্নি-সংস্কার' ও 'বিতীয়-क्ष्मिर्य । প্ৰক' পজিয়া হতাশ ইইয়াছিলীৰ কিন্ত 'শুভান' হোর স্বরূপের পরিচয় পাইলাম।

প্রতিভাগেকের পক্ষে নভেল লেখা বড় কিন, বদি দেই সক্ষে গ্রহণ প্রতিভা না থাকে। কিমচকা, শ্রংচক্র ও নিরুপনার হারা দেই যতক্ষ প্রতিভা পাই, সেই জন্ম উলিপের ইপক্তানের মধ্যে কোগাও জড়তা নাই। স্বঞ্জন হতিত নূতা করিতে ক্ষিতে ভাবের লহরী ভূতিয়া চলিয়াছে, ভাষা জৌহলাদের ভারে ভাবের বোষা মাগাধ করিয়া ছুটিয়াছে। নরেশ বাব্দ ইপ্রের মাগাধ করিয়া ছুটিয়াছে। নরেশ বাব্দ ইপ্রের মাগাধ করিয়া ছুটিয়াছে। নরেশ বাব্দ ইপ্রের মাগাধ করিয়া ছুটিয়াছে। নরেশ বাব্দ

নি বে ভাবস্পাদ ল্ল সাক্ত লে আনিলাছেন সৈ জন্ম প্রব্যেক শৌল, নাকি লক্ষ্য কার্ড নিকট ছত্ত শাল্যকন পশ্চাল স্বলানী Reports বা সমাজগোহী নথা Ibean, Med Norden, Bedward Carpentar, Strindberg এবং Bernard Shawa বাৰী কিনি বালবা সাহিত্যে বহন করিয়াছেন। 'ভল'ব উৎসংগী দেখি Dostrivakya Reskobnicopp, Sonias পদত্রে জাতু পাতিয়া বলিভেছে—"I bow down to suffering humanity"—ভার উপোদ্যাতে' দেখি Bernard Shawa Preface—ভবে সোভাগ্য নেটা সংক্রিপ্ত।

নিবারণ চন্দ্রের পদ্ধী শুভা স্বামীর পাশব ব্যবহার সহু করিতে না পারিয়া গৃহত্যাপ করিল। কাষটা প্রকৃতই অস্তার, ইংরাজী সাহিত্যে East Lynneএ এমনকি Oscar wildeও Lady windermere's fand এই হঠকারিতার শোচনীর পরিণাম দেখিতে পাই। গৃহত্যাগের ফল বে সব সমাজেই নিন্দানীর ইহা আমরা জানি এবং ইহার কত্য দে শুভ নহু ভাঙা উলা নেনাকের মাথায় না মানিলেও আমরা মানি। কিন্তু "যা'র সাগা দেও জানে, জানে কি পরে দ" কি বেদনার এই হতভাগিনা নারী গৃহত্যাগ করে ভাহা ও আমরা জানি। Provocation বা কারণ ছিল বর্পেষ্ট।

নিবারণ একবারে পশু ছিল না। মাঝে
মাঝে দ্রীকে আদর করিত এবং বদিও শুভার
গভের স্থান হুই হুইবার পদাঘাতে নই
কার্মাছিল কিন্দু শুভাকে অল্ কেই গালি দিশে
শুভার হুইয়া কগড়া করিত। তবে হুঃথের
বি হু শুভার মধ্যে আত্মসন্মান জ্ঞান নজাগ
বিত্ত উঠিলাছিল, পিত্রাগদ্ধের শিক্ষায় ভাছার
ব্রেদ্ধ মার্জিত ও বিবেক্ত উত্তর ইইলাছিল।

উপযুক্ত স্বামীর হাকে প্রক্রিক ক্ষতা বে আদর্শ नहीं, वाक्न अन्ती इटेश नगांकत कनां সাধন করিতে পারিত দে বিষয়ে অকুনাত मासार नाहे। एक माधावन नाती इहेटन নিবাৰণচন্দ্ৰকে গইয়া দিন গুজৱান করিয়া বিত। কত শত হিন্দু নারী এমন দাবে জাবন বহন কবিতেছে ভাষার ইয়তা নীই। কিছ ওভা নিবারণকে সহা করিতে পাবিল না। দেৱী-চৌধুরাণীন উপদেশ স্মরণ করিল। क्रमास्त्रहरू জীবন ভোগের জন্ম নহে', ফর্রা সাধনের জ্ঞা--জীবনের প্রয়ত আদর্শ নিব্যার সকলের জন্ম আতা বিস্ঞানি" কিন্ত এ উপদেশ মনে লাগিল না। ভাবিল সংসারে একটা ছোট শিশু থাকিলেও তাহার জীবনের একটি লক্ষ্য পাণিত কিন্তু দেখিল সৰ শতা কেবল লাখি ঝাটা তিবস্বার সেই শুন্ত জুড়িয়া আছে। মনে পড়িল সেই সঙ্গে ডোবাব জীবনী, Florence Nightingale अत्र क्षाप्त, Mrs. Besant এন বৃহত্তর জীবন।

শেষে স্থিব করিল শ্বরে থাকিলে শ্রীর বৈচিয়া বাচিয়া পাকিতে হইবে, বাহিরেও না ২য় গ্রহাই এইবে। কিন্তু স্বাধীনতা চাই, মুক্তি চাঁই: জীক্ষাটা দার্থক করিবার একটা অবদর হাই।

শুড়া গৃহত্যাগ করিয়। পিয়েটারে গেন।
সেথান হুইতে টাপা তাহাকে নিজের আলেয়ে
লইয়া গেল। টাপার হার্চে পড়িয়া শুড়া
নিজেকে গড়িয়া তুলিতে লাগিল। এনন সময়
এলবাট থিয়েটারের ম্যানেজার স্থারেশ বাব্ দেখা দিলেন। শুড়ার সন্দেহ হুইল টাপা ভাহাকে বেটিয়া টাকা উপায় ক্রিভে চারা।

নপেজের সহিত সাকাৎ হওয়ার সে বৈন খুকি পাইল। নগেন গুড়াকে লইয়া মাৰ্থের পাড়ায বাড়ী ভাড়া করিল। তিনটি দিন ভথকালের ভিতর কাটিয়া গেল। ওভার জীবনে এই ভিনটি দিনই পরম দিন-ভঙ প্রোভভাবে শ্রেম সরস, কারণ সে জাত্মবিশ্বত হইয়া" নগেনের প্রেমে সম্প্রল ইইয়া গিয়াছিল। বৰ্ণাটা পড়িয়া মনে পড়ে Anatole France 44 Red Lily Thorese & Dechartre ক্যাওনী। খামবিশ্বতি ও স্বপ্নই ভ জীবনের প্রম স্তুখ ভান্তি এবং সেইখানেই বোধহর, জীবন জীবন-ক্রপে দার্থক। হতভাগিনী ওভার এই তিনটি দিন শ্বব্ৰণীয় ও বৰ্ষণীয়। কিন্তু শাস্ত্ৰী মহাশ্ব জার রেলধ সংবরণ করিতে পারেন নাই। তিনি সংবাবে খিথিত হছেন, "ঘটনা চক্রে আবার য়খন প্ৰাৰ পৰিচিত উপপাত্ৰ সহিত দেখা হইল সাহেব পাড়ার সাজান গুজান বাডীতে যথন 'ছভা' বিশাসের উপকরণ রূপে প্রস্তান করিল ভৰ্ম ভাষাৰ যে বিকট প্ৰেমেৰ ৰাখ্য লীলাৰ উল্লুফ চিত্ৰ প্ৰানুষ্টিত হউবাছে তাহা বীভংস বসের উদ্দীপ্ৰক"। শাস্ত্ৰী মহাশয় কাব্যাদৰ্শ, কাৰ্য প্রকাশ সাহিত্য দর্শন পড়িয়া রস নিশ্চয়ই আয়ত্ত করিয়াছেন। কিন্তু ভূলিয়া গিয়াছেন বোধ হইতেছে রেছি রম. ভাগ দিয়া আদি রমের বিচার চলে না। িনি কি "জমদেব" "বিষ্ঠা পতি" "ভারত চন্ত" কুমান সম্ভবের "অষ্টম সর্গতে" আন্ধান্ত দিয়া কাৰা জগত হইতে বিদায় कडिग्राभिटङ ठान १

কিন্তু এত আনন্দেও ওভার মন সৰাগ ছিল। "সৈ এ ন একটা তুক্ত বৈরিনী বঁট আর কিন্তু নয় এ কথাভাবিকে ভাষার স্থান তেল- শাস্ত্র করে উটিল "এমন সময় তৃত্য শাসনের বিশ্ব হিলার চিঠি পার্ল, এবং স্থিব করিল চপলার প্রেমের স্বপ্ন দে ভাসিতে দিবে না। তার বুব দিন নগেনের দাদা এটার্লি স্থোক্ত বাবু চাবুকু মারিয়া। ভভাবে বাড়ী কুইতে ডাড়াইফ দিল এবং এই কাপ্সক্ষভার জল হাতে ধাতে পাইল।

ইতিমান্ত্র করা এক Roman Catho lic convent এ মাদার, ক্রিশ্চানের প্রঞ্জালাপ করিয়াছিল। তিনি করাকে I'ro বাহেনা হলে কং গাং বালা সাম্বনা দিলেন, জ্রান্তির উপাদশবাধিন, প্রতিত্ত ও প্রথ পাপীর আশার বাণী প্রোশপানী ভাষায় মতেও বুলাইবেন, করা প্রতিনে Spiritual life বা আলাম্বিক জীবনের আসাদ পাইল।

ভ্ৰা ভ্ৰম্মান্ত্ৰিত * তা'ন পিম্ভা •া ভাট সতীদের আশ্রর এইতে শেল। চত্র্ দিনে কলিক। গ্ৰন্থ ফিলিয়া ভালিক। এচন §*৮ ট ডাঙাৰ একখন আৰু বইচ চা এলং भागान ए सर्हरू वातुन मधान कार्य छन। क्षांहरताही क्षांख्यार नाम किनिया परोहा। এমন কি স্থানিকার আবে দে ওটগানি নাটক ন্ধ 🚁 । তেওিব । ভয়াৎ মাট্ৰ পৰিবৰ্তনের জন্ম भाकिकार किया लांचल क्या क्या विश्वे मामान ना में। निर्देशकास्त्रिक राज्यम कार्यक .भाकः ,कानदा क्रोनेमार्छ । おがたち (円 बिट्डाप्ट, एतम् श्री विकास 190 নিবারনের দহিত স্কেশা হওয়ের কলিকা। র व्योगिन। . शाक्षात्का विकास क दिशा नियान इस देशनीएक अपन होत गर्म भा দিয়া গুলী কৰিতে পারে এই ভাগান ওতা किरेशम शहेल, बाबी क्षेत्र प्रकृषि ए माफरवर

দেবার জীগদ স্থ इंश्टिड धार्मिनिरनिष्क छार्याङ Perfume of াপের মনমন্ত্রান পোরত কোথায়ও পरिनाममा, काटबरे रेशाउँ धूनै कि वा अभीनका আবোপ করা চলে না। এটা মনেব ভ্রম। **लिश्व ए** एड्रे प्रकारक खासक र्जात महमा छेल ফিও কৰিয়াছেন। সমাভে নাবীৰ তান কোলাৰ এই প্রধান সম্ভা, এবং তিনি লানা দিক ভ্রতে यह म्याप्त केन्त्र भिट्ड (Bir क्रिया) हम । মকল স্মান্ত্র প্রমান ও স্থোন সংক্রিক বে বিবাহিত জাবেনত নাবীৰ এক মাল ক্ষা। मार्गा है। उपलब्द निर्मा करता <u>्रमामा वृद्धिः भवत्रावतः - लोक्स्यापना , सर्</u> कमा काल, भड़ी कटल भाग काल कहि तरहा कविर १८८२ । भरमार्व सांश किन्न प्रभुव, उक्रायण क्षिक भारत जार्रिक क्षार्थ । विश्वास के किस समाय মানার পঞ্জে বিয়াহিত গদেও ছাতা। আর হবাত ্বিছা শ্রাণা ক্রিছেছ প্রের্বা, ক্রেট ব্ল ন'লাকৈ কললগ্ৰ নাৰা আগছে লা না প্রাণিত্র কোন নাই। সংস্থারেল কোন ব্যাস্থাই নিৰ্দেষ বা নিৰ্ভাগ নতে : আধনিক গাশ্চা : अपार भार जिल्हा रहा है। तम विकास मान रहा देवार्पित क्रिया हिला भाषात्मात्र कानकाक् दक्षके अंग्रे हिला र रें। इंट रेंट मा एक , नामानी के प्रकाप नी कर है दन धनामा भगा, छन् इसम्य दिक मगा, प भव भ दीत धीतम द्वार भन्न आर्थकांक ध श्रीहिन এবং বাহ্যা জাবনস্থশাস্ত্রিয়া। ভাষার প্রিদর কুদু হছতে পালে কিন্তু পাক্তরা জগতের তুলনার আয়াদেব সমাজে স্বামী স্ত্রীর মধ্যে প্রীভিত্ত বন্ধন অপেক্ষাক্তত মধুর অবং স্থায়ী একণা অৱীকার করিলে সতোর অপ্রাপ করা হয়। ও দেশে বাজিগত বাধীনতার ফলে

বাজির উমতি কৰেও নেশী কিছ এদেশের কমাল অপেকাকত শান্তিশ্রিয়। অঙ্চ: আজ পাঁচ হাজার বংসরে ও জীই বাবস্থায় ত স্থানি ব বিশেষ কোন কতি নাই।

কিন্ত এমন বাৰছার মধ্যে ও মাঝে নাঝে এমন ছুই এক জন নানীও উপয় চন্ত্ৰীভাচের জন্ত এই বিবাহিত জীবনত বথেপ্ত নহে এবং বাহারা বিবাহিত জীবনের সঙ্গে সমিজসা তথ্য করিতে গারেন না। সেই জন্ত ভাতাদের কর্মাধারণ নিয়ম থাটে না। নাবীও নাল্য তীব মক্ষ্যে গোধ গ্রম জগারিত হয় ব্যক্ত প্রান্ত্রীবনে হিন্দু স্থানিক সংসার্জীবনে হিন্দু স্থানিক সংসার্জীবনে হিন্দু স্থানিক মা।

মেবাবের রাণী 'গারা ঘাহ' এক দিন কুফপ্রেমে পাগ্লিনী হয়ে লক্ষ্য মান বিসক্ষন দিয়ে খাবে ছারে ভিথারিনীর এবংগ বেড্লেম। জিনেন । কল কেবালেন গলেন ৩ তাতাকে রণপতে পারে मार्ट। এ धरेना अमारात्म। किस श्रास्थान ∡প্রমেও পালাবনী হর্মা নারী পাণ বাহিব হয় এবং তেইদিন সেট প্রেনের স্বগ্ন—নাশ অনেক সমগ্র ভোগালপার নামান্তর মাত্র--টুটিরা মার পোদন দেই হতভাগিনীর দেহ বিক্রম্ব ভিন্ন অনুসংস্থানের আর কোন উপার ্থাকে না। ভাওে সেই হতভাগিনী। সে कुन उत्ताशिनी, भगाङ्गाक तम म 🕫 इंभगन কক্ষক, ভাহাতে চর্ম শান্তি বহন করিতে অপ্নান, বেত্রাখাত, প্রকাশ্র इहेबार्छ। আলালতের দক্ষা ভোগ করিছে ইইয়াছে। ্ত্রকায় কবিলে নাথা পাহিষা অভায়ের শান্তি वश्न कतिए इंटेरव देशहे मनात्कत माधातन नियम्। व्यवश्च अत्नुकु सम्ब ह्या पारिक्रम् দেশা বার। কিন্ত নৈতিক ভগতে বা Moral

world জন্ত কি নৈষী ? এই প্রেরি উত্তর দিতে চেষ্টা করিল এই প্রবৃত্তির শেষ করিব। তবে সামাতিক জীব সংস্কৃতির দশ্য আমার মত লহণ করিবেন কি না, সে বিজয়ে জানার সন্দেহ আছে।

শুভার স্বামী অংলচালী এ বিখ্যে সন্দেহ নাই] সকলে অভ্যানাৰ সভ কৰিতে পাৱে মা, ভাভাও পাবে নাউ , স্মানের সহাওণ স্থান হয় • ১) পুরুর 'অলেন ট্রিন্' ভার্যা ভাগা কৰিলে পাৰেন দেই দিছ নাজী ধৰি পশু बादी आश कराज, औदक (नार वीजा इ প্রতিখা। অন্তোলন নমাজে গঙের বাতিরে कर्नीत द्यान राताना रा नाउंगमण अराजन यस देखी अव-एक शहरत अहरत between Teedleanm ... I Ter Hadee - 95 দেহ স্নাত্র পরাই কব্লপ্র বাবিল। মে জাবলে শুনুষ্ কো কৰা অসম্ভব, কাবণ পুরুষের লোলুপ দৃষ্টি। ছাডানের সমাঞ নাবী পুরুষের সম্বর ভিজ্ঞ ভক্ষকয়ে। वाकाला (भरमस शक्य द्वेंटा, हेंप्स, एवं नादीव স্ভিত কিন্তাৰ ব্যাহণৰ গলেন তাতা প্ৰতিষ্ঠ कामिरिन दे (८११९ १९६) । असर्वेद महाने महान ও মুর্যাদ্য বজন কংবতে বলন স্থারা ভুলিয়া য়াই ভগন রক্ষা নধ্যের নটার স্থান কোপায় । এই मश्रक्षेत्र अकृत्या । कुला क्षा । कुलान বাৰকে চিনিতে পারিখ না গভেই নভানকে বরণ করিছা: ু কিন্তু "প্রথের আগিয়া ১ ঘর বাধিজু জনলে পুনিয়া পেল," এখন কেবল साथत मुडिंग जार्जाल माने श्रंबन की वन्ते। च्छा बार कें। ५०० व उमा।

· I slept an fro ant that life was beauty,

I was and found that life was duty.

ত্রীন মান্ত কীশ্চানের গ্রাণের উপদেশ ভাগার সেবা এই তালার কীখনকে ন্তন প্রে চালিই করিল। ক্ষা নিশিল অর্থ, ন্যানা, ঘশের মূল্য বড় কর্ম ইদি জীবনে প্রেম না থাকে। এমন সমর আবার নান্ন আসিয়া উপস্থিত। কিন্তু চপলার স্থানের কন্ত, মৈলীয়, ভূপের জন্ত, ভল্লা আজু বলিদান দিল। যশ, মান, অর্থকে ভূজে করিয়া সেন্। এই গ্রুপ করিল। দীবাৰণাক Nightingleএর আদলকেই জীবনে বরণ করিল।

শাস্থ্যী মহশের লিখিতেছেন "ত্রুলাল বংশরের ব্যন্ধের প্রতি চক্ষনী প্রকার্যার অ্লাক্ষর রাজ চক্ষনা লাবেরই প্রিকৃষ্টি ব রে।" স্তাতির বা Paacal পড়ালে বৃহিন্ত পারি পাঁচল বংশরের বৃহত্তী কেন নাট্ বংশবেশ গছেল পোন ভ্রুম হুইয়াছে—এ প্রেমের করা ক্ষায়, সহাস্থাতিক—এ প্রেমের করা ক্ষায়, সহাস্থাতিক—এ প্রেমের করা ক্ষায়, সহাস্থাতিক আমানের লেখেও দেখিতে পাই ভিন্নলী পত্নী সন্ধ আমীর প্রেমে তর্ম্য। ইছা অনৈস্থাকি নাকে বাব সমাজানের ক্রিমের ক্রিমের

কালাদের Bentusians ও গৈ দিন স্কার্থ বাব প্রবিশ্ব নিকট বিদায় লইতে গোলেন তথন দেগা ইইণ জভার সংক্ষা এ মিলন বড় চনংকার! নিক্ষপ্রভার শ্রামণী মনে পড়ে — ভারবিল ও টেরার ফিলন হইয়াছিল বিমাল্রেন নির্মাধ শুরু কুমার। স্ক্রেম বাবুধ

ভ লার বিশ্ব কাষাদের উপত্যকার একজন বুদ্ধ আর এনক্ষন প্রোচান ক প্রেন নেন চতীলাসের কামগন্ধ নামি ভার। এ जीना अकतात Platonic Laura श्रीति Petrarchan नह। স্থারেশ বাব বলিলেন 'গুড়া, মনে আছে ডোমার সেই এক দিনের কথা, বখন আমি ভোমার আমাব ভালবাসার কথা জানিয়ে ছিলাম। তুমি কেসে डिजिएस मिरा कि म. वटन शिरन, शुक्तभ भारत ভালবাদে মা কেবল অধিকার চার। আমি (म) (शतक वतारत (शंभाष काण त्वरमिक। আছ ভোষাৰ ফাছ থেকে একটিবাৰ প্ৰনে ছেতে চাই : খুমি বিশ্বাস কর গৈ, আমাত ভালবাদ, সভ্য ও নিংস্থার্থ বিস্থান কর शिक सक €1 9"

শুলা কাঁদিয়া স্থিত - - শাংকাস কৰি স্থাৱৰ বাং লাগনি ে অপাত্ৰে লাগন লা দিয়ে এত দিন ভঃগ পেয়েচেন ভাগ জন্ত অমাৰ যে নিজাব উপর কি প্রকাঁয়ার ভ ভানতি দেনিকে পাইলাম না।

কৈলী ও টাপার ভারত বেশ ফুটিয়াছে।
সমাজ নকানের বাহিরে পাতি লও যে মন্তব্যাহ
ও চনিত্রটোরন প্রভাগে নিক্লিও চলাও
পারে মৈনী ও টাপাতে লেখক ভালাই দেখাল্যাছেন। এপানেও লেখক স্পট্ট দেখাল্যান্তেন বে বেবাহিত জীবনই নারীর আদর্শা। চাপার সেবারের প্রেল্ফা জীবনের ফুগনার ফাঁকি মান।
কালেই সে ভ্রনচন্ত্রকে পাইয়া পুরু বছা
পরিবর হইয়া নারী জীবন সার্থক কবিল।
ভরাকেও কঠোর আল পরীক্ষার পর শ্বীকার
করিতে ইইল—বে মারীর শ্বীকার পরিবান খানী নেৰাৰ, আক্ৰতি সৰ্গশ্নিনী হওৱাৰ ে গে নিজেকে নিজাৰ কিল বে বৈগীৰ ভাৰ চেটা ক্লিকে নেও আনীয়ক নাড়য়, ক্লিয়া কইচে

প্ৰিশেষে আৰাৰ বক্তৰ্য বে "লোটানা" ও প্ৰাৰ্থীৰ Porfume of vice নাই, একথানি গাওঁ জিলাবে এমণী নাৰ একখানি চ্তা-শীলভার বরণীয়।

জিলু সমাজে তাকা হৈলৈও মানৰ স্থাতে প্ৰাঞ্ কইবে— এবং বাজালার মনীবি স্থাক এই উপভাস কুইবানিকে বরণ করিয়া কুইবেন।

মহাপ্রস্থান *

[मद्भारतम]

প্রভুর আহ্বানে ঐ চলিয়াছে ভুতা,
উর্দ্ধে চু'বান্ত তুলি আকুলিত নৃতা;
দোতুল চরণ তার, মুখময় হাস্ত,
সিদ্ধ সাধনা আজি, সার্থক দাস্ত।
খাসে খাসে নামাভাসে নামা আসে সভা,
নিদানে বিধান নাম ঔষধ-পথা;
নামে মতি নামে রতি নামে অসুরক্ত;
নাম-গানে নেচে নেচে ঐ যায় ভক্তা।
নাম-নামী-নামদাতা নহে তিন ভিন্ন,
সঞ্চিত-প্রারক সব আজি ছিন্ন;
সংশয় নাহি আর—নাহি তিল মাত্র,
মরণ উপচি' উঠে জীবনের পাত্র।
বাজে ঘন করতাল মধুর মৃদক্ত,
মক্টোর ধুলে একি ত্রিদিবের রক্ত;
ভক্তা নাচিয়া চলে ইক্টের ক্রেক্ত,

ডেকেছেন প্রভু তারে নয়ন ক্রভনে ৷

সভার্থ সাধু অধিকা নাথ বাহ সারখ ত-বংলী সহালবের, কীহরিনাক শীক্ষে প্রকাশ নিজ্ঞ করিতে মুড়া দর্শনে লিখিকা বারাণদী ১২ই নীজ

बाबाननीयाम এই फिल्मिवगुर ब्रोडीकोमनी-निनि जार युक्तः मनन श्रीकाम जिल्हांक उत्त मञ्ज नर्जन मृङ्कात वर्षा মহান প্রয়াণ হেন মরণের হন্দ হেরি মিটে জীবনের যত বিধা বন্ধ : े जीवन महिया तथ मतर्गत दारका, मत्र कारिता यात्र जीवत्मत कार्रत । সার্থক নর্ত্তন কীর্ত্তনানন্দে मार्थक छ-जीवन मत्रागत न्लातम : জন্ম সকল আজি হেরি চারু দৃশ্য, मा औछसप्तर थरा (त निया।

मिनिकन-1/0

বৰ্তমান সমস্থা 10

[लाबक-जिडेलाजनाय वत्मााभाषात्र] পাওরা যার- বিজ্ঞলী কর্যালয়, ৯৩১, বছবাজার খ্রীট্, কলিকাচা।

বাদানা সাহিত্য মাসিক পঞ্জিকার বৃদ্ধির **সংশ সংশ এখন প্ৰাৰণ বেগে** বাড়িয়া উঠিতেছে दिक्त देव मुनि अन्तेवृष्टिय भन्न कराश्चावन देव। জন্তক্ষন নাৰী গেরক শেষকার কথা বাব बिर्म खार्क जगाँक विविध পভিতে হয়। प्रानंक नाम कर्माना वरे त्यव कविता त्यव কৰাৰ ভূমি আৰু কাৰ বড় কিছু পাওৱা বাৰ मा। श्रीका अस्ता के बेसाई लेकिन चरान, कार देश गाँव चारक गरिना मार्ड । वागरक ह

বারা সংহিত্যের পরিপুটি করিবার শক্তি যখন मोहे ज्यन निश्व गांड कि ! क्षानि व जेशानम অনেকেরই ভাল লাগিবে না। কাবণ হয় ও বা ध जेगान वह माना आहतका काकि आहि, व्यवः व्यानास्य विकारक राज्यांकी कीवरनंत्र व्यस्त কি বৈচিত্ৰা আছে থালাতে ৰুক্তৰ বৃত্ৰ চিত্ৰা त्त्राच गड़िया डिटिय। किस साम्ब साम्ब कार् অতিভার বিহাৎ কুমৰ দেবিয়া চমাৰিত সমূত **হয়।** একবার পাহাজের **উপ্ত চাইতে চাই**তে गेनिक करके ना देव न्छन देकान idea वा विकाय अकि इत्पत वीरत त्योष्टिक वास करें

My Stepniak (*) একজন বস্থালীর মেয়ে ৷ খনের "সবুজপত্রে" শ্রীমতী ইন্দ্রিরা দেবী রানীৰ সমালোচনা হইতে কিছু উদ্ভুত ক্রি-নাত্র সংবরণ কবিতে পারিলাম না। শিনি এ বহ একবার ধরলে 🕊 🐗 কো ভলের তুলনাঃ কিছু ইকম হয় যাৰণা, নিৰ্য্যা কন ক্ৰেপ্ৰথমান স • মান্তব পাগল না হয়, উল্টে যার হাত থেকে রক্ষ বই বেরোয় তাব হাতের পিছনে যে মুন "আছে সেমন আমাদের নমস্ত আগুনে োাবে A1. মাৰা সকল अन बला मान इस ''নির্বাসিংগর আছা-

७ होना এवः ब्रह्मा हिं। नक नमस्बेर होतका ७ माँटिए ড়িয়া খাতে, শাঁস বড় পাই না। দিতে শ্রান ছাড়া আর কিছুই নাই। হোট মাত ১১০ পৃঠা, দেক মন্টার জাৰ বিশ্ব ইহার তুলনার count of Monte Uristo ও আমীদের সাহিত্যের 'রাজনুরী' বা 'व्यव्हितिकी', कीकि बाख। अप्रित्त ३० पृष्ठीत के जिस्ति का 'লন্মীছাড়া ছো বলিখা মানিক তলার বোমা হৈ বেদিন তাদের-

''দক্ষ পরাণে শক্ষা না নানে, না রাথে কাহারোখন,
জীবন মৃত্যু পারের ভতা চিত্ত ভাবনা হীন।"
সরবিন্দ, ব্রীক্র, অবিনাণ, উল্লাসকর,
প্রচ্জি এই বজ্জের প্রোহিত ছিলেন। দে সব

ইংক্ষের কথার প্রারোজন নাই।
উল্লেখিয় ক্ষেন্দ করিয়া আন্দাশান প্রার্থ বেড়াইয়া আদিলেন দেই কথা
সহজ ভাবে প্রকাশ করিয়াছেন। বইবানার একটা ভাবনীয় বৈচিত্তা বে গালানের হাত্রে
এত নির্বাহন ও অপ্যান স্থান করিয়াছেন।
বিশ্বতা ও অপ্যান স্থান করিয়াছেন।

टिश्व कारन भार के में भेड़क calgras Mai a sar himour बाइना शाहिता तुरुम किनिय, द्वाने मूख কাদি, চোতে জব ৷ শোলা সায় গোহা বেলী_ন अवम क्हाल हाहाटक white hot बरल, टाइ-রূপ তার হংগ এত ভার দৈ তাল চেমুখর গলে প্রেকাশু করা গায় না বলিয়া হাসিতে ফুটিয়া উটিয়াছে: লেখক কানাইলাল সম্বন্ধে বলি-তেত্ত্ত্ব কানারের মত এমন প্রশান্ত মুগচ্ছবি আর বড় একটা দেখি নাই ৷ সে মুখে চিহার त्तथा नाहे, विमादन होता नाहे, ठाकरनाउ त्नन-মান নাট বাক্ত ক্ষেত্ৰ মত হাচা বেন ভটনা বহিন্নচে। अनुवाहिना**व** জু বাহার কাছে তুলা म सिंश विवाद ज़िर अंत्रमश्य विमाहित करा मत्न পड़िता शहा प्रतिमा क्षा ७६ दंश क्यांड मान १६ए० कार्रिक ক্ষাটভরতি নির্মেশে এমন গ্রেও আছে मारा शहरकोता साहित कर्नना नाम नाम गाउँ।" भरन १५ (श्वाप्त मन सं । १ त न कालि। कामेरना ३ रेस्ट्रेन गर्निक कार the place of the contraction of the contraction of Mark Differ 1997 Seal Ander aller বার সময় এনে ক্ষত গে পারত উল্পেখন न्त्री हिंग हो ताल कि इसी विके की तम्म हो भाईताई कछिन्द्रा निर्देश तीला 平: 1

সাধুর দলে জুটিয়া কড়া প্রচানত প্রচ ভুজিতা উক্তোপা ক্ষমিতা সংসাতে এই ভুজুবং প্রসাদী যে সার কক তাহা থাকতে না ছাইতে স্বাধাত প্রাক্তা থাক ভাজ কাৰে এটা জুৱাদেক বি নুংৰৱৰ। 'বুনি সাজেখ সিমিজ' ট্ৰান গাছে আম ফলাইবা দিয়াছিলে বিশান লেখকের মুদ্দে সইন। হল—গাইন ট্রিমি কি সোকা জুখা।' আম্বাভ বলি

ব্যম ছেলেপের সাঁসিয়ে । বিলা বিজ বিছে স্থম উলাসক প্রা ছরিছ। তিন মতেছিল ইকাপেন্তর সাহেবের জন্ম ভিনমণ কি লাড়ে তিন মণ এবং জালার বাইরাছে। বাংসির প্রব জনিয়া মজির নিখাল ছাড়িয়া ড্লাসকর বলিল বাক, দায় বেকে বাঁচা গেল। বাংসিন্ত সাহেব ব্যম জিল্লালা করেন বিশ্বমান করেছে লোক করেন বিশ্বমান করেছে পার্ব বিলা বিজ্ঞান করেন বিশ্বমান করেছে পার্ব করিছে । বাংসালাক বার্বিছ শাসন করিছে । তানানের দেশ হলতে বাম্বী শাসন করে হার করেছা প্রভাতান সা

উল্লেক্ড প্রতিবাদন ব্যাহন ক্রিক বিন্তু প্রতিবাদন বাদনে । দ্বাহনে বের প্রতিবাদন বাদি প্রতিবাদন বাদি প্রতিবাদন বাদি প্রতিবাদন বাদ্ধি প্রতিবাদন বাদি প্রতিবাদন বাদি প্রতিবাদন বাদি প্রতিবাদন বাদ্ধি বিশ্ব করিবে বিয়া একস্থান উভয়ে প্রতিবাদন বাদ্ধি প্রতিবাদন বাদ্ধি বিশ্ব করিবে বিয়া একস্থান উভয়ে প্রতিবাদন বাদ্ধি ব

्राह्मात्र मध्याम हांस्य डेमन देनांडक **बारनानित शिंगम् नी'त्र** शंक क्टर ह केवात ক বৈছে कर के में में शाहारण वे बाधावद करा। मस्त्र আইনীশ ভাতাৰ স্থীকেশের চক্ষ নাচাৰ ব্যাধান শুনিয়া হাগিল হাসপাতালে পাঠাইল निर्देश (जीरनेपास शक्ती (सर कर्तार কামেৰ ছিন্ত এক কাশ্যা দিছ লে প্ৰবন্ধ াল্যা(ছিন। কেলার কর্ব জ্র্মিলতে আঞ্ भारत्य कर्म भार भा 'दिकस भा भारिकाहर প্রাম্পান (১৬ুর্ম বা পক্ষর পক্ষ , ও মনকের ক্রিয়েরের সংস্থাত ছেকেন্দ্রের গ্রানের ই**পন্ত**র आधिया कृषिन नेवाद जात क्षेत्र वरमञ আক্ষা হৈ লাম ্লাম কৰিবাৰ ছবিধা किंका । भाः (४००४) तापुत मुद्दशः शिक्तशाद्वक व्यक्ति इति विषया । विषये दिन्द्रम्प

িংগ'বাশ্বং । । ছেলেন। মনে করিছে হিচ্চান লাগুনেটি, হল্পাস্থা, শ্রান্থান্ত সালামন চান বেল হিপান্যাত্র

िंद्रान्त श्रुबद्द त्रात् का^रिकार श्रुप्त । १८६०मा कार्य

4, to establish the process of the Color

। নিজ সেই গকে কোট তক্ষপেটি জিংক কাষদৰ ক্ষাটো মুগে বে কক্ষণাৰ ছব কুটিলা দিটিত, লেখক গ্ৰাহ্য সুক্তিতে পাবেন নাম। জেলেগ তথা ব ব্যক্তি এখন কাৰ্য বাহিত্ব হত্ত

বাষার তুর্তি রাজ্য গাংশ প্রস্তুত্র প্রস্তিত হয়।

উঠে ভাকে ক ত ৰৈছ চিদানকো মাইলায়ার। কোলো একড ন পত্রাপীয় প্রেরটার ক্ষরপার কুয়াকু বাদানেন নাটি। 'কে লুকাট্রা প্রেটট শ্রিয়া কুক্রা কান্ত একা যে ছেলেয়া न्त्रीयम् भा**ष्ट्रीतं आवश्रिकः क्रोंभ इ**श्लि शास्त्रश्रः । स्तरातो भाषाक्षित् **भरकाति क**रवशः । वा रस्त सरका मार्डकोस

শিল্পান্য কিন্তার পেরণেও তাহার শিল্পান্য দিরা মেচারে ঘন্ট র কুর্মাইনা দির ক্ষেত্র রাধিরা থাইলাছেন। অনুনামানেও দলাদশি দেখিল দলে হর মান্তবের অন্যেই স্কা জাং দলান। সেথানেও টিকি কি দাড়া ছক চলিতেছে। পান্তানের নুশংস্তা ও পোলা দালের বংশধরদের আত্মন্তরিক ভূলিবার নাংবে গোধক কভকক্ষেদ্যি স্বভ্যু সভা স্বা

শ্রীলোক ও প্রাথমিন্তাব সহিত এব উপাস্থিত ভ্রতে কারিয়া সাওয়াই দলসঞ্জ । নিকের ব্যাহে না পাছিলে কেচ, গ্রুড় তংগ ব্যাহে পরে না। 'শতির চেন্নে প্রশাস্থা । কার্যাভ্রাম্প্রশাস্থান্ত নাদি :

লাক্ষ্য - আৰ্ মত প্ৰাণ্ নহা লি হ opanek কৈ বেন্দ্ৰ কলাদন স্থানাৰ বিজে আনিক "The Revolutionias alone cannot destroy the autocra cy the uneven a straggle is more iv an exercise in the art of ser-ন্দ্ৰ মান কলাক্ষ্য কলাক্ষ্য ব হল্প লাক্ষ্য কৰে স্থানাৰ লাক্ষ্য কলাক্ষ্য কলাক্ষ্য ভাষা বিজ্ঞান্তলন কলামনা স্থানা স্থানাৰ কলাক্ষ্যকল কলেক্ষ্য আন্ত্ৰ স্থানাৰ কলাক্ষ্যকল কলেক্ষ্য আন্ত্ৰ স্থানাৰ কলাক্ষ্যকল কলেক্ষ্য আন্ত্ৰ স্থানাৰ কলাক্ষ্যকল কলেক্ষ্য আন্ত্ৰ স্থানাৰ কলাক্ষ্যকল কলেক্ষ্য স্থানাৰ কলাক্ষ্যকল কলেক্ষ্যকল কলেক্ষ্য স্থানাৰ কলাক্ষ্যকল কলেক্ষ্যকল কল ত্র নত উপলাধন স্থে, এ বহারেকসম।

কাচনা হল না হলে ফান্টালের কাজ

পর্বিচয় কাব্যে দেওয়। আশা কার এই

কাচ তেলান্দ্র আক্রাদ হচলে প্রত্র ব্যাধর

কোন কাল ব্যাধ্য অন্তর্গাদ হচলে প্রত্র ব্যাধর

কোন ব্যাধ্য কালায় কি প্রাছন। এমন

নে, ন বেলান্টো সান্ধ্যকার্যকে কালের দক্ষে

ট্যিত যে লুকর বক্ত জ্মান্ত ব্যাধ্যা হল

ইয়ার সালী হয়।

তে লবকের সেন্দিন চনকেন।
 তেনকের স্পৃতিন পদদানত আইবিশ্বনাত কর্মান প্রত্যান্ত কর্মান করে।
 করেন দেশা দিখাকে তারা লেখকের সম্পেদনা পুল দেশক ক্রমান ক্রিয়া উঠিয়াছে।

উরোজী-না জানা-বাঙ্গালী**ক্ষ**্তব**ত্ত পাঠা এছ** প্রতিকা।

(২ তাঁহার বস্ত্রমান সমস্তাতিও অনেক নতন কণ, আছে। ইংরাজ শাসিক্ক ভাব হেব হাঁতহাস এত আল কথার এমন ওছা ইয়া কেত বাল্যাভেন কিনা ভানিক।।

পাণি প্রায় লেখকের চিঞ্জালিক হার পাণিচর পাঙা উরি কর্ক জাতে সংগ্রা বাহিব হয় তাই। thought provoletting ব নালব নালে (দেয়। উঠোর ভাষাত ভারেব লাল্ড ব্যালায়াবের স্থাবিক মত হক আঘালিব গাড়েই লাবুক হার চ্লান চাটিয়া দিয়া স্থাকার ব্যালিপ্রবাদ ক্ষেত্

- 15444 1

কলিকাত:

বেঙ্গল প্রিণিটা খাউস, ১০ না ঝামাপুরুর সেনে শ্রীসঞ্জীবচন্দ্র লাভিতী গ্রেম মৃত্রিত।

কাশীধাম 'শ্লকা^গ্কাৰ্থালয় স্ইতে চাক্ষশশী বন্দোগ্যধায় * করুক প্রকাশিত।

ARTHUR AND MARKET

স্চা ৷

ित्रभाष , ७०%

নি শয়	(쮜보 라	প্র
३१ नतीरमञ्जूता भ		วร์อ
- । रेडग्रो (किंग्डा । घनातमा	*/ * * *	256
৩ . ইউলেশী সাহিত্য ফিটাৰে	.利气中16g	126
製物3(では		ţ
	क्षीयाधिक अंतुक्ति । ५ ६ हिर्द	.*
क प्राच (पि.सि.स	क्रिनिका कृषे । ए	520
ं अन्यो मध्यामन अस्ति।	है - ब्रिट्सिनिया की तीक दर्	20 3
	ক্রী করি করে ব্যক্তাপ্রেগার জ	3.59%
१ र 🛴 षादु ,दाहर् सैरिक 🚶	AND THE	345
高 4 一個自己研研研	श्चीत भाषाहरूम तथ अनुसम्बन	188
कतित हेक कनर (क) गडा)	बिCगाविक ला. १ जुनमात	386
্ৰে, অ্লবস্থা সমস্থ	স্তায়া প্রসাম চাল ধার	28%
্ব। মায়ের অধিকার	শ্রীচার শশী বলেনপাধানে	১৪৯
७ सम्बद्ध	ब्रीमानिक क्यांगिया वि न्यू १८ हि	3 53
DR 1 - देशकावा	अभागस् हरू एक व हैं।	564

অচিতার 'আমাশ্যান্তক বৃটিকা" মহৌষণ

তো কোন প্রবারের স্ক্রিণ কাজ না, ২৪ ঘণ্ডায়, গারোগ্য ক্রুরে, তপ্তশাল ম্লা কেরখ দিব। মধ্য প্রশিষ সপ্তাল কি স্থানা মাত্র প্রাক্ত মাজুলী সংস্থা।

श्विशि (क्रिति खिक हुर्न भारतेयम ।

শানেবিয়া শ্রির, কুইনাইন আটকান জর, আলাদেস বালচ জর বিশাস জর এক

অকান্তি সকল প্রেকারের জর ৪৮ ঘণ্টার কার্ট্রেল ৬ই,ব শ্যালগান মুক্র ফর্ড্র

পিব ্ নুলা এক সপ্রাহের ওবধ ॥০ আনাঃ

জ্ঞাক মাণ্ডৰ প্ৰত্য। একলে বেশী পরিমাণে উদধ সাইলৈ কমিপন ক্রেট্র। প্রাাধারনে এ. কে এফ সক্ষ ৯০ল চারী গঠা বেলাকক নিশা।

संबद्धात्मेत करियोक् हाका अङ लित जन्तृत वहेल । क्षेत्रकारकक गरकाशाधाय क्षत्रेक

क्षेत्रा । च्यांच्यं न

বাসন দ্র্য প্রাথা দ্র জনা দ্র নারামুক্তি ১ আমানের অভান্ত মাক্ষানিত মুক্তনের জানিকার কচ আগনি আন্তর্ধ বত লিখুন এবং আমানের লাট আনা ক্ষান্তার প্রাথম এবী ভূকা হউন।

ৰশাৰ্ম ব্ৰথিতীয় ৰাসালা পুত্তক পাওৱা ব্যুদ্ধ। শ্ৰমাৰ্ক কল, সুত্তক প্ৰকাশক ৪ বিকেতা, ২২০ কণ্ডৱালিস হীট; ভণিকাভা।

ন্নাদি **জ**রান্তক সুধা প্রদত্ত

উল্লালনের সমায় সেবন করিছে কোন প্রকার ভয়ের কারণ নাই। ইয়া সের ন নুজন ও প্রাট্টন বার নীয়া বছতে ও তদামুদ্দাদীক কর, ম্যালেরিয়া, কম্প ও জীবন্ধর, বালায়ার, ক্রমাইনে স্টিকান কর, পিরলোগাদি ও আসামের কালাভর, এন কামব্রিধ কর সাহ্যায়ে ইইবে এ

স্বৰ সাধাৰণীকে অভাৱে ছবিত ছানাইতেছি যে, যদি এই ওৰণ সেবনে বেটা বিজ্ঞান হয় নাম কোনা নিৰ

भुत्या—: मिर्ग

ৰভাৰ স্থিতীয় সময় "সীকো"ত ভাইৰ কৃষ্টিই তলপুণ্ডীই চইন

बिट्सम्ब

কাগানী সভাতের দুটাতে (বহাক ১০২২-১লা, ২বা, ২বা হৈলাক) নেনিনীপরে বদীন কাহিত্য সন্মিদনের ব্যোদণ কবিবেশন হইবে।

উক্ত সন্মিলনে বাহাতে সম্বা বৃদ্ধ সেপ্তের সাহিত্যাংগৰিক জোগানান করিতে পাংক উক্তর সামরা আতোক সাহিত্যাসভাস্থিতি ক পুরুষপানের নাম ও উদ্যানা লানিতে ইচ্ছা করি।

উক্ত সভাস্থিতি আতৃতির কর্তৃগক্ষণ মেদিনীপুরে বুলীয়-মাহিত্য স্থিতন কর্ম্বালয়ে কথা সম্বত এই সংবাদ পোরণ করিলে পার্য অনুগঠীত চইব।

ক্রীপতীশ চলা গত

ক্রীক্তীণ চর চক্রবরী ক্রাক্রিকাসীতির

বিজ্ঞাপন।

्यानामी बेहारान कृति ए (नक्षा १०००) इ.स. २ इस्ट १ जा। देशहीय) स्मिमीनान वर्षीय भाविता महिलास स्वास्त्रीयामन स्मानात्वन स्केटन । अस्य व्यक्ति मद्दार्थन स्टब्स वालनात्र स्वास्त्रीय वर्षाम वर्षाम्यक स्थित स्वास्त्रीय स्वास्त्रीय स्वास्त्रीय स्वास्त्रीय स्वास्त्रीय स्वास्त्रीय

्राक्षित्र कारतः सः कवितः स्वतासी उन्हें के करं सामा सुनीतः नारिकः नासनन्त नार्माः क स्मानमेश्वनं दर्शिकः सोरकन्त

Augent and the second of the s

বিনা দক্ষিণার ভাগা জাভুম বা ক্ষিপ প্রান্থ বাব গাঁ

सनीय बीकान्य महिन्य गरिएक स्था होकिए श्रीशिकान्य त्र कान की द्रीत्र से स्था लाहेर्सन इन्हें कांग्र स्था प्राप्त कांग्रिक सार्थ्य देशाय है। स्थान स्था इन्हें का स्थापन देशाय है। स्थान स्था रोग के देशाया स्थापन कांग्रिक किल्ला राम के १ कांग्रिक स्थापन कांग्रिक स्थापन है।

Section of the second sections

BES

र्शास्त्र शामक शोधक छ उपाद्यात्मा

्रोतिक रेशना द्वारि जाना, द्वारि आकार्य सुवर्ष के चाला कियो मुख्य स्वृत्ते द्वाराज्यक की

on un general a Martin une arun Arietariniera einemaga comun, megene en arunda delle accessioner pres anula effete effet, grech une adicula, arunda comunicatione della estare, privates effete delle alega cui celle, comunicationer cuincide delle cui delle comunication delle delle

প্রতিক্রাভিকার রচনার নগেও উৎবাহ বেওয়া হয়। বিজ্ঞাপালক চার ক্রাভঃ ্রেডি নবোর বর্ত চবি পালে।

রায় এও রাম ঠোধুরী

्रहम् (देशकाका) स्थाप होते पार्टी स्थापना ।

স্থাত (বশাসে ১উল্লেখ চন্দ্ৰ বাৰ সমস্পানেই কনিউন্নাত ও শিক প্ৰাণিক প্ৰতিক্ৰেন্ত উল্লেখ বেশাইচাল প্ৰায় ক্ষণিয়েক

श्रेष्ट्री**ए**एड

THE REPORT OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY AND A PROPERTY OF THE PARTY.

THE PROPERTY CHARLES SHOW



"मात्राकाल असत्रम्थवाः भागभा नि टार्यूण হংগদেশ রতিভ্রশনা নির্মাণনা নদিয়া (कट्टमारकक्षे अवनिश्विता निर्देशचाष्ट्रकर्गाश निजास्त्रार्थाः अजिङ्बंब्सा तुब्दिमाः अलिका

বৈশাথ, ১৩২৯

বানের বার্ত্তা

र्भागम रमशा मिर्ड शत्, সালে আমার আখ্র-अप्रष्ठाई के दवनी माहिजादमध्य ८६ तथी महातथी बाबारक नित्र डीमोहानि क्या उँगालन मा । उद्ध सामात्र मिलामा पार्ट रा वाथा वक्षा बरून शांत करव वरहन नि THE PROPERTY OF STATE with with all law, chara same काकार नियोव अभिनाम स्टर्क नारक क्रिकेस अक्रमाक देशियक

व्याननात्मव वीधी-धरा छकुन मानकुष ना आगनातम् 'अगकात्र' रहनार्डिट वानादमानेव भारतिकांत शेवन्। बिर्द क्या ति इता 'अन्य' दिए মৃতি হবে তার পেট ভাগন এবং হাত मक शाफारतात द्वरणित मेंहे, जांव जार्गनीत তেলিশ কোটি দেবতার ছয়ারে হয়ারে প্রশ क्षित्व माञ्चनीत ज्ञान शास्त्रा करत अपने जीन सन्दर्भ व्यामादक, ভरमा और मेहनीचकर इनोडक कारत के उसके किनाबीय स्टब्स्

The services and the services of the services

अ - जाबानका अधिकेश मिन्द्री। ৰার গড়বার নে ভাইতেও পারে না. তার **কাউল তারই লেওলা দিয়ে বোজান** ৷ নৃতন े सूत्रोक्टनर व्यनम स्व हाराट्स, ৰাভ প্ৰতি-শাতেরওঁ আমু নেই; নবীন বারা তারা কি 🌉 🚉 ব্যেষ্য ভয়ে, ভাগের কমাণত অধিকার বৌৰৰূপে ভাগি করবে 🕈 দেশে আৰু দিকে विंदक बाबरान इक्टन्ट् , डेयूक, डेनांब औ। बरमान मास्थाहन में फिरम रगेवन रनवला ভাৰতে প্ৰাচীন বীক পৰিশিয়ান बीद्धंद्र ৰাখ্যে, পাতার বিজয়মুকুট -পরাণর-মত নবীনের हिका" जाँक विष्ठ ; মারেশের মতে মতান কারা-अक्ट

COLOR STATE OF THE STATE OF THE

ন্ত্ৰাৰ কি বিভিন্ন প্ৰতিষ্ঠিত বিভাগ ন্ত্ৰাৰ কি বিভাগ নে উন্ধ কৰা কৰা, কেই ক্ষাণাৰ : কিবাণা কাৰাৰ নেই ক্ষা, কেই ক্ষাণাৰেল প্ৰাক্ষা কৰি কই ক্ষা, কই ক্ষাণাৰেল প্ৰাক্ষা কৰি কই ক্ষা, কই ক্ষাণাৰেল প্ৰাক্ষা কৰি কি ক্ষাণাৰ কৰা, কৰি কিবাৰ ক্ষিণা উপন্তৰ কৰেছে, চিকাৰ ভিডাৰ বাৰ ক্ষাণ্ড তাৰ দলাটেৰ চিকাৰ ক্ষান্তৰ্ভাক, ভাব ক্ষাণাৰাৰ্থক। কেউ ৰোচাতে পাৰ্যৰ না।

আর 'অলকা' যদি বৌবনের বার্ত্তা, প্রাণের পরশ বৃকে নিরে কেরে, শীঘনের রুসে নির্দ্ধিত হরে সে আগনিই বীচরে। প্রার গতিক নির্দ্ধিত করতে হবে না, ভার কর ভার ভারনায়ত প্রবোজন নেই। বৌবনকী আগনিই তার করেব ভূষণ হরে উঠবে।

দেশপুৰাৰ কভ বে নুভন বাজবের
সংক্ উঠছে, বৈদ্ধ ও অনুশীসন ভালের
বিজ্ঞাপবীত , মুক্তির বাদী ভালের দেবতা
পূজার নৈবেভ , প্রথম সর্বোর জালো ভালের
কারা , বৌবন ভালের প্রোণ । দেশের মন্দিরে
মন্দিরে ভালের পূজারভির কটা বাজহে,
ভালের ভবগানে ধুমারুর আকাল বছর বরে
আস্টে । 'অলকা' কি নিজের রুকা এই
মৃতন পূজারীর আসন পোতে দিতে পারবে ।
নুভন রাজ্যপুর এই পেরার 'জলকা' বিদি
নিজেকে ভালি দিতে পারে, বৌরাজ্য এই
মাসনাকে বদি নিজি কার্য কার্য বিদ্ধান

(अग्र)

[मदायभ

তরে মন, কহ শুনি সতাঃ পরিচন্ধ,

ক্রীবনের গতি হেরি পেরেছ কি ভয় ?

রোগ শোক ছঃখ জালা,

ক্রভাব অপান্ধি জালা,

পদে পরে অপমান দৈয়া পরাক্রম;

স্থ—তা'ও চুঃখময়,

উদেগ ব্যর্থতা ক্রয়,

সততার মূল্য নাই সদা মনে হর;
জীবনে ঝঞাট হেরি পেরেছ কি ভর ?

পরে মন, কহ শুনি সভা পরিচয়,

সবারে বাসিতে ভাল পেরেছ কি ভর ?

যারে নিবি বুকে ওরে,

সে ফিরে দেংশিরে ভোরে,
করিবে না বিন্দু স্নেহ কেই অপচয়;
যা' কিছু মনের গতি,
মিটিবে না এক রতি,
হয়তো চোখের জলে বাড়িবে সংশর;

তাই ভালবাসা দিতে পেয়েছ কি ভয়

ওরে মন, কহ শুনি সক্ষা পরিচয়,— মরণ আসম হেরি পেরেছ কি ভয় ? * শীতল নিশ্ব দেই,

গলী ধাৰী নাই কেব আগুনে মাটিতে মিশি হবে যানে লয় ; কেবা জানে প্রপার, ক্রিয়ালো ক্রিয়া অক্টার কৈ জানি শক্ষিত ভাগে। কি আছি সক্ষয়।

ভাগ কি মৰণ ভাবি পাইয়াছ ভয়।
ভয় নাই—ভয় নাই—ছও নিংসংশয়,
জন্ম থোলাম মৃত্যু—এই ভিনে নাহি ভয়।
জন্ম থোলামেব লাগি,
বিশেষ চইতে ভাগী,
প্রেম মরণের মাথে লাভে চিরজয়;
মবণ সোহাগ ভবে,
জীবন বরণ করে,
গ ভিনের যে নিগের—গে মজলাম্য;
জন্ম—প্রেম শন্তা— গে লাগু প্রবিচ্য।

ইউরোপীয় সাহিত্যে বিচারের মাপকাঠি।

[অধ্যাপক শীস্থারন্দনাথ ভট্টাচাল্ এন্. এ]

আন্তি না শিক্ষণ-। গ্রেষ্ঠ স্থা-বন্ধঃ
বালতা, ভাষ্টা, চিত্রাকণ, সঞাত হ স্থান- বিব বুমার। নাট্য কলা, ব্যথিতা ও নু হানে গ্রেণকে আটি হিসাবে ধরা হাছে। কানবে ক্রেণ্ড মুড্রের, ঠাতী, স্যাক্ষর ও তেত্রী, স্তুল গ্রেষ্ট হথেল আটি লাছে। লামরা ইতার আদর কাল কারণ একলি আমাদের নৈনন্দিন জীবনের কাথে সাংগ্রে লামিনের নৈনন্দিন জীবনের কাথে সাংগ্রে লামিনের কৈন্দিন জীবনের কাথে সাংগ্রে জিন্তা ব্যেলন স্থানিত্র আমন স্বের উপরে। ক্রইণ্ড করেছ বি গু পুণ্ডার্গিদ নিপ্ত আমাদের ক্রেক্ত করেছ বি গু পুণ্ডার্গিদ মনকে দোলাগ্রের মাত্র, কিন্তু সাহিত্য আমাদের মান্স রাজ্যে প্রমন্ত্রক্তি মান্দ্ লামের ক্রিন্তি ক্রিন্তি প্রমন্ত্রক্তি মান্দ্ লামের ক্রিন্তি ক্রিন্তি ক্রিন্তি সাক্ষ্

াহিত্রন সাক্রেডার আসম পর্যক্ত কাটের ৵০বেকিব ১৯০বেজন ১

গাঁক পতিও simonides কৰেন "training is silent poetry and pociety is pointing that Speaks"— চিন্ত নীয়ৰ কাৰা, এবং কাৰা আমন চিত্ৰ গাঁহা নিভকে ভাষায় প্ৰকাশ কৰে। সাপতে Parthenon, St. Peters বা সাপতে Parthenon, St. Peters বা সাক্ষান্ত ভাষাৰ্থা Athene Parthenon, Venns of Milo, Laccoon বা গানীবৃদ্ধ ভিত্ৰ Raphael এই Madonne বা ভাৰত্যে চিত্ৰ, সমীতি Beethhoven বা ভাৰত্যেন চা আনন্দোকের স্কিন্ত নি, এ ক্যা ব্যালিক সভোৱা অবস্থানী ক্ৰিন্ত

केटम किरोहरू अने किमिनहें ए छान काम : असी भारतामां के दिक्की एका देवती মত পাৰে। কিন্তু কথা দি ৰা ধে এই সহ আটের উপাদান **१९कि अंगिका गाउँ। এই हिमा**र्व সাহিত্য নানস্থ স্থাই । সঙ্গতি কাণের ভিতর দিবাঃ মধ্যে পিশিল্পা আগ্রান আক্রম দেব . गडा क्रिक रेखिएवं भाग मित्रा छात्रास्क পৌছিতে হয়। কিন্তু সাহিত্যার রম একে-বারে মনকে ভারমে দেয়। এই খানেই সাহিত্যার বৈচিতা । বিশেষত। হ্যা ব भव आर्थन तार ^१क हे माहिता **आ**मार्गत অঞ্জ লোকের সভিত প্রিচয় করাইয়া (मप्र) आस गट**व शाई मीगांद्र जा**सना. সাহিত্য দেয় অদীমের আনন।

কবি কালের গন্তী মানেন না, নেশের স্টালার প্র: দুল না। **তার মোকন তুলিকায়** र्या, (**८ठे), Mentaique मनीय इंदेश Bitto, Babylon, Athens, Alexan দৈ গছ হিন্দী ক্ষামাণ্ড্র dria 1517.4K कुंग शिक्ष 'वेश्वयान्दर 573 ক্ষান্ত 15% ধানত ৪১ 🙌 মান্তি ভার **万度 ヨツ電**

Goethe दिशालालन 'a traveller does not take anything out of Rome which he has not brought with him" शिन आस पारवन ठाँटक সেহ বস্তুই ফিলে নিয়ে যেতে হবে যা তিনি সঙ্গে এনেছিলেন। ঠিকই ৬ আগরা যা ভেবে যাই, ভাই ত পাই। মনে পড়ে পুরীতে একবার লান ধাতাবে সময় গুন্তে ८भनुमक्ष्मभाव भार्भत छि युवक वनाविकः

কবি। থাগ জিনিৰ ১০ ° আৰাত্ৰ ভাচেত্ৰ চাৰি পাশে নরনারীর মুখের দিকে জাতিতে म्मार्थिक (महे क्रिकीस निस्कारक) দেখিবাট তাহাদের নয়নে দল্যায়। স্বামান্ত সামনের ঠাকুরটি ও মটোর টেলা, ঠাকুরটির আসন যে আসার মনে।

কাৰোর কম অনুভার করা যায়, কিছ शबरी विद्यार अमेरिक स्मिथान याम मा । स्माय स्म क्षण (४ १४) न मध्य सम् । कारदान (शोकारी মনাক অ'৮৫৫ ক'রে, এমন একটি ভালের স্ষ্ট করে গাহাতে আর কোন উপাদ্যনেয় প্রব্যান্তন হয় না। বসামুকুছিই প্রথ MIN-

এখন প্ৰেৰ্থ ঘাউত স্মাণ্ডা বিভাৱেশ রীভিঃ কি ! Plate পথেন সাহিছোর সভ The state of the s ক্রম্বর্জি ও भारिका आगारहर रेसमिन औरनाम कि নাবে প্ৰষ্ট করে ও সংগতে কি রুপে প্ৰকাশ ক ক চতাৰ দাবাত সোম আৰম্ভ কিচাৰ হয়। তিনি গ্রীক স্থাদর করিছে পারেন নাই কারণ Atsic নাট্যকারেরা অল্টের জগ্ন হোষ্ণ, ক্যেবেছিলেন, धानार तथ नथ। मान इप्त, Plato এक हैं। इन कार्वरहरू। अध्यक्तः WATE NAME भएन है केव केव ना। कोम्प्ट्य labuitional ০০ তেই ধক্ম জয়ী বছা বিতীয়কঃ ইক্সিয় (Seuros) निका मठा व्यवधीय धाक तक এবং চিস্কাত (Idea) দারা সভ প্রতাপ কার এক । যা মর্থার Logic ও আর্টের यत्ता .त क्षार - । डिन् डोश **स्मर्थन ना**डे . ः

গ্রমত রাহিতা আমাদের ভারকভাকে के कर लाई निक्ति hitelfect या वृषिष्ठिक इसेंस् कार के में क्यार नगरक विकास করাই সাহিত্যের উদ্দেশ্ত এবং এই মাপুরুতি দিয়াই সাইতিয়ার হৈ।যাও বিচীর করা উচিত। 🖈 🖫 Aristotle এই Poetics বহুখানা সংস্কৃত **সাহিত্যে "কবি৷ প্রকাশেব" মত—**সাহিত্য বদালোচনাৰ মূল প্ৰেপ্তাল উহাতে লাওয়া যার। ও তার "মতে সাহিতা অনুকরণ বা পুনরার্থিত মান । ইহাতে বস্তু (Plot) চুপ্লিত (Characta) ভাষা (Diction) এবং লাব ৰু (Hentiment) থাকে এক নাচক টোল **শতীর্ভ ও** নাট্যক্রবারও বিচার কোতে হয়। जिले ब्रामन बार्टिव छैएन। वानकान निक्कान्त्र कुलाउँनी म्हा । अ आहित मान वातक श्ला वाहाँ चीना अलका दर नीत त्याक्रमा १९ अवदेशातक राज्यान अ केंग्रहात भाका मन 📥 🛌 ঐতিহাসিক "মালিকী ্কবি। বিশ্ব । কি গঢ়াও ্লিক স্থানিত ও প্ৰেম্প (partie lar), कारवात म जा रिवडम में हि रिक्ति की), रिंगिन Tragedy दा विध्यान ए करेंद সংখ্যা বালান বে, কোল Tille Ind জাত मत्र (भिर्म क्यांत्राक्त व. 'क नार लाहान (Exces of emittion) "Te ?", পার। যগন স্থাব, '১৯ ব ু ाताः । जिल्हे १८११ व শিষ্টনা দেৱ এন 办》 Pho 本月打不舒敬。 CHELL

' , রোমেও এ বিজ বিজ আলোচনা , চইন্নাছিল। Ceceto Quint it i, linrape ও Longnius এই '(m hublime' এ ইছার পরিবে প্র কিছ Aristotle এর উপস্থোন কথা শলবার শাহদ তথন ছিল না। ইউরোপেরক মণা বুলে Aristotle ছিলেন সাপ্রবাকা। Ren

aispence কৰিব কৰিব বেদীতে বৰ্গেছিলেন Pleas

ভিনি ইচ্ছা কোনে নে কেবল দেশ কনতা প্রকৃতিকৈ সাজাতে পারেন, ক'বল দেশ কনতা ভাগ নিজের হাতে। কেবল একটি কথা মনে রাখা চাই যে খুব প্রাভাগতি কোলে হাজা-লাল হ'বে করা শিক্ষানা কাঁচা ফোড়ার মই লাল হ'বে উঠিলো"—বা "পারেই চাপে লগীর ছাইটা বিক ক্ষানার মই চাপিটা হ'তে পেল ইউনি প্রাভাগতি মেলে নাই, কিন্তু কালিদাসের সঙ্গে মোটেই মেলে নাই, কিন্তু কালিদাসের সঙ্গে মোটেই মেলে নাই এবং এলখানেই সাহিল্য নান্দ্র বিদেব প্রাণ্ডাজন হয়।

মন্ত্রণ শতালীব শোভাগে (১৭৯৬)
কেন্দ্রন জন্মান পভিত Lea ing গোর
কৈন্দ্রন জন্মান পভিত Lea ing গোর
কিন্দ্রন কিন্তা বিচা
করে পদি কিন্দুর বিকেন। বিকাশ স্থার পাতিতাল
কর্ম প্রাক্তর সংখা খর্ব কম বিভিত্ততে
নামে প্রাক্তর ভাষাের উপ্রা কেন্দ্রে
ক্যার কোরেছেন। Virgin এই ক্রিক্তর
কর্ম দিন্ত্রি সর্কে Laocoon এই চিন্দুর্বান
কর্ম দিন্ত্রি সর্কে বিভাব ভাষারার
ক্যান্ত্রি নির্দ্তর পিড়নে ভাষারার

त्सारब्रह्म । विश्व मुक्टिए हीए का दियान त्रोत सा क्षा का चार Laocoon es <u> प्रदर्भ कील रेबेनना एक निजासात्र मार्क्स किल्सिक रेक्सिक कार्यक कार्यक कार्यक</u> कार्त देशी अर्थाण शास्त्र ! Laocoon क्ष अन्तिमान इ'रब्रट्ड, द्रांखंड मामदन मधा ৰাহত ছই খুৱে মুৱণের কোলে ড'লে পড়েছে। সূৰ্ব Laocoon আৰু নৰ্বাস জভাইয়া ভাষাকে शिवित आजिए वार्टिक्ट, किस Lagroom হার মান্দে না, শেষ নিহাস প্যান্ত নিচুর व्यक्षाद्वेत विकास यूक्त करना। ভাসানে চাদ্যদাগরকে মনে পতে. I Irossing বলেন ভান্ধর Virgil হউতে ঘটনািকু-নিয়েছেন, কিছ আটিষ্টি তা'কে নৃতন্ত্ৰপ मिस्स्टिन। अनाउ पाँचे Shakeso are डीत আধান বস্ত নিইছিলেন Holinshed's Chronicles () Plutaroh এর জীবনী ্সংগ্রহ হ'তে। র্নীজনাথের 'গ্রাহ্মণ' 'সভিসাণ' 'अपूर्जिक केलांबगर दा **अत्रान्ध कहन**का के'. -निर्मिष्टम । किन्न कीचा अठीरका कारमाहक এমন কপ দিলাছেন - এই ক'হিনীৰ মুদ্ৰে আৰ্ Ouarry AM Mr. Ouarry (পাথারের থান / 9 finished status বা মৃষ্টিলে ভফাব---রেখন । এও তেমনি। সার্ট বস্তুটি কি এইখানেত ধরা গায়।

Lessing এর সঙ্গে তুলনা হয় Aristotle এর গেক Platos দকে মেলে Victor Cousin ভিতৰ কুলে नारन Du Vrai, du Bean, et du bien (সভ্যা জন্মরং শিবম) নাম দিয়া করেকটি বক্ততা দেন, ১৮৫০ সাথে ইং! পুস্তক্ৰিছে বাহির হয়। তিনি বলেন মাটিই বা শিলীর

क्षेत्रक (बहे जाकी) क्षामात्मक कारा व नामान कार्य ब्राज्यत्व (1160 lic o) महा द जान व Kien बार्ड टोशांक क्या करा সনেক ছাটিয়া আনেক বাছিয়া তবে को होति ७ सहात (Omission & Nolection) শক্তির নামই আটা আটেড डिक्स इनी एक स्मिन्यान माश्रद्धा देनिंडिय मिल्पारक भूगेरिया ८०१% अक हिमाद आर्कित काक श्राहर दाया तथा, तहन ना व्यक्ति Pathon या करूनात विदिद्ध-किल्ल कुलेकिन कुरका । द्वार कुछ Pathon এর দিক গিরাল বিচাপ সম্ভ কর পেট आर्टिक कमार जनान तर कर्डिमाश्टबंध स्मोन्द्रभा निष्टात्र द्रकारस्य ४०।

> er se ye ran indention ক্ৰি বা সাহিত্য (কে একচ, অৰ্জান্ধা ভোগ কোত্তে হ্যাল দেচ। হোগাল বোঝাল। বাহা প্রার মানে যে মন বোবে তাহা শুচনকে নিতে সার লা । সেইজর প্রথমে একদার প্রাঠক देश्वी । का**ल्ड** राष्ट्र ८००, कत्र भट्टम (भारत्वसम्बर्ध) काभार र रहे, जार रेराम आगद शाम कर িতিক আনন্ধ পান্ত দুধু কথা স্কালেও ८५० केवनारक क्यांनाक इंग्रावंड राव ला मार्थिक भारतक महर्गात्व करन जानक किर्म . ₽7**₹** :

> Mathew Arnold as We was শাহত শেই ফলের স্থনটা হিন কো'কে হ্ম অর্থাৎ কবির এই ক্রান্তের দক্ষে প্রেরিপার্যক অবস্থাৰ স্থা কৰি কথা নাই। উদাহৰণ পর্বাণ জিনি Grayৰ কথা টাল্লখ কোরে-ছেন-Gray প প্ৰিড বে যুগের কান भवक हिंग ।। कारकह जीएक विक्शांडि

神後 化 信用 re stan Postry is the celticism of life कार्य मानव कीवानक नेमार्गाठना मार्ख केविड सर्व जामारम्य र्जन छः एन भी वनिष्ठा के वृतिहा तन छत्र। अतर विनि दम्म भविमार्ग धारे कथा जाना द्विक त्मन डाँटक ट्राइट जात्वर जामना विहान করি ও তার কবিছ শক্তির পরিচর পাই। Wordsworth बाँदक बनाउ होन "The breath and finer spirit of all Knowledge."

Ruskin & William Morris an মধ্যে দেখি Platon আদর্শ নীতিবজ্ঞিত चार्ठ मिथा वह-कथाठा Ruskin बांब बांब व्यारमहरू । जांव मर्छ क्या हिंव क्या मास-रसंब्र अंद्रेडि (Passion) ९ चानात मरका শেই আটই সৰ চেন্নে বড বাহাতে sta Mice (which contains the greatest number of greatest ideas)

আমরা আর একটা কথা গ্রারই শুনতে পাই Art for Art's sake. বোধ হয় Theophile Gantier & Stan wa মাতা এবং Swinburne ইয়ার প্রচারকঃ Swinburne करनन, 'दिनान धारूकी किलिड़ा poets are the only truth teller অৰ্থ দেখিবার धीर्यासन नारे। नत वैक **(10 PM)** खनाव সামগ্রসা (Harmony) 8 जांगाजिक जीवानत শার্ভান শাহে ; তাহার মাধ্ব্যকে ক্রাণ ना वार व्यवह छारात निक नाहारक कीर्ब वा चेंद्र विभाग करिय क्षा

THE RELEASE CONTRACTOR ग्राञ्च गाम (कान ननार्काव्यक्षत्र बांड (बार्टन मा रा कैनमाधातलय गट्डब महिड विद्वाध क्य विषयोहै यति दकाम কবিতা বা আন্ত ट्यान माहिजारहिट्य सामागाहित निर्वे छाराड विदेशां के बदर्भ के अपनी हैं প্ৰেক্তাৰ পাৰ 'केंब गव' फिबोक्स' 'बांद बाहात' जमन कि कियान मिनन के क्वरण में स्मात मामारमय गारिएडा के जावकना समार শামার 'ভাল লাগে না' শতএব 'সকলের ভাল লাগা উচিৎ নয়'-এটা বোধ ভয় Neo আৰ। এই কারণে Christalul, Ode on immortality তরী'কে 🕶 🖁 মনে হয়। এবং আৰৱা रमथटल गाँभ कुनै कि भाष मिटे कविरम्ब । এই জন্ত Shelley তার কবিতার একটা Glossary of words তেরী বেতে परनम्। जर्भ क्यः, এकमिर्वितीसमाधाकः হয়ত পাদটাকা দিতে হবে। Southey. Wordsworth & Hingsley সমালোচক সম্প্রদায়ের ভরের কারণ 🕸 হ'মে উঠেছিলেন।

Mrs. Browning Aurora legh এর এক হাট্ राजारक्षम "The left to God' -- we'ld 'Emercas' allows কৰিই সভাত্ৰই। সেইজয় কৈ থাকে প্ৰকাশ কোর্বার ভার তার **छि**नत्। आमारमद ধাবিদের অন্ত নাম কবি—তারা ছিলেন সতা-বটা, নরের মধ্যে সত্যের প্ররুপটি আফাশ 🐷 क्लांद्रहरून।

Meredith of Diena

Beauve, Dowden, Raleigh, 3
Bradleyৰ উলেখ প্রয়োজনীয়। কিন্তু
বাহুলাভ্যে চালা দিলাৰ। তরে আমানদর
দান হয় সকলের মত একত্র করিলে এই
কুলাটকৈ পার্কজনীন মনে করা খেতে পারে—
The supreme test of merit is
agreement with the general son is
of mankind অর্থাৎ ব্যন কোন স্থিত।
বিশ্বধানবের চিব্রুন স্থাটিং পাল মেলে
ভ্যাহা বৃথিব গোট সাহিত্যত স্থা কারণ
ভাষা বৃথিব গোট সাহিত্যত স্থা কারণ

বর্তমান সংহিত্যের দিকে তাকাহনে আনরা কেনি হে ইহা আমাদেন নৈন্দিন ক্রিনের কহিও কিরুপে ওংগ্রোতভাবে ক্রিডে এখন দেখা যাউক নো স্চিতিদাবে ক্রেন্ড ক্রিণাক্ষ্য নাজিলা সাধিত্যির দোধ-

व्यवस्था द्वाचित्रं का माहित श्राद न्यन स्थात

বিশানকে নাম্বের কাটা কি এবং কাই সামানের সামানিক মনীয়াক ভাঙার বার্থ হান কিছা, কে সাহিত্যে হাইমানের নামান-হারনের সহিত্র কোন প্রপার্ক নাই এবং বাইট সার্বালনি ও বাভাবিক কোন মানের পানানিত করে ভালাতে তেই মার্ট বানেক না কেন ভাহা ভালা—কতকটা বার্থারীর হত। এই হিসাবে 'পান্তিলক' ও 'গৃহলার' কাই-নীয়া

প্রীক্ষা আর্ত্রে করা বিখা ভাব (idea)
প্রীক্ষা কোত্তে হয়। দেশকের থাজিকক
ক্ষতিজ্ঞতার সহিত উহার স্মাজও জাতির সবে
একটি অবিজ্ঞির সম্বন্ধ আছে কিনা দেশতে
কর্মা এক কথার বাজিগত (particular)
অভিজ্ঞতার সহিত বিশ্বজনীন (Universal)
অভিজ্ঞতার সহিত বিশ্বজনীন (Universal)
অভিজ্ঞতার সোগ থাক। বাহ্ননীয়। রমেশ
চক্ষের "সমান্দে" বা প্রভাতবাবুর সিক্রের
কোটার্য গাসা নাই।

ত্নীয়ত গণিজান বা হ্নীতি সমাজের বৃগস্থিত অভিজ্ঞতাব দল। সেইল্লু সাধিতিকের হাতে বুলি থাপিকের লাখনা পেছি ও পাপীর জর দেখি আনে রছ আপাত লাগে এবং এ ক্লিক সমাজের মাজনক্ষ নার, মেইল্লু ভাষা হয়ে। মুনীতি, স্ক্তি ও সাহিত্যের মধ্যে অবিভ্রিক বিয়ন। বশেষ প্রোজনীয় মনে করি।

চতুর্থতঃ বাহিলোর কাটামো বা Symmeary বিচার কোতে হয়, কথার মাল
মনি কাকনের বোগ, noble words set
to perfect cusics তথু ছবিখানা ভাগ
হ'লেই চল্লে ল', তাব Pranse খানাকৈও
ভাগ কোতে গ্রে, কবেই ছবির সৌন্ধা

খুল্বে। সাধাৰার সৌশ্বরো, এক একটি
তিয়ার স্থান অন্তে থাকে —কথন
বিন্দ্রাকে 'কণিকা' রকনী সেনের 'অমৃত'
সংগ্রুক দেবি কাঠানোর কলে মানুলী উপনেপকাল কৈনন উজ্জ্বল ক'রে উঠেছে।
সেনখানেই শিনীর বাহাচরী বখন তিনি কোন
কথা না ব'লে কেবল ইন্ধিতে ব্রাইয়া দেন। এই
না বলা'র (Suggested বা Implied)
সৌশ্বর বে আমাদের কাছে সব চেমে বড়।
ভাষা ভাল ইঙ্গা চাই। রাহার লোকে
Robert Browning—বিশেষতঃ তার
Sordello—কনেক সমন্ন অবোধা। ভাষার
গতে Tennyson কত মনোরম ব্যক্তি

আমরা স্বীকার কাল চরাশীলভায় Brown.

ing এর স্থান অনেক উচি.

এখন মোটের উপর দেখা গেল দে লাহিতো যথন সতা উ লৈছি কৰি তথন বৃথি চাহার বস্তভাগ (master) ক্ষর, ভাটামো বা ভাষার বাধুনি মধন ভাল লাগে থেম ব্যক্তে হইনে ক্লটি (manner) বল মনোরম হলচে এবং যথন সান্দর্যা মুগ্ন চই তথন বৃথি সাহিতিকের মনে ভাবের ক্লাটি (Idealisation) কেমন সকলে ব্রা দিয়েছে: ছন্দা (Rhyma) ও রচনার ব্যভি (Style) সহত্যে ঘটো কথা বাকে এ প্রবন্ধ শেষ্ট কোটে চাই।

ছম্ম মান্যাক্ত নীবনৈ প্রথনি বৈশি বিশ্ব নিজে বিশ্ব বি

উপত্যাস, নাটক ও এবেছেন মধ্যেও একটা গতি নাছে-নাছার বেগ সামাদের मराहक कुलिए। भट्य गाउँ अर तर्गकि दिली मान हम देशक नामहे Style, किस अहे Style ভাষ্মনী কি অস্থূল্য করা গায়, (बाकान बाद ना Balesali ात केश्रि ক্লিক শাহিত্যরথীর চাড়াও বিলান, এমন अर्थ्य इत्हार अ Arnold Bennett भूज काम अरमहरून । य वर्ष्यान कालाउना पिरा যদি চন্দ্রে দিতেন ব ল্ডেব প্রকার (১০° ৯ এবং ভার বেনামও **অকু**প্র शाक्रकः वह Style किनिमती शनिकार ্কেপ্রে বুলান ঘড় কঠিন। বেমন সঙ্গ দেখে কোন লোককে চিন্তে পাতি, কোন अधिक भित या जानका अध्य उनहें सांकित Collure এর পরিচয় পাই সেইক্লপ The style is the man. west comore. त्वरक भार**कत्र कांट्स** धता **एक लिस्**कि Dia Burle.

ত্তিন-Temple Classics এর একখান পুর ছোট কিছ বেশ ভাল বই--Worsfold's judgement in Liter ature এই প্রবন্ধের মুগ উপাধান]

अश्र त्रश्राप्तरत अश्रिमा अमानिक द्वेष्ठिक्ष वि. व. वि हि

ই আই রেলাওলের একটা মাবারি গোডের
কৈশনে একথানি ভাউন পাামেলার টেণ
থানিবামাত এক ভলুলোক পূব ব্যক্তভাবে
গাড়ীর নগাম লেণী ও ফুডার লেণার কামরাপ্রতির পোন লেণা ও ফুডার লেণার কামরাপ্রতির পোন দিন ; টেক্সে অসম্বন ভাড়।
তিনি আরও একটু দোড়াদেড়ি করিবেন,
এমন সময় টেলের সিটি পড়িরা গোল।
আর পেনী করা চলে না। সম্পুথেই ইংরাজীতে
ক্রেক্ সমুরোলাড়ানণের জন্ম থা একটি
ছোট কামরা একেবারে থালি দেখিরা
ভূগা গলিয়া ভল্লোক ভাতাতেই উনিয়া
গ্রিক্তন। টেণ ছাড়িয়া দিল।

ভালেকটির বন্ধন বংশর বিশ কি বলিশ হটনে তিরপে শানাদিন দেশীয় গ্রিছনে। এক গানে মানারি গোছের কেটা লাগি, জলার গানে একগাছি মজনুন দক্তি— বারাকে ছোটগাটো লাঠিও বলা গহিতে পারে। ইয়ুরোপীয়ানদের কামরায় উঠিয়া বোধ হয় মন্টা ভাঁহার একটু খুঁত খুঁত কারতেছিল, ভাই টেণ ছাড়িয়া দিলেও ২০১ বাছ এবার দধার বারক্ষেক গ্রাক্টিয়া তবে হিঃ হট্যা বশিলেন:

কতক প্রতি টেশন কাদিশ ও পার হইর: গেল। বর্জমান টেশনে গাড়ী অনেককণ থানিয়া বধন ছাড়িবা দিরাছে এমন সমর অপর একজন আয়োই সেই কামরার উঠিয়া গাড়িশেন। "Shall be back to-morrow"

কোল কিবিব)—কথা করট। ভারাকে বলিয়া হরার বন্ধ কানবা লোকটি কানবা পড়িলেন। আরোহীটি দেশীয়া কিবিলি টিনিবা কারেইব কাতীয়, নোগ হয় গোরালী ছুটি কটা। কারী বিশেষে কলিকাত। বাইতে ছিলেন। ইয়া হইবা বলিতেই কামরাটির এককোণে উপত্রিই বাঙালী ভলগোকের প্রতি ভারার দৃটি পড়িল। কিবিলি যুবকটির একটু বল-নোষ ছিল। ভলগোকটির বাঙালী পরিচ্ছদের ভাতি লক্ষ্য করিয়া তিনি ইংরাজীতে জিক্ষাপুন করিবেন, শিকুমি কি ইয়ারোপীয়ান্ ?"

নাধালী ভদ্ৰলোকটি বিনীতভাৰে উজৰ দিৰেন—''আজে না, জামি ভারতবাসী।''

"তাৰ এ কামবার উঠিয়াছ কেন ? জাননা কি ইলাতে অধু ক্যুরোপীয়ানদের ক্টিবিং জানকার ?"

"কানিতান, কিন্তু অহতে কোপাঞ্জ উঠিবার আন পাই নাই এবং আনার এই টেলেই যাকণার নিশেষ প্রযোজন সে বস্তু ইহাতেই উঠিতে বাধা হইয়াছি। 'হাতাড়া ইহ' এ ক বাবে থালিও ছিল।"

"যথম থাকি ছিল, ইলকে থাকি রাংকি উচিত ছিল—অকং হতকং আমরা কেল ল উঠিতাই। তোমাদের জন সমগ্র গাড়ি' খানা ছাড়িবা দিয়া ফুইবান বেক রাখিবাও নিজার নাই। এন জক তোমাদের স্থিত কিছুতেই আমাদের বিল গ্রহতহে না।"

महिता कि न भिन क्वेटिक मी, कावन

San malical faces in believe

্বাহৈত এবাছ চটিয়া গেকেন। রেবেছ এইব ভিজানা হয়িলেন এই ব্লাগাট আন ইতিক ইনিয়া নাভ হুমিনে ক

ভাৰতীৰ বাৰী ও ইয়ুরোপীৰান বাৰী

ক্ষিত্ৰ কৰু বিভিন্ন আক্ষরত বাবহা কেবিয়া
ভাতিৰা কেবুল কৰু বোপ ছানাভাৱে উইপনে
গাঁচৰা বাৰিয়ানে আহ উপনাল কৰু
ক্ষা কোন ইয়ুরোপীনান বানিব। জনা
ক্ষাত্ৰীপাল বানি পড়িনা বানিব। জনা
ক্ষাত্ৰীপাল বানি পড়িনা বানিব। জনা

ক্ষাত্ৰীপাল বানি পড়িনা বানিব। জনা

ক্ষাত্ৰীপাল বানি পড়িনা বানিব।

শনিক্তর কবি। তোমার বক্তা ব্যবহার শোশ সিরাছে। এখন তো বসিবার লোক ইইরাছে, এখন ভূমি নামিরা ঘাইতে পার শি

ভন্তবোষ্টি উবৎ হাসিরা উত্তর নিলেন —"মাপ করিবেন, এখন ডে৷ নানিবার

र्शिक्त गरि

্ৰীৰ ইইনা পাহেব জিজাস। করিলেন -কৰন তোমার অবিগ হইবে ? ্ৰেইডজা শেষিছবা মাত্ৰ।"

এবার সাহেব ক্রোধে জুলিয়া উঠিয়া ব্যার্থনা একটা মাঝার ষ্টেশনে গারিবা ক্রান্ত ক্রি জোনাকে জোর করিয়া নামাইয়া

ক্ষালাক্স বিনীতভাবে উত্তর দিলেন— শ্রালানার কয়গ্রহ

্ষ্ঠ কৰে বাজেও বিনীত কিন্তু কিঞ্চিৎ প্ৰিয়াৰ পূৰ্ব উত্তৰ জানৱা অভ্যান ক্ৰ ভাষেত্ৰ সামৰ জানাকে আৰু কোন কঠিন ক্ষাণ্ড বিনাত নামৰ ক্ষান্তিকন বা নাম

स्तात विश्व कर्मातान, देन होनंनीमा शाफी काछ है। व शिक्षी अमिरन हमनाहम अभिन्न शिक्ष सहस्तात जाताहम करा नामका स्वि

Company with will a virtue or to the second of the second

ভত্তগোষ্ট ক্লিমানার দিকে একটু সরিরা আসিরা নাহেবের কিপ্রগতি লক্ষ্য করিন সূত্রসিক্ষা। একটু পরেই লেখা সেল ক্লিমানেবেকে জ্লিফিরা নইবা নাহেব সন্তাবিত বিভারসারে সেই দিকেই কিলিডেছেন।

প্রত্যাক নিশিক্ত মনেই বসিগাছিলেন।
সার্ভকে লইবা সাহেব ক্রমণা কামরাটিই
কাছাকাছি পৌছিতে তিনি বাাগ হইহত
ক্রমট ভব পাতস্ন মাহির ক্রমিণা ব্রীরে
ধীরে পারতে আরম্ভ করিবেন।

একটু পরেই দশকে ছবার থুলিরা দিবা সাহেব বলিলেন—Here is that obstinate fellow (এই দেশুন দেই এক-ভারে লোকটা !)

একভনে লোকটার গাড়গুন তথ্য **হা** প্ৰান্ত উঠিয়াছে।

গাৰ্ডনাহেৰ চকু কণাৰে তুলিয়া বিজ্ঞানী করিলেন what are you doing Balan ক (একি করিতের আৰু গ)

াৰ মৃত হালিছা উ**ৰুৰ মিং**কল just becoming a **মিন্তাত্ত্ব্যালী** এই সাহেৰ ধাৰাম আয় কি ৮)

रक्त वित्रक्ष भारतारी तारका अनिकार

- Whatehe herd so you mean by Mana : Colores (C. Prei P. Marie (P. 1) करणांक र जाक स्टार विचालको "काशकि आरक कार्यनासर्क जार 💆 अपि हे अत्यक्त जीवकतानी। टर्डेट्स जनारः दनत कन प्रविदयः महि विक नाम नामकान-ठावा अपन प्राची तान नाम नामादेश निक Thatis day district will now, there is no hall the

कारामार्के व्यक्तित रहेरतं ना। योगात चिक्त- क्षित्रहरूते !

[শ্রীগিরিজা কুমার বস্তু]

हुश्-हुश्-किश्व ना क्या ; এ নাম এনোনা মুখে কারো বদি বাকে বুকে থাকে কেহ অধোমুখে छत्न भाग वाषा

কার তাতে কিবা আলে যার आशि यनि ठित्रमिन शांकि पूर्व मीनर्रीन বেদনায় বিমলিন

निलीन ध्लाप তা'রা আজ হ'য়েছে তো স্থৰী চৌধো চৌৰী হ'লে পরে প্লাইড বারা সহর

রহিত বিরাগভরে

তা'না ড' ভাগই পাই

वराष्ट्र महारे

ভাষাদের পরিতে জীবন আল উ কেইই নাহি— পরশা শরণ ছার্ম চরণে মাগে না ঠাই

কোন সভাজন !

একটা চুম্বন মাত্র বাচেনাক' দিবারাত্র কছে না—"এ প্রাণ পাত্র ভরি,' দাও স্লেহ"!

শতছলে ভাহারা ও' আঞ্চ যায় না পলায়ে আর ভাকিলে ও' বার বার গৃহাস্তবে লুকাবার নাহি কোন কাঞ্চ!

কি শেল যে বেক্সেছে এ প্রাণে

কুপ-কুজু ভূলে কুপ্সের বোলো না খুলে

তা'দের ক্ষর-ফুলে

কাঁটা কোনখানে

হৰে থাক ভারা প্রাণে প্রাণে বাক ভারা ইনিহাবে আমি বালাইরা বুকে বীর কিডা, রব ছবে প্রোমের শাশানে।

প্রভার

व्यक्षानक जिलानीमार्क क्रियाक वाम क

श्रास्त्रक्रम नरमारच नाम क्रिया छःथ কি, ভাষাৰ ভাগ কও তীব্ৰ তাহা কাহাকে बीनेबा लेक्टक एक मा । अवनी, निर्मन, बानक, वृक्ष, श्री, गुक्रम-नकरनरे कार्यन मरकाह অহুলায়ে, খাণন আগন কথনিৰ্দিষ্ট কলায় ক্ষেত্ৰ সম্ভান গভিতে কেই বক্তগভিতে এই करभवरे चाक्रमण हरेटड चवाहिक गांड क्षत्रियाहः क्षत्र धावयानः इदेशाष्ट् । कंपांकृषि, महा ठक्का- अशास नकरारे अभूरी, অভারতা তাই আপ্স অভারমোচনের জন্ম উপিতভাৰে পাত করিবার স্কাৰ্ট একটা উন্মান্মর লোভ প্রবাহিত শ্বহিষামে বেখিতে পাওয়া যায়। অতি কুল পরবাশুর কন্দান হইতে অতি বৃহৎ ব্রহাণ্ডের **बार्टनायुन नवाय क्रष्टे क्रम्बे दश्रतनात अरी**न ह ভাই ছাৰ সকলোৱই অতি পরিচিত জিনিব।

কার হন, সংসারের ক্ষান্ত কার্যান্ত কার্যান্ত হন, সংসারের ক্ষান্ত কার্যান্ত কার্যান্ত

এই ছংধনিয়ন কি প্রকারে মানানানী ভাবে হইতে পারে তাহার উপায়াদির বিপ্তারিতরপে আলেওনা করা দর্শন শালের উদ্দেশ দর্শন শালের উদ্দেশ দর্শন শালের অক্টুডি হর তর্মন লাভাতে সন্দেহের উদয় হইতে বারে মালাহারে এইভাবে গ্রামানাক শালের উলির ভারার নামারের উলির বা যোগী নামে আভিনিক তীহাদের উপলব্ধি ভাষার সামারের প্রকাশি ভারার কর্মারে রাজ্যারিক তীহাদের উপলব্ধি ভাষার সামারের প্রকাশি ক্রিক তিলাকে ক্রিক বিশ্বর ভারা সম্ভাবি ক্রিক তিলাকে ক্রিক ক্রিক তিলাকে ক্রিক ক্রিক তিলাকে ক্রিক ক্র

भीनते अधिकात हत शहर मनावर्ष প্ৰতি প্ৰতিন বেছে হয় মা। এই मि तरा क्षेत्र कर कर व स्ट्रेशन ती क ভিনাৰ জনা ভাষাকে অধিকারী শিষ্যের **শ্রমানীক্র্যানে** 🗼 বিভিন্নপ্রকারে OF STATE के किए के किए कार्या के महिला के महिला के म nicopine na fifting, sieten feruge ला क्रिक्स विकास मिरा कार्य करें। इ ने के भारत त्य ্রানার জাতান অস্তদ্ধীয়ার। বেশ MINI THE I

an বিশি এ কথা যত 54 Btb. 1017 **নিয়েকের আমেনীয় কি সে স্থরেও** যে দৃষ্টিগ্রন ্^{টা **পাত্ত** ভাষার নামঞ্জন্য ধরিতে পারা গাইবে।} **्राध्या द्वा माध्या होत्र मा ७ क**णा त्रस्या । ७ विश्वास प्राथमित्र निर्देश अस्ट्रियत ८७४ अन्य । ক্ষিত্র মান্তব চার্য কি 💌 ালে 😘 না, এতরাণ ় প্ৰশ্নবৰ , নিবৃত্তি - চায় - ইং ৷ 264 1 编纂管学员 र्धाः ज्ञाहार 55.3 1. (5) \$5(4 माक्षेत्र कार्डा शक SICHE SEAR PLOUDING PARTY ক্রাক্রাক্রাক্রাক্র ক্রাক্রান প্রধান বাল্যা । বালক নাব তাথা ভালক পুরামার্থ মধ্যে স্থান भारता के किए पारिए देखा । के एक एक प्राप्त क्रमधाराजा । ११७ ना।

নামত একভনেত্র নিকট বাহা যুক্তি - বিটার করিলে আকৃতিসান প্রভতি করেছা स्ट्रेंड हे के अवस्थित एक बार्ट शिकान করিতেই হইবে। প্রকৃতিলীন ভঃগ নাট, "কারণ। তঃখ রছোঞ্গের বিকার। গুণ ব্ৰয়েৰ সাম্যাৰস্থানন্ত্ৰী প্ৰকৃতিতে স্থ:খ चाएछ विभाग श्रीकात कता यात्र मा. व्यर्थार ৯:খ (ছ:খ এবং লোহও) সেধানে কাব্যজালাহৰ আছে। ধাহা অবাকভাবে সাছে ভয়ুভবের দৃষ্টিতে তাহা না থাকারই সমান কগান মুক্ত শবস্থাতেও তঃ ব নাই, কিন্তু গুণু এই কুঃশান্তাহ ভংশত মুখা নাধে। কেহ কেছ **অব্ঞ**াব**ন্ধিতে** ারেন যে প্রাক্তিনীন অবস্থায় উদ্ভৱ**ন্ধারেণ্টি** মানে, নাজিকতে একা <u>লা</u>ই কাৰ্যাৰ মুক্ত ক্ই**লো** আব প্রবাদান হয় না। হত্যাবে এখানে ব্য আলোচনার এটায়াজন चार्ति । अथानि ७५ वेदार्थ **राज्य**ा, हुन **दिवा** শ্বস্থাং ভার্বনিত সরস্থা, প্রভাগ আন্ধান १८ भूष ४ ५ छ। इ.इ. मास्त्रा १६। दशक्तिक द्वाध

বাং: হড়ক, মাঞ্জেষৰ প্ৰাথাকাৰ জীৱন पहे. १५ ७०। इस वर्णमान कृष्यां मान मा.क.--ভালাব ,ব জাৰ কাটিয়া গ্ৰিয়াছে জনবা ,এ হে জ পার্বহাল তা অক্সমন ভাষার থাক ডাই। **ेक्ट बेब्रोड आ**में । **पान श**ोक हे, लीन इंडलो होया । लाशीवर्दी हे एक दशकारवीय **राख्यत** माने मा কান সাইতে পারে না দ

- अहे तम को बारवाय, अर्थवा मा**भावद अस्ति।** कि

नवनक्ति । क्ष्मिक क्षिप्रक या किमादार न लगा ता उमाक कर समाव किमा करियाहिए। "वसर क्रिकेट क्रमा विकासि विनेष देशपत्रिक मुक्तिन विभएक केंद्र अधिवत । कि ८ वि.मी वि मिश्वास वर्णक के समामास्माक क्षेत्र किना स्टाट्सिक स्वितिक स्वितिक प्राप्त करते । या को १ । ७ । १ इंटरन इस्त्र स्वितिक स्वतिक स्व माठा करें। माठा भे असिक निर्मात के अस्ति देव के बाहर है

-PET THE PASS PRE PRES THE THE DIE THE WINDS PRINT, PRINT, भागविद्यात नार्ड । जोरे शानिया २७०, मा शाबिक इंडेक, तबन ८५ नाम व्हेंक, जीर আনশ্বের আধী—এই বানস্থই তাহার সের: क नार्ड, दलका थ नार्ड ।

জোগ ও মোকডেনে এই আনক অভান সাইতে বিবিধ খালিয়া প্রাক্তিভাত কর, তার পুরনার্থও হুই প্রকার। ভোগ এচিক ও পাৰ্যাত্ৰক ভাইপ্ৰকাৰ - টাইকভোগ আবাৰ हिमा (कार) अंकारम (कार्य) और গুট ভাৰে বিভক্ত। পাৰ্যত্তিক ভোগ এক अकात (भर्ता)। बहेजाद माकला भूमरार्थ हरू বিধ-বিবিধ ভোগ ঋণর প্রয়ার্থ, আর মোক भवम्भुक्रवार्थ । इंश्रेड श्रिमिक ठड्ड में मन। ইহার মধ্যে ভোগাত্তক আনন্দ বিনহর, মোক নিতা। একটি হের, অপরটি উপাদের। যেখানে ভাষ্ট শেখানে মোক নাই, বেপানে মোক দেখানে ভোগ নাট। বৃভুক্ষা ও মুফ্যা পর্বস্থার বিরুদ্ধ-ভোগ ও নোগও বিরুদ্ধ। একাধারে বুগশং উভরের সমাবেশ সভ্রবণর নতে। বিশেষতঃ তেলি মজানমূলক। যোগ ক্ষাৰ সুৰক্তিবাং উভৱে সামধ্যা নাই। ্যোগশালে এই জনাই বিভূতিকে কৈংগোৰ অন্তরাত ব্লিয়া বর্ণনা করা হইয়াছে।

সভা কলা। কিল আগম বলেন ইংগ हर्म प्रका मार । त्काश थ त्यांक वकरे তলের চিরসকার হুইটি বিক্রারে। যে বুক্ত পারিলেই পর্যাক্তরি ক্ষরপুর

CHEST HER SOFT with being man i the wint remains white the contract CA WINISHES, CONTRACT TO SOUTH THE PRINTS STREET OF STREET दकाशांत्र भारति । यत्रका को कामानम इहेर्ड देन्त्राभा असम्बद्धानिक लायम् व स्टेर हिल्केकान ना स्टेड शासिक ग्रमाबाकारमञ् आक्रीमन शास्त्री गाम ना दक्तमांच क्रिक भवनार्थः साहा प त्माका विश्वसनी धरा व्याचनकाकृत नहां निकर একমাত ভোগা। সতা সতা ভোগো ভি स्टारमा कान टरेश मारे. टकाम विदेशन मार्क-र्वाटेकन क्लानेस्ट्रांन नमी मनीव माहित: ।" मृति धकरे ेन्द्रकाव सर्व *(মাত্রাতীত) আশান ' শ্রীক্ষণ আমোচক' গ্ৰহাৰ ও বিমৰ্গ আঘৰা কৰি ও শক্তি এই केंग्र कर्म्य मामग्रक्राम विवासमान कारहन। তিনি নিতামুক, ঋণচ নিত্তৈশ্বাস্পায় ভাষার অন্ধানের আভাদত পূর্ণাহস্তাচনংকার वा जानमात्राम । अस्त्रनामृद्धिखात्व जाठार्यः मक्त्राक्ष वह सरहारक महाविज्ञ त भावदेशवर्गा न्येशिया दर्गना कतिएक विरुद्धान्य, ध क्श बामवा कृतिकार के श्लोहनी कविशिष्टि ! का उत्पन वादी मान्यक निरम्पुक्रवार्थ छाहा त्र अक्टिरिय दशान अपनाक केन्द्र भारपे किन ि इंट्रबाब योत्री छाराट्ड देशम मन्तर गाँउ :

किश्वीयाद चक्रा कि ! हैश

A MA CO CENTER PROPERTY AND PERSON CONTINUES OF THE PERSON AND AND ADDRESS OF THE PERSON ADDRESS OF THE PERSON AND ADDRESS OF THE PERSON AND ADDRESS OF THE PERSON ADDRESS OF के क्षितिश्चे भारति व्यायका क्ष्मानि मुक्ति क्ष्मक अकुर्ण कि तक्षिता विरामित क्षिति क्ष्मिति क्ष्मिति क्ष्मित क्षिके अपनेन कडियाकन ।

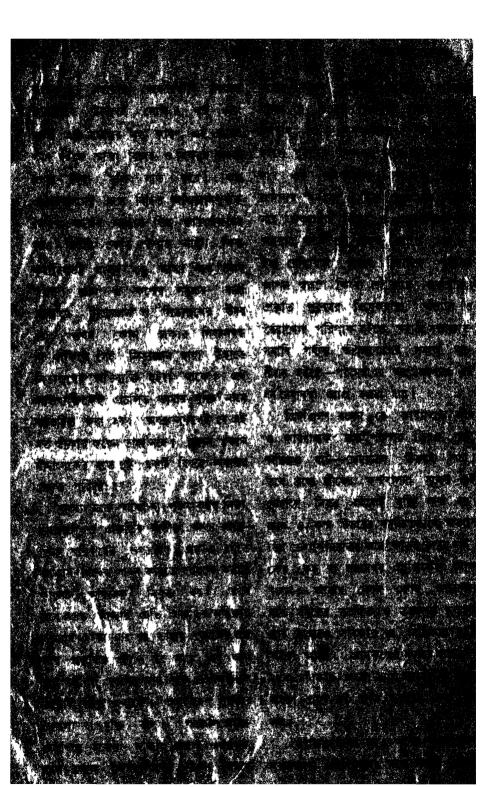
AND THE PERSON AND AND A erende de éléct abus allem :

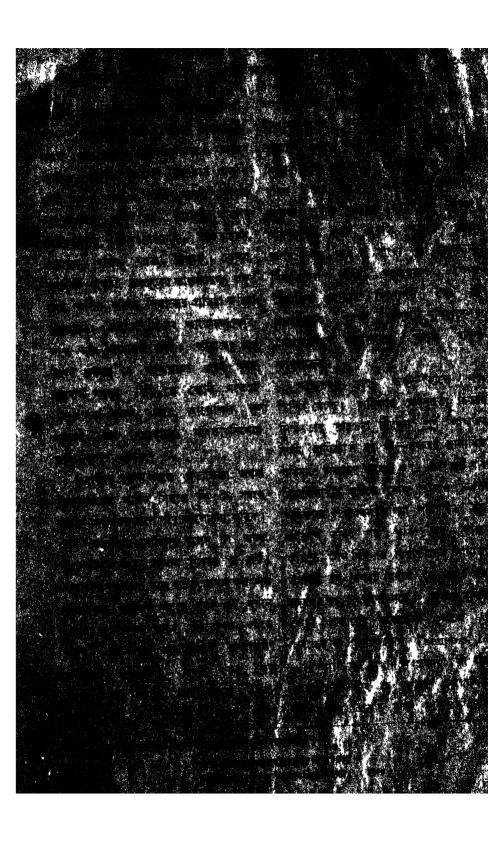
CT TO COLUMN PARTIES PROPERTY. American control (speech

क्षितीय बाज्य राज्य प्राप्त करा सम्बद्धी अनुसर्वादान क्षित्रेचा आगम् १५०६ व

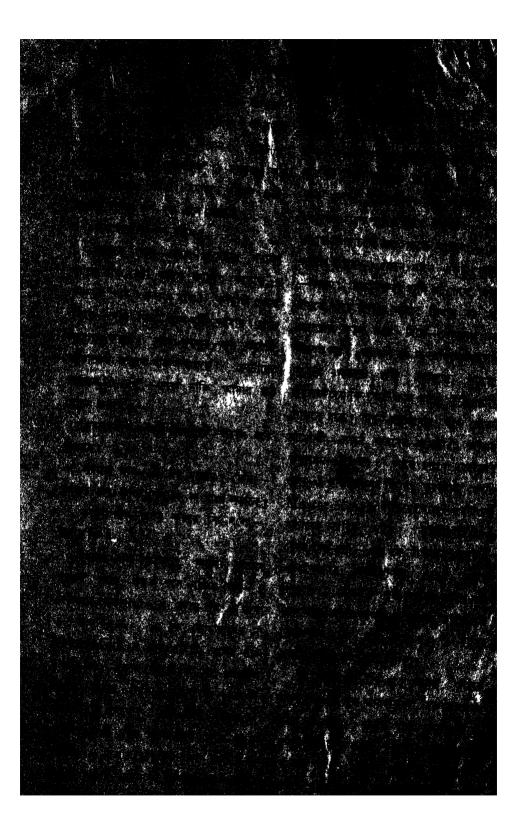
AND PROCESS OF STATES OF S

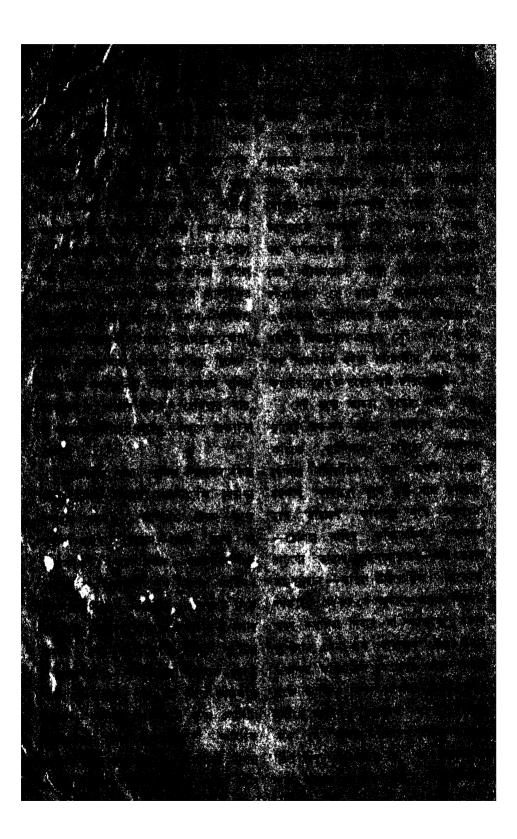
All of the state o





and the first of the second





A SECURE OF SECURITIES AND A SECURITIES A LANGE THE TEN AND A VINE TO

Compared to Market Street AND PRINCIPLE OF METERS THE PRINCIPLE OF THE PERSON OF THE James to the Enrich Contie

The state of the state of the state of THE WHAT IS CITY OF COMM CONTRACT SHARE THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF

HAVE BEEN MEN MINE POP edde at tree see ber being fo CAMPAGE OF THE A STORY DESIGNATION he bittle lieuselt ('At TORY) 400

The Water Court of the Survey There are the there are not the contract and introduc Marie Tollards Milesta Francisco

CONTRACTOR OF THE STATE OF THE Inches a supplied to the supplied of the supplied to the suppl

with the largest and the large THE PARTY PERM NO. ing mate, writering one wife.

THE PERSON NAMED OF THE PERSON THE PART THE ARM TO SERVE CONT. (-- VITATE) CATE DISCON. THE

ATHOR PRINTS & THE PIE THE COMPANIES TOWNS IN STREET AND THE PROPERTY OF THE PARTY OF TH

क्षेत्रक सा सामग्रह मामकान कामाना MALE APPENDIX POLY TO THE PROPERTY AND PROPE CHANGE - MARCHE CONTRACTOR OF THE PARTY

THE COUNTY WANT POPENTIES LABOR. TO SECURE SECURE SECURE SECURE THE CHAPTER WATER TO SHE TO Transaction of the contract of

a well of the sea of the first WOMEN TO A TOP THE VIEW OF THE STATE OF THE PARTY OF THE PA

THE PARTY OF THE COLUMN THE COLUMN THE े जारि अवस्थादक स्थानि काम करियान काला होते ।

my of her stelling, wire might afortised in high support and work company have allow many of the statement of the The state of the state on the state of the state of the state of

THE PART OF STREET AND THE PARTY AND ADDRESS OF THE PARTY ADDRESS OF शास्त्रकोर क्षेत्रका अपने दशासात्कर पुरिनात नात स्वतिका स्थानक प्रमान स्थान है। , deals by San State ou at an act alth withher restaurs

अक्षा नामान्य करणे । कामने विषये केलीय क्षणीय रेजी *ने नीम विश्वविद्या*ति and the second that allies, see and second of a large of the contract of the c SOUND THE COURSE IN THE STREET FILE

AND ADDRESS OF THE PARTY OF THE AMERICAN POST -- CENTRE DISE

- A A STATE OF SELECTION STATE OF STATE OF SELECTION SELECTION STATE OF SELECTION STATE OF SELECTION SE TO SERVICE THE PROPERTY OF THE

where where the mount of the party and the p

COMPLIAN "TRIBUTED OF BUSINESS

THE THE PARTY OF T

BOTTON HAVE BEEN AND STORY TO A THE REPORT OF THE PARTY OF THE STATE STATE STATE OF THE STATE sulfrage priest, sales afrance de man a little man alle

E of Selection of the second states of the second second of settle states of horse, when the settle states and the settle states CHARL SHALL STUDIES FOR THE TOTAL PARTY AND THE WARE STREET water and Pollows of the Differ Tolke and the

CAS STREET which which the party of the last the same and THE THE COME STATE SPRINGS (SPRINGS) AND SERVICE STATES

THE REAL OF MILES AND A COMMITTEE OF THE PARTY OF THE PAR PARTY MANUAL CONFIDENCE OF

> MARINE THE SECTION OF SE ore and the state of the state

र्शनदा

CONTRACTOR STATE OF THE STATE O THE RESIDENCE OF STATEMENT

PROPERTY PORT PER INTERIOR MARKET COMMENTED AND ASSESSED. Charles where the contract of the last the and any corps, for their क्षा कारिया नाव्या निया व्यक्ति SAME THE RESULTS OF STREET with worth carry, went firsts. Burnate / gen and all attent

der on the type Liver was reserved AND THE PARTY OF THE PARTY OF

THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PERSON NAMED OF THE PE NAME OF THE PERSON OF THE PERS THE ST TENE THAT STATES IN AN FOREST PRINT FOR STORY THE PERSON NAMED IN THE PERSON NAMED IN नाम मार्थ ।

Mary Mary In Part 17 1 / 1880

MANUTE FRANCISCO STATE STATE STATES AN ED MAN AND AND ASSESSMENT MANNEY BY THE PARTY OF THE P The regionality of the reservoir way on a finish and a separate state of the "And In The Paper, Cost and HAN STATE COURT FAME !" WAR SHALL STREET STREET, STREET

> with the difference of the second TOT THE THE WHITE HERE CONTRACTOR DESIGNATION OF THE PARTY OF THE P WATER WEST W MUTTER WITH THE MET STORY IN STREET THE PROPERTY OF THE PARTY OF TH Freign fielder Anne als States

W CAN STATE AT MEN BACKET THE COME OF THE PARTY

CONTRACTOR AND CHIEF FOR विषय क्रांचीर नार्ट-श्रीव यान्तानि वर्ष HAND RECORD COME THE CHARLE PROTECTION ced at the s. wheth a colony is

भूतिमा बार्था बरेशाहिए क्यांन जोहों(न क्षीक्राम निर्दे (जरहरू) क्या करकार : পার্মার ভারতিয়া সহবার কর, ভারাদের के कार्नर जनम छाए। स्माना के का

क्ट्राट्ट । क्रेनक्वीय हर्ति गांशीन हिल्हार ; AND WARRY TON BUY STONE, कर्युन लिखा निर्माटक पारतन, किन अ

अस्त्राचीका पुन्हें नाज :- भाविता निम्मालहे With the second second काशास्त्र वाचित्र हारिया असीन करेगा

the court of brains were les क्षा क्षा में अक्षेत्रका कारान, मागायत मारा तान अस्ति का अवास्त्र निवार, जीन भानिक के आहि नार । अंकर्ट करण शिक्ट

Stronge had compations of the THE WEST TO SE स्ता जाकि कार मोधर

TOTALIS SEE CHIEFT.

present is write sub-configuration to mile after fame, state

ALL COM SINTE STAIL AND AND AND with a spirit can called a transportal

TO TRUITE SHIPTED STATE THE PROPERTY. WE CHANGE TO THE PARTY OF THE P

चलन भागाक काचित्र, नशामहा चित्र स नकरनाचे घटन करत- किंदी नीश्र अन्तरक हिन 🏲 अव तार्व साम माजानिक

WIT SERVE STONE AS TONE DESIGN ग्रामान विकास भीति उपनि वर्गीक

"ट्रफा तासवा प्रशास है" STELEMENT OF ME VIII (ALTYW)

WOULDER BEFERRE STE HE IT STE PRIOR PRIOR PRIOR TON SWEET PRINCIPLE MAINS SEED PHANTS

frenk mans 3655 fets i militati of all select selections of DISTERNATION OF THE PROPERTY O

Andrew House

কোন সকানার কালা হোত ব ছিলে আত বেবের বাই।

কীলের নার নালার টালে কালা তোমার কালার কালার

কারার কোন কোন লোগার রাশমাণারত দেউ হাটোত।

কারার কেন্ড চলা প্রাণান রাশমাণারত দেউ হাটোত।

কারার কেন্ডা লোগার কিন্তা কোনার কিন্তা কোনার কিন্তা

চলা, এর তেনে আলা প্রাণাল নালার কালার কালার

কারার কোনার কোনার প্রাণালনার কোনার আতি কোনা

কারার কেনার কোনার প্রাণালনার কোনার কালার

কারার কেনার কালার কালা নালার কালার

কারার কেনার কালার বালা কালার মানার্থ নালার

কারার কেনার কালার বালা কালার্থ সানার্থ নালার

কারার কেনার কালার বালা কালার্থ নালার কালার

কারার কালার কালার বালার কালার কালার প্রাণালার

কারার কালার কালার বালার কালার কালার প্রাণালার

কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার

কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার

কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার কালার

अतित (मार्क)

जिस्माना। हर्यन तह एवं समावः

ছায়াচ্চম প্রচলম এ সক্তর্ত বল পারভার সাগর বেক্টা

কি অতি তাৰিলা ওটে অঙ্গুজ মান. কিন্তু স্থা জন্ম কোলাও \

ক্ষি আম শঙ্গোপরি দাকার্গ্র তলে । কীনকায়া নহরের পাশে

एकाय भारित स्थापुत पृष्टिकानि एनटलै नमालाग स्थापुत स्थापुत सारम

হায়, জাবরের তরী। দংক বাসছিতে এই মন ক্ষিত্র ছারার

श्चित्रक निर्देश किया कियान करियाला दिवान करि, जिला कर झामाय ।

নেই পথ বুকে নিয়ে আহ'ও তনে একা কাটে মোর দিবল নার্কারী

ৈ কোনে আনে ছেগে থাকি, যদি লাই বেৰ নাৰ্যাণ নাৰি সাক্ষমৰ পৰী

र शिव देकिकार

ं हैं Codes साथ मानुगरा र ।

अर्थन्त्रमा प्राप्ति । अर्थन । इस अवर्थन द्वारा करें भावको पुनर्वाको द्वार अत्र अर्थन्ति । प्राप्ति कर्या १००० (१९६०) अर्थन्ति । अर्थन्ति १००० पुर्वाको । १००० वर्षा । १००० क्रिकेन स्व भ-स्याप्ति कृता दलको । १००० वर्षा । १००० स्व विकेता । स्व क्रिकेन वर्षा क्रिकेन वर्षा । भाव रक्षा

अंदिर स्वतंत्र भीक ह को बहु का निह्न सहितास है, हैं तर प्रत्यात के प्रतिहास है के स्वतंत्र का स्वतंत्र का का का का इस का इस का स्वतंत्र का साम का का का का का का का का का

स्वक्रिक्ट न स्व भगकः द्वाराम मुक्त कि १ मु १४८० व्यक्त स्व अपन्ति स्व १ मिन स्व १ मि

समान रेक्पण आबित । अहित, शाकरत सीम केरिया काज किन गए शहे अत्य करते अधिक व्यक्त कर्या रहीकित राम्ड भगाडान नेव्यक्त नेव्यक्त है। जिसि महास्वात अवारम श्रेम केरिया अधिक भीवर केरिया क्रिकिक्टरता आरम अस्मिन क्रिया र राज वर्ष में

आकि स्थ् शाह कि का अभाग १० वर्ग १०००

অন্ন বন্ত্ৰ সমস্থা।*

[बाहार्था जीयुक अकूत्रहत्त तात्र |

ক্ষাত্র পঞ্জি মদনমোহন মালব্য ক্ষাত্র হন্দ-বিশ্ববিশ্ববিশ্বর Hony:

ক্ষাত্র কারে এথানে অপতে হয় দেব এক বার কোরে এথানে অপতে হয় দেব আমার কার্বিছে আসা ঘটেছে বি ক্রেটিন।

ক্ষাত্র কার্বিছে এই রকম একটি বিরাট সভাব ক্ষাত্র মেহিলাগণের সাম্নে আমার বজ্জা দেবার সৌভাগ্য ঘটেছে ব'লে আমি নিক্তকে ধনা মনে করি।

শাসি এই কয় নাস ধ'রে আনালের আনসমস্তার বিষয়ে আলোচনা কোর্চি। বালালী
ভারতের সধ্যে অনেক বিষয়ে অগ্রনী—
আগনালের মধ্যে অনেক জানেন যে একদিন
প্রাভাশারীয় সহামতি গোধলে বোলোচলেন
প্রাভাশারীয় সহামতি গোধলে বোলোচলেন
প্রাভাশারীয় মহামতি গোধলে বোলোচলেন
প্রাভাশারীয় মহামতি গোধলে বোলোচলেন
ভারতির thinks it to-morrow." প্রথাৎ
বালার যা আজ' ভাবে সারা ভারতবর্ষ কাল'
ভাই ভারতে আরম্ভ করে। কিছু আমসমস্তার বালালির বালালীর বালধানী
বাললার মন্ত্রের মধ্যে ইহার হান—কিছু এ
কো নহরে বালাল গছ আল কেরানী, অথবা
বালায়ীয় ভিত্ত জন্য বিশে দেখবার স্ববোল

ঘটে না। পৃথিবীতে বংশ-লীর মত এমন হংবী—ক্ষনশনরিক্ট, মাংলেবিয়াগ্রন্থ, দারিজ্ঞাপ্রশীভিত দ্বীব বোর দম ছাল কোথাও নাই।
নেল পন ভালেরই অবস্থার কথা উল্লেখ কারে
বলেছেন—"the most pitiable condition
in the world." স্থান্দ্র আন্তর্গ স্বাংলের
পথে এডক্ডেন ডোলে। ছবাজান, ত্রভিকের
করাল গ্রামে কর্মিত।

গেমন অন্ন সমস্তা, বন্ধ সম্প্রাপ্ত ঠিক লেমনত ইণিড্লেছে। আমি আজীবন বিজ্ঞান চচ্চায় কাটিয়েছি। আমি যথন Laboratory হৈ কাজ কোন্তে থাকি তখন বাইবেব সমস্তই ভূলে যাই কিন্ধ বাজলার আজ অন ও বল্লেব দৈন্য দেখে আমি আর বিজ্ঞান আগারে থাক্তে পারিনে, সেখান থেকে বেরিয়ে আসতে হয়েছে।

ষ্থন মহাত্ম। গান্ধী সকলকে চর্কায়
হতে। কেটে কাপড় তৈরী করে প্রতে
বল্লেন আমি তপন খুধ কৌড়ক শহুক্ত
করেছিলায়; আমি কল-কারবানার অভিক্রাড়
নিয়ে সে কথা হেলেই উদ্বিদ্ধে নিয়েছিলাম
এখন আমার সে ভূল ভেলেছে, আমি এখন
মনে করি যে চরক। অসাধ্য সাধন ক্রেড়েক
পারে। আপনারা এই যে চাল্য বের্ডার
এটি আমার গ্রামবাদীরা বৃন্ধে নির্ভার

वाताननीरक गामिन क्रिन माधानागर मन्द्रव अनक क्रम वक्रकार माशास्त ।

আমি শামার প্রামবাসীদের নেওয়া এই চাদর থানি এই ওজনের সোনার চাইতে বেশী দায়ী মনে করি।

गड वर्ग्य जागांग अवस्थ लाए "४० 1000. 野江 1 + 4 1 月100 衛石 開東路 計画 一次4 1 ত্রেভের চাক্রীর মুখতা ধুলাবনত প্রান্তাত के'र्प्त अहै हतकात महाज्ञारक मीकिंग करम-ছিলেন। তিনি আজ কাল গ্ৰাম গ্ৰামে সিমে কোৰাও ৮ মন কোপান চুল মন কোপাও ২০ নন কোনে চৰকাৰ জ্ঞো তৈৰী শ্বছেন আর তা থেকে কাণ্ড় তৈরী কোরে গ্রামের বস্তাভাব দূর। কারছেন। প্রায় এক শাস বছর আরে আগোলের ১৮.৫র শা• জোলা প্রায়ত্বনে কেন, বিদেশের লোটা কোটা টাকার কলড় চালান ৮০ছ।। কে ব্যবসায় গেডে, জাতে আমানের দেষেও বিশ্বব MICE; व्यामारास्त्र (कालन तालक का एकाक लिया विनौकी मुख्या भान किला विद्राह লাগালন আর সব ঠাতা (জলা চলাকার কোতে লাপ্লো। শারা ভালের মরেব পক্ষীকে নিজেরাই দুর বেবে দিয়েছেন্: क्षम Manchester काल्फ मा लागात বুঝি বা দিঘদর হ'তে হয়।

আল কৈশে কেবল কংগতেই ভারতব্য থেকে ৬০ কোটী টাকা বিদেশে যাচ্ছে আন তার মধ্যে বাঙ্গলা থেকে প্রত্যেক বংসর ২০ থেকে ২৫ কোটী টাকা বেরিয়ে গাচ্ছে। আসরা এক একগানি বিলাজী কাপড় কিন্ছি। ভাতে ক'রে আমরা প্রত্যেকবার ছ'টা ক'রে টাকা যেন মণিক্রার কোরে বিবেতে পাঠিয়ে দিছি। যক্তিকাই ২০ কোটী টাকা বিদেশে না পাঠিয়ে ঘরে রাখ্তে পারা যায় তা'হলে আমাদের ২০ কোটাটোকা প্রাভ বছর এক্য ১৪০ এই ২ ক্রিটা টাকে এরে এবেলে থেলে অভ ট ব্যকার কাপান্ধ দেশেই কৈর্ম কোনে হয় ।

स्त्रिक र त्रिक अट कर्म (जीव प्रक्रिक रुक्तिक য় প্রাক্তি সংক্রো কর্ন্তের প্রে**র** । **এক** জনকে এক ঘণ্ডান্ত খবল প্রকার নরা হয়, গ ভিন তোলা প্ৰয়ান কাচুটে দেখেছি। এক ঘণ্টা ্কাৰে কোন কাউৰে ১৮ মন্ত্ৰে ৪৫ ভোকা পারে এক বছার তল ভ্লাক **ক্রেটা হয়।** ১৮**পে: হুডে**।১ এক খানা কলেড়**া হালে** ১৯৮ ছটাকে ১৮ গান কাপড় হয়। জা'হ'লে দেখা গেল এক জন লোক ব্লোজ এক **ঘণ্টা** ६८वर कालान एक व**र्ट्ड ३৮ वाला कालाक्र** পরিমাণ ছাত্র অনারীয়ে কাটতে পারে: একবার হ'লে এলে **স্বচ্ছলে** স্থা **স্থাতো তৈরী** কলা নেতে প্ৰাৰ আৰু ভ্ৰম ফটাৰ ভূ'ভোলা . ৩ বে *শত*ভা বেশ সহ**ত্রে কাটতে পার**। ্ন প্রথম প্রথম একটু কষ্ট কোরতে হবে ভার প্র আপেনি লগ্য গা**রে**।

আমাদের হিন্দু সংশারে প্রায়ই ২।১ জন বিখব। গাকেন ভাছাছা 'নিদিমা' 'পিসিমা' 'মাসিমা ও আব আর অনেকেই আছেন। উবে। বদি চবকা ধরেন ভাছলে তাঁদের আর পবের প্রকণ্ড হয়ে থাকতি হয় না আর দেশের টাকা বাঁচিয়ে কভকটা দেশের দেশারু করতে পারেম—পরীব দেশ ও বেড়ে বাব। আহি হিন্দু এই থানে সমবেতে সমস্ত হিন্দু যহিলাদের আমি এই বোলে অন্তবেদ করছি যে আপনারা প্রভাৱ অক্তা এক ঘণ্টা ভরক হুতো কেটে তাব কাগা। ভৈরী করে পরে আমার অভবোধ দেশ মান্তকার করে বিশ্বিক্তি े चर्मक्रीरेख अकरेंदे नि. सची शारण अरदक नः। कीयन वांचलात यदत घटत घटत केत्रकात क्षांत्रकान किंद्री **ार्ड वर्षम् स्वरो है जानमहार राम नाशास्त्र** शांक का मंदिर , र । वांच् ना भी देशव शांक कालम বছর প্রাক্তের গাড়ে একদের পদে জও দেব **भृष्का**ष्ट्रहर्मा १५ । एक इसम् ३०'२५ है। होग কাশ্যমের লাখ পুতিতে পাধ্যেই ডালোব আর অন্টেন্ত বন্ধা। ১৯২০টি লাগ কাপায়ের গাড়েদ মজা কারণ ১০ ৮৮ ১ ১৮ ১ ১৮ মন र्लाफ़ भुद्दे क्या (प्रशास्त्र) इन एते. मालमान प्रवेशन ज ५८५ (करि ५५४) 📧 র্ক্ষ করে স্বাস্থ্যে আপেনারা ও এর্নদের ম্বাকীয় পরিংখ্য বল্ল নজ ১৮৫ এল ১ করতে পার বন।

क्यि वरम्(छ्ल--'ग) आ, १ ५०१ । ५(०० **লগন** এ ভাৰে অক চালে চল্ল আছএৰ আপন্তদেৰ প্ৰতি জন্ম ৷ ১৫৮ জন জন জন জন্ম দ্বৰ কোনে, কলা চুনই ৷ **ंनिरंगन एवं भाशनावा ६३४।** ५७४४ । १५ ४ লোম আপন্যদেষ উপরেষ ভাঙ্গক ন্দ্র এই আয়ার ৮১৯ এ মার ভাই ফোন পুঞ্জীয় কর্ছে—এই চরকাব প্রচার :.

ভাষ্টি ভারাচরকর প্রতের প্রথম প্রথম বি চাইবে না সে জ্ঞাে আপ্রাদেশ বল টা কাপড় পরা একেঁবারেই বহুলন বে এও হবে : বৈলাপী কাণ্ড যা, বিসাতা ক্তেরে ব্যাপত্ত ভাই 🖟 জাপনতা দাং 🗠 জাজিকা কল্পত যে भारपुर मारम दिवाली अपनास कार्यक कार्य (शांकान मां। अबे baकार छात्। एक प्राकार क्षिम हाराराह, खब्द हो है प्यामा हो है। आप ক্ষাকরে কিছুদিন একচ খোনা পরা চাই ; পার স্থানর মিহি কাপত এই দেশেই চরক। ব্যার ক্লাডে তৈরী হবে। ব্যাম মংখ্যা

াগামের মধ্যে এমন 'ক ব্লহবেও ভারেক গান্ধীর নিক্ষ্ট্র প্রতিজ্ঞা করেছি যে অবশিষ্ট বর্ব। এত ব্যক্তর মাধাপ উনি আমাকে নিজেব হাতে অদখানা খব বছ চিঠি লৈপেছেন সাজে ত্রিল লাঞ্চলার রমণীদের **南京部 出州(河) かくろて田井 | 知野(江) (田)**村 াবার প্রেদ সমস্ত ভারত বাদীকে ১রে ঘরে ্রুই চবকা , প্রান্তর। করতে বলেভ্রেম। এর भारता तो प्रकृष्टि । ते शूष्टे (त्रेहे--- (१ मन मिरकांत्र কোনে বা দলে নিচেল (লাশেয় ক্ষাক্ষ বিষে ঘটো ্ছ, লং রম্, ক্রেম্নি (১০ ফর জ্মীর গান্ধ পেকে ্ব নিংম নিজের গ্রেটীর চলকায় স্তাতেঃ . ५ १९ ने बहु के नामीत का भी दक्कान दक्का किए। ক গ্রুল এনতে হক্ষেত্র। জ্যাত্র কৈন্দ্রমান্তে বিশ্বেষ ा व ातिक का विषा अधिकार । विराज्य भारिकर त १ । एक किए के रहा करते कांभर तरम मिर्ह का - १ पान समी कि इ वर्णवात मिटे। १ १८० व्यापाठ तथा अन्तरक **धरमरहन,** घरत **এখন** কাপজ হাব: বুনবে—জেলে। মান গোৱে খামার কণা কটা একটা ভাববেন, ক্ষাম জার কৈ বল্ব। স্থামানের নিজা কবে নাজ বেও আমি দেশি বাজপার প্রীডেড পরাতে হার দক্ষা খুম, ক্রস্তর কাল প্রনিন্দা, প্র দ্রুচা এই রক্ষ কোরেই তে আমরা সময় কটিছি। বাঙ্গালী-সাহেদের অবসর আছে---ছাত্রদৈরত চুপ কৰে থাক্লে চল্বে না ভাদেরট এখন জাগতে হবে, কর্মাঠ হতে करत 🔧 धार्ट कार्डीय छ। १८८ पद मिटन मुसामनि ३'८० 5मार्थ ना ছোট **वर्ड मकलाकहे (त**म-মাতৃকাৰ সেবায় ঘ্ৰাস্থা[্]শ**ভ**ুলাৰোগ করতে হ'বে।

মায়ের অধিকার

क्षिष्ठां का भी वानना भाषा प

1:1

'নাও, বাংলা ভাই, একবার ্ক/লট। সার্থক করো।"

একধানি গ্রালাপী স্কটকে জেল্লেন উদ্ধ :শার্টিণ অপ্রামিকে বার প্রাক का क्या राष्ट्र भाषा अञ्चलक धर्माला प्र (अकिंदिक अविवास नर्ग यहा कि देना है ত্ৰিয়া দিছে এখন, তান না একত্ৰ বাশিশ্বৰ কেইলে সূবে কেছেই পুণ স্থেছে আৰু ইংগ্ৰ कुकर भूगवासिक किएक . ५. ११ फुराय ५० - १८३० ক্ষাৰ প্ৰাক্তি গাহিত্য ক্ষাহ্মা, মুছ জ্যাসিমা ক্ষিত্ৰ, "ঐ হয়েছে দিনি নন প্ৰত 814 C# 1

শন্ত ব্যাপট্র গ্রাহ্ম মারে মারে মারে ১০ছে । ·対はくに 27年の時間の中で、中にかくとれる নামে বালিকা, জ্যোতি নামের নিজ্যোলীবার নাকে १५६, याच (छ्टल ८४ १७) (छ। दवन मा, टाजागा। संबंध कि भेर खरें अ केंद्र करेंगे भे भे कि 3181"

" of infu, fold . - - "

"CYCE । करने शहर लाक एकने केरिन ন্ত্ৰ এই আমি অভাদিকে মুখ ফিরিয়ে আছি" --वालग्राहे भारक छाकिश्रा कहिल, "ल गा, ভোমাৰ জামাই কেমন নাতি নিয়ে ব্দেচে, ্ একবার নেখবে এগো গো ।"

'লা দিদি, নিন্'—

্ "আহাহা, নাও, ভাগ কোরে ধরে।, পতে

११ र. --(कि.स मिकार का ना ने कर अग्राम * 15°

न भागित कडिएलस, "डाला, लडिएस ্পার কট্ট লেলিন কুকল সে এন স্বামিন निमान दी हो तर होते हो। है। हो है প্রবিনি । কংলুই শ্নেরে ছেলেম্ডা, এর ন, নাৰ ১৯৫ল শত আৰু বেখেন, এই সেটোর 10 中开一:如何 家港 打眼 展 आगात केलि। तक्ष इत्ता भवार १,४१ 期间和 南北河、河南省 10署 图, 大型消息等於 क्षेत्रक भाग स्थान न यक मेशा द पंजीत. ্ৰকে হলকান লোকি দুৰু বাহিমে বাখন ট र्शालक जिल्लिकार में जान C514 मुक्तिन । अक्ष्मेश कारन "र्ताचा, कि तक क्रि राष्ट्राच । तारामधाराध (का कम ११५ ालाद्वामा कि. १४६६ काले. थाला १३० व्यक्त १५ (1) · 可 "你有可以且 人有什么少了。 उत्हालम र्वेट्या (म रश्रामाव करें ্চার চুইট। খানোর দ্বিক হুইদে স্কাল্র भागा का अन्य थन हें है हिस्स अप पर है है । वर्षण क्रालिश मिला भारत कहेल. "ध" াগরিবলৈ। তে। ছেলের মাথাখানা দেখে একট যেন ভাষে পেরেছিল—আবার মেয়েও যে বছ কিনি কিনা উঠতে বললে উঠৰে না, কাতে बलाका करत मा - ने शीन अधिका तकारक

ंक्यू फेट्टे इटले इनाटकता क्या कार्य कार्य भारत है हाफाछ र ाक जात बाह्न प्रदेश व्यवि निर्देश हैं। एक प्रहे विकास मान्य ना १° टेंडा व्यथम, वृहे था अमन २ मा नित्र छ ?. निर्म ক্টবোক অমন সাভিদিন ফিন্বিনে, অঞ্চলৱো ंकी दक्कर र (की-"

"इरघट ाड़ा भिल, शहरांत्र निन्।

् "ना देव नाम्। एको छटन निधाह কে াত অক্বারে থসে গাছে া বার, গাপের কাছে গেওনা গোকা । অসম গতের রেকালে তেতে এছি, বেখনা আন্তা, সা লৈকিব নাম্ব ক প্রা: । শ্বাব্র আঞ্জ পোরটা মুক্ত করিণা দিয়। প্রারহী এগুল। ,চালা হচ্ছে : এবং, শুগুলির হাত নাবা, BE COST OF AB PER CASA CACA. 如何可多以(12) (15) (15) (16) · 511 9"

大八世 电传数 医隐结 海绵螺丝 英海州。 "म रुष, १ । मेशांश्व, ८४१मध्य क्लिन ርማለዝርኩ 🖓

भारत्व पार (याकारक व्याप होहाह াজতে কম্প্রেক্তিল, তালি চেন্তি, একট্ট 一個印象 學過

ें क्रियों व करवार की व्य

" भारति कि सकरमन समृद्ध दशस्य। नाकि १ * " " H H H K TECT ?"

্ৰেচা এক মানি নিক্ষিক কৰা প্ৰ

युष्यम् तृक्षर्णः किष्यम् छेठायः छण्यम् त्रकाश्यकः कार्यास्त्रम् त्रमेषे ।" (कि.मे व्यक्ता के अर्थित (क्ष्या (क्ष्या) क्रिय (इटक्क्रीर विस्क्रकांट अवहे काकाट व्यन भाग्ना ?" क्लिम्म ।"

एक्ट विम बाजा ८७। कृतिहै ७८० निरम

"ই**দ শা**বার কি •"

"আক্রা'থাক, এখন ডে নে. कानरहा"

"তুমি একে ঐথানে শুইয়ে দিয়ে যাওন।। "图:液]. () (司 []

क्षणा खाहात कार्या कारह कहें। ্যমিজের বোভাম খুলিনেই অন্তপুৰা হয় শাইবার শুম্ম ষ্ভীনকে বালল, "লাই, ঐ ঘটে 不作他一一个心啊啊 内海路 法(

"(7 m ?"

\$51 YIGG 1"

"新計算不明 五祖 (明 (祖明 朝代)"

"পামি কৈ বল্ডি এক আছ, আমাত े अध्य २ को कार्य कारह—मांस In all क्या যুখান উঠিছে কম্পার ২০৮ প্রেল 🗀 কে সাক্ষর কপেড় ট্রান্সে ট্রান্ডে ব্রাহর হুইড়েছে (मांग्या कांत्रम, "कामदह (य. सदन याना" कमला ,क न ५ फेल्ड्स फिल ना ।

মা জ্ঞাসয়া কহিলেন, "সৰ যেন জি, "आफ्रा, (मका मात्र (का अवा सारव । किस्तिही आध्याकी द्वारत कैमिएक, याकहे द्यान

वाबाण्यत नरेया निया कमनाटक कहिएतन. ्वितिह, आक्रिक करिनेन रा । यहाँनाक १९६६ "दन, शर्मा **करिया दशन, दशरथ कि दमयाफ**

ু"না, ছানি পড়েছেব[ং]

"मामनारण भावति सी देखा भा रदब्दिन ्कन १ (न किंग निर्दे, क्लोनांगुरन रेनहिंडू"

"गामि गामिस्म ("

जन्म सामिश्व विशेष्ट्र केरियः है. व्यायः, शांके कटबटके, स्मीत संबद्धना करात्वा,सी।"

८हाइब अक्टान बन गरेश क्रिक प्रकेटर 'वाहेटक कमना करिन, "आपि कि पानन मा इब, ना कि, त्य नक्दिन जामात त्यहरन त्यादन केत्रिया किकामा केत्रित "उत्तर द्वार ्राह्म हे निर्माण क्रिक्स मान्य

क्षाता ह निया त्यात्म या अक्षी भीचेत्राम ক্ষেতিয়া কত্তিক, "এ মেয়ের ছেলে: ক্পরাই : वी रंगम ग"

क्षण्यपुर्व व्यवसूर्व। विनया छेत्रिन, "ट्राया-দেৰ স্বি খন ৰাড়াবাড়ি বাপু--ফোমারি কোন্ বুড়েংবছালে ভোনে ভারেছিল গো ।"

আরপুনার শাক্তিটা অংগেই, কাইলাম, **्योकः स्मापन (महा २५) ७** । एकानाः भा, वर्तन ४४म **व्य**न्<mark>त्र शहक महरू कर</mark>न्द्र এনোঃ স্থরেনের ে আদিস থেকে **নেশ্রবার সময় হলো, ভূমি** গাবে কথন গ বেয়ান কী লো, কট ভাজ বলাবে নাতি দেখা তোর---'

"जारमां छोडे जारमा, जारे ६६ व्यामाय কোলেই আছেন , ওরে কমু, ১৯৪) খাসন जारम दम राजा राज ? जाम र्घाट्य वाण, रवगरंत्र **कोटन टमात्र दलकू दलकू कि श्**रतंत्रे ट्वाइंग्ड इरव । भाषा ज्यामात दलेक एकटम पुरमरपर निफ्रमा-निश्न छाटे अपनीत हकारल करना. इस्तकार निन्थानि चाँव स्थाप गर्द ना, नगाइते। इत्य याक्। धरंड क्य. क कारी

श्राद श्रिया चयानूनी कहिता, "वा ना, निरंत्र

"इर्लब्र "को ब्रुवरिक केरकरात ।

अबि १९वि वीदा आडी ऋण्या ह्या ही "केपेटमां केता, दश्यू साथ 1" ्र दिन्दरक किं विमारको, रखाँद रामा उत्तर तमी अन्स কালে, না ভোৰ মাণ

"মাতিমা, বাবা কেম্ন আদতে আনাঃ একতা ছবেল কিনে এনে দেবে।"

"তেব মা তোধে কিছু দেৱ না, না ?" "ना (मध-माकिमा (स) का राष्ट्र आमि ८क्षम टकारत, कलाक लालि, आणि धाना असिंह कि ना !"

"क ८ल इरक्षेत्रम, ८थम । प्रामान कथान かいかい いいついきなる かいきい (変)さい ふかさかける বেশাষা না, কোলে জলনালে নাল

ানা, আমাত ভলেবতের, প্রাক্তিরে দিলে থেছে, আমি মাল ধানজা নেচে পূজ প্রকর্ম আমমি মেত্রমতাদের কাতে বিক্টি---

रब्धु माभिवास ८५ है। कतिक । अक्षेत्र्य आम्ब निरम लियां छिन, व्यामिम करिस, "ाइ ভ.ই, অবিদি সাদৰত্বি মুম্ব লোকো, মাৰ भाकासांकि दकाव(४ स----

শ্ৰেম্বি ম্বিমাৰ্কাতে যাক বা, ক ১. कामरवा मा यो।"

হ্যা, ভাইলৈ ভোমার ফালি আমাম বলে कांश्यव किं स*ि*?

"ना मा, श्रीमि शाकरवा।" "छ।, थाक्ना पिरि-

"ना दला मा, द्वास इस कुएका व्यास

ALCO: THE WALL KOIN दिव करोत नेक्नारक प्रवाकारक नावरक त्यन जान क क्रमन, द्रवाद व्यापना व TIV, MITTER TRANS

निक्षि वरक्त काक स्वर्षि धरतरह अवान त्थरलके विक्रकन कालक कार्या TIE SUM AN COM IN

अक्रांत हिंदुक्षा नेयर मांडिया निया त्राटिक शादत ?". कर्यी कहिन, "बाका वनि छोरे, तारण क्रिक्टोरिक धक्ट्रे (मेरिन्।"

ৰকাৰ সময় আহিদ হইতে আদিয়া প্ৰাৰ্থাণ্ড ছাড়িতে ছাড়িতে ডাকিলেন, अक्तांक अमिरक धारा छा या।

क्रमेला कामिएड कहिएनन, "जे कागर व নৌছা দালভাইবেৰ অঞ্চে বাজার হজ তুলে अद-कि (मुद्रा (क्यन हत्ना ?"

"ATT THE TO F !"

"बाइटा, उन्हें एकटक् मांड, समूद्रते। MESTER CO! ?"

्रेरिकेस देशा थाय ?"

क्रम रक्त विदिश करता वहिन, miculi''

िनारमक यह करेटल वर्डीन फ्रेंबर निम, मि ध्वतिक पाहित सामारक कि विष्टू करतका, गर्गीसक स्वाहान है। HEATER BEEFE HILE

tra telli, eff lives, entre

निनिव राष्ट्रीय कि श्रामनात्व त्यत्य भाग जीह

क्यात्म वाक्रक द्वाचाई दक्षात्म कि अनिक

"ना, जानचि कित्नत ?"

"ভাতো নিক্ষ বাব, স্বাসাই স্বাস্ত্রে –ভদাৎ তো কিছু নয়। স্বাফি ঐ नामग्रित का. किष्टु (प्रस्तिक कि

"का हा, पुर रामिक्छ। "प्रकात आहेत বেড়িয়ে এসো।"

त्मोगमिनी वरित्यन, "आमि द्यीबाटक मिश्राह, पूरे या, पड़ीदनव निकामाति अक्षात **क** क्वाद्य त्नद्धाः ।"

"कृषिष्टं शास्त्र मा ।"

क्टे कि अभारत हुन कारत बहुन बहुन **एधु याम्यान जातिके स्थादानि •**

पर्यवाद विकास कहित्त्व, "किंद्रणा, हि

"रूप्य भागान कि। दस्तादक है fat face com was

aran **aran** an ere oue after ?"

THE RESERVE OF THE PARTY OF THE

देशकि अक्टर रेगीक्टर योगि द्वासीय सार्च-अगुरा त्यास्त हर्गी

अविति क्षेत्रक कि । काक्ष्मि १.नी भी रक्षात कर केल्यक गर

METAL COUNTY POUR & C. CO. लीत्सु विश्वास एट्स राजार्थ से विशेष THE PLANE

erinta villa. Catan ara अम्बद्धाः अस्तिकातः स्टब्सः वास्तितः काक निम्म दर्गानन देश पान अन्यसम्ब

FRING PINCE! The state of the second afferni (**188**4), "P^{AST} (174 ALEXANDER DE PRESENTA

विद्यासिका में किया है।

THE STREET FOR STATE OF VEINS OF STREET

COLUMN CONTRACTOR A THE PARTY OF THE PARTY OF

Now the state of the AND PROPERTY CALCE THE CALCE

STATE OF STA THE THE PARTY OF THE PARTY OF faces was standard and a pro-

and the contract of the contra will a relate a factor of the A TOTAL PROPERTY OF THE SECOND ALLEGE ST. SET क्षाक क्षित्र लिए शहरा गहेश प्रदेश त्रांकि एक त्रिया शहरा शहरा

> THE STATE OF THE Tales es colonia art sid sine. the same state of the country f, : and (a) (a) (b)

51% TT#4 Terror (tage 400 and all fill

for his raisista file

LANCE STEWN FIRST

BO AND PRACTICATE CAL PRICE कार्च करून महान करने कारन कार्रिंग रेडिये र एक बाग व क्षा क्षेत्रक वाकि पूर्व पवित्र विचार्छ.

ca estagnia de con salto sito

केंद्र स्वीरम ना स्थानात्र एक मा विका क्षा है। के किया के कि THE WIR OF METHOD WHEN CHES AT

the second rest rest see THE WAY SHOT THE PARTY THE PARTY THE WAY THE PARTY THE WAY THE भिक्का राष्ट्र कार्य क्षेत्रकार्यक का नार. व्यान्तरकारणाहरू

THE PARTY STATES AND ASSESSMENT OF THE PARTY े दो जामार्थ कुछ राजाहै कृषि (जो देशी

रनार कर बार्ट्स नामान रेक्ट्र करेन्ट्र महाद्विक विक्रीते (विश्वय कार्मिका अनवान कत्ति छ। देश अक्षात्र देशस्त्र ना १ कर्मकृष्टिक एका एका प्रकार "कत्त्व नान दर्शका त्यारम नार्यम नेकार्य बोक्से मान्याव कथा चान गाउँ, कहान मोर

के अरवेश करेंगे, जान करिश्वांक के का, काबाद मदन, त्यान्त्व प्राची विदेश स्वीत क्ष कर्मात कर्मा त्रिक क्षामा (मार्के

जिल्हा दिया विका भारती भरेत STATE OF BUT WHITE त्रीयाच्या नारामा अस्य अस्य अस्य अस्य भाग के ब कर वर्त विशे दे विशे दे विशे के वर्त कि वर्त विशे COLD MILE AND AIMS BON COLD कर व निविद्ये के रूपने असी सहिता निविद्य

> THE STATE OF THE STATE THE PLEASE STATE OF PARTY STATES feet to dies in the feet after

COST TIMES

ALL PRINTS OF THE PARTY OF THE WITH THE REPORT OF THE PARTY OF क्ट्रांक क्रिके देशक क्रिकेटक ट्रान क्रिकेटिक र स्थानको के जिल्ला विकास राजार एका देवल का माना व कार्य शासिक कालम् द्वेनात्रः गरिकः विश्व त्वारम् विश्व अनुगः भावनाः क्षरं विरक्षः । कार । दन्ता मार्च ग , दनाहक करिक एकारक ाशात बंद्यमा त्या करता। यह, जमर्र रकाभवात । हा मालि होत्ये अने हरीत ब्रुग्धानी से क्रीक्रियो नि । किर्देश कि , क्रिक्ति १० का, क्रिक्तिक क्रिकि किन्दीई , मुपति से श्रीकां करके हुन। र गांतम सुन्नि १ हो। समान् रताम् - न्यागे यान् ६ तरना मा 湖下时 CALMITE CHEMI CE A.

े लिया केवा राज्य ५ र महिला करता कार्ति, एकान्या कि कार्रित, ा. तमावार्गा

भूरचे कक्षी अहड १० . १पिमा अभिनेत क्षित्रक इंग्लिकिस अवस्थित अने के एक वे नरित 'क्रिकें<mark>क्किकें '</mark>'क्रिकें के प्रसिद्ध के प्रस्ति हैं है । क्षांबहार हालेल में लिएक कास के महाने के महाना है निर्देश हैं। योगान साम कार्याच्या राजाय राजा ्रमहेदेक्तर, स्थान सार्तराज्य त्राचा, रस्ति दक्षांश्रम "文章碑" "阿拉丁" "公里" 对任人而行行。 自 阿拉尔克。 मान्द्रिकामा १२ छोटा ना प्रोक्टम कि प्रोताब द्वार्यकः नार्वः स्वाक्षावायः पुन्यक्ते - न्याकं दस् दिस्थारि दर्शाविभाषा के की १ वान करने तथे होय वेंद्र देशनदेश प्रांगि सा देशत बद्रश प्रथम असंदर्श, कामाब रवाकुरका, करने कुट कि आयार बेटक THE MAN OF STREET STREET कार ना अस्तर हो। वाचटन नाविक है दिन CALLACTION OF THE WAY HE WAY MINIST WITH CHE WE CHE AND ENGA THE CONTRACTOR OF THE SPECIAL PROPERTY. tipling area of sever from country can TECHNOLOGY IN THE SHOWING

THE PARTY OF THE PARTY CHICA TICH

The state of the s

क्रमण (क अन्तर्भाष दर्शाया अवस्ति क िंद", टाकाव असामाम क्यांगीक केलि स्मिन ेशंतराक क्लिंग्या : मा द्वि निर्देशकान्त्र ৰতী- কোন্ত, অলি ভোলসৰ প্ৰটিটা 🛪 医二大性利用 人物外的 辦 第八年於人物是學問題的 ELL - 1 - LE TELL CHARL CAUTH STUTE SHIPE FOR 大量 化二十二 有人 加速力 中国 网络阿拉斯斯 ्राम्यह जन हत्त् मान मा भागाह

THE PERSON OF TH STIER STEERS TO THE co-tale trades at the Mary Section CLUCK TO THE PLANT OF THE PARTY OF THE

MANAGER AND AN ANALYSIS The cold carry court (not the cold to feel to the cold to the cold

The second section of the second section of

THE REPORT OF THE PARTY OF THE

The part of the part of the TOTAL CHICAGO THE CALL SECTION OF STATE OFFICE STATE OF S

Teal Mark Carles and Aller CHIST THE THE PARTY AND कार्य कार्यक कार्यक विकास के किस्ति के कि Tarrice with the Court After The Co m dienes constitus in face at WE RESERVE THE PARTY OF THE PARTY TO

THE STATE OF THE PARTY OF THE PARTY. THE WATER OF

FIVE BY FEED THE THIRD

ALERY TOTAL CONTRACTOR OF THE STATE SALT REPORTED PRINTS ARREST TO TOWNS OF STREET

THE MENTINE STORY

CONTRACTOR OF SALES AND SALES OF THE PARTY O TO STATE OF THE PARTY OF THE PA

MINISTER 24 FOR 19

BOND DOWN THE STORY OF THE PLANE OF THE STORY OF THE STOR AND THE PARTY TO SELECTION OF THE SELECT

CATALLY STRUCK COMMITTEE CONTROL STATE CONTROL STATE Manager Friendschaft aller alle Contraction Contraction

TO SERVICE TO BE A STATE OF THE SERVICE AND A ST

THE REST OF SHEET

CASLAND LA LLACK

A MATERIAL AND A STATE OF THE S

SALEN TAN LAND BANK BANK BANK

desire a light of their cases, and the second supplies where

Marie and Marie and Arthur and Arthur and Arthur

A STANDARD CONTRACTOR OF A STANDARD CONTRACTOR

"WINE, WANTED TO A

THE WINE STONE SERVICE STONE STONE SERVICE SER प्रकृति कार्या र प्रकृति देशानी देशा देशा

नाम भेटा काना केता हैन, "ज WITH THE ATT P

· 作時間要有人的意识的信息。

भाक महत्वाचित्र १

महत्त्वम् हिन्द् प्रको छलो उत्मे असि कर् भाव कारक द्वार हार्ज का नाम नमान में में प्यानित्त क्षिके व्यक्ति व प्राप्त (४२२ अपनी) क्षित्रीन रे

েবৰকে কোনে ভুলিয়া আৰুৰ, क्रिमिन्। ध्राप्त क्रवित भ्रमकः राजिति क्षा के नहां (ताक रूप विका , बाभाव क्यांने हर्वे हिन, में ?" अन्ति कि देन आंगान निर्देश प्रकर्मा के अधिका क्रिकि-किङ निक्र रांका मा।

ी अप्रेशी आजान भीता, भन्नाय सहित्ये नी काहती आभारक हित्य है। ना है असी आहेत व्यावशास व्यागांत्र, जन श्रीति केरिक्--गारक खंभा निक्ष जामारि तरक च ठक डीराक बार्स े CAR (A 10 4) चिट्टा डाई ! शाह, मिछाल्य ালেশ থাকণ বৃষ্ট একট কৰেম্বনে চলতে ১০৪) করিস । কই, চার্সিটা ক্লেবি পুরু

্ৰাসন্ত প্ৰিয় ্তীলেও চিতিউলা স্পাস ধাস পি द्रत व्यारकाताक अक्ति। इतिमा कहिल, रगीमाधिनी कहिलन, व्यक्ति मानः उनाम कि कि निर्माति संदेश में तेता है। यह कि वह देश में से ही रे The There of

The season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of the season of th कार मा केटलाई, किर्ज नरंगी, केवरीय निर्माणक रेनाई है

MAY WATCH AT HIS MANUAL COMPANY CONTROL OF

to frame to an error me 'सावता पारतंत काटक स्मादक कान् विकि विक्रियादिः कि र्शाहर जामात रह कर । artifice at face factorial later - A face करमान मूच श्रमात निर्म का नाहेशा और है स्वादान प्राप्त कुनारिन ना दिशेर हराइस् किए। मार के के के कि मार्क के कि

> ·传统 有用数例图图 按照 多色香料() বোৰতেই ভাগখাসোঁ

> किष्टु भन की तरने था किहा बाम रहे हैं के हैं। शकात्र मा दबने, राष्ट्र । "दलकार प्राप्त नेप्रता ।" भटकम, अर मगडन देखा जहार ^क

光旗 电加速功率 建物属 高度工

প্ৰায় কল্পে 🕍 📜

''বাৰ আৰু কাৰ প্ৰণত কুবোৰি আ "के बालंब रेश र राज छ। मान करिया मिराजन क्रिकेश क्रिएक व

क्षान जात कि कर जार कि है ज न कि किराका भारत है । अपने विकि

MENDED CHAPTY (THE THE THEFT)

मा अन्य अने पान प्राप्त देश हैं के कि एक निर्मात न न तिल अने the state of the same state and same as the কান্ত কাৰ কাৰ্য-বৰ্ত্ত পৰ বিষয়ত প্ৰচাৰ কাৰ নেই ।" PARMADA PITACE?"

कि मानन विस्तर एक्निन "एकामार के कारण्डे या बर्जन

CA WINDS IN WHITE DE

AND COLORS FOR STATE OF THE PARTY OF THE PAR territoria de la compania de la comp

THE PARTY WITH STREET FREE LANGE MENDE AND FREE TO TT. ATT DONE OF CHARLEST AND

and allemorphia. Taggeth at THE HALL THE PARTY the silv chellen site was face by a con त्रा जाना नाविक विरुद्ध है जिस्स क्यादन दर्भ । यो विश्व क्रिक्ट । क्या न CONTRACTOR OF STATE O प्रवास र मांक बटन स्थानक जीवान अंदर्गातः रज्यकः त्रत्यं स्थाकः स्थ

कमना आव मामनाईएए ना भानिया सम्बद्ध

"का दर्भ क्लास्ट्रिस्ट दर्श कालाम् कार्य प्रकार के देन निर्देश के दिए देन निर्देश निर्देश के त्या का का त्या है के का त्या है का क्षेत्रक विकास देवाचा त्रेपाची जिल्ला हुए। अगला नार्षः सूच्ये पूर्वः व्यापावः विकास के देन देन हैं कि का का का का का निवास के कि निवास के कि निवास के कि THE PROPERTY OF THE PROPERTY O parts during after our for mining artist A the Control Control Street S THE PARTY OF THE P

> THE PARTY OF THE P THE REPORT OF A PARTY OF THE RESERVE OF THE RESERVE

-

আৰ্থ্য সামস্থাৰ স্থান কৰে পাৰিছে পাও স্বাস্থাৰ গোৰাকন কৰুক সাইছিলে কচি ।" ক্ৰেক্সি এমেটে

ক্ষেত্ৰ বাৰ দেখাৰ পিৰনে, বাপন ক্ষেত্ৰ ক্ষাৰ্থকে তিন তাড়ালে, আৰ বে
ক্ষেত্ৰ ফুল বা প্ৰাপ্ত নেত, প্ৰধা, ভাকে
কিমা চেণ্ডেৰ জল কেলছে কেলজে কেত হোলো- কেন, কাৰো কি বাড়া নয় ? অনন একলগেড়ে নেত্ৰ ক্ষাৰ্থৰ পেটে জন্মাকে বনি ভাগে জানভূম তো ক্ষাভ্ডলেল ক্ষম নিলিয়ে নেলে গ্ৰেক্তম ! ক্ষাপ্তকুট্ডের কাতে যাব

পাপ। খান্, এটিতা বশাবকির দ্বকার নেই আমাকে বিদেধ করে।—" দ্রুবার্ও কিঞ্ছিৎ উফা ইইয়াই কিলিকেন, "আফ্রা, অফিস পেকে এই এল্ন, এগ্নি কি

তেমার প্রাথানি না করলে একেবারেই

অন্তে মূপ কেঁট হয়, ভার মুখদর্শন করালও

6क्ट्रिंग सी कृष

শ্রামিই তো ষত গলাবাত করি, মেরে এইকথারে মোনা, কেলা এলেন না তথু কামড লিছে জানেন। এত বছ আপোদা মেরের, আলাকে বলে শিলা, ড়মি করো কেন ? জারে মোলা, জারি কি সাধে করি ছ তেলার ছেলে বলেব বেলে করি নালার জাব কদিন ছ ভিন্নবাল এই এক শালার হিলেছি হ লোলার হেইল কিছে লিতে বাবেন আমি ছ ক্লেন্স আমার চি ছেলে করান হলনি ছালা বহুদিনের বিশ্বাস একটা সংস্কৃতি স্বর্ক ক্লিয়া ভিন্নব চ্চারে

'शिकु अथनं कि धार्वातं च्यातः लाउ ।'' ेशोबोमिनी केस्त्र निल्यनं सा ।

প্ৰেক্তে লি পাৰে। না १° প্ৰথম জনা, নেৰে কথন।" প্ৰকৃতি বীছেন কিনা १

 र्मातमा अन्य विकर्त । यो अनुसर्वे क्रिकेट सर्वे

्थटगाठ ।"

পান হ বেংগে ?

গান আৰু কৰিছে দেই।

থাটার পান চোৰা মুডিয়া কৰিছে কা

ि शे बेडे चर्म मा, ।न । एडरे मेक ।

থাজ বাদলের আর বাধাজি হিশ্
গভীর রাজে দে প্রতি গুরিহত শ্লাদি
গভাইষা কখন মে প্রনিপের কাছে নিরাজ্ এবং একেবারে ললাকাও রাদাইরাছে রোজ গেল না। থার রোমা লেখিয়া ধল্পার্থ সামাও নেটুকু তন্তাবেশ ছিল ভাষাও উধার্থ ইন্মা বার এনং দে ভরন্ধর দৃশ্র স্থাপার করিবাস প্রেই তিনি চীৎকার করিছা লাসাইয়া উঠেন, 'ওগো, ঘ্রে জানেন

মুভত্তের মধ্যে সোনামিনী আৰু ক্রিটা মুলারের বাহিরে আনিয়া পড়িয়া ক্রিণাটো সজোরে এক থাকা দিলা তুলিয়া দিয়া ক্রিণালন 'বন, ছেলে বন ''

কমলা ইহার জন্ত একেবাবের পাছত বিশ্ না আড়ই ইতভন্ত, সন্ত্তিত ক্ষ বাদলীক কালে তুলিয়া লইতে কেন বালা সীদানিলা জন আনিবার জন্ত ভারার ছুটিয়া গোলেন। তারপত্ত প্রকৃতি নাম্ভত কোলাইল, অন্থত হুড়ারভি জার ক্রত বালি-প্রশাসের বৃক্ষা ট্রাশক।

ক্ষিত্র আর্থ ই প্রথম, কর্মান চার্টির নিবাস যেন নিতারত নিশ্বেষ ইইরা জানিক ভিন্ন ক্ষাপ্রনের বর্গীন ছটাব, ভারাবই ক্রিক ভাররা, ভালারত ক্ষিণা, ভারাবই নিকে চার্টিরা স্ব গ্রিক প্র ইংগ্রিটির ক্ষাপ্রক্রিক প্র ইংগ্রিটির ক্ষাপ্রক্রিক

क्षिक विकास करें पाविद्यात मानाक काटक याया आमात्र महिक छिलाइ Calent Scale Calent कारिक करने ट. विका चात्रक दम्बिन छात्र मार्टिश के समाहि। व्यवस्ति मेंडाई अकड़ हैनिका अविवाहिनान ; जारंगा उनि मार्ग भान नार नहिंद्र देशक अकहा William Tiers 250

तर्में केन बरेगा निर्माक, विकास पावत क्शांत्र शीव त्व्यनरे आहि। ग्रंथत तर दे अपने किन ज्ञान गांगारक अस्तराहक ক্ষ্মি কিন্তু আমি বলি অংকার ুএ তো সৌভারা। স্পুশার দ্যা। আমি লেটা নেইরপই আছে।

किर्देश कीटके इनियमाम शुक्रकरा লায় ও নেলি করিয়া পড়িয়া M (Se) ८१म , अप्टरिस शास्त्र आवात्र महत्त हमड क्षिणाकी द्वारतन देशक रहेश। रम्भिन कारियाम, एनों तान भारत खान न्त्रमें कि में निवा काश्व ही अग्रदः विके प्रकारित स्वाप्त के विकास मान क्रिक नी । क्रिक होने क्षाक्रवादिक क्षाक्रा विल्लान,—'दम बाल गुव धनीक दमाब ना नाम ना व्यक्तिक क्रिक्स देश वर्ष मूच प्रवासे क्रियक क्रियक श्री नक Last all क्षि क्षेत्र कर राज्य गाउँ

নিবাহের প্রস্তাৰ করিয়া পাঠাইলেন টেনি मामात्र तांडी व्यानिग्राहित्साः आत के मामाहे তাঁহার সংসারে একহাত আসনার বলিতে-ছিলেন। ৰাশটি একটু অভুত প্ৰফুডিন লোক। অণানের প্রতি ভাঁহার কি কওন্য সেইটুকু করিরাই তথু কাস্ত হইতেন। অপরের উপর 🖟 তাঁহার 🎏 নাবি ভাহার श्तिवं कारना निन होशि इन मा। याती छाहादक फार्किम। व कथा वनिटिंग्डे जिन नेनिस्नन বিজয়কে জিজ্ঞাদা ক'লে, কালই এক্থ कांशमारक यत्न यांच।"

গর দিন আদিয়া ভিনি বলিয়া य विषया डेगार ক্ৰিছা কি ৰকৰ কোঁক ইইয়াহিত এই প্ৰহাৰ मिन्द्र के किया पर विश्वत्यात है व कि विश्व मन पूर्वि त्यार का दश्यन करिया প্রেক্তি তাদিকে। বাশাত অনুভব বল নাই। মহিলে আলিছার কি কারণ क्टान भारतः स्रोमात स्मात श्रेत सम्बद्धाः मात्र अनि गरीकि नहि।'

टिंग्स बामा এको केउठकः कविता বাবার চোগ मुख रहाद लाज

Bon i gerieten Ger verrie क्षित्रको । इ.चेराव दिवि । विश्व भवीकात "कविष्ठ "महिन्न, महिन्न है। अकर छ। हात है। genannt' nicht fiene billent im birte Eine gefes jenne bereicht

মাছিল। তিনি তাহা গ্রাফ না কবিয়াই বিজয় বা हिन्सा शिक्षाफिएन ।

্ছুয়ারের পাশে দড়িছেল সব্ ভানিয় নাই দ না, বাবা বে ভার্যক একটা আমি ভঞ্জন পাগে তিনটা ক্রয়া িকু**লিতে ছিলান। এ**ত বাগ **১ইতে ছিল বাবার** উপর 🛚 আদার রূপের ত্তব, আর অন্মার বাবাৰ অন্তল জীখাৰ্য্যে কথা খনিল, শুনিয়া জামপ্তে এমনই ধ্ৰেণা ইইয়া গ্ৰহ ছক ব্ৰ এই ছাঙা, পুথিবাতে আর মেজত কৰা পাকে। পাঠে ভাষা চট কাবল মনে হেং ন। আলাকে দর্মশ্ব পণ কবিয়া পাল কবিবাৰ মহ থানাশ্বিত ইইবারও ১০ লেকেল ম্ভাক্তইড না। তথাপি বাবা কেন দৈ অহলাকী त्वाक्छात निकन शाला दहेर एगराम र सादा है। बारत केल निका सान्य भागाय ভূমি, এশ - জ্ঞাকলা ক্লান্রা কিয়াহিল্ন ভালতে আগি সমাই হত্যাছিল্ড। ভারিষ্ঠা ভিতাম কিন্তি কল বিয়া কলাজনা শ্ৰহ গ্ৰহণ উচ্চত - 'নিমেয়কে সলো। কিল এ মামাটির প্রাণ এতই অভতায়ে খারাণ জিনিমপ্তবি তিনি নিলেই হাসিম্বর শবিপাল কবির। সম, মণ্যার হান্ত । তাদ একটা ক্ৰণাও ৰাণিয়া দেন না । এই বিজ্থবাৰ বাবার কথার কিছুই আনিতে পাবিলেন না , निष्द्रत व्यवसारवरे याच त्रांकाना शतकितः বিজ্যাবাদ্ধ ক্ষামানের শুখান হলতে চালন कार्यम् ५ %

্লিতা সভাই হৈ সময় আনার মনটা रमाक्का असि माइ किन करके अर्थित शाकिए हैं काशांक किस की का कथा क्यादियो जिल का छ अ करें माडि मार्केटान ।

হতে মাই ডাঙার কথাও আমি ভাবি कतितः शारतम् धक्यांन मान डेमप्ट क्या নাই। মার কে একজন টেট্র স্থারশিপ महेश्रा दिवा । गर्र : एक् ता देश्याकी मानिका দে খুব ভাল **স্থানে ইয়াতে কোনো প্রন্**রীর য়ে কিছু ব্যোভ ফববাৰ ক্ষা শাৰ্ भागद कार नी। किन्न भागदर প্রভাগান করিটে পারে এ কগাটা काम मिन गाम कज़िएड भाज माहै। , स প্রত্যাপ্যান্টা ব্যাহার প্রস্থা আক্রো কালো त्यादन स्ट्रां**ध राष्ट्र ध**करी ५६६ मा ানাৰ আনন্দৰিপ ও পিতার অগান ঐপ্রা প্রয়াও ১২০ করিছে হউল। সে ধ্রশানের ত পোডাল। বড়ই লাগিয়াভিল। ক্ষত এই र देशा औराम अन्छ। भाषा शाकिषा एके छ। ্থ্যাল সাথ্য भागान कामगणना हरमत् हिन्द क्टेटा क्रांप खान अनुस्य মনের মত সান' লভ করিয়া মামি গ্রহা কপা ভূলিয়া গেলাম।

ভারপর দশ বংসর পরে এই দেখা: াব্ৰুৱবাৰু দে আমাকে চিনিতে পারেন सार डाइ, टांड्याफ्ट, सरिएट अल्लासन जाराहर्षे वृत्त यावाद शनिकहें। नराहर হতখা। প্রতিত।

বাড়ীতে নবাজ্ঞাবের সংঘ্যাও সাধানণ হিন্দু গৃহস্থের ভাষটাই বেশী কৰিয়া **চেতি**। ুকোটো আইকোনে যেন, ফাটিয়া পাইতেছিল। বিধেছাগটা কিছু কিছু বিদেশীভাৱে পদ্দিত চ্চলেও মাজীন ভিত্রটাল একেনালে কেনী-ভাষ*া, শ্বু*তন ব্যারিষ্টারের গ**ফে** এটা বেন र के निकारोष्ट्रि तमिश्र दिशम करेग। विकय

শাসিশ।

ত নি কি দেব নি বিজ্ঞান পাঞ্জাবী

শাস্ত্র উঠিয়াছেন। গাড়ীতে দেখিলাম খালি
পালে থাকেন। হাফ, গন্ধাননীন বলিলেও
চলে। স্বামীন বিশেন অন্তব্যে থাকিলে অল প্রস্তুত্র কল্পান নাম ক্রিল্ন বাহ্যিতা দুরের কল্পান নাম ক্রিল্ন বিধ্রিমাশ্য ও লামতি আর ত্যাহাল মান্ত্র

লাটি হিন্দুদেশ মত কালোঁ বৌ আমানের প্রশাস কবিল । তাপেশ স্থততে চা প্রশ্নত কবিয়া আমানেশ ছজনকে ও বিজয় বাবুকে দিল। আমান স্থানী। যেন এটুক ভাল পালিল। ভানিয়া ব্যিনেন - "ছংপ্রি খ্যুনে না, ছলন ভান আপ্রভান শ্যান কঠ ব'বে ইংবি কবে। প্রেনে আম্যান্স গ্রহন কবচে।"

কালো বেট । গণৰ স্থানিক টোন একতাৰ ডাকিডেট বিনি বিলা টাইলেন টানি গচ। থান না।

ক্ষামরা গল কাষ্ট্রত ক্ষাইতে চা গানা।
ক্ষাইতেছিলাম। তেশ পক্ষা ক্ষাইন্তা দেশিলাম
কালে বি লাহার স্থানীর কথাবার্তা শুনিতে
শুনিতে এক ঐক্যাব চন্দ্রত হয়। গাইকেড।
প্রা সভাই চক্ষ্য স্থানীতে মাহাতে জ্বাত কালে।
লাপ্যকেও এক একবার ক্ষান্ত জ্বাত কালে।
লাপ্যকেও এক একবার ক্ষান্ত বিলয়। নার্
ক্রান্তে মাহার স্থানীর চক্তে সেইক
ক্রান্ত্রিক

কালো থো নিজে ২ইচে বথাও বছ একটা কলে নাই, কিছু শিক্সাস ক্ষিত্ৰ

খুব শিষ্টভাবে উত্তর দিয়াচে। এই পুর্যাজ।
এমন সময় শ্লীকটি বছর প্রাচেকের ভোগ
ভাসিরা কাল বৌকেশ্ডড়াইয়া গার্যা বলিলপ্রা আভ প্রভাবে না গ্

কালো বৌ ছেলেকে পূকে ভূলিয়া মূপে চুপন দিয়া বলিল— 'ক্ষাক্ত দান নিছে লোনা ক্ষাক্ত। তানপন কালো নৌ চুপি ইপি কি বনিয়া দিনী, চেলেটি কোল লোনা কালিয়া প্ৰান্ত নিয়া প্ৰান্ত ক্ষাক্তা কাত দিলা প্ৰান্ত ক্ষাক্তা কালিয়া প্ৰান্ত ক্ষাক্তা কাত দিলা প্ৰান্ত ক্ষাক্তা চিনিলে শ্ৰেণ্ড ক্ষাক্তা কালিয়া প্ৰান্ত ক্ষাক্তা কালিয়া কালিয়া প্ৰান্ত কালিয়া কালিয়া

আমে ভিজ্ঞান কৰিল্য — জিব প্ৰথ মাষ্ট্ৰার বাংগ্ৰ নিগুলি বিজ্ঞার বাৰ্ বিপ্রেলন নিশ্ব স্থানাৰ পি নিগ্ৰেল প্ৰত্যা নিজে এমে চা দেবন্ধা, লাজ্য ব হল্য বাহালয়া নিজে তেনে প্ৰজ্ঞান ব হল্য কান্ত্ৰ বড়ই বাড়বেল্ড বিজ্ঞান লেভ হল্য চাংগ্ৰ ইপ্ৰ অন্ত আন্থি সঙ্গৰ পাশ্বত সব মুম্ব প্ৰত্যান কাজে প্ৰভান বা ইণ্ডাব মধ্যের গোনে চাইবা, প্ৰাক্তা নিবাহ ভাগ আন্ধ্যা আকে। সেটা আন সাহিব করিবাৰ কা প্রক্রাব বালে।

ে ৪০ বন্ধতে ব্যবস্থা হাতি লাগিও। জ্ঞানি ব্যালাক্ষ্যিকে জিল্মে শ্রুস জ্ঞাপনার ব্যাট্যে ভিনর দৈধিয়া জ্ঞাসি।"

ভিত্রে আদির। নিপুতি ছকানী নেথিয়া ।

িছিত কইবাম। জ্বালী পাছ ত পুজা করিবার বর্ব প্রান্ত আছে দেখিবাম। আমি
আতে ভানরাছিলার ভিজ্বর চেন্দ ঘটো বিজয়
বাব ভাতা পারে যান না। বালিব জুকা রাখিয়া
বালি পারে নাতি গরে প্রবেশ কাত্তি হয়।

আমি একটু হালিয়া বলিগ্ৰ- ৰাজ প্ৰায়ায় বেৰি হয় নেই ছহুনে হণ্ডৰ ু বাবে জুড়া খুলিতে হইলে জানি কিন্তু আর গোল বিশ্বন হল কৈ ।" "मामितना।" कारनारवी हामिप्रेक किताहैसा कर किसे एकरन रव **ठ'**कानगास सरमाहित আমার কথা বঙ্গ।"

体州中

कारमारेवी केंद्रक भिन्न -- 'हीत अन বিষয়েই খুৰ হাদেশিনে ভাবে থাকা অভ্যাস च्यांत तरहार भारत भारत गाहित मुख्य भारत मण्यक्ती ब्रांची भनीत्वय भटक आब अब নয়। ভার উপন মত রাজোব ধুলে, জুলো महभ आगात कि नदकात !

পার একট হাদিয়া প্রাব বলিল ববিৰাবুর জাপানের পজে ভিলমা ৮-জা া मीक्ष दब्ध कारन , दा छा अंसे बारदान "जिन्म कान शहिती परनत और कृतक नाहेर्द বেংকেল্পানি পারে ঘবে চোকে "

এটা সভা কথা যে ধামিগেও বৌটালে भक्त ८६ श्रीत ना ।

স্থামার মুখের পানে সাহিত্যপূর্ণে হার श्रीमान क लोक्सिंट्रिक दोने (दायान । व १

बिकामा कतिलाम, —ेखानस्पति न्। ।।व জান্ধণা কোপান ? পানর বেবিল উ. ৮ ৮ मात्र मा १" देशीहैं । उस्ति एक हिर केंब्रिक के स्वेतिस्य अने मार्क्स हुन आन

.. बार्स अंध्यु है,

डोन इंग्ले जात रेका।

(N) 1"

্ দিয়া বলিল,—"আপনি জতা পায়েট তাসি ছ'জায়গায় মাহুল হসেছে, ছিৰক্ষ শিক্ষা ্বেন।" আমি বখন জুল পায়েই দিই না, পেরেছে। দৈবগতিকে বিলাগ ছ'ল ব'লেই ু বে স্ব ভ্লেগিয়ে ছভনে এক ৬বে ভার মানে জিজ্ঞাসাং করিলাম- 'জাপনার বানীর কি ৪ প্রভালের বা হ'লে কোনো শক্তি (नद्वे तत्त्व १"

> ্রমন ওজন সময় লাস বর্ণ যেয়ে মানুদের মিজের ক্লাবন। ভেড়ে দিয়ে দালবাসাব জনেব কি প্ৰকাৰ, কি হ্বান ভিনি এই **সৰ্**ই মনে মিশস - ধামার বেধি হয় নিজৈর **অজ্ঞা**ত-সাবে দাবন বদলে মায়।"

त्रिक अकृत्वत्रके अन्य आभिन मा। विकि বেশ কথা কয় ন। বাট বিষ্ ক্ষিত্ৰে পাৰে দেখিলাৰ।

াশাবাৰ ঘটে বি**চানার**ী 'বিভলভিং ,শসক' বোঝাই বিহুণী कतियान '(र्गावात गरत अगव ति में है कारण নৌ বলিখ 'বাতে খন কৰে পড়াশুনা ক্লা স্পাস।

े गामितिया का गार्कन है"

্নালাবে) ইম্ব ্র্ডির চল্ডের ট্রুর 有刑--公司中華門

्विका - 'श्रेट १३ व्यक्त रेन प्राथकित ানন সমন বাচক নুচিৰ হয়াত "মাইজিং" चिलिशा कारिकार वर्षान्य नाता है। हो हाईशाहास्त्र ह ন্যালের একটি দিকে চাহিন্না ব্যবি**ন,** -প্রামার বার ছেটে দিন্। পান জা প্রকট্ট ছেছ ভূমি এখন নাও। বাছার গ ্একটু বা-সভাগে আপদর ২০য়৷ গাত্র কা ববি-, -"বতে। খার বাব পালাদ। হচ্চে পাক্তে "তুমি মেন মহান বেলে দেন না লাখা থানিক গবে আমি ধার্যখন।"

বাৰে বিজ্ঞান। করিলান "রায়তি ক'তে হর বাকি !" কালো কৌ বলিল—"একটা তর-কারিকালি, নৈলে ওর ডাল থাওয়া হর না।"

্ৰিলেন বুঝি রান্তে ? থেতে পারি না ব'লে বনাই হ'ল একরকম।",

শনা তা কিছু বলেন না। এটা তাল । ইয়নি, বা এটা আমি থেতে গাবি না—এ স্ব কথা ক্ষেধনো ওর মূথে ওনি নাই। তোগবিলাস ওয় কিছুই নাই।"

"এ বুঝি মন দিয়ে মন বুঝ করেন । আমিছা আপনি ত' এত করেন। এর পরি-বুর্তে উনি কি করেন ।

ূঁ "ওঁর ভালবাদা প্রশান্ত সাগরের মাছ। আইছে ক্তিই কিন্তু ভিতরে অসীন। এ আমাকে না ক'ন্তে দিলে আমি ছংখ আন সেইজন্ম বারণ ক'ন্তে পারেন না। ক্রেনার রকমে আমি ওঁর গোগা নই—ক্রানার চেহারা দেখেই তা ব্বতে পার্চ্জন। তা ওঁর এত ভালবাসা।

কালো বৌরের চক্ষে অঞা কৃট্রির উঠি। আমি অস্তুদিকে মুখ ফিরাইরা ইাসিলাম।

উঠিবার সময় কালো বৌ আমাদে। তজনকে ভূমিষ্ট হুইয়া প্রশাম করিল।

মোটরে কিরিবার পথে স্বামী আমাতে জিজাসা করিলেন—"কেমন দেখিলে ?" আদি নাক দিট্কাইয়া ৰলিলাম—"ব্যুদ্ধ সেকেলে।

তিনি একটু গম্ভীর হইয়া 'শুধু বলিলেন-'গ্ৰু';" (জন্মশঃ)

বৈচিত্ৰ্য শ্ৰীসাম্মচল চক্ৰবৰ্ত্তী

(25

১। "শ্বরোপ মান্তবের সব ভিনিষকেই বিজ্ঞানের ভ্রফ থেকে যাচাই করচে কিন্তু মানুষ পদার্থটা যে কেবলমাত্র দেহতন্ত্র, কিনা-ভীবতন্ত্র, কিন্তা মনন্তত্র, কিনা বন্ধ জোর সমাজতন্ত্র, নয়, দোষ্টাই তোমাদের সেক্রা ভূলোঁন। দি (রবীক্রনার)

্মানে পৃথিবীতে যে নধ ছাল বিরোধ হও সে বেন একটা ঘরে অনেকগুলি ছরও চেলে জুট্লে বেমন ঝগুড়াঝগড়ি করে তেমনি। তারা পদ্ধবৈর সেইটুকুই ভনিষ্ট করতে পারত রোটুকু ভর্ন নিজের শক্তির ঘারা করা। সম্ভব। বর্তমান খ্যা কি করেছে १ না

পরবর্গ হয়ে এক বথার্থ নদ্ধকাননার পরি
পূর্ব হয়ে এলের কাছে এসে বলেছে—"ওগে
ছোট ছেলের দল, বর্জনানের এই সভ্যতার
মুগে জান্ম লেষে কিনা তোমরা সেকের
বস্তব্দর প্রথা সম্পারে ইল্ছ করছ ?—
এও কি ভোগাদেই মানার ?—ভোমরা মান্ত্র
মত, কুরিমানের মান্ত্র, সভ্যা, সংখ্য
স্থান মত, ক্রিমানের মত আন্দর্শনির
স্থান মত আন্দর্শনির মত আন্দর্শনির মুক্তর
স্কর্ত্রিম হিতাকাজীর মত আন্দর্শনির মুক্তর

শিশ্ব কৈ তেওঁ চক্তকে বিষয়াখানো ছোৱাছুবি, আঙ্গ নাগানো বোমা, বিষয়ালপুৰ্ণ যৰ নাতি অভ্তি যুদ্ধনিবাৰণ ও শান্তিৰক্ষণেৰ বৈতিত্ত ক্ষত্যাধুনিক শাভসৰজান বেশ গথেষ্ট প্ৰিচাণ নিৰে গেছে।

ত্রহবার সগড়ার বহরও হয়েছে বড় এবং হার নৈশাঞ্জ জনেছে খুন, এখন শ্লেসক ল মীনাংসার একেবারে পূর্ণ সমাধানের সমস্ত কৃতি এল বলে: (ওয়েন্স)

ত। সন্থানাৰ সম্প্ৰেপ্ত সংস্থা আৰু নিশাস ও সাতে স্থাতিত মুক্তিয়ে চলেছে। (মেটারণিক্ষ)

৪। কেন্দ্রী অফটা কাজ ধ্ব ক্রন্তাবে কেন্দ্রের কেন্তে চেষ্ট্রা কবলে সেটা শীল্লই অভি প্রাচন এবং জীর্ণ এব প্রাচন এই কার্ণ্ডেই আধ্নিক কলকার-প্রানার সভারা, এত "উন্নতি" হওয় সভ্রেও তাব সক্ষে নারুষের লাদিম বর্ষরতাব এমন একটা সোদায়ত চোণে প্রক্রে। (চেষ্টার্রটন)

া আধুনিক মৃগকে শিক্ষা এব গণ্টনার মধ্যে ঘোড দোড় বল্লেই চলে, দেখা ধারু কে জেতে। (ক্ষেল্স)

প! কিন্তু জাইভারটাব নাথার বাজি বিশেই বে প্রিক্তিনটা তথনি আমার ববে চলুবে এ কণা নানে কবা ভূগ। বস্তুতঃ জাইভারের মৃত্তি ধরে ওথানে একটা বিভাগ একিন চালাটেচ। অভ্যুত্ত অধ্যান বাজার আন্তর্গে একিন চল্লেন্না, বিভাগিও দ্বান করা চাই, ভাতালই স্তোর বর গাব।

প.! বিজ্ঞানের ক্লানে তলে হলে
আকাশে আজ এত পর্য খুলেছে, এত ক্লা কুটেছে, যে কুগোলের বেড়া আজ আর বেড়া নেই, আজ কেবল নানা হা ক ন্য, নানাজাতি কাছাকাছি এসে ভুট্ল, অন্নি মানুকের সতোর সমস্যা বড় চয়ে দেশা দিল। বৈজ্ঞা- নিকশক্তি বাদের একত্র করেচে ভালের এক করবে কে ? (ব্রবিজ্ঞান)

प्र। ति मत्रगठा क्या । উপশব্ধির দিকে অগও ক্রমে একির চলেচে সেটা আাদের সমস্ত অক্লান্ত কর্মপ্রবণতা, ममञ्जू कि डोनी ल हा , जेवर , खाँच । छ । बुद्धि वृद्धि वृद्धि উৰোধনে: জন্ম আনাদের সমস্ত সাধনার वर्तने नात्का संबी मन। विश्वसम्बद्ध मास াব অন্তর্নিহিত্<u>রাব্</u>টকে জিনিদের এ বিষয়ে মিল আতে; বর্মার কারে দেখু **ल्हे** छान्द्र अस्था होह. **ंडमां वात कालाव** शंतरे ভাকে প্রথম দেখি। পূপিহীর जाना জিনিষকে বত গভীৱভাবে এবং সং**লগ্নভাবে** মান্দ্রালয় করা হায় ৩৩ই **তাদে**র **ভিতর**-বার মণ একা হতের সন্ধান মেলে তত্ত তাদের জটিলতা দূব হয়। **স্ভো**র প্রকাশ চির্দিনই আশ্চর্যাজনক এবং উত্তেজক ৷ এইজন্মে একেশ্বরবাদীতার চেকে চিব্রবিশ্বর-क के किनिय आत विशेष मिहे :-- यम नाना অদংলয় সামঞ্জভীন রেখা ্সমষ্টির দিকে ত্যাকাতে ত্যাকাত ওাহ্রা হোতের সামনে <u>ष्ट्रिक वार्त वार्य आसि ज्ञान क्रमहा</u> D मुश्रानगरन अतिक्र हरते छे न ! 🚁

(চেন্তাৰ্টৰ)
প্ৰাচীন কালে একদৰ মনীয়ার কাছে একরার
কার গিলে চিরকালের মত চুকে বুকে যার তা
নয়, প্রত্যেক কালের লোকের কাছেই বাধার
ভিত্র দিরে আবাতের ভিত্র দিরে স্তাকে
নুহন করে আবিছ্ক ছুকে হবে গ বেরীজনাথ

ু নাছবের আনপ্ত বেমন সতা সেই আনপের ব্যাবাভও ভেরুদ্দি সভা—বাহার। সই বার্তিক ভিত্ত দিয়াই ছোও বেলিন। আনশক্ত বেশির ই সা পারে, চেশি ক্তিরা স্বপ্ন পেবা ইড়ো ভাহাদের আঁর গতি নাই। (রবীয়েনাও) हो। तक लाग जनम उत्हें काका टकाया नाहें। जंदकारत माम्स्ट्रान, भार— क्रमण माम्स्ट्रान कार्य है। इस १८० सही विकास माम्स्ट्रान कार्य है। जेस ह्यांक्स

र्ध्वी तेन् मध्ये हा हा ता राष्ट्र पृष्ट तह हा किन्द्र हा ने भवा कथा क्ला तक इस इसके ताफ ता प्रतिष्ठ हम विष्टा महारा हल देवीर हा राहितेश्∰्द्रे

्रा अन्यास स्मिन्स्य स्थाप स्थापीय स्थाप स्थाप

अ। এव এবংশ মাক্স १४८वर्ग श्रीस्थित सारमञ्जूषा । १९७ द्वा इंग्लिस श्रीस्था । १०० ६ समात श्रीसीक श्रीमाया ५०० व्हिन । १९० श्रीक क्षेत्र । श्रीसम्म ५०० म व्हेर्ग १९० ।

া গ্ৰাহে বছরে নাল এই প্রয়োচ ক্রা স্ক্রোভয়ন্ত্র বলে এগ্রেন্ড (চের্রেন্ড)

র । শুরুরেন। ার জনে নদের

তত্ত বেদী দৈয়ে ননের মধ্যে সঞ্জিত হয়ে পাকে।

তত্ত ভাগ বর্ণ এবং আদ এবং নেশ। বান মধুর

হয়ে আছে। (বিশীরানাথ)

प्रशिविष्ट कामसे नातन क्रांन मनाई को श्रेषि प्रति क्रांक -- क्रिंग भारत करनक्षांनि को के क्रिंग भिक्ष भरत रवनन देवक करने जीतन निर्क स्वा

न । नेवन चल्या तुआ कर्ण व्यक्त द

প্ৰথম কিল্ডা কথাটি বলে যে লে মিখ্যা কথী। বলে ৷ (চেষ্টাৰ্টম্)

৮ ৮ । असंख्यां इंटाफ नुकारनाक, आंत्र शृभियी। १८०८ १ फेरानाक । (वर्षीखनाथ)

া প্রের্থানে বৈশ্বনা অস্তায় জাছে ১৯০০ নালহরে শাস্তি পাকাটটে স্কলেব চেয়ে অম্ব বিশিক্ষাম্প্রি পিত্রি

্শা (লেনের **ন্তর্কের্মারে** হে প্রেল ল লাল্যালি, ভাষা ভাষাক্রাপ্ত একটা জাত্ ল লা ।
শাস্ত্র লাজ্য সলম্ভর প্রক্রিক <mark>প্রক্রিয়া ক্রিয়া জাতে</mark> । লাজ্য

্ । মস্ত্র পর অল পোরেই পদর্শ ইইলা পারতার দৈই জন্ম প্রাথিত সংগ্রাম ইন স্থাতা টোপের বিশার্থ করি ক্রাম ক্রাম্থ করিছে। হত্ত করা ইস্কুল নামারত প্রদেশীয়ার বিশান্তি নিক ইউমার নিশিক্ষাণ স

्म-रा १४४८ विश्वसिक्त के पिते जिल्लामार्थिक स्थापन द्वारामा किमिरमार्थे भगा का.म २०६० अस्टर्भ कुन्न हैंग्सू

্র। বাই না করিয়া আন্তর্গ স্ময় সংগ করে, হাহাবা কিছিছ নষ্ঠ করে, সংগ্রহ নই করে। বল্লান্তি

. ১ বাগাই থাকে বলে নাথে গাব ৰান্ত্ৰিক গাইলায়টো । নেথি পাগালী তে সব হান্তিক্ৰেছে কেৰণ থাক বৃদ্ধিকে ভাভা। বিষ্ঠাৰটন ।

১৫ । নৃত্যু জীলনে বারবাব চাকতের
১০ দলা দিরে তার। সংসাবে আমরা বাকে
বিক্তেদ বেদনা বলে জীনি সে ও এই বছরাপীরই
কঠা, কবিক প্রকাশ। (ক্টিকভ্তু)
।

১। "স্থ জিনিষ্টা ক তাঁমান্তলির মত, গুমন্ত অন্ধকার সৈপে রাখে মা, মারু মাঝে ফাঁক থেকে যায়। ক্লীবান কত তুল করি, কুল বুঝি, তবু তার ফাটক কাওক কি বিষেত্র কালো কলেনি দু" (বুৰীজনাথ)

ক্ষিক্তি। বেশ্ব প্রিক্টা হাউদ, ২০ নং কামাপ্রত্য কেনে, ইলিগ্রীবচক্র লাহিড়ী বারা মুধ্রিত। কাশীধান। "কংকা" কংগালয় চইতে চাফানী বন্দোগোধান কর্ত্তক প্রকাশিত